

नामावलिमञ्जरी

## COLOPHON

This document was typeset using Xe<sub>La</sub>TeX, and uses the Sanskrit 2003 font extensively.

नामावलिमञ्जरी is also available online (in PDF format) at:  
<http://stotrasamhita.github.io>

FOR PERSONAL USE ONLY  
NOT FOR COMMERCIAL PRINTING/DISTRIBUTION

## अनुक्रमणिका

|                                   |     |
|-----------------------------------|-----|
| १ सहस्रनामावल्यः                  | 1   |
| गणेश गकार सहस्रनामावलिः           | 3   |
| वक्रतुण्ड महागणपति सहस्रनामावलिः  | 22  |
| रामसहस्रनामावलिः                  | 42  |
| विष्णुसहस्रनामावलिः               | 62  |
| शिवसहस्रनामावलिः                  | 81  |
| सरस्वतीसहस्रनामावलिः              | 101 |
| २ त्रिशतीनामावल्यः                | 123 |
| ललितात्रिशतीनामावलिः . . . . .    | 125 |
| ३ शतनामावल्यः                     | 133 |
| अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामावलिः   | 135 |
| आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामावलिः | 139 |
| अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामावलिः      | 141 |
| कार्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलिः      | 144 |

|  |     |
|--|-----|
| कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलि:                     | 146 |
| कुबेराष्टोत्तरशतनामावलि:                     | 148 |
| गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलि:                      | 151 |
| गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलि:                     | 153 |
| गकारादि गणपति अष्टोत्तरशतनामावलि:            | 155 |
| गोदाष्टोत्तरशतनामावलि:                       | 158 |
| चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तरशतनामावलि: | 160 |
| जगदानन्दकारक शतनामावलि:                      | 163 |
| तुलस्यष्टोत्तरशतनामावलि:                     | 165 |
| देवसेना अष्टोत्तरशतनामावलि:                  | 168 |
| धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामावलि:                 | 170 |
| श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलि:       | 173 |
| मृत्युञ्जयाष्टोत्तरशतनामावलि:                | 175 |
| रामाष्टोत्तरशतनामावलि:                       | 178 |
| रामाष्टोत्तरशतनामावलि:                       | 180 |
| लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलि:                   | 183 |
| श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलि:       | 185 |

|  |     |
|--|-----|
| वल्ली अष्टोत्तरशतनामावलि:                                  | 187 |
| विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि:                      | 189 |
| वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलि: (वराहपुराणान्तर्गता)           | 192 |
| वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलि:                                | 195 |
| शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि:                       | 197 |
| शिवाष्टोत्तरशतनामावलि:                                     | 199 |
| शिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि:                         | 202 |
| सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावलि:                                 | 204 |
| सीताष्टोत्तरशतनामावलि:                                     | 206 |
| सीताष्टोत्तरशतनामावलि:                                     | 209 |
| सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामावलि:                             | 211 |
| सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुध अष्टोत्तरशतनामावलि: | 213 |
| सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि:                                   | 216 |
| सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: (महाभारतान्तर्गता)                | 218 |
| हनुमदष्टोत्तरशतनामावलि:                                    | 220 |
| हनुमदष्टोत्तरशतनामावलि:                                    | 223 |

हरिहराष्टोत्तरशतनामावलि:

225

विभाग: १

सहस्रनामावल्यः





## ॥ गणेश गकार सहस्रनामावलि: ॥

गणेश्वराय नमः

गणाध्यक्षाय नमः

गणाराध्याय नमः

गणप्रियाय नमः

गणनाथाय नमः

गणस्वामिने नमः

गणेशाय नमः

गणनायकाय नमः

गणमूर्तये नमः

गणपतये नमः

१०

गणत्रात्रे नमः

गणञ्जयाय नमः

गणपाय नमः

गणक्रीडाय नमः

गणदेवाय नमः

गणाधिपाय नमः

गणज्येष्ठाय नमः

गणश्रेष्ठाय नमः

गणप्रेष्ठाय नमः

गणाधिराजाय नमः

२०

गणराजे नमः

गणगोप्त्रे नमः

गणाङ्गाय नमः

गणदैवताय नमः

गणबन्धवे नमः

गणसुहृदे नमः

गणाधीशाय नमः

गणप्रथाय नमः

गणप्रियसखाय नमः

गणप्रियसुहृदे नमः

३०

गणप्रियरताय नमः

गणप्रीतिविवर्धनाय नमः

गणमण्डलमध्यस्थाय नमः

गणकेलिपरायणाय नमः

गणाग्रण्ये नमः

गणेशानाय नमः

गणगीताय नमः

गणोच्छ्रयाय नमः

गण्याय नमः

गणहिताय नमः

४०

गर्जद्गणसेनाय नमः

गणोद्धताय नमः

गणभीतिप्रमथनाय नमः

गणभीत्यपहारकाय नमः

गणनार्हाय नमः

गणप्रौढाय नमः

गणभर्त्रे नमः

गणप्रभवे नमः

|                           |    |                        |     |
|---------------------------|----|------------------------|-----|
| गणसेनाय नमः               |    | गणानुग्रहकारकाय नमः    |     |
| गणचराय नमः                | ५० | गणागणानुग्रहभुवे नमः   |     |
| गणप्राज्ञाय नमः           |    | गणागणवरप्रदाय नमः      |     |
| गणैकराजे नमः              |    | गणस्तुताय नमः          |     |
| गणाग्र्याय नमः            |    | गणप्राणाय नमः          |     |
| गणनाम्ने नमः              |    | गणसर्वस्वदायकाय नमः    | ८०  |
| गणपालनतत्पराय नमः         |    | गणवल्लभमूर्तये नमः     |     |
| गणजिते नमः                |    | गणभूतये नमः            |     |
| गणगर्भस्थाय नमः           |    | गणेष्टदाय नमः          |     |
| गणप्रवणमानसाय नमः         |    | गणसौख्यप्रदात्रे नमः   |     |
| गणगर्वपरीहर्त्रे नमः      |    | गणदुःखप्रणाशनाय नमः    |     |
| गणाय नमः                  | ६० | गणप्रथितनाम्ने नमः     |     |
| गणनमस्कृताय नमः           |    | गणाभीष्टकराय नमः       |     |
| गणार्चितान्त्रियुगलाय नमः |    | गणमान्याय नमः          |     |
| गणरक्षणकृते नमः           |    | गणख्याताय नमः          |     |
| गणध्याताय नमः             |    | गणवीताय नमः            | ९०  |
| गणगुरवे नमः               |    | गणोत्कटाय नमः          |     |
| गणप्रणयतत्पराय नमः        |    | गणपालाय नमः            |     |
| गणागणपरित्रात्रे नमः      |    | गणवराय नमः             |     |
| गणादिहरणोद्धुराय नमः      |    | गणगौरवदायकाय नमः       |     |
| गणसेतवे नमः               |    | गणगर्जितसन्तुष्टाय नमः |     |
| गणनुताय नमः               | ७० | गणस्वच्छन्दगाय नमः     |     |
| गणकेतवे नमः               |    | गणराजाय नमः            |     |
| गणाग्रगाय नमः             |    | गणश्रीदाय नमः          |     |
| गणहेतवे नमः               |    | गणाभयकराय नमः          |     |
| गणग्राहिणे नमः            |    | गणमूर्धाभिषिक्ताय नमः  | १०० |

गणसैन्यपुरस्सराय नमः  
 गुणातीताय नमः  
 गुणमयाय नमः  
 गुणत्रयविभागकृते नमः  
 गुणिने नमः  
 गुणाकृतिधराय नमः  
 गुणशालिने नमः  
 गुणप्रियाय नमः  
 गुणपूर्णाय नमः  
 गुणाम्मोध्ये नमः ११०  
 गुण भाजे नमः  
 गुणदूरगाय नमः  
 गुणागुणवपुषे नमः  
 गौणशरीराय नमः  
 गुणमण्डिताय नमः  
 गुणस्त्रष्ट्रे नमः  
 गुणेशानाय नमः  
 गुणेशाय नमः  
 गुणेश्वराय नमः  
 गुणसृष्टजगत्सङ्घाय नमः १२०  
 गुणसङ्घाय नमः  
 गुणैकराजे नमः  
 गुणप्रवृष्टाय नमः  
 गुणभुवे नमः  
 गुणीकृतचराचराय नमः  
 गुणप्रवणसन्तुष्टाय नमः

गुणहीनपराङ्मुखाय नमः  
 गुणैकभुवे नमः  
 गुणश्रेष्ठाय नमः  
 गुणज्येष्ठाय नमः १३०  
 गुणप्रभवे नमः  
 गुणज्ञाय नमः  
 गुणसम्पूज्याय नमः  
 गुणैकसदनाय नमः  
 गुणप्रणयवते नमः  
 गौणप्रकृतये नमः  
 गुणभाजनाय नमः  
 गुणिप्रणतपादाब्जाय नमः  
 गुणिगीताय नमः  
 गुणोज्ज्वलाय नमः १४०  
 गुणवते नमः  
 गुणसम्पन्नाय नमः  
 गुणानन्दितमानसाय नमः  
 गुणसञ्चारचतुराय नमः  
 गुणसञ्चयसुन्दराय नमः  
 गुणगौराय नमः  
 गुणाधाराय नमः  
 गुणसंवृतचेतनाय नमः  
 गुणकृते नमः  
 गुणभृते नमः १५०  
 गुणाग्र्याय नमः  
 गुणपारदृशे नमः

गुणप्रचारिणे नमः  
 गुणयुजे नमः  
 गुणागुणविवेककृते नमः  
 गुणाकराय नमः  
 गुणकराय नमः  
 गुणप्रवणवर्धनाय नमः  
 गुणगूढचराय नमः  
 गौणसर्वसंसारचेष्टिताय नमः १६०  
 गुणदक्षिणसौहार्दाय नमः  
 गुणलक्षणतत्त्वविदे नमः  
 गुणहारिणे नमः  
 गुणकलाय नमः  
 गुणसङ्घसखाय नमः  
 गुणसंस्कृतसंसाराय नमः  
 गुणतत्त्वविवेचकाय नमः  
 गुणगर्वधराय नमः  
 गौणसुखदुःखोदयाय नमः  
 गुणाय नमः १७०  
 गुणाधीशाय नमः  
 गुणलयाय नमः  
 गुणवीक्षणालालसाय नमः  
 गुणगौरवदात्रे नमः  
 गुणदात्रे नमः  
 गुणप्रदाय नमः  
 गुणकृते नमः  
 गुणसम्बन्धाय नमः

गुणभृते नमः  
 गुणबन्धनाय नमः १८०  
 गुणहृदाय नमः  
 गुणस्थायिने नमः  
 गुणदायिने नमः  
 गुणोत्कटाय नमः  
 गुणचक्रधराय नमः  
 गौणावताराय नमः  
 गुणबान्धवाय नमः  
 गुणबन्धवे नमः  
 गुणप्रज्ञाय नमः  
 गुणप्राज्ञाय नमः १९०  
 गुणालयाय नमः  
 गुणधात्रे नमः  
 गुणप्राणाय नमः  
 गुणगोपाय नमः  
 गुणाश्रयाय नमः  
 गुणयायिने नमः  
 गुणाधायिने नमः  
 गुणपाय नमः  
 गुणपालकाय नमः  
 गुणाहृततनवे नमः २००  
 गौणाय नमः  
 गीर्वाणाय नमः  
 गुणगौरवाय नमः  
 गुणवत्पूजितपदाय नमः

गुणवत्प्रीतिदायकाय नमः  
 गुणवत्प्रीतिर्कीर्तये नमः  
 गुणवद्भद्रसौहृदाय नमः  
 गुणवद्वरदाय नमः  
 गुणवत्प्रतिपालकाय नमः  
 गुणवत्गुणसन्तुष्टाय नमः २१०  
 गुणवद्रचितस्तवाय नमः  
 गुणवद्रक्षणपराय नमः  
 गुणवत्प्रणयप्रियाय नमः  
 गुणवच्चक्रसञ्चाराय नमः  
 गुणवत्कीर्तिवर्धनाय नमः  
 गुणवद्गुणचित्तस्थाय नमः  
 गुणवद्गुणरक्षणाय नमः  
 गुणवत्पोषणकराय नमः  
 गुणवच्छत्रुसूदनाय नमः  
 गुणवत्सिद्धिदात्रे नमः २२०  
 गुणवद्गौरवप्रदाय नमः  
 गुणवत्प्रणवस्वान्ताय नमः  
 गुणवद्गुणभूषणाय नमः  
 गुणवत्कुलविद्वेषि विनाशकरण  
 क्षमाय नमः  
 गुणिस्तुतगुणाय नमः  
 गर्जत्प्रलयाम्बुदनिःस्वनाय नमः  
 गजाय नमः  
 गजपतये नमः  
 गर्जद्गजयुद्धविशारदाय नमः

गजास्याय नमः २३०  
 गजकर्णाय नमः  
 गजराजाय नमः  
 गजाननाय नमः  
 गजरूपधराय नमः  
 गर्जद्गजयूथोद्धुरध्वनये नमः  
 गजाधीशाय नमः  
 गजाधाराय नमः  
 गजासुरजयोद्धुराय नमः  
 गजदन्ताय नमः  
 गजवराय नमः २४०  
 गजकुम्भाय नमः  
 गजध्वनये नमः  
 गजमायाय नमः  
 गजमयाय नमः  
 गजश्रिये नमः  
 गजगर्जिताय नमः  
 गजामयहराय नमः  
 गजपुष्टिप्रदायकाय नमः  
 गजोत्पत्तये नमः  
 गजत्रात्रे नमः २५०  
 गजहेतवे नमः  
 गजाधिपाय नमः  
 गजमुख्याय नमः  
 गजकुलप्रवराय नमः  
 गजदैत्यघ्ने नमः

गजकेतवे नमः  
 गजाध्यक्षाय नमः  
 गजसेतवे नमः  
 गजाकृतये नमः  
 गजवन्द्याय नमः २६०  
 गजप्राणाय नमः  
 गजसेव्याय नमः  
 गजप्रभवे नमः  
 गजमत्ताय नमः  
 गजेशानाय नमः  
 गजेशाय नमः  
 गजपुङ्गवाय नमः  
 गजदन्तधराय नमः  
 गुञ्जन्मधुपाय नमः  
 गजवेषभृते नमः २७०  
 गजच्छन्नाय नमः  
 गजाग्रस्थाय नमः  
 गजयायिने नमः  
 गजाजयाय नमः  
 गजराजे नमः  
 गजयूथस्थाय नमः  
 गजगञ्जकभञ्जकाय नमः  
 गर्जितोज्झितदैत्यासवे नमः  
 गर्जितत्रातविष्टपाय नमः  
 गानज्ञाय नमः २८०  
 गानकुशलाय नमः

गानतत्त्वविवेचकाय नमः  
 गानश्लाघिने नमः  
 गानरसाय नमः  
 गानज्ञानपरायणाय नमः  
 गानागमज्ञाय नमः  
 गानाङ्गाय नमः  
 गानप्रवणचेतनाय नमः  
 गानकृते नमः  
 गानचतुराय नमः २९०  
 गानविद्याविशारदाय नमः  
 गानध्येयाय नमः  
 गानगम्याय नमः  
 गानध्यानपरायणाय नमः  
 गानभुवे नमः  
 गानशीलाय नमः  
 गानशालिने नमः  
 गतश्रमाय नमः  
 गानविज्ञानसम्पन्नाय नमः  
 गानश्रवणलालसाय नमः ३००  
 गानयत्ताय नमः  
 गानमयाय नमः  
 गानप्रणयवते नमः  
 गानध्यात्रे नमः  
 गानबुद्धये नमः  
 गानोत्सुकमनसे नमः  
 गानोत्सुकाय नमः

गानभूमये नमः  
 गानसीम्ने नमः  
 गुनोज्ज्वलाय नमः ३१०  
 गानाङ्गज्ञानवते नमः  
 गानमानवते नमः  
 गानपेशलाय नमः  
 गानवत्प्रणयाय नमः  
 गानसमुद्राय नमः  
 गानभूषणाय नमः  
 गानसिन्धवे नमः  
 गानपराय नमः  
 गानप्राणाय नमः  
 गणाश्रयाय नमः ३२०  
 गानैकभुवे नमः  
 गानहृष्टाय नमः  
 गानचक्षुषे नमः  
 गणैकदृशे नमः  
 गानमत्ताय नमः  
 गानरुचये नमः  
 गानविदे नमः  
 गनवित्प्रियाय नमः  
 गानान्तरात्मने नमः  
 गानाढ्याय नमः ३३०  
 गानभ्राजत्सभाय नमः  
 गानमायाय नमः  
 गानधराय नमः

गानविद्याविशोधकाय नमः  
 गानाहितघ्नाय नमः  
 गानेन्द्राय नमः  
 गानलीनाय नमः  
 गतिप्रियाय नमः  
 गानाधीशाय नमः  
 गानलयाय नमः ३४०  
 गानाधाराय नमः  
 गतीश्वराय नमः  
 गानवन्मानदाय नमः  
 गानभूतये नमः  
 गानैकभूतिमते नमः  
 गानतानतताय नमः  
 गानतानदानविमोहिताय नमः  
 गुरवे नमः  
 गुरूदरश्रोणये नमः  
 गुरुतत्त्वार्थदर्शनाय नमः ३५०  
 गुरुस्तुताय नमः  
 गुरुगुणाय नमः  
 गुरुमायाय नमः  
 गुरुप्रियाय नमः  
 गुरुकीर्तये नमः  
 गुरुभुजाय नमः  
 गुरुवक्षसे नमः  
 गुरुप्रभाय नमः  
 गुरुलक्षणसम्पन्नाय नमः

गुरुद्रोहपराङ्मुखाय नमः ३६०  
 गुरुविद्याय नमः  
 गुरुप्राणाय नमः  
 गुरुबाहुबलोच्छ्रयाय नमः  
 गुरुदैत्यप्राणहराय नमः  
 गुरुदैत्यापहारकाय नमः  
 गुरुगर्वहराय नमः  
 गुरुह्यप्रवराय नमः  
 गुरुदर्पघ्ने नमः  
 गुरुगौरवदायिने नमः  
 गुरुभीत्यपहारकाय नमः ३७०  
 गुरुशुण्डाय नमः  
 गुरुस्कन्धाय नमः  
 गुरुजङ्घाय नमः  
 गुरुप्रथाय नमः  
 गुरुभालाय नमः  
 गुरुगलाय नमः  
 गुरुश्रिये नमः  
 गुरुगर्वनुदे नमः  
 गुरुरवे नमः  
 गुरुपीनांसाय नमः ३८०  
 गुरुप्रणयलालसाय नमः  
 गुरुमुख्याय नमः  
 गुरुकुलस्थायिने नमः  
 गुणगुणाय नमः  
 गुरुसंशयभेत्ते नमः

गुरुमानप्रदायकाय नमः  
 गुरुधर्मसदाराध्याय नमः  
 गुरुधर्मनिकेतनाय नमः  
 गुरुदैत्यकुलच्छेत्ते नमः  
 गुरुसैन्याय नमः ३९०  
 गुरुद्युतये नमः  
 गुरुधर्माग्रगण्याय नमः  
 गुरुधर्मधुरन्धराय नमः  
 गरिष्ठाय नमः  
 गुरुसन्तापशमनाय नमः  
 गुरुपूजिताय नमः  
 गुरुधर्मधराय नमः  
 गौरधर्माधाराय नमः  
 गदापहाय नमः  
 गुरुशास्त्रविचारज्ञाय नमः ४००  
 गुरुशास्त्रकृतोद्यमाय नमः  
 गुरुशास्त्रार्थनिलयाय नमः  
 गुरुशास्त्रालयाय नमः  
 गुरुमन्त्राय नमः  
 गुरुश्रेष्ठाय नमः  
 गुरुमन्त्रफलप्रदाय नमः  
 गुरुस्त्रीगमनोद्दाम-  
 प्रायश्चित्तनिवारकाय नमः  
 गुरुसंसारसुखदाय नमः  
 गुरुसंसारदुःखभिदे नमः  
 गुरुश्लाघापराय नमः ४१०



गौरभानुखण्डावतंसभृते नमः  
 गुरुप्रसन्नमूर्तये नमः  
 गुरुशापविमोचकाय नमः  
 गुरुकान्तये नमः  
 गुरुमयाय नमः  
 गुरुशासनपालकाय नमः  
 गुरुतन्त्राय नमः  
 गुरुप्रज्ञाय नमः  
 गुरुभाय नमः  
 गुरुदैवताय नमः ४२०  
 गुरुविक्रमसञ्चाराय नमः  
 गुरुदृशे नमः  
 गुरुविक्रमाय नमः  
 गुरुक्रमाय नमः  
 गुरुप्रेष्ठाय नमः  
 गुरुपाखण्डखण्डकाय नमः  
 गुरुगर्जितसम्पूर्णब्रह्माण्डाय नमः  
 गुरुगर्जिताय नमः  
 गुरुपुत्रप्रियसखाय नमः  
 गुरुपुत्रभयापहाय नमः ४३०  
 गुरुपुत्रपरित्रात्रे नमः  
 गुरुपुत्रवरप्रदाय नमः  
 गुरुपुत्रार्तिशमनाय नमः  
 गुरुपुत्राधिनाशनाय नमः  
 गुरुपुत्रप्राणदात्रे नमः  
 गुरुभक्तिपरायणाय नमः

गुरुविज्ञानविभवाय नमः  
 गौरभानुवरप्रदाय नमः  
 गौरभानुस्तुताय नमः  
 गौरभानुत्रासापहारकाय नमः ४४०  
 गौरभानुप्रियाय नमः  
 गौरभानवे नमः  
 गौरववर्धनाय नमः  
 गौरभानुपरित्रात्रे नमः  
 गौरभानुसखाय नमः  
 गौरभानुप्रभवे नमः  
 गौरभानुभीतिप्रणाशनाय नमः  
 गौरीतेजस्समुत्पन्नाय नमः  
 गौरीहृदयनन्दनाय नमः  
 गौरीस्तनन्धयाय नमः ४५०  
 गौरीमनोवाञ्छितसिद्धिकृते नमः  
 गौराय नमः  
 गौरगुणाय नमः  
 गौरप्रकाशाय नमः  
 गौरभैरवाय नमः  
 गौरीशनन्दनाय नमः  
 गौरीप्रियपुत्राय नमः  
 गदाधराय नमः  
 गौरीवरप्रदाय नमः  
 गौरीप्रणयाय नमः ४६०  
 गौरसच्छवये नमः  
 गौरीगणेश्वराय नमः

गौरीप्रवणाय नमः  
 गौरभावनाय नमः  
 गौरात्मने नमः  
 गौरकीर्तये नमः  
 गौरभावाय नमः  
 गरिष्ठदृशे नमः  
 गौतमाय नमः  
 गौतमीनाथाय नमः ४७०  
 गौतमीप्राणवल्लभाय नमः  
 गौतमाभीष्टवरदाय नमः  
 गौतमाभयदायकाय नमः  
 गौतमप्रणयप्रह्वाय नमः  
 गौतमाश्रमदुःखघ्ने नमः  
 गौतमीतीरसञ्चारिणे नमः  
 गौतमीतीर्थनायकाय नमः  
 गौतमापत्परिहराय नमः  
 गौतमाधिविनाशनाय नमः  
 गोपतये नमः ४८०  
 गोधनाय नमः  
 गोपाय नमः  
 गोपालप्रियदर्शनाय नमः  
 गोपालाय नमः  
 गोगणाधीशाय नमः  
 गोकश्मलनिवर्तकाय नमः  
 गोसहस्राय नमः  
 गोपवराय नमः

गोपगोपीसुखावहाय नमः  
 गोवर्धनाय नमः ४९०  
 गोपगोपाय नमः  
 गोपाय नमः  
 गोकुलवर्धनाय नमः  
 गोचराय नमः  
 गोचराध्यक्षाय नमः  
 गोचरप्रीतिवृद्धिकृते नमः  
 गोमिने नमः  
 गोकष्टसन्त्रात्रे नमः  
 गोसन्तापनिवर्तकाय नमः  
 गोष्ठाय नमः ५००  
 गोष्ठाश्रयाय नमः  
 गोष्ठपतये नमः  
 गोधनवर्धनाय नमः  
 गोष्ठप्रियाय नमः  
 गोष्ठमयाय नमः  
 गोष्ठामयनिवर्तकाय नमः  
 गोलोकाय नमः  
 गोलकाय नमः  
 गोभृते नमः  
 गोभर्त्रे नमः ५१०  
 गोसुखावहाय नमः  
 गोदुहे नमः  
 गोधुग्गणप्रेष्ठाय नमः  
 गोदोग्ध्रे नमः

गोमयप्रियाय नमः  
 गोत्राय नमः  
 गोत्रपतये नमः  
 गोत्रप्रभवे नमः  
 गोत्रभयापहाय नमः  
 गोत्रवृद्धिकराय नमः ५२०  
 गोत्रप्रियाय नमः  
 गोत्रार्तिनाशनाय नमः  
 गोत्रोद्धारपराय नमः  
 गोत्रप्रवराय नमः  
 गोत्रदेवतायै नमः  
 गोत्रविख्यातनाम्ने नमः  
 गोत्रिणे नमः  
 गोत्रप्रपालकाय नमः  
 गोत्रसेतवे नमः  
 गोत्रकेतवे नमः ५३०  
 गोत्रहेतवे नमः  
 गतक्लमाय नमः  
 गोत्रत्राणकराय नमः  
 गोत्रपतये नमः  
 गोत्रेशपूजिताय नमः  
 गोत्रभिदे नमः  
 गोत्रभित्तात्रे नमः  
 गोत्रभिद्वरदायकाय नमः  
 गोत्रभित्पूजितपदाय नमः  
 गोत्रभिच्छत्रुसूदनाय नमः ५४०

गोत्रभित्प्रीतिदाय नमः  
 गोत्रभिदे नमः  
 गोत्रपालकाय नमः  
 गोत्रभिद्वीतचरिताय नमः  
 गोत्रभिद्राज्यरक्षकाय नमः  
 गोत्रभिज्जयदायिने नमः  
 गोत्रभित्प्रणयाय नमः  
 गोत्रभिद्भयसम्भेत्ते नमः  
 गोत्रभिन्मानदायकाय नमः  
 गोत्रभिद्रोपनपराय नमः ५५०  
 गोत्रभित्सैन्यनायकाय नमः  
 गोत्राधिपप्रियाय नमः  
 गोत्रापुत्रप्रीताय नमः  
 गिरिप्रियाय नमः  
 ग्रन्थज्ञाय नमः  
 ग्रन्थकृते नमः  
 ग्रन्थग्रन्थभिदे नमः  
 ग्रन्थविघ्नघ्ने नमः  
 ग्रन्थादये नमः  
 ग्रन्थसञ्चाराय नमः ५६०  
 ग्रन्थश्रवणलोलुपाय नमः  
 ग्रन्ताधीनक्रियाय नमः  
 ग्रन्थप्रियाय नमः  
 ग्रन्थार्थतत्त्वविदे नमः  
 ग्रन्थसंशयसञ्छेदिने नमः  
 ग्रन्थवक्त्रे नमः

ग्रहाग्रण्ये नमः  
 ग्रन्थगीतगुणाय नमः  
 ग्रन्थगीताय नमः  
 ग्रन्थादिपूजिताय नमः ५७०  
 ग्रन्थारम्भस्तुताय नमः  
 ग्रन्थग्राहिणे नमः  
 ग्रन्थार्थपारदृशे नमः  
 ग्रन्थदृशे नमः  
 ग्रन्थविज्ञानाय नमः  
 ग्रन्थसन्दर्भशोधकाय नमः  
 ग्रन्थकृत्यपूजिताय नमः  
 ग्रन्थकराय नमः  
 ग्रन्थपरायणाय नमः  
 ग्रन्थपारायणपराय नमः ५८०  
 ग्रन्थसन्देहभञ्जकाय नमः  
 ग्रन्थकृद्वरदात्रे नमः  
 ग्रन्थकृद्वन्दिताय नमः  
 ग्रन्थानुरक्ताय नमः  
 ग्रन्थज्ञाय नमः  
 ग्रन्थानुग्रहदायकाय नमः  
 ग्रन्थान्तरात्मने नमः  
 ग्रन्थार्थपण्डिताय नमः  
 ग्रन्थसौहृदाय नमः  
 ग्रन्थपारङ्गमाय नमः ५९०  
 ग्रन्थगुणविदे नमः  
 ग्रन्थविग्रहाय नमः

ग्रन्थसेवते नमः  
 ग्रन्थहेतवे नमः  
 ग्रन्थकेतवे नमः  
 ग्रहाग्रगाय नमः  
 ग्रन्थपूज्याय नमः  
 ग्रन्थगेयाय नमः  
 ग्रन्थग्रन्थनलालसाय नमः  
 ग्रन्थभूमये नमः ६००  
 ग्रहश्रेष्ठाय नमः  
 ग्रहकेतवे नमः  
 ग्रहाश्रयाय नमः  
 ग्रन्थकाराय नमः  
 ग्रन्थकारमान्याय नमः  
 ग्रन्थप्रसारकाय नमः  
 ग्रन्थश्रमज्ञाय नमः  
 ग्रन्थाङ्गाय नमः  
 ग्रन्थभ्रमनिवारकाय नमः  
 ग्रन्थप्रवणसर्वाङ्गाय नमः ६१०  
 ग्रन्थप्रणयतत्पराय नमः  
 गीताय नमः  
 गीतगुणाय नमः  
 गीतकीर्तये नमः  
 गीतविशारदाय नमः  
 गीतस्फीतयशसे नमः  
 गीतप्रणयाय नमः  
 गीतचञ्चुराय नमः

गीतप्रसन्नाय नमः  
 गीतात्मने नमः ६२०  
 गीतलोलाय नमः  
 गीतस्पृहाय नमः  
 गीताश्रयाय नमः  
 गीतमयाय नमः  
 गीततत्त्वार्थकोविदाय नमः  
 गीतसंशयसञ्छेत्ते नमः  
 गीतसङ्गीतशासनाय नमः  
 गीतार्थज्ञाय नमः  
 गीततत्त्वाय नमः  
 गीतातत्त्वाय नमः ६३०  
 गताश्रयाय नमः  
 गीतासाराय नमः  
 गीताकृते नमः  
 गीताकृद्विघ्ननाशनाय नमः  
 गीताशक्ताय नमः  
 गीतलीनाय नमः  
 गीताविगतसञ्चराय नमः  
 गीतैकदृशे नमः  
 गीतभूतये नमः  
 गीतप्रीताय नमः ६४०  
 गतालसाय नमः  
 गीतवाद्यपटवे नमः  
 गीतप्रभवे नमः  
 गीतार्थतत्त्वविदे नमः

गीतागीतविवेकज्ञाय नमः  
 गीताप्रवणचेतनाय नमः  
 गतभिये नमः  
 गतविद्वेषाय नमः  
 गतसंसारबन्धनाय नमः  
 गतमायाय नमः ६५०  
 गतत्रासाय नमः  
 गतदुःखाय नमः  
 गतज्वराय नमः  
 गतासुहृदे नमः  
 गताज्ञानाय नमः  
 गतदुष्टाशयाय नमः  
 गताय नमः  
 गतार्तये नमः  
 गतसङ्कल्पाय नमः  
 गतदुष्टविचेष्टिताय नमः ६६०  
 गताहङ्कारसञ्चाराय नमः  
 गतदर्पाय नमः  
 गताहिताय नमः  
 गतविघ्नाय नमः  
 गतभयाय नमः  
 गतागतनिवारकाय नमः  
 गतव्यथाय नमः  
 गतापायाय नमः  
 गतदोषाय नमः  
 गतेः पराय नमः ६७०

गतसर्वविकाराय नमः  
 गजगञ्जितकुञ्जराय नमः  
 गतकम्पितभूपृष्ठाय नमः  
 गतरुजे नमः  
 गतकल्मषाय नमः  
 गतदैन्याय नमः  
 गतस्तैन्याय नमः  
 गतमानाय नमः  
 गतश्रमाय नमः  
 गतक्रोधाय नमः ६८०  
 गतग्लानये नमः  
 गतम्लानाय नमः  
 गतभ्रमाय नमः  
 गताभावाय नमः  
 गतभवाय नमः  
 गततत्त्वार्थसंशयाय नमः  
 गयासुरशिरश्छेत्त्रे नमः  
 गयासुरवरप्रदाय नमः  
 गयावासाय नमः  
 गयानाथाय नमः ६९०  
 गयावासिनमस्कृतय नमः  
 गयातीर्थफलाध्यक्षाय नमः  
 गयायात्राफलप्रदाय नमः  
 गयामयाय नमः  
 गयाक्षेत्राय नमः  
 गयाक्षेत्रनिवासकृते नमः

गयावासिस्तुताय नमः  
 गायन्मधुव्रतलसत्कटाय नमः  
 गायकाय नमः  
 गायकवराय नमः ७००  
 गायकेष्टफलप्रदाय नमः  
 गायकप्रणयिने नमः  
 गात्रे नमः  
 गायकाभयदायकाय नमः  
 गायकप्रवणस्वान्ताय नमः  
 गायकायप्रथमाय नमः  
 गायकोद्गीतसम्प्रीताय नमः  
 गायकोत्कटविघ्नघ्ने नमः  
 गानगेयाय नमः  
 गायकेशाय नमः ७१०  
 गायकान्तरसञ्चाराय नमः  
 गायकप्रियदाय नमः  
 गायकाधीनविग्रहाय नमः  
 गेयाय नमः  
 गेयगुणाय नमः  
 गेयचरिताय नमः  
 गेयतत्त्वविदे नमः  
 गायकत्रासघ्ने नमः  
 ग्रन्थाय नमः  
 ग्रन्थतत्त्वविवेचकाय नमः ७२०  
 गाढानुरागय नमः  
 गाढाङ्गाय नमः

गाढगङ्गाजलाय नमः  
 गाढावगाढजलधये नमः  
 गाढप्रज्ञाय नमः  
 गतामयाय नमः  
 गाढप्रत्यर्थिसैन्याय नमः  
 गाढानुग्रहतत्पराय नमः  
 गाढश्लेषरसाभिज्ञाय नमः  
 गाढनिर्वृतिसाधकाय नमः ७३०  
 गङ्गाधरेष्टवरदाय नमः  
 गङ्गाधरभयापहाय नमः  
 गङ्गाधरगुरवे नमः  
 गङ्गाधरध्यातपदाय नमः  
 गङ्गाधरस्तुताय नमः  
 गङ्गाधराराध्याय नमः  
 गतस्मयाय नमः  
 गङ्गाधरप्रियाय नमः  
 गङ्गाधराय नमः  
 गङ्गाम्बुसुन्दराय नमः ७४०  
 गङ्गाजलरसास्वाद् चतुराय नमः  
 गङ्गतीरयाय नमः  
 गङ्गाजलप्रणयवते नमः  
 गङ्गातीरविहारकृते नमः  
 गङ्गाप्रियाय नमः  
 गङ्गजलावगाहनपराय नमः  
 गन्धमादनसंवासाय नमः  
 गन्धमादनकेलिकृते नमः

गन्धानुलिप्तसर्वाङ्गाय नमः  
 गन्धलुब्धमधुव्रताय नमः ७५०  
 गन्धाय नमः  
 गन्धर्वराजाय नमः  
 गन्धर्वप्रियकृते नमः  
 गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः  
 गन्धर्वप्रीतिवर्धनाय नमः  
 गकारबीजनिलयाय नमः  
 गकाराय नमः  
 गर्विगर्वनुदे नमः  
 गन्धर्वगणसंसेव्याय नमः  
 गन्धर्ववरदायकाय नमः ७६०  
 गन्धर्वाय नमः  
 गन्धमातङ्गाय नमः  
 गन्धर्वकुलदैवताय नमः  
 गन्धर्वगर्वसंछेत्ते नमः  
 गन्धर्ववरदर्पणे नमः  
 गन्धर्वप्रवणस्वान्ताय नमः  
 गन्धर्वगणसंस्तुताय नमः  
 गन्धर्वार्चितपादाब्जाय नमः  
 गन्धर्वभयहारकाय नमः  
 गन्धर्वभयदाय नमः ७७०  
 गन्धर्वप्रतिपालकाय नमः  
 गन्धर्वगीतचरिताय नमः  
 गन्धर्वप्रणयोत्सुकाय नमः  
 गन्धर्वगानश्रवणप्रणयिने नमः

गर्वभञ्जनाय नमः  
 गन्धर्वत्राणसन्नद्धाय नमः  
 गन्धर्वसमरक्षमाय नमः  
 गन्धर्वस्त्रीभिराराध्याय नमः  
 गानाय नमः  
 गानपटवे नमः ७८०  
 गच्छाय नमः  
 गच्छपतये नमः  
 गच्छनायकाय नमः  
 गच्छगर्वघ्ने नमः  
 गच्छराजाय नमः  
 गच्छेशाय नमः  
 गच्छराजनमस्कृताय नमः  
 गच्छप्रियाय नमः  
 गच्छगुरवे नमः  
 गच्छत्राणकृतोद्यमाय नमः ७९०  
 गच्छप्रभवे नमः  
 गच्छचराय नमः  
 गच्छप्रियकृतोद्यमाय नमः  
 गच्छगीतगुणाय नमः  
 गच्छमर्यादाप्रतिपालकाय नमः  
 गच्छधात्रे नमः  
 गच्छभर्त्रे नमः  
 गच्छवन्द्याय नमः  
 गुरोर्गुरवे नमः  
 गृत्साय नमः ८००

गृत्समदाय नमः  
 गृत्समदाभीष्टवरप्रदाय नमः  
 गीर्वाणगीतचरिताय नमः  
 गीर्वाणगणसेविताय नमः  
 गीर्वाणवरदात्रे नमः  
 गीर्वाणभयनाशकृते नमः  
 गीर्वाणगुणसंवीताय नमः  
 गीर्वाणारातिसूदनाय नमः  
 गीर्वाणधाम्ने नमः  
 गीर्वाणगोप्त्रे नमः ८१०  
 गीर्वाणगर्वहृदे नमः  
 गीर्वाणार्तिहराय नमः  
 गीर्वाणवरदायकाय नमः  
 गीर्वाणशरणाय नमः  
 गीतनाम्ने नमः  
 गीर्वाणसुन्दराय नमः  
 गीर्वाणप्राणदाय नमः  
 गन्त्रे नमः  
 गीर्वाणानीकरक्षकाय नमः  
 गुहेहापूरकाय नमः ८२०  
 गन्धमत्ताय नमः  
 गीर्वाणपुष्टिदाय नमः  
 गीर्वाणप्रयुतत्रात्रे नमः  
 गीतगोत्राय नमः  
 गताहिताय नमः  
 गीर्वाणसेवितपदाय नमः



गीर्वाणप्रथिताय नमः  
 गलते नमः  
 गीर्वाणगोत्रप्रवराय नमः  
 गीर्वाणफलदायकाय नमः ८३०  
 गीर्वाणप्रियकर्त्रे नमः  
 गीर्वाणागमसारविदे नमः  
 गीर्वाणागमसम्पत्तये नमः  
 गीर्वाणव्यसनापहाय नमः  
 गीर्वाणप्रणयाय नमः  
 गीतग्रहणोत्सुकमानसाय नमः  
 गीर्वाणभ्रमसम्भेत्ते नमः  
 गीर्वाणगुरुपूजिताय नमः  
 ग्रहाय नमः  
 ग्रहपतये नमः ८४०  
 ग्राहाय नमः  
 ग्रहपीडाप्रणाशनाय नमः  
 ग्रहस्तुताय नमः  
 ग्रहाध्यक्षाय नमः  
 ग्रहेशाय नमः  
 ग्रहदैवताय नमः  
 ग्रहकृते नमः  
 ग्रहभर्त्रे नमः  
 ग्रहेशानाय नमः  
 ग्रहेश्वराय नमः ८५०  
 ग्रहाराध्याय नमः  
 ग्रहत्रात्रे नमः

ग्रहगोप्त्रे नमः  
 ग्रहोत्कटाय नमः  
 ग्रहगीतगुणाय नमः  
 ग्रन्थप्रणेत्रे नमः  
 ग्रहवन्दिताय नमः  
 गविने नमः  
 गवीश्वराय नमः  
 गर्विणे नमः ८६०  
 गर्विष्ठाय नमः  
 गर्विगर्वघ्ने नमः  
 गवाम्प्रियाय नमः  
 गवान्नाथाय नमः  
 गवीशानाय नमः  
 गवाम्पतये नमः  
 गव्यप्रियाय नमः  
 गवाम्गोप्त्रे नमः  
 गविसम्पत्तिसाधकाय नमः  
 गविरक्षणसन्नद्धाय नमः ८७०  
 गवाम्भयहराय नमः  
 गविगर्वहराय नमः  
 गोदाय नमः  
 गोप्रदाय नमः  
 गोजयप्रदाय नमः  
 गजायुतबलाय नमः  
 गण्डगुञ्जन्मत्तमधुव्रताय नमः  
 गण्डस्थललसदानमिलन्मत्तालि-

मण्डिताय नमः

गुडाय नमः

गुडप्रियाय नमः ८८०

गण्डगलद्धानाय नमः

गुडाशनाय नमः

गुडाकेशाय नमः

गुडाकेशसहायाय नमः

गुडलङ्घुभुजे नमः

गुडभुजे नमः

गुडभुग्गण्याय नमः

गुडाकेशवरप्रदाय नमः

गुडाकेशार्चितपदाय नमः

गुडाकेशसखाय नमः ८९०

गदाधरार्चितपदाय नमः

गदाधरवरप्रदाय नमः

गदायुधाय नमः

गदापाणये नमः

गदायुद्धविशारदाय नमः

गदघ्ने नमः

गददर्पघ्नाय नमः

गदगर्वप्रणाशनाय नमः

गदग्रस्तपरित्रात्रे नमः

गदाडम्बरखण्डकाय नमः ९००

गुहाय नमः

गुहाग्रजाय नमः

गुप्ताय नमः

गुहाशायिने नमः

गुहाशयाय नमः

गुहप्रीतिकराय नमः

गूढाय नमः

गूढगुल्फाय नमः

गुणैकदृशे नमः

गिरे नमः ९१०

गीष्पतये नमः

गिरीशानाय नमः

गीर्देवीगीतसद्गुणाय नमः

गीर्देवाय नमः

गीष्प्रियाय नमः

गीर्भुवे नमः

गीरात्मने नमः

गीष्प्रियङ्कराय नमः

गू

गीरसज्ञाय नमः ९२०

गीःप्रसन्नाय नमः

गिरीश्वराय नमः

गिरीशजाय नमः

गिरौशायिने नमः

गिरिराजसुखावहाय नमः

गिरिराजार्चितपदाय नमः

गिरिराजनमस्कृताय नमः

गिरिराजगुहाविष्टाय नमः

गिरिराजाभयप्रदाय नमः

गिरिराजेष्टवरदाय नमः ९३०  
 गिरिराजप्रपालकाय नमः  
 गिरिराजसुतासूनवे नमः  
 गिरिराजजयप्रदाय नमः  
 गिरिव्रजवनस्थायिने नमः  
 गिरिव्रजचराय नमः  
 गर्गाय नमः  
 गर्गप्रियाय नमः  
 गर्गदेवाय नमः  
 गर्गनमस्कृताय नमः  
 गर्गभीतिहराय नमः ९४०  
 गर्गवरदाय नमः  
 गर्गसंस्तुताय नमः  
 गर्गगीतप्रसन्नात्मने नमः  
 गर्गानन्दकराय नमः  
 गर्गप्रियाय नमः  
 गर्गमानप्रदाय नमः  
 गर्गारिभञ्जकाय नमः  
 गर्गवर्गपरित्रात्रे नमः  
 गर्गसिद्धिप्रदायकाय नमः  
 गर्गग्लानिहराय नमः ९५०  
 गर्गभ्रमहृदे नमः  
 गर्गसङ्गताय नमः  
 गर्गाचार्याय नमः  
 गर्गमुनये नमः  
 गर्गसन्मानभाजनाय नमः

गम्भीराय नमः  
 गणितप्रज्ञाय नमः  
 गणितागमसारविदे नमः  
 गणकाय नमः  
 गणकश्लाघ्याय नमः ९६०  
 गणकप्रणयोत्सुकाय नमः  
 गणकप्रवणस्वान्ताय नमः  
 गणिताय नमः  
 गणितागमाय नमः  
 गद्याय नमः  
 गद्यमयाय नमः  
 गद्यपद्यविद्याविशारदाय नमः  
 गललग्नमहानागाय नमः  
 गलदर्चिषे नमः  
 गलन्मदाय नमः ९७०  
 गलत्कुष्ठिव्यथाहन्त्रे नमः  
 गलत्कुष्ठिसुखप्रदाय नमः  
 गम्भीरनाभये नमः  
 गम्भीरस्वराय नमः  
 गम्भीरलोचनाय नमः  
 गम्भीरगुणसम्पन्नाय नमः  
 गम्भीरगतिशोभनाय नमः  
 गर्भप्रदाय नमः  
 गर्भरूपाय नमः  
 गर्भापद्विनिवारकाय नमः ९८०  
 गर्भागमनसन्नाशाय नमः

गर्भदाय नमः  
 गर्भशोकनुदे नमः  
 गर्भत्रात्रे नमः  
 गर्भगोप्त्रे नमः  
 गर्भपुष्टिकराय नमः  
 गर्भाश्रयाय नमः  
 गर्भमयाय नमः  
 गर्भामयनिवारकाय नमः  
 गर्भाधाराय नमः  
 गर्भधराय नमः

९९०

गर्भसन्तोषसाधकाय नमः  
 गर्भगौरवसन्धानसाधनाय नमः  
 गर्भवर्गहृदे नमः  
 गरीयसे नमः  
 गर्वनुदे नमः  
 गर्वमर्दिने नमः  
 गरदमर्दकाय नमः  
 गरसन्तापशमनाय नमः  
 गुरुराज्यसुखप्रदाय नमः

१०००

॥ इति श्रीरुद्रयामले गकारादि श्री गणपतिसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ वक्रतुण्ड महागणपति सहस्रनामावलिः ॥

गणेश्वराय नमः  
 गणक्रीडाय नमः  
 गणनाथाय नमः  
 गणाधिपाय नमः  
 एकदंष्ट्राय नमः  
 वक्रतुण्डाय नमः  
 गजवक्राय नमः  
 मदोदराय नमः  
 लम्बोदराय नमः  
 धूम्रवर्णाय नमः  
 विकटाय नमः  
 विघ्ननायकाय नमः

१०

सुमुखाय नमः  
 दुर्मुखाय नमः  
 बुद्धाय नमः  
 विघ्नराजाय नमः  
 गजाननाय नमः  
 भीमाय नमः  
 प्रमोदाय नमः  
 आमोदाय नमः  
 सुरानन्दाय नमः  
 मदोत्कटाय नमः  
 हेरम्बाय नमः  
 शम्बराय नमः

२०

|                      |    |                          |    |
|----------------------|----|--------------------------|----|
| शम्भवे नमः           |    | सिद्धिविनायकाय नमः       |    |
| लम्बकर्णाय नमः       |    | अविघ्नाय नमः             |    |
| महाबलाय नमः          |    | तुम्बुरुवे नमः           |    |
| नन्दनाय नमः          |    | सिंहवाहनाय नमः           |    |
| अलम्पटाय नमः         |    | मोहिनीप्रियाय नमः        |    |
| अभीरवे नमः           | ३० | कटङ्कटाय नमः             |    |
| भीमाय नमः            |    | राजपुत्राय नमः           |    |
| मेघनादाय नमः         |    | शकलाय नमः                |    |
| गणञ्जयाय नमः         |    | सम्मिताय नमः             |    |
| विनायकाय नमः         |    | अमिताय नमः               | ६० |
| विरूपाक्षाय नमः      |    | कूश्माण्डसामसम्भूतये नमः |    |
| धीरशूराय नमः         |    | दुर्जयाय नमः             |    |
| वरप्रदाय नमः         |    | धूर्जयाय नमः             |    |
| महागणपतये नमः        |    | जयाय नमः                 |    |
| बुद्धिप्रियाय नमः    |    | भूपतये नमः               |    |
| क्षिप्रप्रसादनाय नमः | ४० | भुवनेशाय नमः             |    |
| रुद्रप्रियाय नमः     |    | भूतानां पतये नमः         |    |
| गणाध्यक्षाय नमः      |    | अव्ययाय नमः              |    |
| उमापुत्राय नमः       |    | विश्वकर्त्रे नमः         |    |
| अघनाशनाय नमः         |    | विश्वमुखाय नमः           | ७० |
| कुमारगुरवे नमः       |    | विश्वरूपाय नमः           |    |
| ईशानपुत्राय नमः      |    | निधये नमः                |    |
| मूषकवाहनाय नमः       |    | घृणये नमः                |    |
| सिद्धिप्रियाय नमः    |    | कवये नमः                 |    |
| सिद्धिपतये नमः       |    | कवीनामृषभाय नमः          |    |
| सिद्धाय नमः          | ५० | ब्रह्मण्याय नमः          |    |

ब्रह्मणस्पतये नमः  
 ज्येष्ठराजाय नमः  
 निधिपतये नमः  
 निधिप्रियपतिप्रियाय नमः ८०  
 हिरण्मयपुरान्तःस्थाय नमः  
 सूर्यमण्डलमध्यगाय नमः  
 कराहतिध्वस्तसिन्धुसलिलाय नमः  
 पूषदन्तहृते नमः  
 उमाङ्गकेलिकुतुकिने नमः  
 मुक्तिदाय नमः  
 कुलपालकाय नमः  
 किरीटिने नमः  
 कुण्डलिने नमः  
 हारिणे नमः ९०  
 वनमालिने नमः  
 मनोमयाय नमः  
 वैमुख्यहतदैत्यश्रियै नमः  
 पादाहत्याजितक्षितये नमः  
 सद्योजाताय नमः  
 स्वर्णमुञ्जमेखलिने नमः  
 दुर्निमित्तहृते नमः  
 दुःस्वप्नहृते नमः  
 प्रहसनाय नमः  
 गुणिने नमः १००  
 नादप्रतिष्ठिताय नमः  
 सुरूपाय नमः

सर्वनेत्राधिवासाय नमः  
 वीरासनाश्रयाय नमः  
 पीताम्बराय नमः  
 खण्डरदाय नमः  
 खण्डेन्दुकृतशेखराय नमः  
 चित्राङ्कश्यामदशनाय नमः  
 भालचन्द्राय नमः  
 चतुर्भुजाय नमः ११०  
 योगाधिपाय नमः  
 तारकस्थाय नमः  
 पुरुषाय नमः  
 गजकर्णकाय नमः  
 गणाधिराजाय नमः  
 विजयस्थिराय नमः  
 गणपतये नमः  
 ध्वजिने नमः  
 देवदेवाय नमः  
 स्मरप्राणदीपकाय नमः १२०  
 वायुकीलकाय नमः  
 विपश्चिद्वरदाय नमः  
 नादोन्नादभिन्नबलाहकाय नमः  
 वाराहरदनाय नमः  
 मृत्युञ्जयाय नमः  
 व्याघ्राजिनाम्बराय नमः  
 इच्छाशक्तिधराय नमः  
 देवत्रात्रे नमः

दैत्यविमर्दनाय नमः  
 शम्भुवक्रोद्भवाय नमः १३०  
 शम्भुकोपघ्ने नमः  
 शम्भुहास्यभुवे नमः  
 शम्भुतेजसे नमः  
 शिवाशोकहारिणे नमः  
 गौरीसुखावहाय नमः  
 उमाङ्गमलजाय नमः  
 गौरीतेजोभुवे नमः  
 स्वर्धुनीभवाय नमः  
 यज्ञकायाय नमः  
 महानादाय नमः १४०  
 गिरिवर्ष्मणे नमः  
 शुभाननाय नमः  
 सर्वात्मने नमः  
 सर्वदेवात्मने नमः  
 ब्रह्ममूर्ध्ने नमः  
 ककुप्श्रुतये नमः  
 ब्रह्माण्डकुम्भाय नमः  
 चिद्बोमभालाय नमः  
 सत्यशिरोरुहाय नमः  
 जगज्जन्मलयोन्मेष-निमिषाय नमः  
 १५०  
 अश्र्यर्कसोमदृशे नमः  
 गिरीन्द्रैकरदाय नमः  
 धर्माय नमः

धर्मिष्ठाय नमः  
 सामवृंहिताय नमः  
 ग्रहर्क्षदशनाय नमः  
 वाणीजिह्वाय नमः  
 वासवनासिकाय नमः  
 भ्रूमध्यसंस्थितकराय नमः  
 ब्रह्मविद्यामदोत्कटाय नमः १६०  
 कुलाचलांसाय नमः  
 सोमार्कघण्टाय नमः  
 रुद्रशिरोधराय नमः  
 नदीनदभुजाय नमः  
 सर्पाङ्गुलीकाय नमः  
 तारकानखाय नमः  
 व्योमनाभये नमः  
 श्रीहृदयाय नमः  
 मेरुपृष्ठाय नमः  
 अर्णवोदराय नमः १७०  
 कुक्षिस्थ-यक्ष-गन्धर्व-रक्षः-किन्नर-  
 मानुषाय नमः  
 पृथ्वीकटये नमः  
 सृष्टिलिङ्गाय नमः  
 शैलोरवे नमः  
 दस्रजानुकाय नमः  
 पातालजङ्घाय नमः  
 मुनिपात्कालाङ्गुष्ठाय नमः  
 त्रयीतनवे नमः

ज्योतिषे नमः

मण्डललाङ्गूलाय नमः १८०

हृदयालातनिश्चलाय नमः

हृत्पद्मकर्णिकाशालिने नमः

वियत्केलिसरोवराय नमः

सद्भक्तध्याननिगडाय नमः

पूजावारिनिवारिताय नमः

प्रतापिने नमः

कश्यपसुताय नमः

गणपाय नमः

विष्टपिने नमः

बलिने नमः १९०

यशस्विने नमः

धार्मिकाय नमः

स्वोजसे नमः

प्रथमाय नमः

प्रमथेश्वराय नमः

चिन्तामणये नमः

दीपपतये नमः

कल्पद्रुमवनालयाय नमः

रत्नमण्डपमध्यस्थाय नमः

रत्नसिंहासनाश्रयाय नमः २००

तीव्राशिरसे नमः

धृतपदाय नमः

ज्वलिनीमौलिलालिताय नमः

नन्दानन्दितपीठश्रिये नमः

भोगदाय नमः

भूषितासनाय नमः

सकामदायिनीपीठाय नमः

स्फुरदुग्रासनाश्रयाय नमः

तेजोवतीशिरोरत्नाय नमः

सत्यानित्यावतंसिताय नमः २१०

सविघ्ननाशिनीपीठाय नमः

सर्वशक्त्यम्बुजाश्रयाय नमः

लिपिपद्मासनाधाराय नमः

वह्निधाम्ने नमः

त्रयाश्रयाय नमः

उन्नतप्रपदागूढगुल्फ-

संवृतपार्ष्णिकाय नमः

पीनजङ्घाय नमः

श्लिष्टजानवे नमः

स्थूलोरवे नमः

प्रोन्नमत्कटये नमः २२०

निम्ननाभये नमः

स्थूलकुक्षये नमः

पीनवक्षसे नमः

बृहद्भुजाय नमः

पीनस्कन्धाय नमः

कम्बुकण्ठाय नमः

लम्बोष्ठाय नमः

लम्बनासिकाय नमः

भग्नवामरदाय नमः



तुङ्गसव्यदन्ताय नमः २३०  
 महाहनवे नमः  
 ह्रस्वनेत्रत्रयाय नमः  
 शूर्पकर्णाय नमः  
 निविडमस्तकाय नमः  
 स्तब्धकाकारकुम्भाग्राय नमः  
 रत्नमौलये नमः  
 निरङ्कुशाय नमः  
 सर्पहारकटीसूत्राय नमः  
 सर्पयज्ञोपवीतवते नमः  
 सर्पकोटीरकटकाय नमः २४०  
 सर्पग्रैवेयकाङ्गदाय नमः  
 सर्पकक्ष्योदराबन्धाय नमः  
 सर्पराजोत्तरीयकाय नमः  
 रक्ताय नमः  
 रक्ताम्बरधराय नमः  
 रक्तमाल्यविभूषणाय नमः  
 रक्तेक्षणाय नमः  
 रक्तकराय नमः  
 रक्तताल्वोष्ठपल्लवाय नमः  
 श्वेताय नमः २५०  
 श्वेताम्बरधराय नमः  
 श्वेतमाल्यविभूषणाय नमः  
 श्वेतातपत्ररुचिराय नमः  
 श्वेतचामरवीजिताय नमः  
 सर्वावयवसम्पूर्णाय नमः

सर्वलक्षणलक्षिताय नमः  
 सर्वाभरणशोभाढ्याय नमः  
 सर्वशोभासमन्विताय नमः  
 सर्वमङ्गलमाङ्गल्याय नमः  
 सर्वकारणकारणाय नमः २६०  
 सर्वदैककराय नमः  
 शार्ङ्गिणे नमः  
 बीजापूरगदाधराय नमः  
 इक्षुचापधराय नमः  
 शूलिने नमः  
 चक्रपाणये नमः  
 सरोजभृते नमः  
 पाशिने नमः  
 धृतोत्पलाय नमः  
 शालिमञ्जरीभृते नमः २७०  
 स्वदन्तभृते नमः  
 कल्पवल्लीधराय नमः  
 विश्वाभयदैककराय नमः  
 वशिने नमः  
 अक्षमालाधराय नमः  
 ज्ञानमुद्रावते नमः  
 मुद्गरायुधाय नमः  
 पूर्णपात्रिणे नमः  
 कम्बुधराय नमः  
 विधूतालिसमूहकाय नमः २८०  
 मातुलुङ्गधराय नमः

चूतकलिकाभृते नमः  
 कुठारवते नमः  
 पुष्करस्थाय नमः  
 स्वर्णघटीपूर्णरत्नाभिवर्षकाय नमः  
 भारतीसुन्दरीनाथाय नमः  
 विनायकरतिप्रियाय नमः  
 महालक्ष्मीप्रियतमाय नमः  
 सिद्धलक्ष्मीमनोरमाय नमः  
 रमारमेशपूर्वाङ्गाय नमः २९०  
 दक्षिणोमामहेश्वराय नमः  
 महीवराहवामाङ्गाय नमः  
 रतिकन्दर्पपश्चिमाय नमः  
 आमोदमोदजननाय नमः  
 सप्रमोदाय नमः  
 प्रमोदनाय नमः  
 सामैधित्रे नमः  
 समिद्धश्रिये नमः  
 ऋद्धिसिद्धिप्रवर्तकाय नमः  
 दत्तसौमुख्यसुमुखाय नमः ३००  
 कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः  
 मदनावत्याश्रिताङ्घ्रये नमः  
 कृतदौर्मुख्यदुर्मुखाय नमः  
 विघ्नसम्पल्लवोपघ्नाय नमः  
 सेवोन्निद्रमदद्रवाय नमः  
 विघ्नकृन्निघ्नचरणाय नमः  
 द्राविणीशक्तिसत्कृताय नमः

तीव्राप्रसन्ननयनाय नमः  
 ज्वालिनीपालितैकदृशे नमः  
 मोहिनीमोहनाय नमः ३१०  
 भोगदायिनीकान्तिमण्डिताय नमः  
 कामिनीकान्तवक्त्रश्रिये नमः  
 अधिष्ठितवसुन्धराय नमः  
 वसुन्धरामदोन्नद्धाय नमः  
 महाशङ्खनिधये नमः  
 प्रभवे नमः  
 नमद्वसुमतीमौलये नमः  
 महापद्मनिधिप्रभवे नमः  
 सर्वसद्गुणसंसेव्याय नमः  
 शोचिष्केशहृदाश्रयाय नमः ३२०  
 ईशानमूर्ध्ने नमः  
 देवेन्द्रशिखाय नमः  
 पवननन्दनाय नमः  
 अग्रप्रत्यग्रनयनाय नमः  
 दिव्यास्त्राणां प्रयोगविदे नमः  
 ऐरावतादिसर्वाशावारणावरण-  
 प्रियाय नमः  
 वज्राद्यस्त्रपरीवाराय नमः  
 गणचण्डसमाश्रयाय नमः  
 जयाजयपरीवाराय नमः  
 विजयाविजयावहाय नमः ३३०  
 अजिताजितपादाब्जाय नमः  
 नित्यानित्यावतंसिताय नमः

विलासिनीकृतोल्लासाय नमः  
 शौण्डिसौन्दर्यमण्डिताय नमः  
 अनन्तानन्तसुखदाय नमः  
 सुमङ्गलसुमङ्गलाय नमः  
 इच्छाशक्ति-ज्ञानशक्ति-  
 क्रियाशक्ति-निषेविताय नमः  
 सुभगासंश्रितपदाय नमः  
 ललिताललिताश्रयाय नमः  
 कामिनीकामनाय नमः ३४०  
 कामाय नमः  
 मानिनीकेलिलालिताय नमः  
 सरस्वत्याश्रयाय नमः  
 गौरीनन्दनाय नमः  
 श्रीनिकेतनाय नमः  
 गुरुगुप्तपदाय नमः  
 वाचा सिद्धाय नमः  
 वागीश्वरेश्वराय नमः  
 नलिनीकामुकाय नमः  
 वामारामाय नमः ३५०  
 ज्येष्ठामनोरमाय नमः  
 रौद्रीमुद्रितपादाब्जाय नमः  
 हुम्बीजाय नमः  
 तुङ्गशक्तिकाय नमः  
 विश्वादिजननत्राणाय नमः  
 स्वाहाशक्तये नमः  
 सकीलकाय नमः

अमृताब्धिकृतावासाय नमः  
 मदघूर्णितलोचनाय नमः  
 उच्छिष्टगणाय नमः ३६०  
 उच्छिष्टगणेशाय नमः  
 गणनायकाय नमः  
 सार्वकालिकसंसिद्धये नमः  
 नित्यशैवाय नमः  
 दिगम्बराय नमः  
 अनपायाय नमः  
 अनन्तदृष्टये नमः  
 अप्रमेयाय नमः  
 अजरामराय नमः  
 अनाविलाय नमः ३७०  
 अप्रतिरथाय नमः  
 अच्युताय नमः  
 अमृताय नमः  
 अक्षराय नमः  
 अप्रतर्क्याय नमः  
 अक्षयाय नमः  
 अजय्याय नमः  
 अनाधाराय नमः  
 अनामयाय नमः  
 अमोघसिद्धये नमः ३८०  
 अद्वैताय नमः  
 अघोराय नमः  
 अप्रमिताननाय नमः

अनाकाराय नमः  
 अधिभूम्यग्निबलघ्नाय नमः  
 अव्यक्तलक्षणाय नमः  
 आधारपीठाय नमः  
 आधाराय नमः  
 आधाराधेयवर्जिताय नमः  
 आखुकेतनाय नमः ३९०  
 आशापूरकाय नमः  
 आखुमहारथाय नमः  
 इक्षुसागरमध्यस्थाय नमः  
 इक्षुभक्षणलालसाय नमः  
 इक्षुचापातिरेकश्रिये नमः  
 इक्षुचापनिषेविताय नमः  
 इन्द्रगोपसमानश्रिये नमः  
 इन्द्रनीलसमद्युतये नमः  
 इन्दीवरदलश्यामाय नमः  
 इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः ४००  
 इन्द्रप्रियाय नमः  
 इडाभागाय नमः  
 इडाधामेन्दिराप्रियाय नमः  
 इक्ष्वाकुविघ्नविध्वंसिने नमः  
 इतिकर्तव्यतेप्सिताय नमः  
 ईशानमौलये नमः  
 ईशानाय नमः  
 ईशानसुताय नमः  
 ईतिघ्ने नमः

ईषणात्रयकल्पान्ताय नमः ४१०  
 ईहामात्रविवर्जिताय नमः  
 उपेन्द्राय नमः  
 उडुभृन्मौलिरुण्डेरकबलि-  
 प्रियाय नमः  
 उन्नताननाय नमः  
 उत्तुङ्गाय नमः  
 उदारत्रिदशाग्रण्ये नमः  
 ऊर्जस्वते नमः  
 ऊष्मलमदाय नमः  
 ऊहापोहदुरासदाय नमः  
 ऋग्यजुःसामसम्भूतये नमः ४२०  
 ऋद्धिसिद्धिप्रवर्तकाय नमः  
 ऋजुचित्तैकसुलभाय नमः  
 ऋणत्रयविमोचकाय नमः  
 स्वभक्तानां लुप्तविघ्नाय नमः  
 सुरद्विषां लुप्तशक्तये नमः  
 विमुखार्चानां लुप्तश्रिये नमः  
 लूताविस्फोटनाशनाय नमः  
 एकारपीठमध्यस्थाय नमः  
 एकपादकृतासनाय नमः  
 एजिताखिलदैत्यश्रिये नमः ४३०  
 एजिताखिलसंश्रयाय नमः  
 ऐश्वर्यनिधये नमः  
 ऐश्वर्याय नमः  
 ऐहिकामुष्मिकप्रदाय नमः

ऐरम्मदसमोन्मेषाय नमः  
 ऐरावतनिभाननाय नमः  
 ओङ्कारवाच्याय नमः  
 ओङ्काराय नमः  
 ओजस्वते नमः  
 ओषधिपतये नमः ४४०  
 औदार्यनिधये नमः  
 औद्धत्यधुर्याय नमः  
 औन्नत्यनिःस्वनाय नमः  
 सुरनागानाम् अङ्कुशाय नमः  
 सुरविद्विषाम् अङ्कुशाय नमः  
 असमस्तविसर्गाणां पदेषु  
 परिकीर्तिताय नमः  
 कमण्डलुधराय नमः  
 कल्पाय नमः  
 कपर्दिने नमः  
 कलभाननाय नमः ४५०  
 कर्मसाक्षिणे नमः  
 कर्मकर्त्रे नमः  
 कर्माकर्मफलप्रदाय नमः  
 कदम्बगोलकाकाराय नमः  
 कूश्माण्डगणनायकाय नमः  
 कारुण्यदेहाय नमः  
 कपिलाय नमः  
 कथकाय नमः  
 कटिसूत्रभृते नमः

खर्वाय नमः ४६०  
 खङ्गप्रियाय नमः  
 खङ्गखातान्तःस्थाय नमः  
 खनिर्मलाय नमः  
 खल्वाटशृङ्गनिलयाय नमः  
 खट्वाङ्गिने नमः  
 खन्दुरासदाय नमः  
 गुणाढ्याय नमः  
 गहनाय नमः  
 गस्थाय नमः  
 गद्यपद्यसुधारणायाय नमः ४७०  
 गद्यगानप्रियाय नमः  
 गर्जाय नमः  
 गीतगीर्वाणपूर्वजाय नमः  
 गुह्याचाररताय नमः  
 गुह्याय नमः  
 गुह्यागमनिरूपिताय नमः  
 गुहाशयाय नमः  
 गुहाब्धिस्थाय नमः  
 गुरुगम्याय नमः  
 गुरोर्गुरवे नमः ४८०  
 घण्टाघर्घरिकामालिने नमः  
 घटकुम्भाय नमः  
 घटोदराय नमः  
 चण्डाय नमः  
 चण्डेश्वरसुहृदे नमः

चण्डेशाय नमः  
 चण्डविक्रमाय नमः  
 चराचरपतये नमः  
 चिन्तामणये नमः  
 चर्वणलालसाय नमः ४९०  
 छन्दसे नमः  
 छन्दोवपुषे नमः  
 छन्दोदुर्लक्ष्याय नमः  
 छन्दविग्रहाय नमः  
 जगद्योनये नमः  
 जगत्साक्षिणे नमः  
 जगदीशाय नमः  
 जगन्मयाय नमः  
 जपाय नमः  
 जपपराय नमः ५००  
 जप्याय नमः  
 जिह्वासिंहासनप्रभवे नमः  
 झलज्झल्लोलसद्दान-  
 झङ्कारिभ्रमराकुलाय नमः  
 टङ्कारस्फारसंरावाय नमः  
 टङ्कारिमणिनूपुराय नमः  
 ठद्वयिने नमः  
 पल्लवान्तःस्थाय नमः  
 सर्वमन्त्रैकसिद्धिदाय नमः  
 डिण्डिमुण्डाय नमः  
 डाकिनीशाय नमः ५१०

डामराय नमः  
 डिण्डिमप्रियाय नमः  
 ढक्कानिनादमुदिताय नमः  
 ढौकाय नमः  
 दुण्डिविनायकाय नमः  
 तत्त्वानां परमतत्त्वाय नमः  
 तत्त्वम्पदनिरूपिताय नमः  
 तारकान्तरसंस्थानाय नमः  
 तारकाय नमः  
 तारकान्तकाय नमः ५२०  
 स्थाणवे नमः  
 स्थाणुप्रियाय नमः  
 स्थात्रे नमः  
 स्थावराय जङ्गमाय जगते नमः  
 दक्षयज्ञप्रमथनाय नमः  
 दात्रे नमः  
 दानवमोहनाय नमः  
 दयावते नमः  
 दिव्यविभवाय नमः  
 दण्डभृते नमः ५३०  
 दण्डनायकाय नमः  
 दन्तप्रभिन्नाभ्रमालाय नमः  
 दैत्यवारणदारणाय नमः  
 दंष्ट्रालग्नद्विपघटाय नमः  
 देवार्थनृगजाकृतये नमः  
 धनधान्यपतये नमः

धन्याय नमः

धनदाय नमः

धरणीधराय नमः

ध्यानैकप्रकटाय नमः ५४०

ध्येयाय नमः

ध्यानाय नमः

ध्यानपरायणाय नमः

नन्द्याय नमः

नन्दिप्रियाय नमः

नादाय नमः

नादमध्यप्रतिष्ठिताय नमः

निष्कलाय नमः

निर्ममाय नमः

नित्याय नमः ५५०

नित्यानित्याय नमः

निरामयाय नमः

परस्मै व्योम्ने नमः

परस्मै धाम्ने नमः

परमात्मने नमः

परस्मै पदाय नमः

परात्परस्मै नमः

पशुपतये नमः

पशुपाशविमोचकाय नमः

पूर्णानन्दाय नमः ५६०

परानन्दाय नमः

पुराणपुरुषोत्तमाय नमः

पद्मप्रसन्ननयनाय नमः

प्रणताज्ञानमोचनाय नमः

प्रमाणप्रत्ययातीताय नमः

प्रणतार्तिनिवारणाय नमः

फलहस्ताय नमः

फणिपतये नमः

फेत्काराय नमः

फणितप्रियाय नमः ५७०

बाणार्चिताङ्घ्रियुगलाय नमः

बालकेलिकुतूहलिने नमः

ब्रह्मणे नमः

ब्रह्मार्चितपदाय नमः

ब्रह्मचारिणे नमः

बृहस्पतये नमः

बृहत्तमाय नमः

ब्रह्मपराय नमः

ब्रह्मण्याय नमः

ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ५८०

बृहन्नादाग्र्यचीत्काराय नमः

ब्रह्माण्डावलिमेखलाय नमः

भ्रूक्षेपदत्तलक्ष्मीकाय नमः

भर्गाय नमः

भद्राय नमः

भयापहाय नमः

भगवते नमः

भक्तिसुलभाय नमः

|                    |     |                       |     |
|--------------------|-----|-----------------------|-----|
| भूतिदाय नमः        |     | याजकप्रियाय नमः       |     |
| भूतिभूषणाय नमः     | ५९० | रसाय नमः              |     |
| भव्याय नमः         |     | रसप्रियाय नमः         |     |
| भूतालयाय नमः       |     | रस्याय नमः            |     |
| भोगदात्रे नमः      |     | रञ्जकाय नमः           |     |
| भ्रूमध्यगोचराय नमः |     | रावणार्चिताय नमः      | ६२० |
| मन्त्राय नमः       |     | रक्षोरक्षाकराय नमः    |     |
| मन्त्रपतये नमः     |     | रत्नगर्भाय नमः        |     |
| मन्त्रिणे नमः      |     | राज्यसुखप्रदाय नमः    |     |
| मदमत्तमाय नमः      |     | लक्ष्यालक्षप्रदाय नमः |     |
| मनोरमाय नमः        |     | लक्ष्याय नमः          |     |
| मेखलावते नमः       | ६०० | लयस्थाय नमः           |     |
| मन्दगतये नमः       |     | लङ्घुकप्रियाय नमः     |     |
| मतिमते नमः         |     | लानप्रियाय नमः        |     |
| कमलेक्षणाय नमः     |     | लास्यपदाय नमः         |     |
| महाबलाय नमः        |     | लाभकृते नमः           | ६३० |
| महावीराय नमः       |     | लोकविश्रुताय नमः      |     |
| महाप्राणाय नमः     |     | वरेण्याय नमः          |     |
| महामनसे नमः        |     | वह्निवदनाय नमः        |     |
| यज्ञाय नमः         |     | वन्द्याय नमः          |     |
| यज्ञपतये नमः       |     | वेदान्तगोचराय नमः     |     |
| यज्ञगोत्रे नमः     | ६१० | विकर्त्रे नमः         |     |
| यज्ञफलप्रदाय नमः   |     | विश्वतश्चक्षुषे नमः   |     |
| यशस्कराय नमः       |     | विधात्रे नमः          |     |
| योगगम्याय नमः      |     | विश्वतोमुखाय नमः      |     |
| याज्ञिकाय नमः      |     | वामदेवाय नमः          | ६४० |



विश्वनेत्रे नमः  
 वज्रिणे नमः  
 वज्रनिवारणाय नमः  
 विश्वबन्धनविष्कम्भाधाराय नमः  
 विश्वेश्वरप्रभवे नमः  
 शब्दब्रह्मणे नमः  
 शमप्राप्त्याय नमः  
 शम्भुशक्तिगणेश्वराय नमः  
 शास्त्रे नमः  
 शिखाग्रनिलयाय नमः ६५०  
 शरण्याय नमः  
 शिखरीश्वराय नमः  
 षट्पदकुसुमस्रग्विणे नमः  
 षडाधाराय नमः  
 षडक्षराय नमः  
 संसारवैद्याय नमः  
 सर्वज्ञाय नमः  
 सर्वभेषजभेषजाय नमः  
 सृष्टिस्थितिलयक्रीडाय नमः  
 सुरकुञ्जरभेदनाय नमः ६६०  
 सिन्दूरितमहाकुम्भाय नमः  
 सदसद्व्यक्तिदायकाय नमः  
 साक्षिणे नमः  
 समुद्रमथनाय नमः  
 स्वसंवेद्याय नमः  
 स्वदक्षिणाय नमः

स्वतन्त्राय नमः  
 सत्यसङ्कल्पाय नमः  
 सामगानरताय नमः  
 सुखिने नमः ६७०  
 हंसाय नमः  
 हस्तिपिशाचीशाय नमः  
 हवनाय नमः  
 हव्यकव्यभुजे नमः  
 हव्याय नमः  
 हुतप्रियाय नमः  
 हर्षाय नमः  
 हल्लेखामन्त्रमध्यगाय नमः  
 क्षेत्राधिपाय नमः  
 क्षमाभर्त्रे नमः ६८०  
 क्षमापरपरायणाय नमः  
 क्षिप्रक्षेमकराय नमः  
 क्षेमानन्दाय नमः  
 क्षोणीसुरद्रुमाय नमः  
 धर्मप्रदाय नमः  
 अर्थदाय नमः  
 कामदात्रे नमः  
 सौभाग्यवर्धनाय नमः  
 विद्याप्रदाय नमः  
 विभवदाय नमः ६९०  
 भुक्तिमुक्तिफलप्रदाय नमः  
 आभिरूप्यकराय नमः

|                          |     |                 |     |
|--------------------------|-----|-----------------|-----|
| वीराय नमः                |     | प्रहराय नमः     |     |
| श्रीप्रदाय नमः           |     | दिवानक्ताय नमः  | ७२० |
| विजयप्रदाय नमः           |     | अहर्निशाय नमः   |     |
| सर्ववश्यकराय नमः         |     | पक्षाय नमः      |     |
| गर्भदोषघ्ने नमः          |     | मासाय नमः       |     |
| पुत्रपौत्रदाय नमः        |     | अयनाय नमः       |     |
| मेधादाय नमः              |     | वर्षाय नमः      |     |
| कीर्तिदाय नमः            | ७०० | युगाय नमः       |     |
| शोकहारिणे नमः            |     | कल्पाय नमः      |     |
| दौर्भाग्यनाशनाय नमः      |     | महालयाय नमः     |     |
| श्रीशोकहारिणे नमः        |     | राशये नमः       |     |
| दौर्भाग्यनाशनाय नमः      |     | तारायै नमः      | ७३० |
| सर्वशक्तिभृते नमः        |     | तिथये नमः       |     |
| प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः |     | योगाय नमः       |     |
| हृष्टचित्तप्रसादनाय नमः  |     | वाराय नमः       |     |
| पराभिचारशमनाय नमः        |     | करणाय नमः       |     |
| दुःखभञ्जनकारकाय नमः      |     | अंशकाय नमः      |     |
| लवाय नमः                 | ७१० | लग्नाय नमः      |     |
| त्रुटये नमः              |     | होरायै नमः      |     |
| कलायै नमः                |     | कालचक्राय नमः   |     |
| काष्ठायै नमः             |     | मेरवे नमः       |     |
| निमेषाय नमः              |     | सप्तऋषिभ्यो नमः | ७४० |
| तत्पराय नमः              |     | ध्रुवाय नमः     |     |
| क्षणाय नमः               |     | राहवे नमः       |     |
| घट्यै नमः                |     | मन्दाय नमः      |     |
| मुहूर्ताय नमः            |     | कवये नमः        |     |

जीवाय नमः

बुधाय नमः

भौमाय नमः

शशिने नमः

रवये नमः

कालाय नमः

७५०

सृष्टिस्थितये नमः

विश्वस्मै नमः

स्थावराय नमः

जङ्गमाय नमः

जगते नमः

भुवे नमः

अद्भ्यो नमः

अग्नये नमः

मरुद्भ्यो नमः

व्योम्ने नमः

७६०

अहङ्कृतये नमः

प्रकृतये नमः

पुंसे नमः

ब्रह्मणे नमः

विष्णवे नमः

शिवाय नमः

रुद्राय नमः

ईशाय नमः

शक्तये नमः

सदाशिवाय नमः

७७०

त्रिदशेभ्यो नमः

पितृभ्यो नमः

सिद्धेभ्यो नमः

यक्षेभ्यो नमः

रक्षोभ्यो नमः

किन्नरेभ्यो नमः

साध्येभ्यो नमः

विद्याधरेभ्यो नमः

भूतेभ्यो नमः

मनुष्येभ्यो नमः

७८०

पशुभ्यो नमः

खगेभ्यो नमः

समुद्रेभ्यो नमः

सरिद्भ्यो नमः

शैलेभ्यो नमः

भूतभव्यभवोद्भवाय नमः

साङ्ख्याय नमः

पातञ्जलयोगाय नमः

पुराणेभ्यो नमः

श्रुतये नमः

७९०

स्मृतये नमः

वेदाङ्गेभ्यो नमः

सदाचाराय नमः

मीमांसायै नमः

न्यायविस्तराय नमः

आयुर्वेदाय नमः

धनुर्वेदाय नमः  
 गान्धर्वाय नमः  
 काव्यनाटकाय नमः  
 वैखानसाय नमः ८००  
 भागवताय नमः  
 सात्वताय नमः  
 पाञ्चरात्रकाय नमः  
 शैवाय नमः  
 पाशुपताय नमः  
 कालमुखाय नमः  
 भैरवशासनाय नमः  
 शाक्ताय नमः  
 वैनायकाय नमः  
 सौराय नमः ८१०  
 जैनाय नमः  
 आर्हतसंहितायै नमः  
 सते नमः  
 असते नमः  
 व्यक्ताय नमः  
 अव्यक्ताय नमः  
 सचेतनाय नमः  
 अचेतनाय नमः  
 बन्धाय नमः  
 मोक्षाय नमः ८२०  
 सुखाय नमः  
 भोगाय नमः

योगाय नमः  
 सत्याय नमः  
 अणवे नमः  
 महते नमः  
 स्वस्ति-हुं-फट्-स्वधा-स्वाहा-  
 श्रौषड्-वौषड्-वषण्-नमः  
 ज्ञानविज्ञानाय नमः  
 आनन्दाय नमः  
 बोधाय नमः ८३०  
 संविदे नमः  
 शमाय नमः  
 यमाय नमः  
 एकस्मै नमः  
 एकाक्षराधाराय नमः  
 एकाक्षरपरायणाय नमः  
 एकाग्रधिये नमः  
 एकवीराय नमः  
 एकानेकस्वरूपधृषे नमः  
 द्विरूपाय नमः ८४०  
 द्विभुजाय नमः  
 द्व्यक्षाय नमः  
 द्विरदाय नमः  
 द्वीपरक्षकाय नमः  
 द्वैमातुराय नमः  
 द्विवदनाय नमः  
 द्वन्द्वातीताय नमः

द्वयातिगाय नमः  
 त्रिधाम्ने नमः  
 त्रिकराय नमः ८५०  
 त्रेत्रे नमः  
 त्रिवर्गफलदायकाय नमः  
 त्रिगुणात्मने नमः  
 त्रिलोकादये नमः  
 त्रिशक्तीशाय नमः  
 त्रिलोचनाय नमः  
 चतुर्बाहवे नमः  
 चतुर्दन्ताय नमः  
 चतुरात्मने नमः  
 चतुर्मुखाय नमः ८६०  
 चतुर्विधोपायमयाय नमः  
 चतुर्वर्णाश्रमाश्रयाय नमः  
 चतुर्विधवचोवृत्तिपरिवृत्ति-  
 प्रवर्तकाय नमः  
 चतुर्थीपूजनप्रीताय नमः  
 चतुर्थीतिथिसम्भवाय नमः  
 पञ्चाक्षरात्मने नमः  
 पञ्चात्मने नमः  
 पञ्चास्याय नमः  
 पञ्चकृत्यकृते नमः  
 पञ्चाधाराय नमः ८७०  
 पञ्चवर्णाय नमः  
 पञ्चाक्षरपरायणाय नमः

पञ्चतालाय नमः  
 पञ्चकराय नमः  
 पञ्चप्रणवभाविताय नमः  
 पञ्चब्रह्ममयस्फूर्तये नमः  
 पञ्चावारणवारिताय नमः  
 पञ्चभक्ष्यप्रियाय नमः  
 पञ्चबाणाय नमः  
 पञ्चशिवात्मकाय नमः ८८०  
 षट्कोणपीठाय नमः  
 षट्क्रधाम्ने नमः  
 षड्भन्धिभेदकाय नमः  
 षडध्वध्वान्तविध्वंसिने नमः  
 षडङ्गुलमहाहृदाय नमः  
 षण्मुखाय नमः  
 षण्मुखभ्रात्रे नमः  
 षट्शक्तिपरिवारिताय नमः  
 षड्वैरिवर्गविध्वंसिने नमः  
 षडूर्मिभयभञ्जनाय नमः ८९०  
 षट्कर्कदूराय नमः  
 षट्कर्मनिरताय नमः  
 षट्संसाश्रयाय नमः  
 सप्तपातालचरणाय नमः  
 सप्तद्वीपोरुमण्डलाय नमः  
 सप्तस्वर्लोकमुकुटाय नमः  
 सप्तसप्तिवरप्रदाय नमः  
 सप्ताङ्गराज्यसुखदाय नमः

सप्तर्षिगणमण्डिताय नमः  
 सप्तच्छन्दोनिधये नमः ९००  
 सप्तहोत्रे नमः  
 सप्तस्वराश्रयाय नमः  
 सप्ताब्धिकेलिकासाराय नमः  
 सप्तमातृनिषेविताय नमः  
 सप्तच्छन्दोमोदमदाय नमः  
 सप्तच्छन्दसे नमः  
 मखप्रियाय नमः  
 अष्टमूर्तये नमः  
 ध्येयमूर्तये नमः  
 अष्टप्रकृतिकारणाय नमः ९१०  
 अष्टाङ्गयोगफलभुवे नमः  
 अष्टपत्राम्बुजासनाय नमः  
 अष्टशक्तिसमृद्धिश्रिये नमः  
 अष्टैश्वर्यप्रदायकाय नमः  
 अष्टपीठोपपीठश्रिये नमः  
 अष्टमातृसमावृताय नमः  
 अष्टभैरवसेव्याय नमः  
 अष्टवसुवन्द्याय नमः  
 अष्टमूर्तिभृते नमः  
 अष्टचक्रस्फुरन्मूर्तये नमः ९२०  
 अष्टद्रव्यहविःप्रियाय नमः  
 नवनागासनाध्यासिने नमः  
 नवविध्यनुशासित्रे नमः  
 नवद्वारपुराधाराय नमः

नवद्वारनिकेतनाय नमः  
 नरनारायणस्तुत्याय नमः  
 नवदुर्गानिषेविताय नमः  
 नवनाथमहानाथाय नमः  
 नवनागविभूषणाय नमः  
 नवरत्नविचित्राङ्गाय नमः ९३०  
 नवशक्तिशिरोधृताय नमः  
 दशात्मकाय नमः  
 दशभुजाय नमः  
 दशदिक्पतिवन्दिताय नमः  
 दशाध्यायाय नमः  
 दशप्राणाय नमः  
 दशेन्द्रियनियामकाय नमः  
 दशाक्षरमहामन्त्राय नमः  
 दशाशाव्याधिविग्रहाय नमः  
 एकादशादिभिर्रुद्रैः संस्तुताय नमः  
 ९४०  
 एकादशाक्षराय नमः  
 द्वादशोद्दण्डोद्दण्डाय नमः  
 द्वादशान्तनिकेतनाय नमः  
 त्रयोदशभिदे नमः  
 आभिन्नविश्वेदेवाधिदैवताय नमः  
 चतुर्दशेन्द्रप्रभवाय नमः  
 चतुर्दशमनुप्रभवे नमः  
 चतुर्दशादिविद्याढ्याय नमः  
 चतुर्दशजगत्प्रभवे नमः

सामपञ्चदशाय नमः ९५०  
 पञ्चदशीशीतांशुनिर्मलाय नमः  
 षोडशाधारनिलयाय नमः  
 षोडशस्वरमातृकाय नमः  
 षोडशान्तपदावासाय नमः  
 षोडशेन्दुकलात्मकाय नमः  
 कलासप्तदशिने नमः  
 सप्तदशाय नमः  
 सप्तदशाक्षराय नमः  
 अष्टादशद्वीपपतये नमः  
 अष्टादशपुराणकृते नमः ९६०  
 अष्टादशौषधीसृष्टये नमः  
 अष्टादशविधिस्मृताय नमः  
 अष्टादशललिपिव्यष्टिसमष्टिज्ञान-  
 कोविदाय नमः  
 एकविंशाय नमः  
 पुंसे नमः  
 एकविंशत्यङ्गुलिपल्लवाय नमः  
 चतुर्विंशतितत्त्वात्मने नमः  
 पञ्चविंशाख्यपूरुषाय नमः  
 सप्तविंशतितारेशाय नमः  
 सप्तविंशतियोगकृते नमः ९७०  
 द्वात्रिंशद्भैरवाधीशाय नमः  
 चतुस्त्रिंशन्महाहृदाय नमः  
 षड्विंशत्तत्त्वसम्भूतये नमः  
 अष्टत्रिंशत्कलातनवे नमः

नमदेकोनपञ्चाशन्मरुद्वर्ग-  
 निरर्गलाय नमः  
 पञ्चाशदक्षरश्रेणये नमः  
 पञ्चाशद्द्रुद्रविग्रहाय नमः  
 पञ्चाशद्विष्णुशक्तीशाय नमः  
 पञ्चाशन्मातृकालयाय नमः  
 द्विपञ्चाशद्वपुश्रेणिने नमः ९८०  
 त्रिषष्ट्यक्षरसंश्रयाय नमः  
 चतुष्षष्ट्यर्णनिर्णेत्रे नमः  
 चतुष्षष्टिकलानिधये नमः  
 चतुःषष्टिमहासिद्धयोगिनी-  
 वृन्दवन्दिताय नमः  
 अष्टषष्टिमहातीर्थक्षेत्रभैरव-  
 भावनाय नमः  
 चतुर्णवतिमन्त्रात्मने नमः  
 षण्णवत्यधिकप्रभवे नमः  
 शतानन्दाय नमः  
 शतधृतये नमः  
 शतपत्रायतेक्षणाय नमः ९९०  
 शतानीकाय नमः  
 शतमखाय नमः  
 शतधारवरायुधाय नमः  
 सहस्रपत्रनिलयाय नमः  
 सहस्रफणभूषणाय नमः  
 सहस्रशीर्ष्णे नमः  
 पुरुषाय नमः

सहस्राक्षाय नमः  
 सहस्रपदे नमः  
 सहस्रनामसंस्तुत्याय नमः १०००  
 सहस्राक्षबलापहाय नमः  
 दशसाहस्रफणिभृत्फणिराज-  
 कृतासनाय नमः  
 अष्टाशीतिसहस्रौघ-  
 महर्षिस्तोत्रयन्त्रिताय नमः  
 लक्षाधीशप्रियाधाराय नमः  
 लक्षाधीशमनोमयाय नमः  
 चतुर्लक्षजपप्रीताय नमः  
 चतुर्लक्षप्रकाशिताय नमः  
 चतुरशीतिलक्षाणां जीवानां  
 देहसंस्थिताय नमः

कोटिसूर्यप्रतीकाशाय नमः  
 कोटिचन्द्रांशुनिर्मलाय नमः १०१०  
 शिवाभवाध्युष्टकोटि-  
 विनायकधुरन्धराय नमः  
 सप्तकोटिमहामन्त्र-  
 मन्त्रितावयवद्युतये नमः  
 त्रयस्त्रिंशत्कोटिसुरश्रेणी-  
 प्रणतपादुकाय नमः  
 अनन्तदेवतासेव्याय नमः  
 अनन्तशुभदायकाय नमः  
 अनन्तनाम्ने नमः  
 अनन्तश्रिये नमः  
 अनन्तानन्तसौख्यदाय नमः

॥ इति श्री शाक्तप्रमोदान्तर्गतगणेशतन्त्रादुद्धृता  
 श्री वक्रतुण्ड-महागणपति-सहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ रामसहस्रनामावलिः ॥

राजीवलोचनाय नमः  
 श्रीमते नमः  
 श्रीरामाय नमः  
 रघुपुङ्गवाय नमः  
 रामभद्राय नमः  
 सदाचाराय नमः

राजेन्द्राय नमः  
 जानकीपतये नमः  
 अग्रगण्याय नमः  
 वरेण्याय नमः  
 वरदाय नमः  
 परमेश्वराय नमः



जनार्दनाय नमः  
 जितामित्राय नमः  
 परार्थैकप्रयोजनाय नमः  
 विश्वामित्रप्रियाय नमः  
 दान्ताय नमः  
 शत्रुजिते नमः  
 शत्रुतापनाय नमः  
 सर्वज्ञाय नमः २०  
 सर्वदेवादये नमः  
 शरण्याय नमः  
 वालिमर्दनाय नमः  
 ज्ञानभव्याय नमः  
 अपरिच्छेद्याय नमः  
 वाग्मिने नमः  
 सत्यव्रताय नमः  
 शुचये नमः  
 ज्ञानगम्याय नमः  
 दृढप्रज्ञाय नमः ३०  
 खरध्वंसिने नमः  
 प्रतापवते नमः  
 द्युतिमते नमः  
 आत्मवते नमः  
 वीराय नमः  
 जितक्रोधाय नमः  
 अरिमर्दनाय नमः  
 विश्वरूपाय नमः

विशालाक्षाय नमः  
 प्रभवे नमः ४०  
 परिवृढाय नमः  
 दृढाय नमः  
 ईशाय नमः  
 खड्गधराय नमः  
 श्रीमते नमः  
 कौसलेयाय नमः  
 अनसूयकाय नमः  
 विपुलांसाय नमः  
 महोरस्काय नमः  
 परमेष्ठिने नमः ५०  
 परायणाय नमः  
 सत्यव्रताय नमः  
 सत्यसन्धाय नमः  
 गुरवे नमः  
 परमधार्मिकाय नमः  
 लोकज्ञाय नमः  
 लोकवन्द्याय नमः  
 लोकात्मने नमः  
 लोककृते नमः  
 परस्मै नमः ६०  
 अनादये नमः  
 भगवते नमः  
 सेव्याय नमः  
 जितमायाय नमः

रघूद्वहाय नमः

रामाय नमः

दयाकराय नमः

दक्षाय नमः

सर्वज्ञाय नमः

सर्वपावनाय नमः

७०

ब्रह्मण्याय नमः

नीतिमते नमः

गोप्त्रे नमः

सर्वदेवमयाय नमः

हरये नमः

सुन्दराय नमः

पीतवाससे नमः

सूत्रकाराय नमः

पुरातनाय नमः

सौम्याय नमः

८०

महर्षये नमः

कोदण्डिने नमः

सर्वज्ञाय नमः

सर्वकोविदाय नमः

कवये नमः

सुग्रीववरदाय नमः

सर्वपुण्याधिकप्रदाय नमः

भव्याय नमः

जितारिषड्वर्गाय नमः

महोदराय नमः

९०

अघनाशनाय नमः

सुकीर्तये नमः

आदिपुरुषाय नमः

कान्ताय नमः

पुण्यकृतागमाय नमः

अकल्मषाय नमः

चतुर्बाह्वे नमः

सर्वावासाय नमः

दुरासदाय नमः

स्मितभाषिणे नमः

१००

निवृत्तात्मने नमः

स्मृतिमते नमः

वीर्यवते नमः

प्रभवे नमः

धीराय नमः

दान्ताय नमः

घनश्यामाय नमः

सर्वायुधविशारदाय नमः

अध्यात्मयोगनिलयाय नमः

सुमनसे नमः

११०

लक्ष्मणाग्रजाय नमः

सर्वतीर्थमयाय नमः

शूराय नमः

सर्वयज्ञफलप्रदाय नमः

यज्ञस्वरूपिणे नमः

यज्ञेशाय नमः

जरामरणवर्जिताय नमः

वर्णाश्रमकराय नमः

वर्णिने नमः

शत्रुजिते नमः १२०

पुरुषोत्तमाय नमः

विभीषणप्रतिष्ठात्रे नमः

परमात्मने नमः

परात्पराय नमः

प्रमाणभूताय नमः

दुर्ज्ञेयाय नमः

पूर्णाय नमः

परपुरञ्जयाय नमः

अनन्तदृष्टये नमः

आनन्दाय नमः १३०

धनुर्वेदाय नमः

धनुर्धराय नमः

गुणाकाराय नमः

गुणश्रेष्ठाय नमः

सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः

अभिवन्द्याय नमः

महाकायाय नमः

विश्वकर्मणे नमः

विशारदाय नमः

विनीतात्मने नमः १४०

वीतरागाय नमः

तपस्वीशाय नमः

जनेश्वराय नमः

कल्याणप्रकृतये नमः

कल्पाय नमः

सर्वेशाय नमः

सर्वकामदाय नमः

अक्षयाय नमः

पुरुषाय नमः

साक्षिणे नमः १५०

केशवाय नमः

पुरुषोत्तमाय नमः

लोकाध्यक्षाय नमः

महामायाय नमः

विभीषणवरप्रदाय नमः

आनन्दविग्रहाय नमः

ज्योतिषे नमः

हनुमत्प्रभवे नमः

अव्ययाय नमः

भ्राजिष्णवे नमः १६०

सहनाय नमः

भोक्त्रे नमः

सत्यवादिने नमः

बहुश्रुताय नमः

सुखदाय नमः

कारणाय नमः

कर्त्रे नमः

भवबन्धविमोचनाय नमः

देवचूडामणये नमः

नेत्रे नमः

१७०

ब्रह्मण्याय नमः

ब्रह्मवर्धनाय नमः

संसारतारकाय नमः

रामाय नमः

सर्वदुःखविमोक्षकृते नमः

विद्वत्तमाय नमः

विश्वकर्त्रे नमः

विश्वहर्त्रे नमः

विश्वकृते नमः

नित्याय नमः

१८०

नित्यकल्याणाय नमः

सीताशोकविनाशकृते नमः

काकुत्स्थाय नमः

पुण्डरीकाक्षाय नमः

विश्वामित्रभयापहाय नमः

मारीचमथनाय नमः

रामाय नमः

विराधवधपण्डिताय नमः

दुःस्वप्ननाशनाय नमः

रम्याय नमः

१९०

किरीटिने नमः

त्रिदशाधिपाय नमः

महाधनुषे नमः

महाकायाय नमः

भीमाय नमः

भीमपराक्रमाय नमः

तत्त्वस्वरूपिणे नमः

तत्त्वज्ञाय नमः

तत्त्ववादिने नमः

सुविक्रमाय नमः

२००

भूतात्मने नमः

भूतकृते नमः

स्वामिने नमः

कालज्ञानिने नमः

महापटवे नमः

अनिर्विण्णाय नमः

गुणग्राहिणे नमः

निष्कलङ्काय नमः

कलङ्कघ्ने नमः

स्वभावभद्राय नमः

२१०

शत्रुघ्नाय नमः

केशवाय नमः

स्थाणवे नमः

ईश्वराय नमः

भूतादये नमः

शम्भवे नमः

आदित्याय नमः

स्थविष्ठाय नमः

शाश्वताय नमः

ध्रुवाय नमः

२२०

कवचिने नमः  
 कुण्डलिने नमः  
 चक्रिणे नमः  
 खड्गिने नमः  
 भक्तजनप्रियाय नमः  
 अमृत्यवे नमः  
 जन्मरहिताय नमः  
 सर्वजिते नमः  
 सर्वगोचराय नमः  
 अनुत्तमाय नमः २३०  
 अप्रमेयात्मने नमः  
 सर्वादये नमः  
 गुणसागराय नमः  
 समाय नमः  
 समात्मने नमः  
 समगाय नमः  
 जटामुकुटमण्डिताय नमः  
 अजेयाय नमः  
 सर्वभूतात्मने नमः  
 विष्वक्सेनाय नमः २४०  
 महातपसे नमः  
 लोकाध्यक्षाय नमः  
 महाबाहवे नमः  
 अमृताय नमः  
 वेदवित्तमाय नमः  
 सहिष्णवे नमः

सद्गतये नमः  
 शास्त्रे नमः  
 विश्वयोनये नमः  
 महाद्युतये नमः २५०  
 अतीन्द्राय नमः  
 ऊर्जिताय नमः  
 प्रांशवे नमः  
 उपेन्द्राय नमः  
 वामनाय नमः  
 बलिने नमः  
 धनुर्वेदाय नमः  
 विधात्रे नमः  
 ब्रह्मणे नमः  
 विष्णवे नमः २६०  
 शङ्कराय नमः  
 हंसाय नमः  
 मरीचये नमः  
 गोविन्दाय नमः  
 रत्नगर्भाय नमः  
 महामतये नमः  
 व्यासाय नमः  
 वाचस्पतये नमः  
 सर्वदर्पितासुरमर्दनाय नमः  
 जानकीवल्लभाय नमः २७०  
 पूज्याय नमः  
 प्रकटाय नमः

प्रीतिवर्धनाय नमः  
 सम्भवाय नमः  
 अतीन्द्रियाय नमः  
 वेद्याय नमः  
 अनिर्देशाय नमः  
 जाम्बवत्प्रभवे नमः  
 मदनाय नमः  
 मथनाय नमः २८०  
 व्यापिने नमः  
 विश्वरूपिणे नमः  
 निरञ्जनाय नमः  
 नारायणाय नमः  
 अग्रण्ये नमः  
 साधवे नमः  
 जटायुप्रीतिवर्धनाय नमः  
 नैकरूपाय नमः  
 जगन्नाथाय नमः  
 सुरकार्यहिताय नमः २९०  
 स्वभुवे नमः  
 जितक्रोधाय नमः  
 जितारातये नमः  
 प्लवगाधिपराज्यदाय नमः  
 वसुदाय नमः  
 सुभुजाय नमः  
 नैकमायाय नमः  
 भव्यप्रमोदनाय नमः

चण्डांशवे नमः  
 सिद्धिदाय नमः ३००  
 कल्पाय नमः  
 शरणागतवत्सलाय नमः  
 अगदाय नमः  
 रोगहर्त्रे नमः  
 मन्त्रज्ञाय नमः  
 मन्त्रभावनाय नमः  
 सौमित्रिवत्सलाय नमः  
 धुर्याय नमः  
 व्यक्ताव्यक्तस्वरूपधृते नमः  
 वसिष्ठाय नमः ३१०  
 ग्रामण्ये नमः  
 श्रीमते नमः  
 अनुकूलाय नमः  
 प्रियंवदाय नमः  
 अतुलाय नमः  
 सात्त्विकाय नमः  
 धीराय नमः  
 शरासनविशारदाय नमः  
 ज्येष्ठाय नमः  
 सर्वगुणोपेताय नमः ३२०  
 शक्तिमते नमः  
 ताटकान्तकाय नमः  
 वैकुण्ठाय नमः  
 प्राणिनां प्राणाय नमः

कमठाय नमः  
 कमलापतये नमः  
 गोवर्धनधराय नमः  
 मत्स्यरूपाय नमः  
 कारुण्यसागराय नमः  
 कुम्भकर्णप्रभेत्त्रे नमः ३३०  
 गोपिगोपालसंवृताय नमः  
 मायाविने नमः  
 व्यापकाय नमः  
 व्यापिने नमः  
 रैणुकेयबलापहाय नमः  
 पिनाकमथनाय नमः  
 वन्द्याय नमः  
 समर्थाय नमः  
 गरुडध्वजाय नमः  
 लोकत्रयाश्रयाय नमः ३४०  
 लोकचरिताय नमः  
 भरताग्रजाय नमः  
 श्रीधराय नमः  
 सद्गतये नमः  
 लोकसाक्षिणे नमः  
 नारायणाय नमः  
 बुधाय नमः  
 मनोवेगिने नमः  
 मनोरूपिणे नमः  
 पूर्णाय नमः ३५०

पुरुषपुङ्गवाय नमः  
 यदुश्रेष्ठाय नमः  
 यदुपतये नमः  
 भूतावासाय नमः  
 सुविक्रमाय नमः  
 तेजोधराय नमः  
 धराधाराय नमः  
 चतुर्मूर्तये नमः  
 महानिधये नमः  
 चाणूरमर्दनाय नमः ३६०  
 दिव्याय नमः  
 शान्ताय नमः  
 भरतवन्दिताय नमः  
 शब्दातिगाय नमः  
 गभीरात्मने नमः  
 कोमलाङ्गाय नमः  
 प्रजागराय नमः  
 लोकगर्भाय नमः  
 शेषशायिने नमः  
 क्षीराब्धिनिलयाय नमः ३७०  
 अमलाय नमः  
 आत्मयोनये नमः  
 अदीनात्मने नमः  
 सहस्राक्षाय नमः  
 सहस्रपदे नमः  
 अमृतांशवे नमः

महागर्भाय नमः  
 निवृत्तविषयस्पृहाय नमः  
 त्रिकालज्ञाय नमः  
 मुनये नमः ३८०  
 साक्षिणे नमः  
 विहायसगतये नमः  
 कृतिने नमः  
 पर्जन्याय नमः  
 कुमुदाय नमः  
 भूतावासाय नमः  
 कमललोचनाय नमः  
 श्रीवत्सवक्षसे नमः  
 श्रीवासाय नमः  
 वीरघ्ने नमः ३९०  
 लक्ष्मणाग्रजाय नमः  
 लोकाभिरामाय नमः  
 लोकारिमर्दनाय नमः  
 सेवकप्रियाय नमः  
 सनातनतमाय नमः  
 मेघश्यामलाय नमः  
 राक्षसान्तकृते नमः  
 दिव्यायुधधराय नमः  
 श्रीमते नमः  
 अप्रमेयाय नमः ४००  
 जितेन्द्रियाय नमः  
 भूदेववन्द्याय नमः

जनकप्रियकृते नमः  
 प्रपितामहाय नमः  
 उत्तमाय नमः  
 सात्त्विकाय नमः  
 सत्याय नमः  
 सत्यसन्धाय नमः  
 त्रिविक्रमाय नमः  
 सुव्रताय नमः ४१०  
 सुलभाय नमः  
 सूक्ष्माय नमः  
 सुघोषाय नमः  
 सुखदाय नमः  
 सुधिये नमः  
 दामोदराय नमः  
 अच्युताय नमः  
 शार्ङ्गिणे नमः  
 वामनाय नमः  
 मधुराधिपाय नमः ४२०  
 देवकीनन्दनाय नमः  
 शौरये नमः  
 शूराय नमः  
 कैटभमर्दनाय नमः  
 सप्ततालप्रभेत्त्रे नमः  
 मित्रवंशप्रवर्धनाय नमः  
 कालस्वरूपिणे नमः  
 कालात्मने नमः



|                    |     |                        |     |
|--------------------|-----|------------------------|-----|
| कालाय नमः          |     | विशेषाय नमः            |     |
| कल्याणदाय नमः      | ४३० | विगतकल्मषाय नमः        |     |
| कवये नमः           |     | रघुनायकाय नमः          |     |
| संवत्सराय नमः      |     | वर्णश्रेष्ठाय नमः      |     |
| ऋतवे नमः           |     | वर्णवाह्याय नमः        |     |
| पक्षाय नमः         |     | वर्णाय नमः             | ४६० |
| अयनाय नमः          |     | वर्ण्यगुणोज्ज्वलाय नमः |     |
| दिवसाय नमः         |     | कर्मसाक्षिणे नमः       |     |
| युगाय नमः          |     | अमरश्रेष्ठाय नमः       |     |
| स्तव्याय नमः       |     | देवदेवाय नमः           |     |
| विविक्ताय नमः      |     | सुखप्रदाय नमः          |     |
| निर्लेपाय नमः      | ४४० | देवाधिदेवाय नमः        |     |
| सर्वव्यापिने नमः   |     | देवर्षये नमः           |     |
| निराकुलाय नमः      |     | देवासुरनमस्कृताय नमः   |     |
| अनादिनिधनाय नमः    |     | सर्वदेवमयाय नमः        |     |
| सर्वलोकपूज्याय नमः |     | चक्रिणे नमः            | ४७० |
| निरामयाय नमः       |     | शार्ङ्गपाणये नमः       |     |
| रसाय नमः           |     | रघूत्तमाय नमः          |     |
| रसज्ञाय नमः        |     | मनसे नमः               |     |
| सारज्ञाय नमः       |     | बुद्ध्यै नमः           |     |
| लोकसाराय नमः       |     | अहङ्काराय नमः          |     |
| रसात्मकाय नमः      | ४५० | प्रकृत्यै नमः          |     |
| सर्वदुःखातिगाय नमः |     | पुरुषाय नमः            |     |
| विद्याराशये नमः    |     | अव्ययाय नमः            |     |
| परमगोचराय नमः      |     | अहल्यापावनाय नमः       |     |
| शेषाय नमः          |     | स्वामिने नमः           | ४८० |

पितृभक्ताय नमः  
 वरप्रदाय नमः  
 न्यायाय नमः  
 न्यायिने नमः  
 नयिने नमः  
 श्रीमते नमः  
 नयाय नमः  
 नगधराय नमः  
 ध्रुवाय नमः  
 लक्ष्मीविश्वम्भराभर्त्रे नमः ४९०  
 देवेन्द्राय नमः  
 बलिमर्दनाय नमः  
 वाणारिमर्दनाय नमः  
 यज्वने नमः  
 अनुत्तमाय नमः  
 मुनिसेविताय नमः  
 देवाग्रणये नमः  
 शिवध्यानतत्पराय नमः  
 परमाय नमः  
 परस्मै नमः ५००  
 सामगेयाय नमः  
 प्रियाय नमः  
 अक्रूराय नमः  
 पुण्यकीर्तये नमः  
 सुलोचनाय नमः  
 पुण्याय नमः

पुण्याधिकाय नमः  
 पूर्वस्मै नमः  
 पूर्णाय नमः  
 पूरयित्रे नमः ५१०  
 रवये नमः  
 जटिलाय नमः  
 कल्मषध्वान्तप्रभञ्जन-  
 विभावसवे नमः  
 अव्यक्तलक्षणाय नमः  
 अव्यक्ताय नमः  
 दशास्यद्विपकेसरिणे नमः  
 कलानिधये नमः  
 कलानाथाय नमः  
 कमलानन्दवर्धनाय नमः  
 जयिने नमः ५२०  
 जितारये नमः  
 सर्वादये नमः  
 शमनाय नमः  
 भवभञ्जनाय नमः  
 अलङ्कारिष्णावे नमः  
 अचलाय नमः  
 रोचिष्णावे नमः  
 विक्रमोत्तमाय नमः  
 आशवे नमः  
 शब्दपतये नमः ५३०  
 शब्दागोचराय नमः

रञ्जनाय नमः  
 रघवे नमः  
 निःशब्दाय नमः  
 प्रणवाय नमः  
 मालिने नमः  
 स्थूलाय नमः  
 सूक्ष्माय नमः  
 विलक्षणाय नमः  
 आत्मयोनये नमः ५४०  
 अयोनये नमः  
 सप्तजिह्वाय नमः  
 सहस्रपदे नमः  
 सनातनतमाय नमः  
 स्रग्विणे नमः  
 पेशलाय नमः  
 जविनां वराय नमः  
 शक्तिमते नमः  
 शङ्खभृते नमः  
 नाथाय नमः ५५०  
 गदापद्मरथाङ्गभृते नमः  
 निरीहाय नमः  
 निर्विकल्पाय नमः  
 चिद्रूपाय नमः  
 वीतसाध्वसाय नमः  
 शताननाय नमः  
 सहस्राक्षाय नमः

शतमूर्तये नमः  
 घनप्रभाय नमः  
 हृत्पुण्डरीकशयनाय नमः ५६०  
 कठिनाय नमः  
 द्रवाय नमः  
 उग्राय नमः  
 ग्रहपतये नमः  
 श्रीमते नमः  
 समर्थाय नमः  
 अनर्थनाशनाय नमः  
 अधर्मशत्रवे नमः  
 रक्षोघ्नाय नमः  
 पुरुहूताय नमः ५७०  
 पुरुष्टुताय नमः  
 ब्रह्मगर्भाय नमः  
 बृहद्गर्भाय नमः  
 धर्मधेनवे नमः  
 धनागमाय नमः  
 हिरण्यगर्भाय नमः  
 ज्योतिष्मते नमः  
 सुललाटाय नमः  
 सुविक्रमाय नमः  
 शिवपूजारताय नमः ५८०  
 श्रीमते नमः  
 भवानीप्रियकृते नमः  
 वशिने नमः

नराय नमः  
 नारायणाय नमः  
 श्यामाय नमः  
 कपर्दिने नमः  
 नीललोहिताय नमः  
 रुद्राय नमः  
 पशुपतये नमः ५९०  
 स्थाणवे नमः  
 विश्वामित्राय नमः  
 द्विजेश्वराय नमः  
 मातामहाय नमः  
 मातरिश्वने नमः  
 विरिञ्चाय नमः  
 विष्टरश्रवसे नमः  
 सर्वभूतानाम् अक्षोभ्याय नमः  
 चण्डाय नमः  
 सत्यपराक्रमाय नमः ६००  
 वालखिल्याय नमः  
 महाकल्पाय नमः  
 कल्पवृक्षाय नमः  
 कलाधराय नमः  
 निदाघाय नमः  
 तपनाय नमः  
 अमोघाय नमः  
 श्लक्ष्णाय नमः  
 परबलापहृते नमः

कबन्धमथनाय नमः ६१०  
 दिव्याय नमः  
 कम्बुग्रीवशिवप्रियाय नमः  
 शङ्खाय नमः  
 अनिलाय नमः  
 सुनिष्पन्नाय नमः  
 सुलभाय नमः  
 शिशिरात्मकाय नमः  
 असंसृष्टाय नमः  
 अतिथये नमः  
 शूराय नमः ६२०  
 प्रमाथिने नमः  
 पापनाशकृते नमः  
 वसुश्रवसे नमः  
 कव्यवाहाय नमः  
 प्रतप्ताय नमः  
 विश्वभोजनाय नमः  
 रामाय नमः  
 नीलोत्पलश्यामाय नमः  
 ज्ञानस्कन्धाय नमः  
 महाद्युतये नमः ६३०  
 पवित्रपादाय नमः  
 पापारये नमः  
 मणिपूराय नमः  
 नभोगतये नमः  
 उत्तारणाय नमः

दुष्कृतिघ्ने नमः  
 दुर्धर्षाय नमः  
 दुःसहाय नमः  
 अभयाय नमः  
 अमृतेशाय नमः ६४०  
 अमृतवपुषे नमः  
 धर्मिणे नमः  
 धर्माय नमः  
 कृपाकराय नमः  
 भर्गाय नमः  
 विवस्वते नमः  
 आदित्याय नमः  
 योगाचार्याय नमः  
 दिवस्पतये नमः  
 उदारकीर्तये नमः ६५०  
 उद्योगिने नमः  
 वाङ्मयाय नमः  
 सदसन्मयाय नमः  
 नक्षत्रमालिने नमः  
 नाकेशाय नमः  
 स्वाधिष्ठानाय नमः  
 षडाश्रयाय नमः  
 चतुर्वर्गफलाय नमः  
 वर्णिने नमः  
 शक्तित्रयफलाय नमः ६६०  
 निधये नमः

निधानगर्भाय नमः  
 निर्व्याजाय नमः  
 गिरीशाय नमः  
 व्यालमर्दनाय नमः  
 श्रीवल्लभाय नमः  
 शिवारम्भाय नमः  
 शान्तये नमः  
 भद्राय नमः  
 समञ्जसाय नमः ६७०  
 भूशयाय नमः  
 भूतिकृते नमः  
 भूत्यै नमः  
 भूषणाय नमः  
 भूतवाहनाय नमः  
 अकायाय नमः  
 भक्तकायस्थाय नमः  
 कालज्ञानिने नमः  
 महावटवे नमः  
 परार्थवृत्तये नमः ६८०  
 अचलाय नमः  
 विविक्ताय नमः  
 श्रुतिसागराय नमः  
 स्वभावभद्राय नमः  
 मध्यस्थाय नमः  
 संसारभयनाशनाय नमः  
 वेद्याय नमः

वैद्याय नमः  
 वियद्गोप्त्रे नमः  
 सर्वामरमुनीश्वराय नमः ६९०  
 सुरेन्द्राय नमः  
 करणाय नमः  
 कर्मणे नमः  
 कर्मकृते नमः  
 कर्मिणे नमः  
 अधोक्षजाय नमः  
 ध्येयाय नमः  
 धुर्याय नमः  
 धराधीशाय नमः  
 सङ्कल्पाय नमः ७००  
 शर्वरीपतये नमः  
 परमार्थगुरवे नमः  
 वृद्धाय नमः  
 शुचये नमः  
 आश्रितवत्सलाय नमः  
 विष्णवे नमः  
 जिष्णवे नमः  
 विभवे नमः  
 वन्द्याय नमः  
 यज्ञेशाय नमः ७१०  
 यज्ञपालकाय नमः  
 प्रभविष्णवे नमः  
 ग्रसिष्णवे नमः

लोकात्मने नमः  
 लोकभावनाय नमः  
 केशवाय नमः  
 केशिघ्ने नमः  
 काव्याय नमः  
 कवये नमः  
 कारणकारणाय नमः ७२०  
 कालकर्त्रे नमः  
 कालशेषाय नमः  
 वासुदेवाय नमः  
 पुरुष्टुताय नमः  
 आदिकर्त्रे नमः  
 वराहाय नमः  
 माधवाय नमः  
 मधुसूदनाय नमः  
 नारायणाय नमः  
 नराय नमः ७३०  
 हंसाय नमः  
 विष्वक्सेनाय नमः  
 जनार्दनाय नमः  
 विश्वकर्त्रे नमः  
 महायज्ञाय नमः  
 ज्योतिष्मते नमः  
 पुरुषोत्तमाय नमः  
 वैकुण्ठाय नमः  
 पुण्डरीकाक्षाय नमः

कृष्णाय नमः ७४०  
 सूर्याय नमः  
 सुरार्चिताय नमः  
 नारसिंहाय नमः  
 महाभीमाय नमः  
 वक्रदंष्ट्राय नमः  
 नखायुधाय नमः  
 आदिदेवाय नमः  
 जगत्कर्त्रे नमः  
 योगीशाय नमः  
 गरुडध्वजाय नमः ७५०  
 गोविन्दाय नमः  
 गोपतये नमः  
 गोत्रे नमः  
 भूपतये नमः  
 भुवनेश्वराय नमः  
 पद्मनाभाय नमः  
 हृषीकेशाय नमः  
 धात्रे नमः  
 दामोदराय नमः  
 प्रभवे नमः ७६०  
 त्रिविक्रमाय नमः  
 त्रिलोकेशाय नमः  
 ब्रह्मेशाय नमः  
 प्रीतिवर्धनाय नमः  
 वामनाय नमः

दुष्टदमनाय नमः  
 गोविन्दाय नमः  
 गोपवल्लभाय नमः  
 भक्तप्रियाय नमः  
 अच्युताय नमः ७७०  
 सत्याय नमः  
 सत्यकीर्तये नमः  
 धृत्यै नमः  
 स्मृत्यै नमः  
 कारुण्याय नमः  
 करुणाय नमः  
 व्यासाय नमः  
 पापघ्ने नमः  
 शान्तिवर्धनाय नमः  
 सन्न्यासिने नमः ७८०  
 शास्त्रतत्त्वज्ञाय नमः  
 मन्दराद्रिनिकेतनाय नमः  
 बदरीनिलयाय नमः  
 शान्ताय नमः  
 तपस्विने नमः  
 वैद्युतप्रभाय नमः  
 भूतावासाय नमः  
 गुहावासाय नमः  
 श्रीनिवासाय नमः  
 श्रियः पतये नमः ७९०  
 तपोवासाय नमः

मुदावासाय नमः  
 सत्यवासाय नमः  
 सनातनाय नमः  
 पुरुषाय नमः  
 पुष्कराय नमः  
 पुण्याय नमः  
 पुष्कराक्षाय नमः  
 महेश्वराय नमः  
 पूर्णमूर्तये नमः  
 पुराणज्ञाय नमः  
 पुण्यदाय नमः  
 प्रीतिवर्धनाय नमः  
 शङ्खिने नमः  
 चक्रिणे नमः  
 गदिने नमः  
 शार्ङ्गिणे नमः  
 लाङ्गलिने नमः  
 मुसलिने नमः  
 हलिने नमः  
 किरीटिने नमः  
 कुण्डलिने नमः  
 हारिणे नमः  
 मेखलिने नमः  
 कवचिने नमः  
 ध्वजिने नमः  
 योद्धे नमः

८००

८१०

जेत्रे नमः  
 महावीर्याय नमः  
 शत्रुजिते नमः  
 शत्रुतापनाय नमः  
 शास्त्रे नमः  
 शास्त्रकराय नमः  
 शास्त्राय नमः  
 शङ्कराय नमः  
 शङ्करस्तुताय नमः  
 सारथ्ये नमः  
 सात्त्विकाय नमः  
 स्वामिने नमः  
 सामवेदप्रियाय नमः  
 समाय नमः  
 पवनाय नमः  
 संहताय नमः  
 शक्तये नमः  
 सम्पूर्णाङ्गाय नमः  
 समृद्धिमते नमः  
 स्वर्गदाय नमः  
 कामदाय नमः  
 श्रीदाय नमः  
 कीर्तिदाय नमः  
 अकीर्तिनाशनाय नमः  
 मोक्षदाय नमः  
 पुण्डरीकाक्षाय नमः

८२०

८३०

८४०



क्षीराब्धिकृतकेतनाय नमः

सर्वात्मने नमः

सर्वलोकेशाय नमः

प्रेरकाय नमः

पापनाशनाय नमः

सर्वव्यापिने नमः

जगन्नाथाय नमः ८५०

सर्वलोकमहेश्वराय नमः

सर्गस्थित्यन्तकृते नमः

देवाय नमः

सर्वलोकसुखावहाय नमः

अक्षय्याय नमः

शाश्वताय नमः

अनन्ताय नमः

क्षयवृद्धिविवर्जिताय नमः

निर्लेपाय नमः

निर्गुणाय नमः ८६०

सूक्ष्माय नमः

निर्विकाराय नमः

निरञ्जनाय नमः

सर्वोपाधिविनिर्मुक्ताय नमः

सत्तामात्रव्यवस्थिताय नमः

अधिकारिणे नमः

विभवे नमः

नित्याय नमः

परमात्मने नमः

सनातनाय नमः

८७०

अचलाय नमः

निर्मलाय नमः

व्यापिने नमः

नित्यतृप्ताय नमः

निराश्रयाय नमः

श्यामाय नमः

यूने नमः

लोहिताक्षाय नमः

दीप्तास्याय नमः

मितभाषणाय नमः

८८०

आजानुवाहवे नमः

सुमुखाय नमः

सिंहस्कन्धाय नमः

महाभुजाय नमः

सत्यवते नमः

गुणसम्पन्नाय नमः

स्वयन्तेजसे नमः

सुदीप्तिमते नमः

कालात्मने नमः

भगवते नमः

८९०

कालाय नमः

कालचक्रप्रवर्तकाय नमः

नारायणाय नमः

परस्मै ज्योतिषे नमः

परमात्मने नमः

सनातनाय नमः  
 विश्वसृजे नमः  
 विश्वगोप्त्रे नमः  
 विश्वभोक्त्रे नमः  
 शाश्वताय नमः ९००  
 विश्वेश्वराय नमः  
 विश्वमूर्तये नमः  
 विश्वात्मने नमः  
 विश्वभावनाय नमः  
 सर्वभूतसुहृदे नमः  
 शान्ताय नमः  
 सर्वभूतानुकम्पनाय नमः  
 सर्वेश्वरेश्वराय नमः  
 सर्वस्मै नमः  
 श्रीमते नमः ९१०  
 आश्रितवत्सलाय नमः  
 सर्वगाय नमः  
 सर्वभूतेशाय नमः  
 सर्वभूताशयस्थिताय नमः  
 अभ्यन्तरस्थाय नमः  
 तमसश्छेत्त्रे नमः  
 नारायणाय नमः  
 परस्मै नमः  
 अनादिनिधनाय नमः  
 स्रष्ट्रे नमः ९२०  
 प्रजापतिपतये नमः

हरये नमः  
 नरसिंहाय नमः  
 हृषीकेशाय नमः  
 सर्वात्मने नमः  
 सर्वदृशे नमः  
 वशिने नमः  
 जगतस्तस्थुषाय नमः  
 प्रभवे नमः  
 नेत्रे नमः ९३०  
 सनातनाय नमः  
 कर्त्रे नमः  
 धात्रे नमः  
 विधात्रे नमः  
 सर्वेषां प्रभवे नमः  
 ईश्वराय नमः  
 सहस्रमूर्तये नमः  
 विश्वात्मने नमः  
 विष्णवे नमः  
 विश्वदृशे नमः ९४०  
 अव्ययाय नमः  
 पुराणपुरुषाय नमः  
 स्रष्ट्रे नमः  
 सहस्राक्षाय नमः  
 सहस्रपदे नमः  
 तत्त्वाय नमः  
 नारायणाय नमः

|                         |     |                    |     |
|-------------------------|-----|--------------------|-----|
| विष्णवे नमः             |     | विभवे नमः          |     |
| वासुदेवाय नमः           |     | रामाय नमः          |     |
| सनातनाय नमः             | ९५० | श्रीमते नमः        |     |
| परमात्मने नमः           |     | महाविष्णवे नमः     |     |
| परस्मै ब्रह्मणे नमः     |     | जिष्णवे नमः        |     |
| सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः |     | देवहितावहाय नमः    |     |
| परस्मै ज्योतिषे नमः     |     | तत्त्वात्मने नमः   | ९८० |
| परस्मै धाम्ने नमः       |     | तारकाय नमः         |     |
| पराकाशाय नमः            |     | ब्रह्मणे नमः       |     |
| परात्पराय नमः           |     | शाश्वताय नमः       |     |
| अच्युताय नमः            |     | सर्वसिद्धिदाय नमः  |     |
| पुरुषाय नमः             |     | अकारवाच्याय नमः    |     |
| कृष्णाय नमः             | ९६० | भगवते नमः          |     |
| शाश्वताय नमः            |     | श्रिये नमः         |     |
| शिवाय नमः               |     | भूलीलापतये नमः     |     |
| ईश्वराय नमः             |     | पुंसे नमः          |     |
| नित्याय नमः             |     | सर्वलोकेश्वराय नमः | ९९० |
| सर्वगताय नमः            |     | श्रीमते नमः        |     |
| स्थाणवे नमः             |     | सर्वज्ञाय नमः      |     |
| उग्राय नमः              |     | सर्वतोमुखाय नमः    |     |
| साक्षिणे नमः            |     | स्वामिने नमः       |     |
| प्रजापतये नमः           |     | सुशीलाय नमः        |     |
| हिरण्यगर्भाय नमः        | ९७० | सुलभाय नमः         |     |
| सवित्रे नमः             |     | सर्वज्ञाय नमः      |     |
| लोककृते नमः             |     | सर्वशक्तिमते नमः   |     |
| लोकभृते नमः             |     | नित्याय नमः        |     |

सम्पूर्णकामाय नमः १०००  
 नैसर्गिकसुहृदे नमः  
 सुखिने नमः  
 कृपापीयूषजलधये नमः  
 सर्वदेहिनां शरण्याय नमः  
 श्रीमते नमः  
 नारायणाय नमः  
 स्वामिने नमः  
 जगतां पतये नमः

ईश्वराय नमः  
 श्रीशाय नमः १०१०  
 भूतानां शरण्याय नमः  
 संश्रिताभीष्टदायकाय नमः  
 अनन्ताय नमः  
 श्रीपतये नमः  
 रामाय नमः  
 गुणभृते नमः  
 निर्गुणाय नमः  
 महते नमः

॥ इति श्रीमदानन्दरामायणे वाल्मीकीये श्रीरामसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ विष्णुसहस्रनामावलिः ॥

विश्वस्मै नमः  
 विष्णवे नमः  
 वषट्काराय नमः  
 भूतभव्यभवत्प्रभवे नमः  
 भूतकृते नमः  
 भूतभृते नमः  
 भावाय नमः  
 भूतात्मने नमः  
 भूतभावनाय नमः  
 पूतात्मने नमः १०  
 परमात्मने नमः

मुक्तानां परमायै गतये नमः  
 अव्ययाय नमः  
 पुरुषाय नमः  
 साक्षिणे नमः  
 क्षेत्रज्ञाय नमः  
 अक्षराय नमः  
 योगाय नमः  
 योगविदां नेत्रे नमः  
 प्रधानपुरुषेश्वराय नमः २०  
 नारसिंहवपुषे नमः  
 श्रीमते नमः

|                  |    |                       |    |
|------------------|----|-----------------------|----|
| केशवाय नमः       |    | अमरप्रभवे नमः         |    |
| पुरुषोत्तमाय नमः |    | विश्वकर्मणे नमः       | ५० |
| सर्वस्मै नमः     |    | मनवे नमः              |    |
| शर्वाय नमः       |    | त्वष्ट्रे नमः         |    |
| शिवाय नमः        |    | स्थविष्ठाय नमः        |    |
| स्थाणवे नमः      |    | स्थविराय ध्रुवाय नमः  |    |
| भूतादये नमः      |    | अग्राह्याय नमः        |    |
| निधयेऽव्ययाय नमः | ३० | शाश्वताय नमः          |    |
| सम्भवाय नमः      |    | कृष्णाय नमः           |    |
| भावनाय नमः       |    | लोहिताक्षाय नमः       |    |
| भर्त्रे नमः      |    | प्रतर्दनाय नमः        |    |
| प्रभवाय नमः      |    | प्रभूताय नमः          | ६० |
| प्रभवे नमः       |    | त्रिककुब्द्याम्ने नमः |    |
| ईश्वराय नमः      |    | पवित्राय नमः          |    |
| स्वयम्भुवे नमः   |    | मङ्गलाय परस्मै नमः    |    |
| शम्भवे नमः       |    | ईशानाय नमः            |    |
| आदित्याय नमः     |    | प्राणदाय नमः          |    |
| पुष्कराक्षाय नमः | ४० | प्राणाय नमः           |    |
| महास्वनाय नमः    |    | ज्येष्ठाय नमः         |    |
| अनादिनिधनाय नमः  |    | श्रेष्ठाय नमः         |    |
| धात्रे नमः       |    | प्रजापतये नमः         |    |
| विधात्रे नमः     |    | हिरण्यगर्भाय नमः      | ७० |
| धातव उत्तमाय नमः |    | भूगर्भाय नमः          |    |
| अप्रमेयाय नमः    |    | माधवाय नमः            |    |
| हृषीकेशाय नमः    |    | मधुसूदनाय नमः         |    |
| पद्मनाभाय नमः    |    | ईश्वराय नमः           |    |

विक्रमिणे नमः

धन्विने नमः

मेधाविने नमः

विक्रमाय नमः

क्रमाय नमः

अनुत्तमाय नमः

८०

दुराधर्षाय नमः

कृतज्ञाय नमः

कृतये नमः

आत्मवते नमः

सुरेशाय नमः

शरणाय नमः

शर्मणे नमः

विश्वरेतसे नमः

प्रजाभवाय नमः

अह्ने नमः

९०

संवत्सराय नमः

व्यालाय नमः

प्रत्ययाय नमः

सर्वदर्शनाय नमः

अजाय नमः

सर्वेश्वराय नमः

सिद्धाय नमः

सिद्धये नमः

सर्वादये नमः

अच्युताय नमः

१००

वृषाकपये नमः

अमेयात्मने नमः

सर्वयोगविनिस्सृताय नमः

वसवे नमः

वसुमनसे नमः

सत्याय नमः

समात्मने नमः

असम्मिताय नमः

समाय नमः

अमोघाय नमः

११०

पुण्डरीकाक्षाय नमः

वृषकर्मणे नमः

वृषाकृतये नमः

रुद्राय नमः

बहुशिरसे नमः

बभ्रवे नमः

विश्वयोनये नमः

शुचिश्रवसे नमः

अमृताय नमः

शाश्वतस्स्थानवे नमः

१२०

वरारोहाय नमः

महातपसे नमः

सर्वगाय नमः

सर्वविद्भानवे नमः

विष्वक्सेनाय नमः

जनार्दनाय नमः

वेदाय नमः  
 वेदविदे नमः  
 अव्यङ्गाय नमः  
 वेदाङ्गाय नमः १३०  
 वेदविदे नमः  
 कवये नमः  
 लोकाध्यक्षाय नमः  
 सुराध्यक्षाय नमः  
 धर्माध्यक्षाय नमः  
 कृताकृताय नमः  
 चतुरात्मने नमः  
 चतुर्व्यूहाय नमः  
 चतुर्दंष्ट्राय नमः  
 चतुर्भुजाय नमः १४०  
 भ्राजिष्णवे नमः  
 भोजनाय नमः  
 भोक्त्रे नमः  
 सहिष्णवे नमः  
 जगदादिजाय नमः  
 अनघाय नमः  
 विजयाय नमः  
 जेत्रे नमः  
 विश्वयोनये नमः  
 पुनर्वसवे नमः १५०  
 उपेन्द्राय नमः  
 वामनाय नमः

प्रांशवे नमः  
 अमोघाय नमः  
 शुचये नमः  
 ऊर्जिताय नमः  
 अतीन्द्राय नमः  
 सङ्ग्रहाय नमः  
 सर्गाय नमः  
 धृतात्मने नमः १६०  
 नियमाय नमः  
 यमाय नमः  
 वेद्याय नमः  
 वैद्याय नमः  
 सदायोगिने नमः  
 वीरघ्ने नमः  
 माधवाय नमः  
 मधवे नमः  
 अतीन्द्रियाय नमः  
 महामायाय नमः १७०  
 महोत्साहाय नमः  
 महाबलाय नमः  
 महाबुद्धये नमः  
 महावीर्याय नमः  
 महाशक्तये नमः  
 महाद्युतये नमः  
 अनिर्देश्यवपुषे नमः  
 श्रीमते नमः

|                  |     |                        |     |
|------------------|-----|------------------------|-----|
| अमेयात्मने नमः   |     | दुर्मर्षणाय नमः        |     |
| महाद्रिधृषे नमः  | १८० | शास्त्रे नमः           |     |
| महेष्वासाय नमः   |     | विश्रुतात्मने नमः      |     |
| महीभर्त्रे नमः   |     | सुरारिघ्ने नमः         |     |
| श्रीनिवासाय नमः  |     | गुरवे नमः              |     |
| सतां गतये नमः    |     | गुरुतमाय नमः           | २१० |
| अनिरुद्धाय नमः   |     | धाम्ने नमः             |     |
| सुरानन्दाय नमः   |     | सत्याय नमः             |     |
| गोविन्दाय नमः    |     | सत्यपराक्रमाय नमः      |     |
| गोविदां पतये नमः |     | निमिषाय नमः            |     |
| मरीचये नमः       |     | अनिमिषाय नमः           |     |
| दमनाय नमः        | १९० | स्त्रग्विणे नमः        |     |
| हंसाय नमः        |     | वाचस्पतये उदारधिये नमः |     |
| सुपर्णाय नमः     |     | अग्रण्ये नमः           |     |
| भुजगोत्तमाय नमः  |     | ग्रामण्ये नमः          |     |
| हिरण्यनाभाय नमः  |     | श्रीमते नमः            | २२० |
| सुतपसे नमः       |     | न्यायाय नमः            |     |
| पद्मनाभाय नमः    |     | नेत्रे नमः             |     |
| प्रजापतये नमः    |     | समीरणाय नमः            |     |
| अमृत्यवे नमः     |     | सहस्रमूर्ध्ने नमः      |     |
| सर्वदृशे नमः     |     | विश्वात्मने नमः        |     |
| सिंहाय नमः       | २०० | सहस्राक्षाय नमः        |     |
| सन्धात्रे नमः    |     | सहस्रपदे नमः           |     |
| सन्धिमतये नमः    |     | आवर्तनाय नमः           |     |
| स्थिराय नमः      |     | निवृत्तात्मने नमः      |     |
| अजाय नमः         |     | संवृताय नमः            | २३० |



सम्प्रमर्दनाय नमः  
 अहःसंवर्तकाय नमः  
 वह्नये नमः  
 अनिलाय नमः  
 धरणीधराय नमः  
 सुप्रसादाय नमः  
 प्रसन्नात्मने नमः  
 विश्वधृषे नमः  
 विश्वभुजे नमः  
 विभवे नमः  
 सत्कर्त्रे नमः  
 सत्कृताय नमः  
 साधवे नमः  
 जह्वे नमः  
 नारायणाय नमः  
 नराय नमः  
 असङ्ख्येयानाय नमः  
 अप्रमेयात्मने नमः  
 विशिष्टाय नमः  
 शिष्टकृते नमः  
 शुचये नमः  
 सिद्धार्थाय नमः  
 सिद्धसङ्कल्पाय नमः  
 सिद्धिदाय नमः  
 सिद्धिसाधनाय नमः  
 वृषाहिणे नमः

२४०

२५०

वृषभाय नमः  
 विष्णवे नमः  
 वृषपर्वणे नमः  
 वृषोदराय नमः  
 वर्धनाय नमः  
 वर्धमानाय नमः  
 विविक्ताय नमः  
 श्रुतिसागराय नमः  
 सुभुजाय नमः  
 दुर्धराय नमः  
 वाग्मिने नमः  
 महेन्द्राय नमः  
 वसुदाय नमः  
 वसवे नमः  
 नैकरूपाय नमः  
 बृहद्रूपाय नमः  
 शिपिविष्टाय नमः  
 प्रकाशनाय नमः  
 ओजस्तेजोद्युतिधराय नमः  
 प्रकाशात्मने नमः  
 प्रतापनाय नमः  
 ऋद्धाय नमः  
 स्पष्टाक्षराय नमः  
 मन्त्राय नमः  
 चन्द्रांशवे नमः  
 भास्करद्युतये नमः

२६०

२७०

२८०

अमृतांशूद्भवाय नमः  
 भानवे नमः  
 शशबिन्दवे नमः  
 सुरेश्वराय नमः  
 औषधाय नमः  
 जगतस्सेतवे नमः  
 सत्यधर्मपराक्रमाय नमः  
 भूतभव्यभवन्नाथाय नमः २९०  
 पवनाय नमः  
 पावनाय नमः  
 अनलाय नमः  
 कामघ्ने नमः  
 कामकृते नमः  
 कान्ताय नमः  
 कामाय नमः  
 कामप्रदाय नमः  
 प्रभवे नमः  
 युगादिकृते नमः ३००  
 युगावर्ताय नमः  
 नैकमायाय नमः  
 महाशनाय नमः  
 अदृश्याय नमः  
 व्यक्तरूपाय नमः  
 सहस्रजिते नमः  
 अनन्तजिते नमः  
 इष्टाय नमः

अविशिष्टाय नमः  
 शिष्टेष्टाय नमः ३१०  
 शिखण्डिने नमः  
 नहुषाय नमः  
 वृषाय नमः  
 क्रोधघ्ने नमः  
 क्रोधकृत्कर्त्रे नमः  
 विश्वबाहवे नमः  
 महीधराय नमः  
 अच्युताय नमः  
 प्रथिताय नमः  
 प्राणाय नमः ३२०  
 प्राणदाय नमः  
 वासवानुजाय नमः  
 अपान्निधये नमः  
 अधिष्ठानाय नमः  
 अप्रमत्ताय नमः  
 प्रतिष्ठिताय नमः  
 स्कन्दाय नमः  
 स्कन्दधराय नमः  
 धुर्याय नमः  
 वरदाय नमः ३३०  
 वायुवाहनाय नमः  
 वासुदेवाय नमः  
 बृहद्भानवे नमः  
 आदिदेवाय नमः

पुरन्दराय नमः  
 अशोकाय नमः  
 तारणाय नमः  
 ताराय नमः  
 शूराय नमः  
 शौरये नमः ३४०  
 जनेश्वराय नमः  
 अनुकूलाय नमः  
 शतावर्ताय नमः  
 पद्मिने नमः  
 पद्मनिभेक्षणाय नमः  
 पद्मनाभाय नमः  
 अरविन्दाक्षाय नमः  
 पद्मगर्भाय नमः  
 शरीरभृते नमः  
 महर्द्धये नमः ३५०  
 ऋद्धाय नमः  
 वृद्धात्मने नमः  
 महाक्षाय नमः  
 गरुडध्वजाय नमः  
 अतुलाय नमः  
 शरभाय नमः  
 भीमाय नमः  
 समयज्ञाय नमः  
 हविर्हरये नमः  
 सर्वलक्षणलक्षण्याय नमः ३६०

लक्ष्मीवते नमः  
 समितिञ्जयाय नमः  
 विक्षराय नमः  
 रोहिताय नमः  
 मार्गाय नमः  
 हेतवे नमः  
 दामोदराय नमः  
 सहाय नमः  
 महीधराय नमः  
 महाभागाय नमः ३७०  
 वेगवते नमः  
 अमिताशनाय नमः  
 उद्भवाय नमः  
 क्षोभणाय नमः  
 देवाय नमः  
 श्रीगर्भाय नमः  
 परमेश्वराय नमः  
 करणाय नमः  
 कारणाय नमः  
 कर्त्रे नमः ३८०  
 विकर्त्रे नमः  
 गहनाय नमः  
 गुहाय नमः  
 व्यवसायाय नमः  
 व्यवस्थानाय नमः  
 संस्थानाय नमः

स्थानदाय नमः  
 ध्रुवाय नमः  
 परर्द्धये नमः  
 परमस्पष्टाय नमः ३९०  
 तुष्टाय नमः  
 पुष्टाय नमः  
 शुभेक्षणाय नमः  
 रामाय नमः  
 विरामाय नमः  
 विरताय नमः  
 मार्गाय नमः  
 नेयाय नमः  
 नयाय नमः  
 अनयाय नमः ४००  
 वीराय नमः  
 शक्तिमतां श्रेष्ठाय नमः  
 धर्माय नमः  
 धर्मविदुत्तमाय नमः  
 वैकुण्ठाय नमः  
 पुरुषाय नमः  
 प्राणाय नमः  
 प्राणदाय नमः  
 प्रणवाय नमः  
 पृथ्वे नमः ४१०  
 हिरण्यगर्भाय नमः  
 शत्रुघ्नाय नमः

व्याप्ताय नमः  
 वायवे नमः  
 अधोक्षजाय नमः  
 ऋतवे नमः  
 सुदर्शनाय नमः  
 कालाय नमः  
 परमेष्ठिने नमः  
 परिग्रहाय नमः ४२०  
 उग्राय नमः  
 संवत्सराय नमः  
 दक्षाय नमः  
 विश्रामाय नमः  
 विश्वदक्षिणाय नमः  
 विस्ताराय नमः  
 स्थावरस्थाणवे नमः  
 प्रमाणाय नमः  
 बीजायाव्ययाय नमः  
 अर्थाय नमः ४३०  
 अनर्थाय नमः  
 महाकोशाय नमः  
 महाभोगाय नमः  
 महाधनाय नमः  
 अनिर्विण्णाय नमः  
 स्थविष्ठाय नमः  
 अभुवे नमः  
 धर्मयूपाय नमः

|                     |     |                  |     |
|---------------------|-----|------------------|-----|
| महामखाय नमः         |     | स्वापनाय नमः     |     |
| नक्षत्रनेमये नमः    | ४४० | स्ववशाय नमः      |     |
| नक्षत्रिणे नमः      |     | व्यापिने नमः     |     |
| क्षमाय नमः          |     | नैकात्मने नमः    |     |
| क्षामाय नमः         |     | नैककर्मकृते नमः  |     |
| समीहनाय नमः         |     | वत्सराय नमः      | ४७० |
| यज्ञाय नमः          |     | वत्सलाय नमः      |     |
| इज्याय नमः          |     | वत्सिने नमः      |     |
| महेज्याय नमः        |     | रत्नगर्भाय नमः   |     |
| क्रतवे नमः          |     | धनेश्वराय नमः    |     |
| सत्राय नमः          |     | धर्मगुपे नमः     |     |
| सताङ्गतये नमः       | ४५० | धर्मकृते नमः     |     |
| सर्वदर्शिने नमः     |     | धर्मिणे नमः      |     |
| विमुक्तात्मने नमः   |     | सते नमः          |     |
| सर्वज्ञाय नमः       |     | असते नमः         |     |
| ज्ञानाय उत्तमाय नमः |     | क्षराय नमः       | ४८० |
| सुव्रताय नमः        |     | अक्षराय नमः      |     |
| सुमुखाय नमः         |     | अविज्ञात्रे नमः  |     |
| सूक्ष्माय नमः       |     | सहस्रांशवे नमः   |     |
| सुघोषाय नमः         |     | विधात्रे नमः     |     |
| सुखदाय नमः          |     | कृतलक्षणाय नमः   |     |
| सुहृदे नमः          | ४६० | गभस्तिनेमये नमः  |     |
| मनोहराय नमः         |     | सत्त्वस्थाय नमः  |     |
| जितक्रोधाय नमः      |     | सिंहाय नमः       |     |
| वीरबाहवे नमः        |     | भूतमहेश्वराय नमः |     |
| विदारणाय नमः        |     | आदिदेवाय नमः     | ४९० |

महादेवाय नमः  
 देवेशाय नमः  
 देवभृद्गुरवे नमः  
 उत्तराय नमः  
 गोपतये नमः  
 गोप्त्रे नमः  
 ज्ञानगम्याय नमः  
 पुरातनाय नमः  
 शरीरभूतभृते नमः  
 भोक्त्रे नमः ५००  
 कपीन्द्राय नमः  
 भूरिदक्षिणाय नमः  
 सोमपाय नमः  
 अमृतपाय नमः  
 सोमाय नमः  
 पुरुजिते नमः  
 पुरुसत्तमाय नमः  
 विनयाय नमः  
 जयाय नमः  
 सत्यसन्धाय नमः ५१०  
 दाशार्हाय नमः  
 सात्त्वतां पतये नमः  
 जीवाय नमः  
 विनयितासाक्षिणे नमः  
 मुकुन्दाय नमः  
 अमितविक्रमाय नमः

अम्भोनिधये नमः  
 अनन्तात्मने नमः  
 महोदधिशयाय नमः  
 अन्तकाय नमः ५२०  
 अजाय नमः  
 महार्हाय नमः  
 स्वाभाव्याय नमः  
 जितामित्राय नमः  
 प्रमोदनाय नमः  
 आनन्दाय नमः  
 नन्दनाय नमः  
 नन्दाय नमः  
 सत्यधर्मणे नमः  
 त्रिविक्रमाय नमः ५३०  
 महर्षये कपिलाचार्याय नमः  
 कृतज्ञाय नमः  
 मेदिनीपतये नमः  
 त्रिपदाय नमः  
 त्रिदशाध्यक्षाय नमः  
 महाशृङ्गाय नमः  
 कृतान्तकृते नमः  
 महावराहाय नमः  
 गोविन्दाय नमः  
 सुषेणाय नमः ५४०  
 कनकाङ्गदिने नमः  
 गुह्याय नमः

|                        |     |                       |     |
|------------------------|-----|-----------------------|-----|
| गभीराय नमः             |     | दारुणाय नमः           |     |
| गहनाय नमः              |     | द्रविणप्रदाय नमः      | ५७० |
| गुप्ताय नमः            |     | दिवस्पृशे नमः         |     |
| चक्रगदाधराय नमः        |     | सर्वदृग्व्यासाय नमः   |     |
| वेधसे नमः              |     | वाचस्पतयेऽयोनिजाय नमः |     |
| स्वाङ्गाय नमः          |     | त्रिसाम्ने नमः        |     |
| अजिताय नमः             |     | सामगाय नमः            |     |
| कृष्णाय नमः            | ५५० | साम्ने नमः            |     |
| दृढाय नमः              |     | निर्वाणाय नमः         |     |
| सङ्कर्षणायाच्युताय नमः |     | भेषजाय नमः            |     |
| वरुणाय नमः             |     | भिषजे नमः             |     |
| वारुणाय नमः            |     | सन्ध्यासकृते नमः      | ५८० |
| वृक्षाय नमः            |     | शमाय नमः              |     |
| पुष्कराक्षाय नमः       |     | शान्ताय नमः           |     |
| महामनसे नमः            |     | निष्टायै नमः          |     |
| भगवते नमः              |     | शान्त्यै नमः          |     |
| भगध्ने नमः             |     | परायणाय नमः           |     |
| आनन्दिने नमः           | ५६० | शुभाङ्गाय नमः         |     |
| वनमालिने नमः           |     | शान्तिदाय नमः         |     |
| हलायुधाय नमः           |     | स्त्रष्ट्रे नमः       |     |
| आदित्याय नमः           |     | कुमुदाय नमः           |     |
| ज्योतिरादित्याय नमः    |     | कुवलेशयाय नमः         | ५९० |
| सहिष्णवे नमः           |     | गोहिताय नमः           |     |
| गतिसत्तमाय नमः         |     | गोपतये नमः            |     |
| सुधन्वने नमः           |     | गोध्रे नमः            |     |
| खण्डपरशवे नमः          |     | वृषभाक्षाय नमः        |     |

वृषप्रियाय नमः  
 अनिवर्तिने नमः  
 निवृत्तात्मने नमः  
 सङ्क्षेत्रे नमः  
 क्षेमकृते नमः  
 शिवाय नमः ६००  
 श्रीवत्सवक्षसे नमः  
 श्रीवासाय नमः  
 श्रीपतये नमः  
 श्रीमतां वराय नमः  
 श्रीदाय नमः  
 श्रीशाय नमः  
 श्रीनिवासाय नमः  
 श्रीनिधये नमः  
 श्रीविभावनाय नमः  
 श्रीधराय नमः ६१०  
 श्रीकराय नमः  
 श्रेयसे नमः  
 श्रीमते नमः  
 लोकत्रयाश्रयाय नमः  
 स्वक्षाय नमः  
 स्वङ्गाय नमः  
 शतानन्दाय नमः  
 नन्दये नमः  
 ज्योतिर्गणेश्वराय नमः  
 विजितात्मने नमः ६२०

अविधेयात्मने नमः  
 सत्कीर्तये नमः  
 छिन्नसंशयाय नमः  
 उदीर्णाय नमः  
 सर्वतश्चक्षुषे नमः  
 अनीशाय नमः  
 शाश्वतस्स्थिराय नमः  
 भूशयाय नमः  
 भूषणाय नमः  
 भूतये नमः ६३०  
 विशोकाय नमः  
 शोकनाशनाय नमः  
 अर्चिष्मते नमः  
 अर्चिताय नमः  
 कुम्भाय नमः  
 विशुद्धात्मने नमः  
 विशोधनाय नमः  
 अनिरुद्धाय नमः  
 अप्रतिरथाय नमः  
 प्रद्युम्नाय नमः ६४०  
 अमितविक्रमाय नमः  
 कालनेमिनिघ्ने नमः  
 वीराय नमः  
 शौरये नमः  
 शूरजनेश्वराय नमः  
 त्रिलोकात्मने नमः



त्रिलोकेशाय नमः

केशवाय नमः

केशिघ्ने नमः

हरये नमः

६५०

कामदेवाय नमः

कामपालाय नमः

कामिने नमः

कान्ताय नमः

कृतागमाय नमः

अनिर्देश्यवपुषे नमः

विष्णवे नमः

वीराय नमः

अनन्ताय नमः

धनञ्जयाय नमः

६६०

ब्रह्मण्याय नमः

ब्रह्मकृते नमः

ब्रह्मणे नमः

ब्रह्मणे नमः

ब्रह्मविवर्धनाय नमः

ब्रह्मविदे नमः

ब्राह्मणाय नमः

ब्रह्मिणे नमः

ब्रह्मज्ञाय नमः

ब्राह्मणप्रियाय नमः

६७०

महाक्रमाय नमः

महाकर्मणे नमः

महातेजसे नमः

महोरगाय नमः

महाक्रतवे नमः

महायज्वने नमः

महायज्ञाय नमः

महाहविषे नमः

स्तव्याय नमः

स्तवप्रियाय नमः

६८०

स्तोत्राय नमः

स्तुतये नमः

स्तोत्रे नमः

रणप्रियाय नमः

पूर्णाय नमः

पूरयित्रे नमः

पुण्याय नमः

पुण्यकीर्तये नमः

अनामयाय नमः

मनोजवाय नमः

६९०

तीर्थकराय नमः

वसुरेतसे नमः

वसुप्रदाय नमः

वसुप्रदाय नमः

वासुदेवाय नमः

वसुवे नमः

वसुमनसे नमः

हविषे नमः

|                   |     |                   |     |
|-------------------|-----|-------------------|-----|
| सद्गतये नमः       |     | एकस्मै नमः        |     |
| सत्कृतये नमः      | ७०० | नैकस्मै नमः       |     |
| सत्तायै नमः       |     | सवाय नमः          |     |
| सद्भूतये नमः      |     | काय नमः           |     |
| सत्परायणाय नमः    |     | कस्मै नमः         |     |
| शूरसेनाय नमः      |     | यस्मै नमः         | ७३० |
| यदुश्रेष्ठाय नमः  |     | तस्मै नमः         |     |
| सन्निवासाय नमः    |     | पदायानुत्तमाय नमः |     |
| सुयामुनाय नमः     |     | लोकबन्धवे नमः     |     |
| भूतावासाय नमः     |     | लोकनाथाय नमः      |     |
| वासुदेवाय नमः     |     | माधवाय नमः        |     |
| सर्वासुनिलयाय नमः | ७१० | भक्तवत्सलाय नमः   |     |
| अनलाय नमः         |     | सुवर्णवर्णाय नमः  |     |
| दर्पघ्ने नमः      |     | हेमाङ्गाय नमः     |     |
| दर्पदाय नमः       |     | वराङ्गाय नमः      |     |
| दृष्टाय नमः       |     | चन्दनाङ्गदिने नमः | ७४० |
| दुर्धराय नमः      |     | वीरघ्ने नमः       |     |
| अपराजिताय नमः     |     | विषमाय नमः        |     |
| विश्वमूर्तये नमः  |     | शून्याय नमः       |     |
| महामूर्तये नमः    |     | घृताशिषे नमः      |     |
| दीप्तमूर्तये नमः  |     | अचलाय नमः         |     |
| अमूर्तिमते नमः    | ७२० | चलाय नमः          |     |
| अनेकमूर्तये नमः   |     | अमानिने नमः       |     |
| अव्यक्ताय नमः     |     | मानदाय नमः        |     |
| शतमूर्तये नमः     |     | मान्याय नमः       |     |
| शताननाय नमः       |     | लोकस्वामिने नमः   | ७५० |

त्रिलोकधृषे नमः  
 सुमेधसे नमः  
 मेधजाय नमः  
 धन्याय नमः  
 सत्यमेधसे नमः  
 धराधराय नमः  
 तेजोवृषाय नमः  
 द्युतिधराय नमः  
 सर्वशस्त्रभृतां वराय नमः  
 प्रग्रहाय नमः ७६०  
 निग्रहाय नमः  
 व्यग्राय नमः  
 नैकशृङ्गाय नमः  
 गदाग्रजाय नमः  
 चतुर्मूर्तये नमः  
 चतुर्बाहवे नमः  
 चतुर्व्यूहाय नमः  
 चतुर्गतये नमः  
 चतुरात्मने नमः  
 चतुर्भावाय नमः ७७०  
 चतुर्वेदविदे नमः  
 एकपदे नमः  
 समावर्ताय नमः  
 अनिवृत्तात्मने नमः  
 दुर्जयाय नमः  
 दुरतिक्रमाय नमः

दुर्लभाय नमः  
 दुर्गमाय नमः  
 दुर्गाय नमः  
 दुरावासाय नमः ७८०  
 दुरारिघ्ने नमः  
 शुभाङ्गाय नमः  
 लोकसारङ्गाय नमः  
 सुतन्त्रवे नमः  
 तन्तुवर्धनाय नमः  
 इन्द्रकर्मणे नमः  
 महाकर्मणे नमः  
 कृतकर्मणे नमः  
 कृतागमाय नमः  
 उद्भवाय नमः ७९०  
 सुन्दराय नमः  
 सुन्दाय नमः  
 रत्ननाभाय नमः  
 सुलोचनाय नमः  
 अर्काय नमः  
 वाजसनाय नमः  
 शृङ्गिणे नमः  
 जयन्ताय नमः  
 सर्वविज्जयिने नमः  
 सुवर्णबिन्दवे नमः ८००  
 अक्षोभ्याय नमः  
 सर्ववागीश्वरेश्वराय नमः

महाहृदाय नमः  
 महागर्ताय नमः  
 महाभूताय नमः  
 महानिधये नमः  
 कुमुदाय नमः  
 कुन्दराय नमः  
 कुन्दाय नमः  
 पर्जन्याय नमः ८१०  
 पावनाय नमः  
 अनिलाय नमः  
 अमृताशाय नमः  
 अमृतवपुषे नमः  
 सर्वज्ञाय नमः  
 सर्वतोमुखाय नमः  
 सुलभाय नमः  
 सुव्रताय नमः  
 सिद्धाय नमः  
 शत्रुजिते नमः ८२०  
 शत्रुतापनाय नमः  
 न्यग्रोधाय नमः  
 उदुम्बराय नमः  
 अश्वत्थाय नमः  
 चाणूरान्ध्रनिषूदनाय नमः  
 सहस्रार्चिषे नमः  
 सप्तजिह्वाय नमः  
 सप्तैधसे नमः

सप्तवाहनाय नमः  
 अमूर्तये नमः ८३०  
 अनघाय नमः  
 अचिन्त्याय नमः  
 भयकृते नमः  
 भयनाशनाय नमः  
 अणवे नमः  
 बृहते नमः  
 कृशाय नमः  
 स्थूलाय नमः  
 गुणभृते नमः  
 निर्गुणाय नमः ८४०  
 महते नमः  
 अधृताय नमः  
 स्वधृताय नमः  
 स्वास्याय नमः  
 प्राग्वंशाय नमः  
 वंशवर्धनाय नमः  
 भारभृते नमः  
 कथिताय नमः  
 योगिने नमः  
 योगीशाय नमः ८५०  
 सर्वकामदाय नमः  
 आश्रमाय नमः  
 श्रमणाय नमः  
 क्षामाय नमः

सुपर्णाय नमः  
 वायुवाहनाय नमः  
 धनुर्धराय नमः  
 धनुर्वेदाय नमः  
 दण्डाय नमः  
 दमयित्रे नमः ८६०  
 दमाय नमः  
 अपराजिताय नमः  
 सर्वसहाय नमः  
 नियन्त्रे नमः  
 अनियमाय नमः  
 अयमाय नमः  
 सत्त्ववते नमः  
 सात्त्विकाय नमः  
 सत्याय नमः  
 सत्यधर्मपरायणाय नमः ८७०  
 अभिप्रायाय नमः  
 प्रियार्हाय नमः  
 अर्हाय नमः  
 प्रियकृते नमः  
 प्रीतिवर्धनाय नमः  
 विहायसगतये नमः  
 ज्योतिषे नमः  
 सुरुचये नमः  
 हुतभुजे नमः  
 विभवे नमः ८८०

रवये नमः  
 विरोचनाय नमः  
 सूर्याय नमः  
 सवित्रे नमः  
 रविलोचनाय नमः  
 अनन्ताय नमः  
 हुतभुजे नमः  
 भोक्त्रे नमः  
 सुखदाय नमः  
 नैकजाय नमः ८९०  
 अग्रजाय नमः  
 अनिर्विण्णाय नमः  
 सदान्तर्षिणे नमः  
 लोकाधिष्ठानाय नमः  
 अद्भुताय नमः  
 सनाते नमः  
 सनातनतमाय नमः  
 कपिलाय नमः  
 कपये नमः  
 अव्ययाय नमः ९००  
 स्वस्तिदाय नमः  
 स्वस्तिकृते नमः  
 स्वस्तये नमः  
 स्वस्तिभुजे नमः  
 स्वस्तिदक्षिणाय नमः  
 अरौद्राय नमः

|                        |     |                  |     |
|------------------------|-----|------------------|-----|
| कुण्डलिने नमः          |     | अनन्तश्रिये नमः  |     |
| चक्रिणे नमः            |     | जितमन्यवे नमः    |     |
| विक्रमिणे नमः          |     | भयापहाय नमः      |     |
| ऊर्जितशासनाय नमः       | ९१० | चतुरश्राय नमः    |     |
| शब्दातिगाय नमः         |     | गभीरात्मने नमः   |     |
| शब्दसहाय नमः           |     | विदिशाय नमः      |     |
| शिशिराय नमः            |     | व्यादिशाय नमः    |     |
| शर्वरीकराय नमः         |     | दिशाय नमः        | ९४० |
| अक्रूराय नमः           |     | अनादये नमः       |     |
| पेशलाय नमः             |     | भुवो भुवे नमः    |     |
| दक्षाय नमः             |     | लक्ष्म्यै नमः    |     |
| दक्षिणाय नमः           |     | सुवीराय नमः      |     |
| क्षमिणां वराय नमः      |     | रुचिराङ्गदाय नमः |     |
| विद्वत्तमाय नमः        | ९२० | जननाय नमः        |     |
| वीतभयाय नमः            |     | जनजन्मादये नमः   |     |
| पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः |     | भीमाय नमः        |     |
| उत्तारणाय नमः          |     | भीमपराक्रमाय नमः |     |
| दुष्कृतिघ्ने नमः       |     | आधारनिलयाय नमः   | ९५० |
| पुण्याय नमः            |     | अधात्रे नमः      |     |
| दुस्स्वप्ननाशनाय नमः   |     | पुष्पहासाय नमः   |     |
| वीरघ्ने नमः            |     | प्रजागराय नमः    |     |
| रक्षणाय नमः            |     | ऊर्ध्वगाय नमः    |     |
| सद्ध्यो नमः            |     | सत्पथाचाराय नमः  |     |
| जीवनाय नमः             | ९३० | प्राणदाय नमः     |     |
| पर्यवस्थिताय नमः       |     | प्रणवाय नमः      |     |
| अनन्तरूपाय नमः         |     | पणाय नमः         |     |

|                        |     |                      |      |
|------------------------|-----|----------------------|------|
| प्रमाणाय नमः           |     | यज्ञसाधनाय नमः       | ९८०  |
| प्राणनिलयाय नमः        | ९६० | यज्ञान्तकृते नमः     |      |
| प्राणभृते नमः          |     | यज्ञगुह्याय नमः      |      |
| प्राणजीवनाय नमः        |     | अन्नाय नमः           |      |
| तत्त्वाय नमः           |     | अन्नादाय नमः         |      |
| तत्त्वविदे नमः         |     | आत्मयोने नमः         |      |
| एकात्मने नमः           |     | स्वयञ्जाताय नमः      |      |
| जन्ममृत्युजरातिगाय नमः |     | वैखानाय नमः          |      |
| भूर्भुवस्स्वस्तरवे नमः |     | सामगायनाय नमः        |      |
| ताराय नमः              |     | देवकीनन्दनाय नमः     |      |
| सवित्रे नमः            |     | स्रष्ट्रे नमः        | ९९०  |
| प्रपितामहाय नमः        | ९७० | क्षितीशाय नमः        |      |
| यज्ञाय नमः             |     | पापनाशनाय नमः        |      |
| यज्ञपतये नमः           |     | शङ्खभृते नमः         |      |
| यज्वने नमः             |     | नन्दकिने नमः         |      |
| यज्ञाङ्गाय नमः         |     | चक्रिणे नमः          |      |
| यज्ञवाहनाय नमः         |     | शार्ङ्गधन्वने नमः    |      |
| यज्ञभृते नमः           |     | गदाधराय नमः          |      |
| यज्ञकृते नमः           |     | रथाङ्गपाणये नमः      |      |
| यज्ञिने नमः            |     | अक्षोभ्याय नमः       |      |
| यज्ञभुजे नमः           |     | सर्वप्रहरणायुधाय नमः | १००० |

॥ इति श्रीविष्णुसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

॥ शिवसहस्रनामावलिः ॥

स्थिराय नमः

स्थाणवे नमः

प्रभवे नमः

भीमाय नमः

प्रवराय नमः

वरदाय नमः

वराय नमः

सर्वात्मने नमः

सर्वविख्याताय नमः

सर्वस्मै नमः

१०

सर्वकराय नमः

भवाय नमः

जटिने नमः

चर्मिणे नमः

शिखण्डिने नमः

सर्वाङ्गाय नमः

सर्वभावनाय नमः

हराय नमः

हरिणाक्षाय नमः

सर्वभूतहराय नमः

२०

प्रभवे नमः

प्रवृत्तये नमः

निवृत्तये नमः

नियताय नमः

शाश्वताय नमः

ध्रुवाय नमः

श्मशानवासिने नमः

भगवते नमः

खचराय नमः

गोचराय नमः

३०

अर्दनाय नमः

अभिवाद्याय नमः

महाकर्मणे नमः

तपस्विने नमः

भूतभावनाय नमः

उन्मत्तवेषप्रच्छन्नाय नमः

सर्वलोकप्रजापतये नमः

महारूपाय नमः

महाकायाय नमः

वृषरूपाय नमः

४०

महायशसे नमः

महात्मने नमः

सर्वभूतात्मने नमः

विश्वरूपाय नमः

महाहनवे नमः

लोकपालाय नमः

अन्तर्हितात्मने नमः

प्रसादाय नमः

हयगर्दभये नमः

पवित्राय नमः

५०

महते नमः

नियमाय नमः



नियमाश्रिताय नमः  
 सर्वकर्मणे नमः  
 स्वयम्भूताय नमः  
 आदये नमः  
 आदिकराय नमः  
 निधये नमः  
 सहस्राक्षाय नमः  
 विशालाक्षाय नमः  
 सोमाय नमः  
 नक्षत्रसाधकाय नमः  
 चन्द्राय नमः  
 सूर्याय नमः  
 शनये नमः  
 केतवे नमः  
 ग्रहाय नमः  
 ग्रहपतये नमः  
 वराय नमः  
 अत्रये नमः  
 अत्र्या नमस्कर्त्रे नमः  
 मृगबाणार्पणाय नमः  
 अनघाय नमः  
 महातपसे नमः  
 घोरतपसे नमः  
 अदीनाय नमः  
 दीनसाधकाय नमः  
 संवत्सरकराय नमः

६०

७०

मन्त्राय नमः  
 प्रमाणाय नमः  
 परमायतपसे नमः  
 योगिने नमः  
 योज्याय नमः  
 महाबीजाय नमः  
 महारेतसे नमः  
 महाबलाय नमः  
 सुवर्णरेतसे नमः  
 सर्वज्ञाय नमः  
 सुबीजाय नमः  
 बीजवाहनाय नमः  
 दशबाहवे नमः  
 अनिमिषाय नमः  
 नीलकण्ठाय नमः  
 उमापतये नमः  
 विश्वरूपाय नमः  
 स्वयंश्रेष्ठाय नमः  
 बलवीराय नमः  
 अबलगणाय नमः  
 गणकर्त्रे नमः  
 गणपतये नमः  
 दिग्वाससे नमः  
 कामाय नमः  
 मन्त्रविदे नमः  
 परममन्त्राय नमः

८०

९०

१००

सर्वभावकराय नमः  
 हराय नमः  
 कमण्डलुधराय नमः  
 धन्विने नमः  
 बाणहस्ताय नमः  
 कपालवते नमः ११०  
 अशनिने नमः  
 शतघ्निने नमः  
 खड्गिने नमः  
 पट्टिशिने नमः  
 आयुधिने नमः  
 महते नमः  
 सुवहस्ताय नमः  
 सुरूपाय नमः  
 तेजसे नमः  
 तेजस्करनिधये नमः १२०  
 उष्णीषिणे नमः  
 सुवक्राय नमः  
 उदग्राय नमः  
 विनताय नमः  
 दीर्घाय नमः  
 हरिकेशाय नमः  
 सुतीर्थाय नमः  
 कृष्णाय नमः  
 शृगालरूपाय नमः  
 सिद्धार्थाय नमः १३०

मु ण्डाय नमः  
 सर्वशुभङ्कराय नमः  
 अजाय नमः  
 बहुरूपाय नमः  
 गन्धधारिणे नमः  
 कपर्दिने नमः  
 उर्ध्वरेतसे नमः  
 ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः  
 ऊर्ध्वशायिने नमः  
 नभस्थलाय नमः १४०  
 त्रिजटिने नमः  
 चीरवाससे नमः  
 रुद्राय नमः  
 सेनापतये नमः  
 विभवे नमः  
 अहश्चराय नमः  
 नक्तञ्चराय नमः  
 तिग्ममन्यवे नमः  
 सुवर्चसाय नमः  
 गजघ्ने नमः १५०  
 दैत्यघ्ने नमः  
 कालाय नमः  
 लोकधात्रे नमः  
 गुणाकराय नमः  
 सिंहशार्दूलरूपाय नमः  
 आर्द्रचर्माम्बरावृताय नमः

कालयोगिने नमः

महानादाय नमः

सर्वकामाय नमः

चतुष्पथाय नमः

१६०

निशाचराय नमः

प्रेतचारिणे नमः

भूतचारिणे नमः

महेश्वराय नमः

बहुभूताय नमः

बहुधराय नमः

स्वर्भानवे नमः

अमिताय नमः

गतये नमः

नृत्यप्रियाय नमः

१७०

नित्यनर्ताय नमः

नर्तकाय नमः

सर्वलालसाय नमः

घोराय नमः

महातपसे नमः

पाशाय नमः

नित्याय नमः

गिरिरुहाय नमः

नभसे नमः

सहस्रहस्ताय नमः

१८०

विजयाय नमः

व्यवसायाय नमः

अतन्द्रिताय नमः

अधर्षणाय नमः

धर्षणात्मने नमः

यज्ञघ्ने नमः

कामनाशकाय नमः

दक्षयागापहारिणे नमः

सुसहाय नमः

मध्यमाय नमः

१९०

तेजोऽपहारिणे नमः

बलघ्ने नमः

मुदिताय नमः

अर्थाय नमः

अजिताय नमः

अवराय नमः

गम्भीरघोषाय नमः

गम्भीराय नमः

गम्भीरबलवाहनाय नमः

न्यग्रोधरूपाय नमः

२००

न्यग्रोधाय नमः

वृक्षकर्णस्थितये नमः

विभवे नमः

सुतीक्ष्णदशनाय नमः

महाकायाय नमः

महाननाय नमः

विश्वक्सेनाय नमः

हरये नमः

|                      |     |                        |     |
|----------------------|-----|------------------------|-----|
| यज्ञाय नमः           |     | बलिने नमः              |     |
| संयुगापीडवाहनाय नमः  | २१० | वेणविने नमः            |     |
| तीक्ष्णतापाय नमः     |     | पणविने नमः             |     |
| हर्यश्वाय नमः        |     | तालिने नमः             |     |
| सहायाय नमः           |     | खलिने नमः              |     |
| कर्मकालविदे नमः      |     | कालकटङ्कटाय नमः        | २४० |
| विष्णुप्रसादिताय नमः |     | नक्षत्रविग्रहमतये नमः  |     |
| यज्ञाय नमः           |     | गुणबुद्धये नमः         |     |
| समुद्राय नमः         |     | लयाय नमः               |     |
| बडवामुखाय नमः        |     | अगमाय नमः              |     |
| हुताशनसहायाय नमः     |     | प्रजापतये नमः          |     |
| प्रशान्तात्मने नमः   | २२० | विश्वबाहवे नमः         |     |
| हुताशनाय नमः         |     | विभागाय नमः            |     |
| उग्रतेजसे नमः        |     | सर्वगाय नमः            |     |
| महातेजसे नमः         |     | अमुखाय नमः             |     |
| जन्याय नमः           |     | विमोचनाय नमः           | २५० |
| विजयकालविदे नमः      |     | सुसरणाय नमः            |     |
| ज्योतिषामयनाय नमः    |     | हिरण्यकवचोद्भवाय नमः   |     |
| सिद्धये नमः          |     | मेढ्रजाय नमः           |     |
| सर्वविग्रहाय नमः     |     | बलचारिणे नमः           |     |
| शिखिने नमः           |     | महीचारिणे नमः          |     |
| मुण्डिने नमः         | २३० | स्तुताय नमः            |     |
| जटिने नमः            |     | सर्वतूर्यनिनादिने नमः  |     |
| ज्वलिने नमः          |     | सर्वतोद्यपरिग्रहाय नमः |     |
| मूर्तिजाय नमः        |     | व्यालरूपाय नमः         |     |
| मूर्धगाय नमः         |     | गुहावासिने नमः         | २६० |

गुहाय नमः  
 मालिने नमः  
 तरङ्गविदे नमः  
 त्रिदशाय नमः  
 त्रिकालधृषे नमः  
 कर्मसर्वबन्धविमोचनाय नमः  
 असुरेन्द्राणां बन्धनाय नमः  
 युधि शत्रुविनाशनाय नमः  
 साङ्ख्यप्रसादाय नमः  
 दुर्वाससे नमः २७०  
 सर्वसाधुनिषेविताय नमः  
 प्रस्कन्दनाय नमः  
 विभागज्ञाय नमः  
 अतुल्याय नमः  
 यज्ञविभागविदे नमः  
 सर्ववासाय नमः  
 सर्वचारिणे नमः  
 दुर्वाससे नमः  
 वासवाय नमः  
 अमराय नमः २८०  
 हैमाय नमः  
 हेमकराय नमः  
 अयज्ञाय नमः  
 सर्वधारिणे नमः  
 धरोत्तमाय नमः  
 लोहिताक्षाय नमः

महाक्षाय नमः  
 विजयाक्षाय नमः  
 विशारदाय नमः  
 सङ्ग्रहाय नमः २९०  
 निग्रहाय नमः  
 कर्त्रे नमः  
 सर्पचीरनिवासनाय नमः  
 मुख्याय नमः  
 अमुख्याय नमः  
 देहाय नमः  
 काहलये नमः  
 सर्वकामदाय नमः  
 सर्वकालप्रसादाय नमः  
 सुबलाय नमः ३००  
 बलरूपधृषे नमः  
 सर्वकामवराय नमः  
 सर्वदाय नमः  
 सर्वतोमुखाय नमः  
 आकाशनिर्विरूपाय नमः  
 निपातिने नमः  
 अवशाय नमः  
 खगाय नमः  
 रौद्ररूपाय नमः  
 अंशवे नमः ३१०  
 आदित्याय नमः  
 बहुरश्मये नमः

सुवर्चसिने नमः  
 वसुवेगाय नमः  
 महावेगाय नमः  
 मनोवेगाय नमः  
 निशाचराय नमः  
 सर्ववासिने नमः  
 श्रियावासिने नमः  
 उपदेशकराय नमः ३२०  
 अकराय नमः  
 मुनये नमः  
 आत्मनिरालोकाय नमः  
 सम्भग्राय नमः  
 सहस्रदाय नमः  
 पक्षिणे नमः  
 पक्षरूपाय नमः  
 अतिदीप्ताय नमः  
 विशाम्पतये नमः  
 उन्मादाय नमः ३३०  
 मदनाय नमः  
 कामाय नमः  
 अश्वत्थाय नमः  
 अर्थकराय नमः  
 यशसे नमः  
 वामदेवाय नमः  
 वामाय नमः  
 प्राचे नमः

दक्षिणाय नमः  
 वामनाय नमः ३४०  
 सिद्धयोगिने नमः  
 महर्षये नमः  
 सिद्धार्थाय नमः  
 सिद्धसाधकाय नमः  
 भिक्षवे नमः  
 भिक्षुरूपाय नमः  
 विपणाय नमः  
 मृदवे नमः  
 अव्ययाय नमः  
 महासेनाय नमः ३५०  
 विशाखाय नमः  
 षष्टिभागाय नमः  
 गवां पतये नमः  
 वज्रहस्ताय नमः  
 विष्कम्भिने नमः  
 चमूस्तम्भनाय नमः  
 वृत्तावृत्तकराय नमः  
 तालाय नमः  
 मधवे नमः  
 मधुकलोचनाय नमः ३६०  
 वाचस्पत्याय नमः  
 वाजसनाय नमः  
 नित्यमाश्रमपूजिताय नमः  
 ब्रह्मचारिणे नमः

लोकचारिणे नमः  
 सर्वचारिणे नमः  
 विचारविदे नमः  
 ईशानाय नमः  
 ईश्वराय नमः  
 कालाय नमः ३७०  
 निशाचारिणे नमः  
 पिनाकवते नमः  
 निमित्तस्थाय नमः  
 निमित्ताय नमः  
 नन्दये नमः  
 नन्दिकराय नमः  
 हरये नमः  
 नन्दीश्वराय नमः  
 नन्दिने नमः  
 नन्दनाय नमः ३८०  
 नन्दिवर्धनाय नमः  
 भगहारिणे नमः  
 निहन्त्रे नमः  
 कालाय नमः  
 ब्रह्मणे नमः  
 पितामहाय नमः  
 चतुर्मुखाय नमः  
 महालिङ्गाय नमः  
 चारुलिङ्गाय नमः  
 लिङ्गाध्यक्षाय नमः ३९०

सुराध्यक्षाय नमः  
 योगाध्यक्षाय नमः  
 युगावहाय नमः  
 बीजाध्यक्षाय नमः  
 बीजकर्त्रे नमः  
 अध्यात्मानुगताय नमः  
 बलाय नमः  
 इतिहासाय नमः  
 सकल्पाय नमः  
 गौतमाय नमः ४००  
 निशाकराय नमः  
 दम्भाय नमः  
 अदम्भाय नमः  
 वैदम्भाय नमः  
 वश्याय नमः  
 वशकराय नमः  
 कलये नमः  
 लोककर्त्रे नमः  
 पशुपतये नमः  
 महाकर्त्रे नमः ४१०  
 अनौषधाय नमः  
 अक्षराय नमः  
 परमाय ब्रह्मणे नमः  
 बलवते नमः  
 शक्राय नमः  
 नीतये नमः

अनीतये नमः  
 शुद्धात्मने नमः  
 शुद्धाय नमः  
 मान्याय नमः ४२०  
 गतागताय नमः  
 बहुप्रसादाय नमः  
 सुस्वप्नाय नमः  
 दर्पणाय नमः  
 अमित्रजिते नमः  
 वेदकाराय नमः  
 मन्त्रकाराय नमः  
 विदुषे नमः  
 समरमर्दनाय नमः  
 महामेघनिवासिने नमः ४३०  
 महाघोराय नमः  
 वशिने नमः  
 कराय नमः  
 अग्निज्वालाय नमः  
 महाज्वालाय नमः  
 अतिधूम्राय नमः  
 हुताय नमः  
 हविषे नमः  
 वृषणाय नमः  
 शङ्कराय नमः ४४०  
 नित्यं वर्चस्विने नमः  
 धूमकेतनाय नमः

नीलाय नमः  
 अङ्गलुब्धाय नमः  
 शोभनाय नमः  
 निरवग्रहाय नमः  
 स्वस्तिदाय नमः  
 स्वस्तिभावाय नमः  
 भागिने नमः  
 भागकराय नमः ४५०  
 लघवे नमः  
 उत्सङ्गाय नमः  
 महाङ्गाय नमः  
 महागर्भपरायणाय नमः  
 कृष्णवर्णाय नमः  
 सुवर्णाय नमः  
 सर्वदेहिनां इन्द्रियाय नमः  
 महापादाय नमः  
 महाहस्ताय नमः  
 महाकायाय नमः ४६०  
 महायशसे नमः  
 महामूर्ध्ने नमः  
 महामात्राय नमः  
 महानेत्राय नमः  
 निशालयाय नमः  
 महान्तकाय नमः  
 महाकर्णाय नमः  
 महोष्ठाय नमः



|                  |     |                         |     |
|------------------|-----|-------------------------|-----|
| महाहनवे नमः      |     | अस्त्रेहनाय नमः         |     |
| महानासाय नमः     | ४७० | अजिताय नमः              |     |
| महाकम्बवे नमः    |     | महामुनये नमः            |     |
| महाग्रीवाय नमः   |     | वृक्षाकाराय नमः         |     |
| श्मशानभाजे नमः   |     | वृक्षकेतवे नमः          |     |
| महावक्षसे नमः    |     | अनलाय नमः               | ५०० |
| महोरस्काय नमः    |     | वायुवाहनाय नमः          |     |
| अन्तरात्मने नमः  |     | गण्डलिने नमः            |     |
| मृगालयाय नमः     |     | मेरुधाम्ने नमः          |     |
| लम्बनाय नमः      |     | देवाधिपतये नमः          |     |
| लम्बितोष्ठाय नमः |     | अथर्वशीर्षाय नमः        |     |
| महामायाय नमः     | ४८० | सामास्याय नमः           |     |
| पयोनिधये नमः     |     | ऋक्सहस्रामितेक्षणाय नमः |     |
| महादन्ताय नमः    |     | यजुः पाद भुजाय नमः      |     |
| महादंष्ट्राय नमः |     | गुह्याय नमः             |     |
| महाजिह्वाय नमः   |     | प्रकाशाय नमः            | ५१० |
| महामुखाय नमः     |     | जङ्गमाय नमः             |     |
| महानखाय नमः      |     | अमोघार्थाय नमः          |     |
| महारोम्णे नमः    |     | प्रसादाय नमः            |     |
| महाकोशाय नमः     |     | अभिगम्याय नमः           |     |
| महाजटाय नमः      |     | सुदर्शनाय नमः           |     |
| प्रसन्नाय नमः    | ४९० | उपकाराय नमः             |     |
| प्रसादाय नमः     |     | प्रियाय नमः             |     |
| प्रत्ययाय नमः    |     | सर्वस्मै नमः            |     |
| गिरिसाधनाय नमः   |     | कनकाय नमः               |     |
| स्नेहनाय नमः     |     | कञ्चनच्छवये नमः         | ५२० |

नाभये नमः  
 नन्दिकराय नमः  
 भावाय नमः  
 पुष्करस्थपतये नमः  
 स्थिराय नमः  
 द्वादशाय नमः  
 त्रासनाय नमः  
 आद्याय नमः  
 यज्ञाय नमः  
 यज्ञसमाहिताय नमः  
 नक्ताय नमः  
 कलये नमः  
 कालाय नमः  
 मकराय नमः  
 कालपूजिताय नमः  
 सगणाय नमः  
 गणकाराय नमः  
 भूतवाहनसारथये नमः  
 भस्मशयाय नमः  
 भस्मगोत्रे नमः  
 भस्मभूताय नमः  
 तरवे नमः  
 गणाय नमः  
 लोकपालाय नमः  
 अलोकाय नमः  
 महात्मने नमः

५३०

५४०

सर्वपूजिताय नमः  
 शुक्लाय नमः  
 त्रिशुक्लाय नमः  
 सम्पन्नाय नमः  
 शुचये नमः  
 भूतनिषेविताय नमः  
 आश्रमस्थाय नमः  
 क्रियावस्थाय नमः  
 विश्वकर्ममतये नमः  
 वराय नमः  
 विशालशाखाय नमः  
 ताम्रोष्ठाय नमः  
 अम्बुजालाय नमः  
 सुनिश्चलाय नमः  
 कपिलाय नमः  
 कपिशाय नमः  
 शुक्लाय नमः  
 आयुषे नमः  
 परस्मै नमः  
 अपरस्मै नमः  
 गन्धर्वाय नमः  
 अदितये नमः  
 ताक्ष्याय नमः  
 सुविज्ञेयाय नमः  
 सुशारदाय नमः  
 परश्वधायुधाय नमः

५५०

५६०

५७०

देवाय नमः

अनुकारिणे नमः

सुबान्धवाय नमः

तुम्बवीणाय नमः

महाक्रोधाया नमः

ऊर्ध्वरेतसे नमः

जलेशयाय नमः

उग्राय नमः

५८०

वंशकराय नमः

वंशाय नमः

वंशनादाय नमः

अनिन्दिताय नमः

सर्वाङ्गरूपाय नमः

मायाविने नमः

सुहृदे नमः

अनिलाय नमः

अनलाय नमः

बन्धनाय नमः

५९०

बन्धकर्त्रे नमः

सुबन्धनविमोचनाय नमः

सयज्ञारये नमः

सकामारये नमः

महादंष्ट्राय नमः

महायुधाय नमः

बहुधानिन्दिताय नमः

शर्वाय नमः

शङ्कराय नमः

शङ्कराय नमः

६००

अधनाय नमः

अमरेशाय नमः

महादेवाय नमः

विश्वदेवाय नमः

सुरारिघ्ने नमः

अहिर्बुध्याय नमः

अनिलाभाय नमः

चेकितानाय नमः

हविषे नमः

अजैकपदे नमः

६१०

कापालिने नमः

त्रिशङ्कवे नमः

अजिताय नमः

शिवाय नमः

धन्वन्तरये नमः

धूमकेतवे नमः

स्कन्दाय नमः

वैश्रवणाय नमः

धात्रे नमः

शक्राय नमः

६२०

विष्णवे नमः

मित्राय नमः

त्वष्ट्रे नमः

धृवाय नमः

धराय नमः  
 प्रभावाय नमः  
 सर्वगाय वायवे नमः  
 अर्यम्णे नमः  
 सवित्रे नमः  
 रवये नमः  
 उषङ्गवे नमः  
 विधात्रे नमः  
 मान्धात्रे नमः  
 भूतभावनाय नमः  
 विभवे नमः  
 वर्णविभाविने नमः  
 सर्वकामगुणावहाय नमः  
 पद्मनाभाय नमः  
 महागर्भाय नमः  
 चन्द्रवक्त्राय नमः  
 अनिलाय नमः  
 अनलाय नमः  
 बलवते नमः  
 उपशान्ताय नमः  
 पुराणाय नमः  
 पुण्यचञ्चुरिणे नमः  
 कुरुकर्त्रे नमः  
 कुरुवासिने नमः  
 कुरुभूताय नमः  
 गुणौषधाय नमः

६३०

६४०

६५०

सर्वाशयाय नमः  
 दर्भचारिणे नमः  
 सर्वेषां प्राणिनां पतये नमः  
 देवदेवाय नमः  
 सुखासक्ताय नमः  
 सते नमः  
 असते नमः  
 सर्वरत्नविदे नमः  
 कैलासगिरिवासिने नमः  
 हिमवद्गिरिसंश्रयाय नमः  
 कूलहारिणे नमः  
 कूलकर्त्रे नमः  
 बहुविधाय नमः  
 बहुप्रदाय नमः  
 वणिजाय नमः  
 वर्धकिने नमः  
 वृक्षाय नमः  
 बकुलाय नमः  
 चन्दनाय नमः  
 छदाय नमः  
 सारग्रीवाय नमः  
 महाजत्रवे नमः  
 अलोलाय नमः  
 महौषधाय नमः  
 सिद्धार्थकारिणे नमः  
 सिद्धार्थाय नमः

६६०

६७०

छन्दोव्याकरणोत्तराय नमः

सिंहनादाय नमः

सिंहदंष्ट्राय नमः

सिंहगाय नमः ६८०

सिंहवाहनाय नमः

प्रभावात्मने नमः

जगत्कालस्थालाय नमः

लोकहिताय नमः

तरवे नमः

सारङ्गाय नमः

नवचक्राङ्गाय नमः

केतुमालिने नमः

सभावनाय नमः

भूतालयाय नमः ६९०

भूतपतये नमः

अहोरात्राय नमः

अनिन्दिताय नमः

सर्वभूतानां वाहित्रे नमः

सर्वभूतानां निलयाय नमः

विभवे नमः

भवाय नमः

अमोघाय नमः

संयताय नमः

अश्वाय नमः ७००

भोजनाय नमः

प्राणधारणाय नमः

धृतिमते नमः

मतिमते नमः

दक्षाय नमः

सत्कृताय नमः

युगाधिपाय नमः

गोपालये नमः

गोपतये नमः

ग्रामाय नमः ७१०

गोचर्मवसनाय नमः

हरये नमः

हिरण्यबाहवे नमः

प्रवेशिनां गुहापालाय नमः

प्रकृष्टारये नमः

महाहर्षाय नमः

जितकामाय नमः

जितेन्द्रियाय नमः

गान्धाराय नमः

सुवासाय नमः ७२०

तपस्सक्ताय नमः

रतये नमः

नराय नमः

महागीताय नमः

महानृत्याय नमः

अप्सरोगणसेविताय नमः

महाकेतवे नमः

महाधातवे नमः

नैकसानुचराय नमः

चलाय नमः ७३०

आवेदनीयाय नमः

आदेशाय नमः

सर्वगन्धसुखाह्वाय नमः

तोरणाय नमः

तारणाय नमः

वाताय नमः

परिध्यै नमः

पतिखेचराय नमः

संयोग वर्धनाय नमः

वृद्धाय नमः ७४०

अतिवृद्धाय नमः

गुणाधिकाय नमः

नित्याय आत्मसहायाय नमः

देवासुरपतये नमः

पत्ये नमः

युक्ताय नमः

युक्तबाहवे नमः

देवाय दिविसुपर्वणाय नमः

आषाढाय नमः

सुषाढाय नमः ७५०

ध्रुवाय नमः

हरिणाय नमः

हराय नमः

आवर्तमानेभ्योवपुषे नमः

वसुश्रेष्ठाय नमः

महापथाय नमः

विमर्शाय शिरोहारिणे नमः

सर्वलक्षणलक्षिताय नमः

अक्षाय रथयोगिने नमः

सर्वयोगिने नमः ७६०

महाबलाय नमः

समाम्नायाय नमः

असमाम्नायाय नमः

तीर्थदेवाय नमः

महारथाय नमः

निर्जीवाय नमः

जीवनाय नमः

मन्त्राय नमः

शुभाक्षाय नमः

बहुकर्कशाय नमः ७७०

रत्नप्रभूताय नमः

रत्नाङ्गाय नमः

महार्णवनिपानविदे नमः

मूलाय नमः

विशालाय नमः

अमृताय नमः

व्यक्ताव्यक्ताय नमः

तपोनिधये नमः

आरोहणाय नमः

अधिरोहाय नमः ७८०

शीलधारिणे नमः  
 महायशसे नमः  
 सेनाकल्पाय नमः  
 महाकल्पाय नमः  
 योगाय नमः  
 युगकराय नमः  
 हरये नमः  
 युगरूपाय नमः  
 महारूपाय नमः  
 महानागहनाय नमः ७९०  
 अवधाय नमः  
 न्यायनिर्वपणाय नमः  
 पादाय नमः  
 पण्डिताय नमः  
 अचलोपमाय नमः  
 बहुमालाय नमः  
 महामालाय नमः  
 शशिने हरसुलोचनाय नमः  
 विस्ताराय लवणाय कूपाय नमः  
 त्रियुगाय नमः ८००  
 सफलोदयाय नमः  
 त्रिलोचनाय नमः  
 विषण्णाङ्गाय नमः  
 मणिविद्धाय नमः  
 जटाधराय नमः  
 विन्दवे नमः

विसर्गाय नमः  
 सुमुखाय नमः  
 शराय नमः  
 सर्वायुधाय नमः ८१०  
 सहाय नमः  
 निवेदनाय नमः  
 सुखाजाताय नमः  
 सुगन्धाराय नमः  
 महाधनुषे नमः  
 भगवते गन्धपालिने नमः  
 सर्वकर्मणां उत्थानाय नमः  
 मन्थानाय बहुलाय वायवे नमः  
 सकलाय नमः  
 सर्वलोचनाय नमः ८२०  
 तलस्तालाय नमः  
 करस्थालिने नमः  
 ऊर्ध्वसंहननाय नमः  
 महते नमः  
 छत्राय नमः  
 सुच्छत्राय नमः  
 विख्यातलोकाय नमः  
 सर्वाश्रयाय क्रमाय नमः  
 मु ण्डाय नमः  
 विरूपाय नमः ८३०  
 विकृताय नमः  
 दण्डिने नमः

कुण्डिने नमः  
 विकुर्वणाय नमः  
 हर्यक्षाय नमः  
 ककुभाय नमः  
 वज्रिणे नमः  
 शतजिह्वाय नमः  
 सहस्रपादे सहस्रमुध्रे नमः  
 देवेन्द्राय नमः ८४०  
 सर्वदेवमयाय नमः  
 गुरवे नमः  
 सहस्रबाहवे नमः  
 सर्वाङ्गाय नमः  
 शरण्याय नमः  
 सर्वलोककृते नमः  
 पवित्राय नमः  
 त्रिकुन्मन्त्राय नमः  
 कनिष्ठाय नमः  
 कृष्णपिङ्गलाय नमः ८५०  
 ब्रह्मदण्डविनिर्मात्रे नमः  
 शतघ्नीपाश शक्तिमते नमः  
 पद्मगर्भाय नमः  
 महागर्भाय नमः  
 ब्रह्मगर्भाय नमः  
 जलोद्भवाय नमः  
 गभस्तये नमः  
 ब्रह्मकृते नमः

ब्रह्मिणे नमः  
 ब्रह्मविदे नमः ८६०  
 ब्राह्मणाय नमः  
 गतये नमः  
 अनन्तरूपाय नमः  
 नैकात्मने नमः  
 स्वयम्भुवाय तिग्मतेजसे नमः  
 ऊर्ध्वगात्मने नमः  
 पशुपतये नमः  
 वातरंहसे नमः  
 मनोजवाय नमः  
 चन्दनिने नमः ८७०  
 पद्मनालाग्राय नमः  
 सुरभ्युत्तरणाय नमः  
 नराय नमः  
 कर्णिकारमहास्रग्विणे नमः  
 नीलमौलये नमः  
 पिनाकधृते नमः  
 उमापतये नमः  
 उमाकान्ताय नमः  
 जाह्नवीधृते नमः  
 उमाधवाय नमः ८८०  
 वराय वराहाय नमः  
 वरदाय नमः  
 वरेण्याय नमः  
 सुमहास्वनाय नमः



महाप्रसादाय नमः  
 दमनाय नमः  
 शत्रुघ्ने नमः  
 श्वेतपिङ्गलाय नमः  
 पीतात्मने नमः  
 परमात्मने नमः ८९०  
 प्रयतात्मने नमः  
 प्रधानधृते नमः  
 सर्वपार्श्वमुखाय नमः  
 त्र्यक्षाय नमः  
 धर्मसाधारणाय वराय नमः  
 चराचरात्मने नमः  
 सूक्ष्मात्मने नमः  
 अमृताय गोवृषेश्वराय नमः  
 साध्यर्षये नमः  
 आदित्याय वसवे नमः ९००  
 विवस्वते सवितामृताय नमः  
 व्यासाय नमः  
 सुसङ्क्षेपाय विस्तराय सर्गाय नमः  
 पर्ययाय नराय नमः  
 ऋतवे नमः  
 संवत्सराय नमः  
 मासाय नमः  
 पक्षाय नमः  
 सङ्ख्यासमापनाय नमः  
 कलाभ्यो नमः ९१०

काष्ठाभ्यो नमः  
 लवेभ्यो नमः  
 मात्राभ्यो नमः  
 मुहूर्ताहः क्षपाभ्यो नमः  
 क्षणेभ्यो नमः  
 विश्वक्षेत्राय नमः  
 प्रजाबीजाय नमः  
 लिङ्गाय नमः  
 आद्याय निर्गमाय नमः  
 सते नमः ९२०  
 असते नमः  
 व्यक्ताय नमः  
 अव्यक्ताय नमः  
 पित्रे नमः  
 मात्रे नमः  
 पितामहाय नमः  
 स्वर्गद्वाराय नमः  
 प्रजाद्वाराय नमः  
 मोक्षद्वाराय नमः  
 त्रिविष्टपाय नमः ९३०  
 निर्वाणाय नमः  
 ह्लादनाय नमः  
 ब्रह्मलोकाय नमः  
 परस्यै गतये नमः  
 देवासुर विनिर्मात्रे नमः  
 देवासुरपरायणाय नमः

|                        |     |                       |     |
|------------------------|-----|-----------------------|-----|
| देवासुरगुरवे नमः       |     | देवसिंहाय नमः         |     |
| देवाय नमः              |     | नरर्षभाय नमः          |     |
| देवासुर नमस्कृताय नमः  |     | विबुधाय नमः           |     |
| देवासुर महामात्राय नमः | ९४० | अग्रवराय नमः          |     |
| देवासुर गणाश्रयाय नमः  |     | सूक्ष्माय नमः         |     |
| देवासुरगणाध्यक्षाय नमः |     | सर्वदेवाय नमः         |     |
| देवासुर गणाग्रण्ये नमः |     | तपोमयाय नमः           |     |
| देवातिदेवाय नमः        |     | सुयुक्ताय नमः         | ९७० |
| देवर्षये नमः           |     | शोभनाय नमः            |     |
| देवासुरवरप्रदाय नमः    |     | वज्रिणे नमः           |     |
| देवासुरेश्वराय नमः     |     | प्रासानां प्रभवाय नमः |     |
| विश्वस्मै नमः          |     | अव्ययाय नमः           |     |
| देवासुरमहेश्वराय नमः   |     | गुहाय नमः             |     |
| सर्वदेवमयाय नमः        | ९५० | कान्ताय नमः           |     |
| अचिन्त्याय नमः         |     | निजाय सर्गाय नमः      |     |
| देवतात्मने नमः         |     | पवित्राय नमः          |     |
| आत्मसम्भवाय नमः        |     | सर्वपावनाय नमः        |     |
| उद्भिदे नमः            |     | शृङ्गिणे नमः          | ९८० |
| त्रिविक्रमाय नमः       |     | शृङ्गप्रियाय नमः      |     |
| वैद्याय नमः            |     | बभ्रवे नमः            |     |
| विरजसे नमः             |     | राजराजाय नमः          |     |
| नीरजसे नमः             |     | निरामयाय नमः          |     |
| अमराय नमः              |     | अभिरामाय नमः          |     |
| ईड्याय नमः             | ९६० | सुरगणाय नमः           |     |
| हस्तीश्वराय नमः        |     | विरामाय नमः           |     |
| व्याघ्राय नमः          |     | सर्वसाधनाय नमः        |     |

ललाटाक्षाय नमः

विश्वदेवाय नमः ९९०

हरिणाय नमः

ब्रह्मवर्चसे नमः

स्थावराणां पतये नमः

नियमेन्द्रियवर्धनाय नमः

सिद्धार्थाय नमः

सिद्धभूतार्थाय नमः

अचिन्त्याय नमः

सत्यव्रताय नमः

शुचये नमः

व्रताधिपाय नमः १०००

परस्मै नमः

ब्रह्मणे नमः

भक्तानां परमायै गतये नमः

विमुक्ताय नमः

मुक्ततेजसे नमः

श्रीमते नमः

श्रीवर्धनाय नमः

जगते नमः

॥ इति श्रीशिवसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ सरस्वतीसहस्रनामावलिः ॥

वाचे नमः

वाण्यै नमः

वरदायै नमः

वन्द्यायै नमः

वरारोहायै नमः

वरप्रदायै नमः

वृत्त्यै नमः

वागीश्वर्यै नमः

वार्तायै नमः

वरायै नमः १०

वागीशवल्लभायै नमः

विश्वेश्वर्यै नमः

विश्ववन्द्यायै नमः

विश्वेशप्रियकारिण्यै नमः

वाग्वादिन्यै नमः

वाग्देव्यै नमः

वृद्धिदायै नमः

वृद्धिकारिण्यै नमः

वृद्ध्यै नमः

वृद्धायै नमः २०

विषम्यै नमः

वृष्ट्यै नमः

वृष्टिप्रदायिन्यै नमः

विश्वाराध्यायै नमः

विश्वमात्रे नमः  
 विश्वधात्र्यै नमः  
 विनायकायै नमः  
 विश्वशक्त्यै नमः  
 विश्वसारायै नमः  
 विश्वायै नमः ३०  
 विश्वविभावयै नमः  
 वेदान्तवेदिन्यै नमः  
 वेद्यायै नमः  
 वित्तायै नमः  
 वेदत्रयात्मिकायै नमः  
 वेदज्ञायै नमः  
 वेदजनन्यै नमः  
 विश्वायै नमः  
 विश्वविभावयै नमः  
 वरेण्यायै नमः ४०  
 वाङ्मय्यै नमः  
 वृद्धायै नमः  
 विशिष्टप्रियकारिण्यै नमः  
 विश्वतोवदनायै नमः  
 व्याप्तायै नमः  
 व्यापिन्यै नमः  
 व्यापकात्मिकायै नमः  
 व्यालघ्यै नमः  
 व्यालभूषाङ्ग्यै नमः  
 विरजायै नमः ५०

वेदनायिकायै नमः  
 वेदवेदान्तसंवेद्यायै नमः  
 वेदान्तज्ञानरूपिण्यै नमः  
 विभावयै नमः  
 विक्रान्तायै नमः  
 विश्वामित्रायै नमः  
 विधिप्रियायै नमः  
 वरिष्ठायै नमः  
 विप्रकृष्टायै नमः  
 विप्रवर्यप्रपूजितायै नमः ६०  
 वेदरूपायै नमः  
 वेदमय्यै नमः  
 वेदमूर्त्यै नमः  
 वल्लभायै नमः  
 गौर्यै नमः  
 गुणवत्यै नमः  
 गोप्यायै नमः  
 गन्धर्वनगरप्रियायै नमः  
 गुणमात्रे नमः  
 गुहान्तस्थायै नमः ७०  
 गुरुरूपायै नमः  
 गुरुप्रियायै नमः  
 गिरिविद्यायै नमः  
 गानतुष्टायै नमः  
 गायकप्रियकारिण्यै नमः  
 गायत्र्यै नमः

गिरिशाराध्यायै नमः

गिरे नमः

गिरीशप्रियङ्कर्यै नमः

गिरिज्ञायै नमः

८०

ज्ञानविद्यायै नमः

गिरिरूपायै नमः

गिरीश्वर्यै नमः

गीर्मात्रे नमः

गणसंस्तुत्यायै नमः

गणनीयगुणान्वितायै नमः

गूढरूपायै नमः

गुहायै नमः

गोप्यायै नमः

गोरूपायै नमः

९०

गवे नमः

गुणात्मिकायै नमः

गुर्व्यै नमः

गुर्वम्बिकायै नमः

गुह्यायै नमः

गेयजायै नमः

ग्रहनाशिन्यै नमः

गृहिण्यै नमः

गृहदोषघ्न्यै नमः

गवघ्न्यै नमः

१००

गुरुवत्सलायै नमः

गृहात्मिकायै नमः

गृहाराध्यायै नमः

गृहबाधाविनाशिन्यै नमः

गङ्गायै नमः

गिरिसुतायै नमः

गम्यायै नमः

गजयानायै नमः

गुहस्तुतायै नमः

गरुडासनसंसेव्यायै नमः ११०

गोमत्यै नमः

गुणशालिन्यै नमः

शारदायै नमः

शाश्वत्यै नमः

शैव्यै नमः

शाङ्कर्यै नमः

शङ्करात्मिकायै नमः

श्रियै नमः

शर्वाण्यै नमः

शतघ्न्यै नमः

१२०

शरच्चन्द्रनिभाननायै नमः

शर्मिष्ठायै नमः

शमनघ्न्यै नमः

शतसाहस्ररूपिण्यै नमः

शिवायै नमः

शम्भुप्रियायै नमः

श्रद्धायै नमः

श्रुतिरूपायै नमः

श्रुतिप्रियायै नमः  
 शुचिष्मत्यै नमः १३०  
 शर्मकर्यै नमः  
 शुद्धिदायै नमः  
 शुद्धिरूपिण्यै नमः  
 शिवायै नमः  
 शिवङ्कर्यै नमः  
 शुद्धायै नमः  
 शिवाराध्यायै नमः  
 शिवात्मिकायै नमः  
 श्रीमत्यै नमः  
 श्रीमय्यै नमः १४०  
 श्राव्यायै नमः  
 श्रुत्यै नमः  
 श्रवणगोचरायै नमः  
 शान्त्यै नमः  
 शान्तिकर्यै नमः  
 शान्तायै नमः  
 शान्ताचारप्रियंकर्यै नमः  
 शीललभ्यायै नमः  
 शीलवत्यै नमः  
 श्रीमात्रे नमः १५०  
 शुभकारिण्यै नमः  
 शुभवाण्यै नमः  
 शुद्धविद्यायै नमः  
 शुद्धचित्तप्रपूजितायै नमः

श्रीकर्यै नमः  
 श्रुतपापघ्न्यै नमः  
 शुभाक्ष्यै नमः  
 शुचिवल्लभायै नमः  
 शिवेतरघ्न्यै नमः  
 शबर्यै नमः १६०  
 श्रवणीयगुणान्वितायै नमः  
 शार्यै नमः  
 शिरीषपुष्पाभायै नमः  
 शमनिष्ठायै नमः  
 शमात्मिकायै नमः  
 शमान्वितायै नमः  
 शमाराध्यायै नमः  
 शितिकण्ठप्रपूजितायै नमः  
 शुद्ध्यै नमः  
 शुद्धिकर्यै नमः १७०  
 श्रेष्ठायै नमः  
 श्रुतानन्तायै नमः  
 शुभावहायै नमः  
 सरस्वत्यै नमः  
 सर्वज्ञायै नमः  
 सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः  
 सरस्वत्यै नमः  
 सावित्र्यै नमः  
 सन्ध्यायै नमः  
 सर्वेप्सितप्रदायै नमः १८०

सर्वार्तिघ्न्यै नमः  
 सर्वमय्यै नमः  
 सर्वविद्याप्रदायिन्यै नमः  
 सर्वेश्वर्यै नमः  
 सर्वपुण्यायै नमः  
 सर्गस्थित्यन्तकारिण्यै नमः  
 सर्वाराध्यायै नमः  
 सर्वमात्रे नमः  
 सर्वदेवनिषेवितायै नमः  
 सर्वैश्वर्यप्रदायै नमः १९०  
 सत्यायै नमः  
 सत्यै नमः  
 सत्त्वगुणाश्रयायै नमः  
 स्वरक्रमपदाकारायै नमः  
 सर्वदोषनिषूदिन्यै नमः  
 सहस्राक्ष्यै नमः  
 सहस्रास्यायै नमः  
 सहस्रपदसंयुतायै नमः  
 सहस्रहस्तायै नमः  
 साहस्रगुणालङ्कृतविग्रहायै नमः  
 २००  
 सहस्रशीर्षायै नमः  
 सद्रूपायै नमः  
 स्वधायै नमः  
 स्वाहायै नमः  
 सुधामय्यै नमः

षड्रन्धिभेदिन्यै नमः  
 सेव्यायै नमः  
 सर्वलोकैकपूजितायै नमः  
 स्तुत्यायै नमः  
 स्तुतिमय्यै नमः २१०  
 साध्यायै नमः  
 सवितृप्रियकारिण्यै नमः  
 संशयच्छेदिन्यै नमः  
 साङ्ख्यवेद्यायै नमः  
 सङ्ख्यायै नमः  
 सदीश्वर्यै नमः  
 सिद्धिदायै नमः  
 सिद्धसम्पूज्यायै नमः  
 सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः  
 सर्वज्ञायै नमः २२०  
 सर्वशक्त्यै नमः  
 सर्वसम्पत्प्रदायिन्यै नमः  
 सर्वाशुभघ्न्यै नमः  
 सुखदायै नमः  
 सुखायै नमः  
 संवित्स्वरूपिण्यै नमः  
 सर्वसम्भीषण्यै नमः  
 सर्वजगत्सम्मोहिन्यै नमः  
 सर्वप्रियङ्कर्यै नमः  
 सर्वशुभदायै नमः २३०  
 सर्वमङ्गलायै नमः

सर्वमन्त्रमय्यै नमः  
 सर्वतीर्थपुण्यफलप्रदायै नमः  
 सर्वपुण्यमय्यै नमः  
 सर्वव्याधिघ्न्यै नमः  
 सर्वकामदायै नमः  
 सर्वविघ्नहर्यै नमः  
 सर्ववन्दितायै नमः  
 सर्वमङ्गलायै नमः  
 सर्वमन्त्रकर्यै नमः २४०  
 सर्वलक्ष्यै नमः  
 सर्वगुणान्वितायै नमः  
 सर्वानन्दमय्यै नमः  
 सर्वज्ञानदायै नमः  
 सत्यनायिकायै नमः  
 सर्वज्ञानमय्यै नमः  
 सर्वराज्यदायै नमः  
 सर्वमुक्तिदायै नमः  
 सुप्रभायै नमः  
 सर्वदायै नमः २५०  
 सर्वायै नमः  
 सर्वलोकवशङ्कर्यै नमः  
 सुभगायै नमः  
 सुन्दर्यै नमः  
 सिद्धायै नमः  
 सिद्धाम्बायै नमः  
 सिद्धमातृकायै नमः

सिद्धमात्रे नमः  
 सिद्धविद्यायै नमः  
 सिद्धेश्यै नमः २६०  
 सिद्धरूपिण्यै नमः  
 सुरूपिण्यै नमः  
 सुखमय्यै नमः  
 सेवकप्रियकारिण्यै नमः  
 स्वामिन्यै नमः  
 सर्वदायै नमः  
 सेव्यायै नमः  
 स्थूलसूक्ष्मापराम्बिकायै नमः  
 साररूपायै नमः  
 सरोरूपायै नमः २७०  
 सत्यभूतायै नमः  
 समाश्रयायै नमः  
 सितासितायै नमः  
 सरोजाक्ष्यै नमः  
 सरोजासनवल्लभायै नमः  
 सरोरुहाभायै नमः  
 सर्वाङ्ग्यै नमः  
 सुरेन्द्रादिप्रपूजितायै नमः  
 महादेव्यै नमः  
 महेशान्यै नमः २८०  
 महासारस्वतप्रदायै नमः  
 महासरस्वत्यै नमः  
 मुक्तायै नमः



मुक्तिदायै नमः  
 मलनाशिन्यै नमः  
 महेश्वर्यै नमः  
 महानन्दायै नमः  
 महामन्त्रमय्यै नमः  
 मह्यै नमः  
 महालक्ष्म्यै नमः २९०  
 महाविद्यायै नमः  
 मात्रे नमः  
 मन्दरवासिन्यै नमः  
 मन्त्रगम्यायै नमः  
 मन्त्रमात्रे नमः  
 महामन्त्रफलप्रदायै नमः  
 महामुक्त्यै नमः  
 महानित्यायै नमः  
 महासिद्धिप्रदायिन्यै नमः  
 महासिद्धायै नमः ३००  
 महामात्रे नमः  
 महदाकारसंयुतायै नमः  
 महायै नमः  
 महेश्वर्यै नमः  
 मूर्त्यै नमः  
 मोक्षदायै नमः  
 मणिभूषणायै नमः  
 मेनकायै नमः  
 मानिन्यै नमः

मान्यायै नमः ३१०  
 मृत्युघ्न्यै नमः  
 मेरुरूपिण्यै नमः  
 मदिराक्ष्यै नमः  
 मदावासायै नमः  
 मखरूपायै नमः  
 मखेश्वर्यै नमः  
 महामोहायै नमः  
 महामायायै नमः  
 मातृणां मूर्ध्निसंस्थितायै नमः  
 महापुण्यायै नमः ३२०  
 मुदावासायै नमः  
 महासम्पत्प्रदायिन्यै नमः  
 मणिपूरैकनिलयायै नमः  
 मधुरूपायै नमः  
 महोत्कटायै नमः  
 महासूक्ष्मायै नमः  
 महाशान्तायै नमः  
 महाशान्तिप्रदायिन्यै नमः  
 मुनिस्तुतायै नमः  
 मोहहन्त्र्यै नमः ३३०  
 माधव्यै नमः  
 माधवप्रियायै नमः  
 मायै नमः  
 महादेवसंस्तुत्यायै नमः  
 महिषीगणपूजितायै नमः

मृष्टान्नदायै नमः  
 माहेन्द्र्यै नमः  
 महेन्द्रपददायिन्यै नमः  
 मर्त्यै नमः  
 मतिप्रदायै नमः ३४०  
 मेधायै नमः  
 मर्त्यलोकनिवासिन्यै नमः  
 मुख्यायै नमः  
 महानिवासायै नमः  
 महाभाग्यजनाश्रितायै नमः  
 महिलायै नमः  
 महिमायै नमः  
 मृत्युहार्यै नमः  
 मेधाप्रदायिन्यै नमः  
 मेध्यायै नमः ३५०  
 महावेगवत्यै नमः  
 महामोक्षफलप्रदायै नमः  
 महाप्रभाभायै नमः  
 महत्यै नमः  
 महादेवप्रियङ्कर्यै नमः  
 महापोषायै नमः  
 महर्ष्यै नमः  
 मुक्ताहारविभूषणायै नमः  
 माणिक्यभूषणायै नमः  
 मन्त्रायै नमः ३६०  
 मुख्यचन्द्रार्धशेखरायै नमः

मनोरूपायै नमः  
 मनःशुद्ध्यै नमः  
 मनःशुद्धिप्रदायिन्यै नमः  
 महाकारुण्यसम्पूर्णायै नमः  
 मनोनमनवन्दितायै नमः  
 महापातकजालघ्न्यै नमः  
 मुक्तिदायै नमः  
 मुक्तभूषणायै नमः  
 मनोन्मन्यै नमः ३७०  
 महास्थूलायै नमः  
 महाक्रतुफलप्रदायै नमः  
 महापुण्यफलप्राप्त्यायै नमः  
 मायात्रिपुरनाशिन्यै नमः  
 महानसायै नमः  
 महामेधायै नमः  
 महामोदायै नमः  
 महेश्वर्यै नमः  
 मालाधर्यै नमः  
 महोपायायै नमः ३८०  
 महातीर्थफलप्रदायै नमः  
 महामङ्गलसम्पूर्णायै नमः  
 महादारिद्र्यनाशिन्यै नमः  
 महामखायै नमः  
 महामेघायै नमः  
 महाकाल्यै नमः  
 महाप्रियायै नमः

महाभूषायै नमः  
 महादेहायै नमः  
 महाराष्ट्रायै नमः ३९०  
 मुदालयायै नमः  
 भूरिदायै नमः  
 भाग्यदायै नमः  
 भोग्यायै नमः  
 भोग्यदायै नमः  
 भोगदायिन्यै नमः  
 भवान्यै नमः  
 भूतिदायै नमः  
 भूत्यै नमः  
 भूम्यै नमः ४००  
 भूमिसुनायिकायै नमः  
 भूतधात्र्यै नमः  
 भयहर्यै नमः  
 भक्तसारस्वतप्रदायै नमः  
 भुक्त्यै नमः  
 भुक्तिप्रदायै नमः  
 भेक्यै नमः  
 भक्त्यै नमः  
 भक्तिप्रदायिन्यै नमः  
 भक्तसायुज्यदायै नमः ४१०  
 भक्तस्वर्गदायै नमः  
 भक्तराज्यदायै नमः  
 भागीरथ्यै नमः

भवाराध्यायै नमः  
 भाग्यासज्जनपूजितायै नमः  
 भवस्तुत्यायै नमः  
 भानुमत्यै नमः  
 भवसागरतारण्यै नमः  
 भूत्यै नमः  
 भूषायै नमः ४२०  
 भूतेश्यै नमः  
 भाललोचनपूजितायै नमः  
 भूतायै नमः  
 भव्यायै नमः  
 भविष्यायै नमः  
 भवविद्यायै नमः  
 भवात्मिकायै नमः  
 बाधापहारिण्यै नमः  
 बन्धुरूपायै नमः  
 भुवनपूजितायै नमः ४३०  
 भवघ्न्यै नमः  
 भक्तिलभ्यायै नमः  
 भक्तरक्षणतत्परायै नमः  
 भक्तार्तिशमन्यै नमः  
 भाग्यायै नमः  
 भोगदानकृतोद्यमायै नमः  
 भुजङ्गभूषणायै नमः  
 भीमायै नमः  
 भीमाक्ष्यै नमः

भीमरूपिण्यै नमः ४४०  
 भाविन्यै नमः  
 भ्रातृरूपायै नमः  
 भारत्यै नमः  
 भवनायिकायै नमः  
 भाषायै नमः  
 भाषावत्यै नमः  
 भीष्मायै नमः  
 भैरव्यै नमः  
 भैरवप्रियायै नमः  
 भूत्यै नमः ४५०  
 भासितसर्वाङ्ग्यै नमः  
 भूतिदायै नमः  
 भूतिनायिकायै नमः  
 भास्वत्यै नमः  
 भगमालायै नमः  
 भिक्षादानकृतोद्यमायै नमः  
 भिक्षुरूपायै नमः  
 भक्तिकर्यै नमः  
 भक्तलक्ष्मीप्रदायिन्यै नमः  
 भ्रान्तिघ्नायै नमः ४६०  
 भ्रान्तिरूपायै नमः  
 भूतिदायै नमः  
 भूतिकारिण्यै नमः  
 भिक्षणीयायै नमः  
 भिक्षुमात्रे नमः

भाग्यवदृष्टिगोचरायै नमः  
 भोगवत्यै नमः  
 भोगरूपायै नमः  
 भोगमोक्षफलप्रदायै नमः  
 भोगश्रान्तायै नमः ४७०  
 भाग्यवत्यै नमः  
 भक्ताघौघविनाशिन्यै नमः  
 ब्राह्म्यै नमः  
 ब्रह्मस्वरूपायै नमः  
 बृहत्यै नमः  
 ब्रह्मवल्लभायै नमः  
 ब्रह्मदायै नमः  
 ब्रह्ममात्रे नमः  
 ब्रह्माण्यै नमः  
 ब्रह्मदायिन्यै नमः ४८०  
 ब्रह्मेश्यै नमः  
 ब्रह्मसंस्तुत्यायै नमः  
 ब्रह्मवेद्यायै नमः  
 बुधप्रियायै नमः  
 बालेन्दुशेखरायै नमः  
 बालायै नमः  
 बलिपूजाकरप्रियायै नमः  
 बलदायै नमः  
 बिन्दुरूपायै नमः  
 बालसूर्यसमप्रभायै नमः ४९०  
 ब्रह्मरूपायै नमः

ब्रह्ममय्यै नमः  
 ब्रह्मण्डलमध्यगायै नमः  
 ब्रह्माण्यै नमः  
 बुद्धिदायै नमः  
 बुद्ध्यै नमः  
 बुद्धिरूपायै नमः  
 बुधेश्वर्यै नमः  
 बन्धक्षयकर्यै नमः  
 बाधनाशन्यै नमः ५००  
 बन्धुरूपिण्यै नमः  
 बिन्दुालयायै नमः  
 बिन्दुभूषायै नमः  
 बिन्दुनादसमन्वितायै नमः  
 बीजरूपायै नमः  
 बीजमात्रे नमः  
 ब्रह्मण्यायै नमः  
 ब्रह्मकारिण्यै नमः  
 बहुरूपायै नमः  
 बलवत्यै नमः ५१०  
 ब्रह्मजायै नमः  
 ब्रह्मचारिण्यै नमः  
 ब्रह्मस्तुत्यायै नमः  
 ब्रह्मविद्यायै नमः  
 ब्रह्माण्डाधिपवल्लभायै नमः  
 ब्रह्मेशविष्णुरूपायै नमः  
 ब्रह्मविष्णुवीशसंस्थितायै नमः

बुद्धिरूपायै नमः  
 बुधेशान्यै नमः  
 बन्ध्यै नमः ५२०  
 बन्धविमोचन्यै नमः  
 अक्षमालायै नमः  
 अक्षराकारायै नमः  
 अक्षरायै नमः  
 अक्षरफलप्रदायै नमः  
 अनन्तायै नमः  
 आनन्दसुखदायै नमः  
 अनन्तचन्द्रनिभाननायै नमः  
 अनन्तमहिमायै नमः  
 अघोरायै नमः ५३०  
 अनन्तगम्भीरसम्मितायै नमः  
 अदृष्टायै नमः  
 अदृष्टदायै नमः  
 अनन्तायै नमः  
 अदृष्टभाग्यफलप्रदायै नमः  
 अरुन्धत्यै नमः  
 अव्ययीनाथायै नमः  
 अनेकसद्गुणसंयुतायै नमः  
 अनेकभूषणायै नमः  
 अदृश्यायै नमः ५४०  
 अनेकलेखनिषेवितायै नमः  
 अनन्तायै नमः  
 अनन्तसुखदायै नमः

अघोरायै नमः  
 अघोरस्वरूपिण्यै नमः  
 अशेषदेवतारूपायै नमः  
 अमृतरूपायै नमः  
 अमृतेश्वर्यै नमः  
 अनवद्यायै नमः  
 अनेकहस्तायै नमः ५५०  
 अनेकमाणिक्यभूषणायै नमः  
 अनेकविघ्नसंहर्त्र्यै नमः  
 अनेकाभरणान्वितायै नमः  
 अविद्यायै नमः  
 अज्ञानसंहर्त्र्यै नमः  
 अविद्याजालनाशिन्यै नमः  
 अभिरूपायै नमः  
 अनवद्याङ्ग्यै नमः  
 अप्रतर्क्यगतिप्रदायै नमः  
 अकलङ्कारूपिण्यै नमः ५६०  
 अनुग्रहपरायणायै नमः  
 अम्बरस्थायै नमः  
 अम्बरमयायै नमः  
 अम्बरमालायै नमः  
 अम्बुजेक्षणायै नमः  
 अम्बिकायै नमः  
 अन्नकरायै नमः  
 अन्नस्थायै नमः  
 अशुमत्यै नमः

अंशुशतान्वितायै नमः ५७०  
 अम्बुजायै नमः  
 अनवरायै नमः  
 अखण्डायै नमः  
 अम्बुजासनमहाप्रियायै नमः  
 अजरामरसंसेव्यायै नमः  
 अजरसेवितपद्मगायै नमः  
 अतुलार्थप्रदायै नमः  
 अर्थैक्यायै नमः  
 अत्युदारायै नमः  
 अभयान्वितायै नमः ५८०  
 अनाथवत्सलायै नमः  
 अनन्तप्रियायै नमः  
 अनन्तेप्सितप्रदायै नमः  
 अम्बुजाक्ष्यै नमः  
 अम्बुरूपायै नमः  
 अम्बुजातोद्भवमहाप्रियायै नमः  
 अखण्डायै नमः  
 अमरस्तुत्यायै नमः  
 अमरनायकपूजितायै नमः  
 अजेयायै नमः ५९०  
 अजसङ्काशायै नमः  
 अज्ञाननाशिन्यै नमः  
 अभीष्टदायै नमः  
 अक्तायै नमः  
 अघनेनायै नमः

अस्त्रेश्यै नमः  
 अलक्ष्मीनाशिन्यै नमः  
 अनन्तसारायै नमः  
 अनन्तश्रियै नमः  
 अनन्तविधिपूजितायै नमः ६००  
 अभीष्टायै नमः  
 अमर्त्यसम्पूज्यायै नमः  
 अस्तोदयविवर्जितायै नमः  
 आस्तिकस्वान्तनिलयायै नमः  
 अस्त्ररूपायै नमः  
 अस्त्रवत्यै नमः  
 अस्खलत्यै नमः  
 अस्खलद्रूपायै नमः  
 अस्खलद्विद्याप्रदायिन्यै नमः  
 अस्खलत्सिद्धिदायै नमः ६१०  
 आनन्दायै नमः  
 अम्बुजातायै नमः  
 अमरनायिकायै नमः  
 अमेयायै नमः  
 अशेषपापघ्न्यै नमः  
 अक्षयसारस्वतप्रदायै नमः  
 जयायै नमः  
 जयन्त्यै नमः  
 जयदायै नमः  
 जन्मकर्मविवर्जितायै नमः ६२०  
 जगत्प्रियायै नमः

जगन्मात्रे नमः  
 जगदीश्वरवल्लभायै नमः  
 जात्यै नमः  
 जयायै नमः  
 जितामित्रायै नमः  
 जप्यायै नमः  
 जपनकारिण्यै नमः  
 जीवन्यै नमः  
 जीवनिलयायै नमः ६३०  
 जीवारख्यायै नमः  
 जीवधारिण्यै नमः  
 जाह्नव्यै नमः  
 ज्यायै नमः  
 जपवत्यै नमः  
 जातिरूपायै नमः  
 जयप्रदायै नमः  
 जनार्दनप्रियकर्यै नमः  
 जोषनीयायै नमः  
 जगत्स्थितायै नमः ६४०  
 जगज्येष्ठायै नमः  
 जगन्मायायै नमः  
 जीवनत्राणकारिण्यै नमः  
 जीवातुलतिकायै नमः  
 जीवजन्म्यै नमः  
 जन्मनिबर्हण्यै नमः  
 जाड्यविध्वंसनकर्यै नमः

जगद्योनये नमः  
 जयात्मिकायै नमः  
 जगदानन्दजनन्यै नमः ६५०  
 जम्ब्यै नमः  
 जलजेक्षणायै नमः  
 जयन्त्यै नमः  
 जङ्गपूगध्यै नमः  
 जनितज्ञानविग्रहायै नमः  
 जटायै नमः  
 जटावत्यै नमः  
 जप्यायै नमः  
 जपकर्तृप्रियङ्कर्यै नमः  
 जपकृत्पापसंहर्त्र्यै नमः ६६०  
 जपकृत्फलदायिन्यै नमः  
 जपापुष्पसमप्रख्यायै नमः  
 जपाकुसुमधारिण्यै नमः  
 जनन्यै नमः  
 जन्मरहितायै नमः  
 ज्योतिर्वृत्यभिदायिन्यै नमः  
 जटाजूटनचन्द्रार्धायै नमः  
 जगत्सृष्टिकर्यै नमः  
 जगत्त्राणकर्यै नमः  
 जाड्यध्वंसकर्त्र्यै नमः ६७०  
 जयेश्वर्यै नमः  
 जगद्धीजायै नमः  
 जयावासायै नमः

जन्मभुवे नमः  
 जन्मनाशिन्यै नमः  
 जन्मान्तरहितायै नमः  
 जैत्र्यै नमः  
 जगद्योनये नमः  
 जपात्मिकायै नमः  
 जयलक्षणसम्पूर्णायै नमः ६८०  
 जयदानकृतोद्यमायै नमः  
 जम्भराद्यादिसंस्तुत्यायै नमः  
 जम्भारिफलदायिन्यै नमः  
 जगत्त्रयहितायै नमः  
 ज्येष्ठायै नमः  
 जगत्त्रयवशङ्कर्यै नमः  
 जगत्त्रयाम्बायै नमः  
 जगत्यै नमः  
 ज्वालायै नमः  
 ज्वालितलोचनायै नमः ६९०  
 ज्वालिन्यै नमः  
 ज्वलनाभासायै नमः  
 ज्वलन्त्यै नमः  
 ज्वलनात्मिकायै नमः  
 जितारातिसुरस्तुत्यायै नमः  
 जितक्रोधायै नमः  
 जितेन्द्रियायै नमः  
 जरामरणशून्यायै नमः  
 जनित्र्यै नमः



जन्मनाशिन्यै नमः ७००  
 जलजाभायै नमः  
 जलमय्यै नमः  
 जलजासनवल्लभायै नमः  
 जलजस्थायै नमः  
 जपाराध्यायै नमः  
 जनमङ्गलकारिण्यै नमः  
 कामिन्यै नमः  
 कामरूपायै नमः  
 काम्यायै नमः  
 कामप्रदायिन्यै नमः ७१०  
 कमाल्यै नमः  
 कामदायै नमः  
 कर्त्र्यै नमः  
 क्रतुकर्मफलप्रदायै नमः  
 कृतघ्नघ्न्यै नमः  
 क्रियारूपायै नमः  
 कार्यकारणरूपिण्यै नमः  
 कञ्जाक्ष्यै नमः  
 करुणारूपायै नमः  
 केवलामरसेवितायै नमः ७२०  
 कल्याणकारिण्यै नमः  
 कान्तायै नमः  
 कान्तिदायै नमः  
 कान्तिरूपिण्यै नमः  
 कमलायै नमः

कमलावासायै नमः  
 कमलोत्पलमालिन्यै नमः  
 कुमुद्वत्यै नमः  
 कल्याण्यै नमः  
 कान्त्यै नमः ७३०  
 कामेशवल्लभायै नमः  
 कामेश्वर्यै नमः  
 कमलिन्यै नमः  
 कामदायै नमः  
 कामबन्धिन्यै नमः  
 कामधेनवे नमः  
 काञ्चनाक्ष्यै नमः  
 काञ्चनाभायै नमः  
 कलानिधये नमः  
 क्रियायै नमः ७४०  
 कीर्तिकर्यै नमः  
 कीर्त्यै नमः  
 क्रतुश्रेष्ठायै नमः  
 कृतेश्वर्यै नमः  
 क्रतुसर्वक्रियास्तुत्यायै नमः  
 क्रतुकृत्प्रियकारिण्यै नमः  
 क्लेशनाशकर्यै नमः  
 कर्त्र्यै नमः  
 कर्मदायै नमः  
 कर्मबन्धिन्यै नमः ७५०  
 कर्मबन्धहर्यै नमः

कृष्टायै नमः  
 क्लमध्यै नमः  
 कञ्जलोचनायै नमः  
 कन्दर्पजनन्यै नमः  
 कान्तायै नमः  
 करुणायै नमः  
 करुणावत्यै नमः  
 क्लीङ्कारिण्यै नमः  
 कृपाकारायै नमः ७६०  
 कृपासिन्धवे नमः  
 कृपावत्यै नमः  
 करुणाद्रायै नमः  
 कीर्तिकर्यै नमः  
 कल्मषघ्न्यै नमः  
 क्रियाकर्यै नमः  
 क्रियाशक्त्यै नमः  
 कामरूपायै नमः  
 कमलोत्पलगन्धिन्यै नमः  
 कलायै नमः ७७०  
 कलावत्यै नमः  
 कूर्म्यै नमः  
 कूटस्थायै नमः  
 कञ्जसंस्थितायै नमः  
 कालिकायै नमः  
 कल्मषघ्न्यै नमः  
 कमनीयजटान्वितायै नमः

करपद्मायै नमः  
 कराभीष्टप्रदायै नमः  
 क्रतुफलप्रदायै नमः ७८०  
 कौशिक्यै नमः  
 कोशदायै नमः  
 काव्यायै नमः  
 कर्त्र्यै नमः  
 कोशेश्वर्यै नमः  
 कृशायै नमः  
 कूर्मयानायै नमः  
 कल्पलतायै नमः  
 कालकूटविनाशिन्यै नमः  
 कल्पोद्यानवत्यै नमः ७९०  
 कल्पवनस्थायै नमः  
 कल्पकारिण्यै नमः  
 कदम्बकुसुमाभासायै नमः  
 कदम्बकुसुमप्रियायै नमः  
 कदम्बोद्यानमध्यस्थायै नमः  
 कीर्तिदायै नमः  
 कीर्तिभूषणायै नमः  
 कुलमात्रे नमः  
 कुलावासायै नमः  
 कुलाचारप्रियङ्कर्यै नमः ८००  
 कुलानाथायै नमः  
 कामकलायै नमः  
 कलानाथायै नमः

कलेश्वर्यै नमः  
 कुन्दमन्दारपुष्पाभायै नमः  
 कपर्दस्थितचन्द्रिकायै नमः  
 कवित्वदायै नमः  
 काव्यमात्रे नमः  
 कविमात्रे नमः  
 कलाप्रदायै नमः ८१०  
 तरुण्यै नमः  
 तरुणीतातायै नमः  
 ताराधिपसमाननायै नमः  
 तृप्तये नमः  
 तृप्तिप्रदायै नमः  
 तर्क्यायै नमः  
 तपन्यै नमः  
 तापिन्यै नमः  
 तर्पण्यै नमः  
 तीर्थरूपायै नमः ८२०  
 त्रिदशायै नमः  
 त्रिदशेश्वर्यै नमः  
 त्रिदिवेश्यै नमः  
 त्रिजनन्यै नमः  
 त्रिमात्रे नमः  
 त्र्यम्बकेश्वर्यै नमः  
 त्रिपुरायै नमः  
 त्रिपुरेशान्यै नमः  
 त्र्यम्बकायै नमः

त्रिपुराम्बिकायै नमः ८३०  
 त्रिपुरश्रियै नमः  
 त्रयीरूपायै नमः  
 त्रयीवेद्यायै नमः  
 त्रयीश्वर्यै नमः  
 त्रय्यन्तवेदिन्यै नमः  
 ताम्रायै नमः  
 तापत्रितयहारिण्यै नमः  
 तमालसदृश्यै नमः  
 त्रात्रे नमः  
 तरुणादित्यसन्निभायै नमः ८४०  
 त्रैलोक्यव्यापिन्यै नमः  
 तृप्तायै नमः  
 तृप्तिकृते नमः  
 तत्त्वरूपिण्यै नमः  
 तुर्यायै नमः  
 त्रैलोक्यसंस्तुत्यायै नमः  
 त्रिगुणायै नमः  
 त्रिगुणेश्वर्यै नमः  
 त्रिपुरघ्न्यै नमः  
 त्रिमात्रे नमः ८५०  
 त्र्यम्बकायै नमः  
 त्रिगुणान्वितायै नमः  
 तृष्णाच्छेदकर्यै नमः  
 तृप्तायै नमः  
 तीक्ष्णायै नमः

तीक्ष्णस्वरूपिण्यै नमः  
 तुलायै नमः  
 तुलादिरहितायै नमः  
 तत्तद्ब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः  
 त्राणकत्र्यै नमः ८६०  
 त्रिपापघ्न्यै नमः  
 त्रिपदायै नमः  
 त्रिदशान्वितायै नमः  
 तथ्यायै नमः  
 त्रिशक्तये नमः  
 त्रिपदायै नमः  
 तुर्यायै नमः  
 त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः  
 तेजस्कुर्यै नमः  
 त्रिमूर्त्याद्यायै नमः ८७०  
 तेजोरूपायै नमः  
 त्रिधामतायै नमः  
 त्रिचक्रकत्र्यै नमः  
 त्रिभगायै नमः  
 तुर्यातीतफलप्रदायै नमः  
 तेजस्विन्यै नमः  
 तापहार्यै नमः  
 तापोपप्लवनाशिन्यै नमः  
 तेजोगर्भायै नमः  
 तपःसारायै नमः ८८०  
 त्रिपुरारिप्रियङ्कर्यै नमः

तन्व्यै नमः  
 तापससन्तुष्टायै नमः  
 तपताङ्गजभीतिनुदे नमः  
 त्रिलोचनायै नमः  
 त्रिमार्गायै नमः  
 तृतीयायै नमः  
 त्रिदशस्तुतायै नमः  
 त्रिसुन्दर्यै नमः  
 त्रिपथगायै नमः ८९०  
 तुरीयपददायिन्यै नमः  
 शुभायै नमः  
 शुभावत्यै नमः  
 शान्तायै नमः  
 शान्तिदायै नमः  
 शुभदायिन्यै नमः  
 शीतलायै नमः  
 शूलिन्यै नमः  
 शीतायै नमः  
 श्रीमत्यै नमः ९००  
 शुभान्वितायै नमः  
 योगसिद्धिप्रदायै नमः  
 योग्यायै नमः  
 यज्ञेनपरिपूरितायै नमः  
 यज्यायै नमः  
 यज्ञमय्यै नमः  
 यक्ष्यै नमः

यक्षिण्यै नमः  
 यक्षिवल्लभायै नमः  
 यज्ञप्रियायै नमः ९१०  
 यज्ञपूज्यायै नमः  
 यज्ञतुष्टायै नमः  
 यमस्तुतायै नमः  
 यामिनीयप्रभायै नमः  
 याम्यायै नमः  
 यजनीयायै नमः  
 यशस्कर्यै नमः  
 यज्ञकर्त्र्यै नमः  
 यज्ञरूपायै नमः  
 यशोदायै नमः ९२०  
 यज्ञसंस्तुतायै नमः  
 यज्ञेश्यै नमः  
 यज्ञफलदायै नमः  
 योगयोनये नमः  
 यजुस्तुतायै नमः  
 यमिसेव्यायै नमः  
 यमाराध्यायै नमः  
 यमिपूज्यायै नमः  
 यमीश्वर्यै नमः  
 योगिन्यै नमः ९३०  
 योगरूपायै नमः  
 योगकर्तृप्रियङ्कर्यै नमः  
 योगयुक्तायै नमः

योगमय्यै नमः  
 योगयोगीश्वराम्बिकायै नमः  
 योगज्ञानमय्यै नमः  
 योनये नमः  
 यमाद्यष्टाङ्गयोगतायै नमः  
 यन्त्रिताघौघसंहारायै नमः  
 यमलोकनिवारिण्यै नमः ९४०  
 यष्टिव्यष्टीशसंस्तुत्यायै नमः  
 यमाद्यष्टाङ्गयोगयुजे नमः  
 योगीश्वर्यै नमः  
 योगमात्रे नमः  
 योगसिद्धायै नमः  
 योगदायै नमः  
 योगारूढायै नमः  
 योगमय्यै नमः  
 योगरूपायै नमः  
 यवीयस्यै नमः ९५०  
 यन्त्ररूपायै नमः  
 यन्त्रस्थायै नमः  
 यन्त्रपूज्यायै नमः  
 यन्त्रितायै नमः  
 युगकर्त्र्यै नमः  
 युगमय्यै नमः  
 युगधर्मविवर्जितायै नमः  
 यमुनायै नमः  
 यमिन्यै नमः

याम्यायै नमः ९६०  
 यमुनाजलमध्यगायै नमः  
 यातायातप्रशमन्यै नमः  
 यातनानान्निकृन्तन्यै नमः  
 योगावासायै नमः  
 योगिवन्द्यायै नमः  
 यत्तच्छब्दस्वरूपिण्यै नमः  
 योगक्षेममय्यै नमः  
 यन्त्रायै नमः  
 यावदक्षरमातृकायै नमः  
 यावत्पदमय्यै नमः ९७०  
 यावच्छब्दरूपायै नमः  
 यथेश्वर्यै नमः  
 यत्तदीयायै नमः  
 यक्षवन्द्यायै नमः  
 यद्विद्यायै नमः  
 यतिसंस्तुतायै नमः  
 यावद्विद्यामय्यै नमः  
 यावद्विद्याबृन्दसुवन्दितायै नमः  
 योगिहृत्पद्मनिलयायै नमः  
 योगिवर्यप्रियङ्कर्यै नमः ९८०  
 योगिवन्द्यायै नमः  
 योगिमात्रे नमः  
 योगीशफलदायिन्यै नमः  
 यक्षवन्द्यायै नमः

यक्षपूज्यायै नमः  
 यक्षराजसुपूजितायै नमः  
 यज्ञरूपायै नमः  
 यज्ञतुष्टायै नमः  
 यायजूकस्वरूपिण्यै नमः  
 यन्त्राराध्यायै नमः ९९०  
 यन्त्रमध्यायै नमः  
 यन्त्रकर्तृप्रियङ्कर्यै नमः  
 यन्त्रारूढायै नमः  
 यन्त्रपूज्यायै नमः  
 योगिध्यानपरायणायै नमः  
 यजनीयायै नमः  
 यमस्तुत्यायै नमः  
 योगयुक्तायै नमः  
 यशस्कर्यै नमः  
 योगबद्धायै नमः १०००  
 यतिस्तुत्यायै नमः  
 योगज्ञायै नमः  
 योगनायक्यै नमः  
 योगिज्ञानप्रदायै नमः  
 यक्ष्यै नमः  
 यमबाधाविनाशिन्यै नमः  
 योगिकाम्यप्रदात्र्यै नमः  
 योगिमोक्षप्रदायिन्यै नमः

॥ इति श्रीस्कान्दपुराणान्तर्गत-सनत्कुमार-संहितायां  
नारद-सनत्कुमार-संवादे सरस्वतीसहस्रनामस्तोत्रस्य नामावली रूपान्तरं  
सम्पूर्णम् ॥





विभाग: २

त्रिशतीनामावल्यः



## ॥ ललितात्रिशतीनामावलि: ॥

ककाररूपायै नमः  
 कल्याण्यै नमः  
 कल्याणगुणशालिन्यै नमः  
 कल्याणशैलनिलयायै नमः  
 कमनीयायै नमः  
 कलावत्यै नमः  
 कमलाक्ष्यै नमः  
 कल्मषघ्न्यै नमः  
 करुणामृतसागरायै नमः  
 कदम्बकाननावासायै नमः १०  
 कदम्बकुसुमप्रियायै नमः  
 कन्दर्पविद्यायै नमः  
 कन्दर्प-जनकापाङ्ग-वीक्षणायै नमः  
 कर्पूरवीटि-सौरभ्य-कल्लोलित-  
 ककुत्तटायै नमः  
 कलिदोषहरायै नमः  
 कञ्जलोचनायै नमः  
 कम्प्रविग्रहायै नमः  
 कर्मादिसाक्षिण्यै नमः  
 कारयित्र्यै नमः  
 कर्मफलप्रदायै नमः २०  
 एकाररूपायै नमः  
 एकाक्ष्यै नमः  
 एकानेकाक्षराकृत्यै नमः

एतत्तदित्यनिर्देश्यायै नमः  
 एकानन्द-चिदाकृत्यै नमः  
 एवमित्यागमाबोध्यायै नमः  
 एकभक्ति-मदर्चितायै नमः  
 एकाग्रचित्त-निर्ध्यातायै नमः  
 एषणा-रहितादृतायै नमः  
 एलासुगन्धिचिकुरायै नमः ३०  
 एनःकूटविनाशिन्यै नमः  
 एकभोगायै नमः  
 एकरसायै नमः  
 एकैश्वर्य-प्रदायिन्यै नमः  
 एकातपत्र-साम्राज्य-प्रदायै नमः  
 एकान्तपूजितायै नमः  
 एधमानप्रभायै नमः  
 एजदनेकजगदीश्वर्यै नमः  
 एकवीरादि-संसेव्यायै नमः  
 एकप्राभव-शालिन्यै नमः ४०  
 ईकाररूपायै नमः  
 ईशित्र्यै नमः  
 ईप्सितार्थ-प्रदायिन्यै नमः  
 ईदृगित्य-विनिर्देश्यायै नमः  
 ईश्वरत्व-विधायिन्यै नमः  
 ईशानादि-ब्रह्ममय्यै नमः  
 ईशित्वाद्यष्टसिद्धिदायै नमः

ईक्षित्र्यै नमः  
 ईक्षण-सृष्टाण्ड-कोट्यै नमः  
 ईश्वर-वल्लभायै नमः ५०  
 ईडितायै नमः  
 ईश्वरार्धाङ्ग-शरीरायै नमः  
 ईशाधि-देवतायै नमः  
 ईश्वर-प्रेरणकर्यै नमः  
 ईशताण्डव-साक्षिण्यै नमः  
 ईश्वरोत्सङ्ग-निलयायै नमः  
 ईतिबाधा-विनाशिन्यै नमः  
 ईहाविरहितायै नमः  
 ईशशक्त्यै नमः  
 ईषत्-स्मिताननायै नमः ६०  
 लकाररूपायै नमः  
 ललितायै नमः  
 लक्ष्मी-वाणी-निषेवितायै नमः  
 लाकिन्यै नमः  
 ललनारूपायै नमः  
 लसद्वाडिम-पाटलायै नमः  
 ललन्तिकालसत्फालायै नमः  
 ललाट-नयनार्चितायै नमः  
 लक्षणोज्ज्वल-दिव्याङ्ग्यै नमः  
 लक्षकोट्यण्ड-नायिकायै नमः ७०  
 लक्ष्यार्थायै नमः  
 लक्षणागम्यायै नमः  
 लब्धकामायै नमः

लतातनवे नमः  
 ललामराजदलिकायै नमः  
 लम्बिमुक्तालताञ्चितायै नमः  
 लम्बोदर-प्रसुवे नमः  
 लभ्यायै नमः  
 लज्जाढ्यायै नमः  
 लयवर्जितायै नमः ८०  
 हीङ्काररूपायै नमः  
 हीङ्कारनिलयायै नमः  
 हीम्पदप्रियायै नमः  
 हीङ्कारबीजायै नमः  
 हीङ्कारमन्त्रायै नमः  
 हीङ्कारलक्षणायै नमः  
 हीङ्कारजपसुप्रीतायै नमः  
 हीम्मत्यै नमः  
 हींविभूषणायै नमः  
 हींशीलायै नमः ९०  
 हीम्पदाराध्यायै नमः  
 हीङ्गर्भायै नमः  
 हीम्पदाभिधायै नमः  
 हीङ्कारवाच्यायै नमः  
 हीङ्कारपूज्यायै नमः  
 हीङ्कारपीठिकायै नमः  
 हीङ्कारवेद्यायै नमः  
 हीङ्कारचिन्त्यायै नमः  
 हीं नमः

हीं-शरीरिण्यै नमः १००  
 हकाररूपायै नमः  
 हलधृक्पूजितायै नमः  
 हरिणेक्षणायै नमः  
 हरप्रियायै नमः  
 हराराध्यायै नमः  
 हरिब्रह्मेन्द्रवन्दितायै नमः  
 हयारूढा-सेवितायै नमः  
 हयमेध-समर्चितायै नमः  
 हर्यक्षवाहनायै नमः  
 हंसवाहनायै नमः ११०  
 हतदानवायै नमः  
 हत्यादिपापशमन्यै नमः  
 हरिदश्वादि-सेवितायै नमः  
 हस्तिकुम्भोत्तुङ्गकुचायै नमः  
 हस्तिकृत्ति-प्रियाङ्गनायै नमः  
 हरिद्राकुङ्कुमादिग्धायै नमः  
 हर्यश्वाद्यमरार्चितायै नमः  
 हरिकेशसख्यै नमः  
 हादिविद्यायै नमः  
 हालामदालसायै नमः १२०  
 सकाररूपायै नमः  
 सर्वज्ञायै नमः  
 सर्वेश्यै नमः  
 सर्वमङ्गलायै नमः  
 सर्वकर्त्र्यै नमः

सर्वभर्त्र्यै नमः  
 सर्वहन्त्र्यै नमः  
 सनातनायै नमः  
 सर्वानवद्यायै नमः  
 सर्वाङ्गसुन्दर्यै नमः १३०  
 सर्वसाक्षिण्यै नमः  
 सर्वात्मिकायै नमः  
 सर्वसौख्यदात्र्यै नमः  
 सर्वविमोहिन्यै नमः  
 सर्वाधारायै नमः  
 सर्वगतायै नमः  
 सर्वावगुणवर्जितायै नमः  
 सर्वारूपायै नमः  
 सर्वमात्रे नमः  
 सर्वभूषण-भूषितायै नमः १४०  
 ककारार्थायै नमः  
 कालहन्त्र्यै नमः  
 कामेश्यै नमः  
 कामितार्थदायै नमः  
 कामसञ्जीवन्यै नमः  
 कल्यायै नमः  
 कठिनस्तन-मण्डलायै नमः  
 करभोरवे नमः  
 कलानाथ-मुख्यै नमः  
 कचजिताम्बुदायै नमः १५०  
 कटाक्षस्यन्दि-करुणायै नमः

कपालि-प्राणनायिकायै नमः  
 कारुण्य-विग्रहायै नमः  
 कान्तायै नमः  
 कान्तिधूत-जपावल्यै नमः  
 कलालापायै नमः  
 कम्बुकण्ठ्यै नमः  
 करनिर्जित-पल्लवायै नमः  
 कल्पवल्ली-समभुजायै नमः  
 कस्तूरी-तिलकाञ्चितायै नमः १६०  
 हकारार्थायै नमः  
 हंसगत्यै नमः  
 हाटकाभरणोज्ज्वलायै नमः  
 हारहारि-कुचाभोगायै नमः  
 हाकिन्यै नमः  
 हल्यवर्जितायै नमः  
 हरित्पति-समाराध्यायै नमः  
 हठात्कार-हतासुरायै नमः  
 हर्षप्रदायै नमः  
 हविर्भोक्त्यै नमः १७०  
 हार्दसन्तमसापहायै नमः  
 हल्लीसलास्य-सन्तुष्टायै नमः  
 हंसमन्त्रार्थ-रूपिण्यै नमः  
 हानोपादान-निर्मुक्तायै नमः  
 हर्षिण्यै नमः  
 हरिसोदर्यै नमः  
 हाहाहूहू-मुख-स्तुत्यायै नमः

हानि-वृद्धि-विवर्जितायै नमः  
 हय्यङ्गवीन-हृदयायै नमः  
 हरिगोपारुणांशुकायै नमः १८०  
 लकाराख्यायै नमः  
 लतापूज्यायै नमः  
 लयस्थित्युद्भवैश्वर्यै नमः  
 लास्य-दर्शन-सन्तुष्टायै नमः  
 लाभालाभ-विवर्जितायै नमः  
 लङ्घेतराज्ञायै नमः  
 लावण्य-शालिन्यै नमः  
 लघु-सिद्धिदायै नमः  
 लाक्षारस-सवर्णाभायै नमः  
 लक्ष्मणाग्रज-पूजितायै नमः १९०  
 लभ्येतरायै नमः  
 लब्धभक्ति-सुलभायै नमः  
 लाङ्गलायुधायै नमः  
 लग्न-चामर-हस्त-श्री-शारदा-  
 परिवीजितायै नमः  
 लज्जापद-समाराध्यायै नमः  
 लम्पटायै नमः  
 लकुलेश्वर्यै नमः  
 लब्धमानायै नमः  
 लब्धरसायै नमः  
 लब्धसम्पत्समुन्नत्यै नमः २००  
 हीङ्कारिण्यै नमः  
 हीङ्काराद्यायै नमः

हीम्मध्यायै नमः  
 हींशिखामण्यै नमः  
 हीङ्कार-कुण्डाग्नि-शिखायै नमः  
 हीङ्कार-शशिचन्द्रिकायै नमः  
 हीङ्कार-भास्कररुच्यै नमः  
 हीङ्काराम्भोद-चञ्चलायै नमः  
 हीङ्कार-कन्दाङ्कुरिकायै नमः  
 हीङ्कारैक-परायणायै नमः २१०  
 हीङ्कार-दीर्घिकाहंस्यै नमः  
 हीङ्कारोद्यान-केकिन्यै नमः  
 हीङ्कारारण्य-हरिण्यै नमः  
 हीङ्कारावाल-वल्लयै नमः  
 हीङ्कार-पञ्जरशुक्यै नमः  
 हीङ्काराङ्गण-दीपिकायै नमः  
 हीङ्कार-कन्दरा-सिंह्यै नमः  
 हीङ्काराम्भोज-भृङ्गिकायै नमः  
 हीङ्कार-सुमनो-माध्यै नमः  
 हीङ्कार-तरुमञ्जयै नमः २२०  
 सकाराख्यायै नमः  
 समरसायै नमः  
 सकलागम-संस्तुतायै नमः  
 सर्ववेदान्त-तात्पर्यभूम्यै नमः  
 सदसदाश्रयायै नमः  
 सकलायै नमः  
 सच्चिदानन्दायै नमः  
 साध्यायै नमः

सद्गतिदायिन्यै नमः  
 सनकादिमुनिध्येयायै नमः २३०  
 सदाशिव-कुटुम्बिन्यै नमः  
 सकलाधिष्ठान-रूपायै नमः  
 सत्यरूपायै नमः  
 समाकृत्यै नमः  
 सर्वप्रपञ्च-निर्मात्र्यै नमः  
 समानाधिक-वर्जितायै नमः  
 सर्वोत्तुङ्गायै नमः  
 सङ्गहीनायै नमः  
 सगुणायै नमः  
 सकलेष्टदायै नमः २४०  
 ककारिण्यै नमः  
 काव्यलोलायै नमः  
 कामेश्वरमनोहरायै नमः  
 कामेश्वर-प्राणनाड्यै नमः  
 कामेशोत्सङ्गवासिन्यै नमः  
 कामेश्वरालिङ्गिताङ्ग्यै नमः  
 कामेश्वर-सुखप्रदायै नमः  
 कामेश्वर-प्रणयिन्यै नमः  
 कामेश्वर-विलासिन्यै नमः  
 कामेश्वर-तपःसिद्ध्यै नमः २५०  
 कामेश्वर-मनःप्रियायै नमः  
 कामेश्वर-प्राणनाथायै नमः  
 कामेश्वर-विमोहिन्यै नमः  
 कामेश्वर-ब्रह्मविद्यायै नमः

कामेश्वर-गृहेश्वर्यै नमः  
 कामेश्वराह्लादकर्यै नमः  
 कामेश्वर-महेश्वर्यै नमः  
 कामेश्वर्यै नमः  
 कामकोटिनिलयायै नमः  
 काङ्क्षितार्थदायै नमः २६०  
 लकारिण्यै नमः  
 लब्धरूपायै नमः  
 लब्धधियै नमः  
 लब्ध-वाञ्छितायै नमः  
 लब्धपाप-मनोदूरायै नमः  
 लब्धाहङ्कार-दुर्गमायै नमः  
 लब्धशक्त्यै नमः  
 लब्धदेहायै नमः  
 लब्धैश्वर्यसमुन्नत्यै नमः  
 लब्धवृद्ध्यै नमः २७०  
 लब्धलीलायै नमः  
 लब्धयौवनशालिन्यै नमः  
 लब्धातिशय-सर्वाङ्ग-  
 सौन्दर्यायै नमः  
 लब्धविभ्रमायै नमः  
 लब्धरागायै नमः  
 लब्धपत्यै नमः  
 लब्ध-नानागमस्थित्यै नमः  
 लब्धभोगायै नमः

लब्धसुखायै नमः  
 लब्धहर्षाभिपूरितायै नमः २८०  
 हीङ्कार-मूर्त्यै नमः  
 हीङ्कार-सौधशृङ्गकपोतिकायै नमः  
 हीङ्कार-दुग्धाब्धि-सुधायै नमः  
 हीङ्कार-कमलेन्दिरायै नमः  
 हीङ्कार-मणिदीपार्च्यै नमः  
 हीङ्कार-तरुशारिकायै नमः  
 हीङ्कार-पेटक-मण्यै नमः  
 हीङ्कारादर्श-बिम्बितायै नमः  
 हीङ्कार-कोशासिलतायै नमः  
 हीङ्कारास्थान-नर्तक्यै नमः २९०  
 हीङ्कार-शुक्तिका-मुक्तामण्यै नमः  
 हीङ्कार-बोधितायै नमः  
 हीङ्कारमय-सौवर्णस्तम्भ-विद्रुम-  
 पुत्रिकायै नमः  
 हीङ्कार-वेदोपनिषदे नमः  
 हीङ्काराध्वर-दक्षिणायै नमः  
 हीङ्कार-नन्दनाराम-नवकल्पक-  
 वल्लयै नमः  
 हीङ्कार-हिमवद्गङ्गायै नमः  
 हीङ्कारार्णव-कौस्तुभायै नमः  
 हीङ्कार-मन्त्र-सर्वस्वायै नमः  
 हीङ्कार-परसौख्यदायै नमः ३००



॥ इति श्री ललितात्रिशतीनामावलिः सम्पूर्णा ॥



विभाग: ३

शतनामावल्यः



## ॥ अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

चामुण्डिकाम्बायै नमः

श्रीकण्ठाय नमः

पार्वत्यै नमः

परमेश्वराय नमः

महाराष्ट्र्यै नमः

महादेवाय नमः

सदाराध्यायै नमः

सदाशिवाय नमः

शिवार्धाङ्ग्यै नमः

शिवार्धाङ्गाय नमः।

१०

भैरव्यै नमः

कालभैरवाय नमः

शक्तित्रितयरूपाढ्यायै नमः

मूर्तित्रितयरूपवते नमः

कामकोटिसुपीठस्थायै नमः

काशीक्षेत्रसमाश्रयाय नमः

दाक्षायण्यै नमः

दक्षवैरये नमः

शूलिन्यै नमः

शूलधारकाय नमः।

२०

ह्रीङ्कारपञ्जरशुक्यै नमः

हरिशङ्कररूपवते नमः

श्रीमद्गणेशजनन्यै नमः

षडाननसुजन्मभुवे नमः

पञ्चप्रेतासनारूढायै नमः

पञ्चब्रह्मस्वरूपभृते नमः

चण्डमुण्डशिरश्छेद्यै नमः

जलन्धरशिरोहराय नमः

सिंहवाहायै नमः

वृषारूढाय नमः।

३०

श्यामाभायै नमः

स्फटिकप्रभाय नमः

महिषासुरसंहर्त्र्यै नमः

गजासुरविमर्दनाय नमः

महाबलाचलावासायै नमः

महाकैलासवासभुवे नमः

भद्रकाल्यै नमः

वीरभद्राय नमः

मीनाक्ष्यै नमः

सुन्दरेश्वराय नमः।

४०

भण्डासुरादिसंहर्त्र्यै नमः

दुष्टान्धकविमर्दनाय नमः

मधुकैटभसंहर्त्र्यै नमः

मधुरापुरनायकाय नमः

कालत्रयस्वरूपाढ्यायै नमः

कार्यत्रयविधायकाय नमः

गिरिजातायै नमः

गिरीशाय नमः

वैष्णव्यै नमः  
 विष्णुवल्लभाय नमः। ५०  
 विशालाक्ष्यै नमः  
 विश्वनाथाय नमः  
 पुष्पास्त्रायै नमः  
 विष्णुमार्गणाय नमः  
 कौसुम्भवसनोपेतायै नमः  
 व्याघ्रचर्माम्बरावृताय नमः  
 मूलप्रकृतिरूपाढ्यायै नमः  
 परब्रह्मस्वरूपवते नमः  
 रुण्डमालाविभूषाढ्यायै नमः  
 लसद्गुद्राक्षमालिकाय नमः। ६०  
 मनोरूपेक्षुकोदण्डायै नमः  
 महामेरुधनुर्धराय नमः  
 चन्द्रचूडायै नमः  
 चन्द्रमौलये नमः  
 महामायायै नमः  
 महेश्वराय नमः  
 महाकाल्यै नमः  
 महाकालाय नमः  
 दिव्यरूपायै नमः  
 दिगम्बराय नमः। ७०  
 बिन्दुपीठसुखासीनायै नमः  
 श्रीमदोङ्कारपीठगाय नमः  
 हरिद्राकुङ्कुमालितायै नमः  
 भस्मोद्धूलितविग्रहाय नमः

महापद्माटवीलोलायै नमः  
 महाबिल्वाटवीप्रियाय नमः  
 सुधामय्यै नमः  
 विषधराय नमः  
 मातङ्ग्यै नमः  
 मकुटेश्वराय नमः। ८०  
 वेदवेद्यायै नमः  
 वेदवाजिने नमः  
 चक्रेश्यै नमः  
 विष्णुचक्रदाय नमः  
 जगन्मय्यै नमः  
 जगद्रूपाय नमः  
 मृडान्यै नमः  
 मृत्युनाशनाय नमः  
 रामार्चितपदाम्भोजायै नमः  
 कृष्णपुत्रवरप्रदाय नमः। ९०  
 रमावाणीसुसंसेव्यायै नमः  
 विष्णुब्रह्मसुसेविताय नमः  
 सूर्यचन्द्राग्निनयनायै नमः  
 तेजस्त्रयविलोचनाय नमः  
 चिदग्निकुण्डसम्भूतायै नमः  
 महालिङ्गसमुद्भवाय नमः  
 कम्बुकण्ठ्यै नमः  
 कालकण्ठाय नमः  
 वज्रेश्यै नमः  
 वज्रिपूजिताय नमः। १००

त्रिकण्टक्यै नमः  
 त्रिभङ्गीशाय नमः  
 भस्मरक्षायै नमः  
 स्मरान्तकाय नमः  
 हयग्रीववरोद्धात्र्यै नमः  
 मार्कण्डेयवरप्रदाय नमः  
 चिन्तामणिगृहावासायै नमः  
 मन्दराचलमन्दिराय नमः  
 विन्ध्याचलकृतावासायै नमः  
 विन्ध्यशैलार्यपूजिताय नमः। ११०  
 मनोन्मन्यै नमः  
 लिङ्गरूपाय नमः  
 जगदम्बायै नमः  
 जगत्पित्रे नमः  
 योगनिद्रायै नमः  
 योगगम्याय नमः  
 भवान्यै नमः  
 भवमूर्तिमते नमः  
 श्रीचक्रात्मरथारूढायै नमः  
 धरणीधरसंस्थिताय नमः। १२०  
 श्रीविद्यावेद्यमहिमायै नमः  
 निगमागमसंश्रयाय नमः  
 दशशीर्षसमायुक्तायै नमः  
 पञ्चविंशतिशीर्षवते नमः  
 अष्टादशभुजायुक्तायै नमः  
 पञ्चाशत्करमण्डिताय नमः

ब्राह्म्यादिमातृकारूपायै नमः  
 शताष्टेकादशात्मवते नमः  
 स्थिरायै नमः  
 स्थाणवे नमः। १३०  
 बालायै नमः  
 सद्योजाताय नमः  
 उमायै नमः  
 मृडाय नमः  
 शिवायै नमः  
 शिवाय नमः  
 रुद्राण्यै नमः  
 रुद्राय नमः  
 ईश्वर्यै नमः  
 ईश्वराय नमः। १४०  
 कदम्बकाननावासायै नमः  
 दारुकारण्यलोलुपाय नमः  
 नवाक्षरीमनुस्तुत्यायै नमः  
 पञ्चाक्षरमनुप्रियाय नमः  
 नवावरणसम्पूज्यायै नमः  
 पञ्चायतनपूजिताय नमः  
 देवस्थषड्भुजै नमः  
 दहराकाशमध्यगाय नमः  
 योगिनीगणसंसेव्यायै नमः  
 भृग्वादिप्रमथावृताय नमः। १५०  
 उग्रतारायै नमः  
 अघोररूपाय नमः

शर्वाण्यै नमः  
 शर्वमूर्तिमते नमः  
 नागवेण्यै नमः  
 नागभूषाय नमः  
 मन्त्रिण्यै नमः  
 मन्त्रदैवताय नमः  
 ज्वलज्जिह्वायै नमः  
 ज्वलन्नेत्राय नमः । १६०  
 दण्डनाथायै नमः  
 दृगायुधाय नमः  
 पार्थाञ्जनास्त्रसन्दात्र्यै नमः  
 पार्थपाशुपतास्त्रदाय नमः  
 पुष्पवच्चक्रताटङ्कायै नमः  
 फणिराजसुकुण्डलाय नमः  
 बाणपुत्रीवरोद्धात्र्यै नमः  
 बाणासुरवरप्रदाय नमः  
 व्यालकञ्चुकसंवीतायै नमः  
 व्यालयज्ञोपवीतवते नमः । १७०  
 नवलावण्यरूपाढ्यायै नमः  
 नवयौवनविग्रहाय नमः  
 नाट्यप्रियायै नमः  
 नाट्यमूर्तये नमः  
 त्रिसन्ध्यायै नमः  
 त्रिपुरान्तकाय नमः  
 तन्त्रोपचारसुप्रीतायै नमः  
 तन्त्रादिमविधायकाय नमः

नववल्लीष्टवरदायै नमः  
 नववीरसुजन्मभुवे नमः । १८०  
 भ्रमरज्यायै नमः  
 वासुकिज्याय नमः  
 भेरुण्डायै नमः  
 भीमपूजिताय नमः  
 निशुम्भशुम्भदमन्यै नमः  
 नीचापस्मारमर्दनाय नमः  
 सहस्राराम्बुजरूढायै नमः  
 सहस्रकमलार्चिताय नमः  
 गङ्गासहोदर्यै नमः  
 गङ्गाधराय नमः । १९०  
 गौर्यै नमः  
 त्रियम्बकाय नमः  
 श्रीशैलभ्रमराम्बाख्यायै नमः  
 मल्लिकार्जुनपूजिताय नमः  
 भवतापप्रशमन्यै नमः  
 भवरोगनिवारकाय नमः  
 चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै नमः  
 मुनिमानसहंसकाय नमः  
 प्रत्यङ्गिरायै नमः  
 प्रसन्नात्मने नमः । २००  
 कामेश्यै नमः  
 कामरूपवते नमः  
 स्वयम्भूभायै नमः  
 स्वप्रकाशाय नमः



कालरात्र्यै नमः

कृतान्तहृते नमः

सदान्नपूर्णायै नमः

भिक्षाटाय नमः

वनदुर्गायै नमः

वसुप्रदाय नमः।

२१०

सर्वचैतन्यरूपाढ्यायै नमः

सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः

सर्वमङ्गलरूपाढ्यायै नमः

सर्वकल्याणदायकाय नमः

राजराजेश्वर्यै नमः

श्रीमद्राजराजप्रियङ्कराय नमः २१६

॥ इति श्री स्कन्दपुराणे श्री अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

श्रीशङ्कराचार्यवर्याय नमः

ब्रह्मज्ञानप्रदायकाय नमः

अज्ञानतिमिरादित्याय नमः

सुज्ञानाम्बुधिचन्द्रमसे नमः

वर्णाश्रमप्रतिष्ठात्रे नमः

श्रीमते नमः

मुक्तिप्रदायकाय नमः

शिष्योपदेशनिरताय नमः

भक्ताभीष्टप्रदायकाय नमः

सूक्ष्मतत्त्वरहस्यज्ञाय नमः १०

कार्याकार्यप्रबोधकाय नमः

ज्ञानमुद्राञ्चितकराय नमः

शिष्य-हृत्ताप-हारकाय नमः

परिव्राज्याश्रमोद्धर्त्रे नमः

सर्वतन्त्रस्वतन्त्रधिये नमः

अद्वैतस्थापनाचार्याय नमः

साक्षाच्छङ्कररूपभृते नमः

षण्मतस्थापनाचार्याय नमः

त्रयीमार्गप्रकाशकाय नमः

वेदवेदान्ततत्त्वज्ञाय नमः २०

दुर्वादिमतखण्डनाय नमः

वैराग्यनिरताय नमः

शान्ताय नमः

संसारार्णवतारकाय नमः

प्रसन्नवदनाम्भोजाय नमः

परमार्थप्रकाशकाय नमः

पुराणस्मृतिसारज्ञाय नमः

नित्यतृप्ताय नमः

महते नमः

शुचये नमः

३०

नित्यानन्दाय नमः  
 निरातङ्काय नमः  
 निःसङ्गाय नमः  
 निर्मलात्मकाय नमः  
 निर्ममाय नमः  
 निरहङ्काराय नमः  
 विश्ववन्द्यपदाम्बुजाय नमः  
 सत्त्वप्रधानाय नमः  
 सद्भावाय नमः  
 सङ्ख्यातीतगुणोज्ज्वलाय नमः ४०  
 अनघाय नमः  
 सारहृदयाय नमः  
 सुधिये नमः  
 सारस्वतप्रदाय नमः  
 सत्यात्मने नमः  
 पुण्यशीलाय नमः  
 साङ्ख्ययोगविचक्षणाय नमः  
 तपोराशये नमः  
 महातेजसे नमः  
 गुणत्रयविभागविदे नमः ५०  
 कलिघ्नाय नमः  
 कालधर्मज्ञाय नमः  
 तमोगुणनिवारकाय नमः  
 भगवते नमः  
 भारतीजे नमः  
 शारदाह्वानपण्डिताय नमः

धर्माधर्मविभागज्ञाय नमः  
 लक्ष्यभेदप्रदर्शकाय नमः  
 नादबिन्दुकलाभिज्ञाय नमः  
 योगिहृत्पद्मभास्कराय नमः ६०  
 अतीन्द्रिय-ज्ञाननिधये नमः  
 नित्यानित्यविवेकवते नमः  
 चिदानन्दाय नमः  
 चिन्मयात्मने नमः  
 परकायप्रवेशकृते नमः  
 अमानुष-चरित्राढ्याय नमः  
 क्षेमदायिने नमः  
 क्षमाकराय नमः  
 भवाय नमः  
 भद्रप्रदाय नमः ७०  
 भूरिमहिम्ने नमः  
 विश्वरञ्जकाय नमः  
 स्वप्रकाशाय नमः  
 सदाधाराय नमः  
 विश्वबन्धवे नमः  
 शुभोदयाय नमः  
 विशालक्रीर्तये नमः  
 वागीशाय नमः  
 सर्वलोकहितोत्सुकाय नमः  
 कैलासयात्रा-सम्प्राप्तचन्द्रमौलि-  
 प्रपूजकाय नमः ८०  
 काञ्च्यां श्रीचक्रराजारव्य-

यन्त्रस्थापन-दीक्षिताय नमः  
 श्रीचक्रात्मक-ताटङ्क-पोषिताम्बा-  
 मनोरथाय नमः  
 श्रीब्रह्मसूत्रोपनिषद्भाष्यादिग्रन्थ-  
 कल्पकाय नमः  
 चतुर्दिक्कुराम्नायप्रतिष्ठात्रे नमः  
 महामतये नमः  
 द्विसप्ततिमतोच्छेत्ते नमः  
 सर्वदिग्विजयप्रभवे नमः  
 काषायवसनोपेताय नमः  
 भस्मोद्धूलितविग्रहाय नमः  
 ज्ञानात्मकैकदण्डाढ्याय नमः ९०  
 कमण्डलुलसत्कराय नमः  
 व्याससन्दर्शनप्रीताय नमः  
 भगवत्पादसंज्ञकाय नमः  
 चतुःषष्टिकलाभिज्ञाय नमः  
 ब्रह्मराक्षस-मोक्षदाय नमः  
 सौन्दर्यलहरीमुख्यबहुस्तोत्र-

विधायकाय नमः  
 श्रीमन्मण्डनमिश्राख्यस्वयम्भू-  
 जयसन्नुताय नमः  
 तोटकाचार्यसम्पूज्याय नमः  
 पद्मपादार्चिताङ्घ्रिकाय नमः  
 हस्तामलकयोगीन्द्रब्रह्मज्ञान-  
 प्रदायकाय नमः १००  
 सुरेश्वरादि-सच्छिष्य-  
 सन्न्यासाश्रम-दायकाय नमः  
 निर्व्याजकरुणामूर्तये नमः  
 जगत्पूज्याय नमः  
 जगद्गुरवे नमः  
 भेरीपटहवाद्यादिराजलक्षण-  
 लक्षिताय नमः  
 सकृत्स्मरणसन्तुष्टाय नमः  
 सर्वज्ञाय नमः  
 ज्ञानदायकाय नमः १०८  
 श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्येभ्यो नमः

॥ इति श्री आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

अन्नपूर्णायै नमः  
 शिवायै नमः  
 देव्यै नमः

भीमायै नमः  
 पुष्ट्यै नमः  
 सरस्वत्यै नमः

सर्वज्ञायै नमः  
 पार्वत्यै नमः  
 दुर्गायै नमः  
 शर्वाण्यै नमः १०  
 शिववल्लभायै नमः  
 वेदविद्यायै नमः  
 महाविद्यायै नमः  
 विद्यादात्र्यै नमः  
 विशारदायै नमः  
 कुमार्यै नमः  
 त्रिपुरायै नमः  
 बालायै नमः  
 लक्ष्म्यै नमः  
 श्रियै नमः २०  
 भयहारिण्यै नमः  
 भवान्यै नमः  
 विष्णुजनन्यै नमः  
 ब्रह्मादिजनन्यै नमः  
 गणेशजनन्यै नमः  
 शक्त्यै नमः  
 कुमारजनन्यै नमः  
 शुभायै नमः  
 भोगप्रदायै नमः  
 भगवत्यै नमः ३०  
 भक्ताभीष्टप्रदायिन्यै नमः  
 भवरोगहरायै नमः

भव्यायै नमः  
 शुभ्रायै नमः  
 परममङ्गलायै नमः  
 भवान्यै नमः  
 चञ्चलायै नमः  
 गौर्यै नमः  
 चारुचन्द्रकलाधरायै नमः  
 विशालाक्ष्यै नमः ४०  
 विश्वमात्रे नमः  
 विश्ववन्द्यायै नमः  
 विलासिन्यै नमः  
 आर्यायै नमः  
 कल्याणनिलयायै नमः  
 रुद्राण्यै नमः  
 कमलासनायै नमः  
 शुभप्रदायै नमः  
 शुभावर्तायै नमः  
 वृत्तपीनपयोधरायै नमः ५०  
 अम्बायै नमः  
 संहारमथन्यै नमः  
 मृडान्यै नमः  
 सर्वमङ्गलायै नमः  
 विष्णुसंसेवितायै नमः  
 सिद्धायै नमः  
 ब्रह्माण्यै नमः  
 सुरसेवितायै नमः

परमानन्ददायै नमः

शान्त्यै नमः

६०

परमानन्दरूपिण्यै नमः

परमानन्दजनन्यै नमः

परानन्दप्रदायिन्यै नमः

परोपकारनिरतायै नमः

परमायै नमः

भक्तवत्सलायै नमः

पूर्णचन्द्राभवदनायै नमः

पूर्णचन्द्रनिभांशुकायै नमः

शुभलक्षणसम्पन्नायै नमः

शुभानन्दगुणार्णवायै नमः

७०

शुभसौभाग्यनिलयायै नमः

शुभदायै नमः

रतिप्रियायै नमः

चण्डिकायै नमः

चण्डमथन्यै नमः

चण्डदर्पनिवारिण्यै नमः

मार्ताण्डनयनायै नमः

साध्यै नमः

चन्द्राग्निनयनायै नमः

सत्यै नमः

८०

पुण्डरीकहरायै नमः

पूर्णायै नमः

पुण्यदायै नमः

पुण्यरूपिण्यै नमः

मायातीतायै नमः

श्रेष्ठमायायै नमः

श्रेष्ठधर्मायै नमः

आत्मवन्दितायै नमः

असृष्ट्यै नमः

सङ्गरहितायै नमः

९०

सृष्टिहेतवे नमः

कपर्दिन्यै नमः

वृषारूढायै नमः

शूलहस्तायै नमः

स्थितिकारिण्यै नमः

संहारकारिण्यै नमः

मन्दस्मितायै नमः

स्कन्दमात्रे नमः

शुद्धचित्तायै नमः

मुनिस्तुतायै नमः

१००

महाभगवत्यै नमः

दक्षायै नमः

दक्षाध्वरविनाशिन्यै नमः

सर्वार्थदात्र्यै नमः

सावित्र्यै नमः

सदाशिवकुटुम्बिन्यै नमः

नित्यसुन्दरसर्वाङ्ग्यै नमः

सच्चिदानन्दलक्षणायै नमः

॥ इति श्री शिवरहस्ये श्री अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामावलि: सम्पूर्णा ॥

## ॥ कार्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ब्रह्मवादिने नमः

ब्रह्मणे नमः

ब्रह्मब्राह्मणवत्सलाय नमः

ब्रह्मण्याय नमः

ब्रह्मदेवाय नमः

ब्रह्मदाय नमः

ब्रह्मसङ्ग्रहाय नमः

पराय नमः

परमाय तेजसे नमः

मङ्गलानाञ्च मङ्गलाय नमः १०

अप्रमेयगुणाय नमः

मन्त्राणां मन्त्रगाय नमः

सावित्रीमयाय देवाय नमः

सर्वत्रैवापराजिताय नमः

मन्त्राय नमः

सर्वात्मकाय नमः

देवाय नमः

षडक्षरवतां वराय नमः

गवां पुत्राय नमः

सुरारिघ्नाय नमः २०

सम्भवाय नमः

भवभावनाय नमः

पिनाकिने नमः

शत्रुघ्ने नमः

कूटाय नमः

स्कन्दाय नमः

सुराग्रण्ये नमः

द्वादशाय नमः

भुवे नमः

भुवाय नमः ३०

भाविने नमः

भुवःपुत्राय नमः

नमस्कृताय नमः

नागराजाय नमः

सुधर्मात्मने नमः

नाकपृष्ठाय नमः

सनातनाय नमः

हेमगर्भाय नमः

महागर्भाय नमः

जयाय नमः ४०

विजयेश्वराय नमः

कर्त्रे नमः

विधात्रे नमः

नित्याय नमः

अनित्याय नमः  
 अरिमर्दनाय नमः  
 महासेनाय नमः  
 महातेजसे नमः  
 वीरसेनाय नमः  
 चमूपतये नमः ५०  
 सुरसेनाय नमः  
 सुराध्यक्षाय नमः  
 भीमसेनाय नमः  
 निरामयाय नमः  
 शौरये नमः  
 यदवे नमः  
 महातेजसे नमः  
 वीर्यवते नमः  
 सत्यविक्रमाय नमः  
 तेजोगर्भाय नमः ६०  
 असुररिपवे नमः  
 सुरमूर्तये नमः  
 सुरोर्जिताय नमः  
 कृतज्ञाय नमः  
 वरदाय नमः  
 सत्याय नमः  
 शरण्याय नमः  
 साधुवत्सलाय नमः  
 सुव्रताय नमः  
 सूर्यसङ्काशाय नमः ७०

वह्निगर्भाय नमः  
 रणोत्सुकाय नमः  
 पिप्पलिने नमः  
 शीघ्रगाय नमः  
 रौद्रये नमः  
 गाङ्गेयाय नमः  
 रिपुदारणाय नमः  
 कार्तिकेयाय नमः  
 प्रभवे नमः  
 क्षान्ताय नमः ८०  
 नीलदंष्ट्राय नमः  
 महामनसे नमः  
 निग्रहाय नमः  
 निग्रहाणां नेत्रे नमः  
 दैत्यसूदनाय नमः  
 प्रग्रहाय नमः  
 परमानन्दाय नमः  
 क्रोधघ्नाय नमः  
 तारकोऽच्छिदाय नमः  
 कुक्कुटिने नमः ९०  
 बहुलाय नमः  
 वादिने नमः  
 कामदाय नमः  
 भूरिवर्धनाय नमः  
 अमोघाय नमः  
 अमृतदाय नमः

अग्नये नमः

शत्रुघ्नाय नमः

सर्वबोधनाय नमः

अनघाय नमः

१००

अमराय नमः

श्रीमते नमः

उन्नताय नमः

अग्निसम्भवाय नमः

पिशाचराजाय नमः

सूर्याभाय नमः

शिवात्मने नमः

सनातनाय नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे माहेश्वरखण्डान्तर्गते  
कुमारिकारखण्डे श्री कार्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

श्रीकृष्णाय नमः

कमलानाथाय नमः

वासुदेवाय नमः

सनातनाय नमः

वसुदेवात्मजाय नमः

पुण्याय नमः

लीलामानुषविग्रहाय नमः

श्रीवत्सकौस्तुभधराय नमः

यशोदावत्सलाय नमः

हरये नमः

१०

चतुर्भुजात्तचक्रासि-

गदाशङ्खाम्बुजायुधाय नमः

देवकीनन्दनाय नमः

श्रीशाय नमः

नन्दगोपप्रियात्मजाय नमः

यमुनावेगसंहारिणे नमः

बलभद्रप्रियानुजाय नमः

पूतनाजीवितहराय नमः

शकटासुरभञ्जनाय नमः

नन्दव्रजजनानन्दिने नमः

सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः

२०

नवनीतविलिप्ताङ्गाय नमः

नवनीतनटाय नमः

अनघाय नमः

नवनीतनवाहाराय नमः

मुचुकुन्दप्रसादकाय नमः

षोडशस्त्रीसहस्रेशाय नमः

त्रिभङ्गीमधुराकृतये नमः



शुकवागमृताब्धीन्दवे नमः

गोविन्दाय नमः

योगिनां पतये नमः ३०

वत्सवाटचराय नमः

अनन्ताय नमः

धेनुकासुरमर्दनाय नमः

तृणीकृततृणावर्ताय नमः

यमलार्जुनभञ्जनाय नमः

उत्तालतालभेत्रे नमः

तमालश्यामलाकृतये नमः

गोपगोपीश्वराय नमः

योगिने नमः

कोटिसूर्यसमप्रभाय नमः ४०

इलापतये नमः

परस्मै ज्योतिषे नमः

यादवेन्द्राय नमः

यदूद्वहाय नमः

वनमालिने नमः

पीतवाससे नमः

पारिजातापहारकाय नमः

गोवर्धनाचलोद्धर्त्रे नमः

गोपालाय नमः

सर्वपालकाय नमः ५०

अजाय नमः

निरञ्जनाय नमः

कामजनकाय नमः

कञ्जलोचनाय नमः

मधुघ्ने नमः

मथुरानाथाय नमः

द्वारकानायकाय नमः

बलिने नमः

वृन्दावनान्तसञ्चारिणे नमः

तुलसीदामभूषणाय नमः ६०

स्यमन्तकमणेर्हर्त्रे नमः

नरनारायणात्मकाय नमः

कुब्जाकृष्णाम्बरधराय नमः

मायिने नमः

परमपूरुषाय नमः

मुष्टिकासुरचाणूरमल्लयुद्ध-

विशारदाय नमः

संसारवैरिणे नमः

कंसारये नमः

मुरारये नमः

नरकान्तकाय नमः ७०

अनादिब्रह्मचारिणे नमः

कृष्णाव्यसनकर्षकाय नमः

शिशुपालशिरश्छेत्रे नमः

दुर्योधनकुलान्तकाय नमः

विदुराक्रूरवरदाय नमः

विश्वरूपप्रदर्शकाय नमः

सत्यवाचे नमः

सत्यसङ्कल्पाय नमः

सत्यभामारताय नमः

जयिने नमः

८०

सुभद्रापूर्वजाय नमः

विष्णवे नमः

भीष्ममुक्तिप्रदायकाय नमः

जगद्गुरवे नमः

जगन्नाथाय नमः

वेणुनादविशारदाय नमः

वृषभासुरविध्वंसिने नमः

बाणासुरकरान्तकाय नमः

युधिष्ठिरप्रतिष्ठात्रे नमः

बर्हिर्बर्हावतंसकाय नमः

९०

पार्थसारथ्ये नमः

अव्यक्ताय नमः

गीतामृतमहोदधये नमः

कालीयफणिमाणिक्यरञ्जितश्री-

पदाम्बुजाय नमः

दामोदराय नमः

यज्ञभोक्त्रे नमः

दानवेन्द्रविनाशकाय नमः

नारायणाय नमः

परब्रह्मणे नमः

पन्नगाशनवाहनाय नमः

१००

जलक्रीडासमासक्तगोपी-

वस्त्रापहारकाय नमः

पुण्यश्लोकाय नमः

तीर्थपादाय नमः

वेदवेद्याय नमः

दयानिधये नमः

सर्वतीर्थात्मकाय नमः

सर्वग्रहरूपिणे नमः

परात्पराय नमः

॥ इति श्री ब्रह्माण्डमहापुराणे वायुप्रोक्ते  
श्री कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

॥ कुबेराष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

कुबेराय नमः

धनदाय नमः

श्रीमते नमः

यक्षेशाय नमः

गुह्यकेश्वराय नमः

निधीशाय नमः

शङ्करसखाय नमः

महालक्ष्मीनिवासभुवे नमः

महापद्मनिधीशाय नमः

पूर्णाय नमः

१०

पद्मनिधीश्वराय नमः

शङ्खारव्यनिधिनाथाय नमः

मकरारव्यनिधिप्रियाय नमः

सुकच्छपारव्यनिधीशाय नमः

मुकुन्दनिधिनायकाय नमः

कुन्दारव्यनिधिनाथाय नमः

नीलनित्याधिपाय नमः

महते नमः

वरनिधिदीपाय नमः

पूज्याय नमः

२०

लक्ष्मीसाम्राज्यदायकाय नमः

इलपिलापत्याय नमः

कोशाधीशाय नमः

कुलोचिताय नमः

अश्वारूढाय नमः

विश्ववन्द्याय नमः

विशेषज्ञाय नमः

विशारदाय नमः

नलकूबरनाथाय नमः

मणिग्रीवपित्रे नमः

३०

गूढमन्त्राय नमः

वैश्रवणाय नमः

चित्रलेखामनःप्रियाय नमः

एकपिनाकाय नमः

अलकाधीशाय नमः

पौलस्त्याय नमः

नरवाहनाय नमः

कैलासशैलनिलयाय नमः

राज्यदाय नमः

रावणाग्रजाय नमः

४०

चित्रचैत्ररथाय नमः

उद्यानविहाराय नमः

विहारसुकुतूहलाय नमः

महोत्सहाय नमः

महाप्राज्ञाय नमः

सदापुष्पकवाहनाय नमः

सार्वभौमाय नमः

अङ्गनाथाय नमः

सोमाय नमः

सौम्यादिकेश्वराय नमः

५०

पुण्यात्मने नमः

पुरुहुतश्रियै नमः

सर्वपुण्यजनेश्वराय नमः

नित्यकीर्तये नमः

निधिवेत्रे नमः

लङ्काप्राक्तननायकाय नमः

यक्षिणीवृताय नमः

यक्षाय नमः

परमशान्तात्मने नमः

यक्षराजे नमः

६०

यक्षिणीहृदयाय नमः  
 किन्नरेश्वराय नमः  
 किम्पुरुषनाथाय नमः  
 खड्गायुधाय नमः  
 वशिने नमः  
 ईशानदक्षपार्श्वस्थाय नमः  
 वायुवामसमाश्रयाय नमः  
 धर्ममार्गनिरताय नमः  
 धर्मसम्मुखसंस्थिताय नमः  
 नित्येश्वराय नमः ७०  
 धनाध्यक्षाय नमः  
 अष्टलक्ष्म्याश्रितालयाय नमः  
 मनुष्यधर्मिणे नमः  
 सुकृतिने नमः  
 कोषलक्ष्मीसमाश्रिताय नमः  
 धनलक्ष्मीनित्यवासाय नमः  
 धान्यलक्ष्मीनिवासभुवे नमः  
 अष्टलक्ष्मीसदावासाय नमः  
 गजलक्ष्मीस्थिरालयाय नमः  
 राज्यलक्ष्मीजन्मगेहाय नमः ८०  
 धैर्यलक्ष्मीकृपाश्रयाय नमः  
 अखण्डैश्वर्यसंयुक्ताय नमः  
 नित्यानन्दाय नमः  
 सुखाश्रयाय नमः

नित्यतृप्ताय नमः  
 निराशाय नमः  
 निरुपद्रवाय नमः  
 नित्यकामाय नमः  
 निराकाङ्क्षाय नमः  
 निरूपाधिकवासभुवे नमः ९०  
 शान्ताय नमः  
 सर्वगुणोपेताय नमः  
 सर्वज्ञाय नमः  
 सर्वसम्मताय नमः  
 सर्वाणिकरुणापात्राय नमः  
 सदानन्दकृपालयाय नमः  
 गन्धर्वकुलसंसेव्याय नमः  
 सौगन्धिककुसुमप्रियाय नमः  
 स्वर्णनगरीवासाय नमः  
 निधिपीठसमाश्रयाय नमः १००  
 महामेरूत्तरस्थाय नमः  
 महर्षिगणसंस्तुताय नमः  
 तुष्टाय नमः  
 शूर्पणखाज्येष्ठाय नमः  
 शिवपूजारताय नमः  
 अनघाय नमः  
 राजयोगसमायुक्ताय नमः  
 राजशेखरपूज्याय नमः  
 राजराजाय नमः

॥ इति श्री-कुबेराष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

गङ्गायै नमः

त्रिपथगादेव्यै नमः

शम्भुमौलिविहारिण्यै नमः

जाह्नव्यै नमः

पापहन्त्र्यै नमः

महापातकनाशिन्यै नमः

पतितोद्धारिण्यै नमः

स्रोतस्वत्यै नमः

परमवेगिन्यै नमः

विष्णुपादाब्जसम्भूतायै नमः १०

विष्णुदेहकृतालयायै नमः

स्वर्गाब्धिनिलयायै नमः

साध्व्यै नमः

स्वर्णद्यै नमः

सुरनिम्नगायै नमः

मन्दाकिन्यै नमः

महावेगायै नमः

स्वर्णशृङ्गप्रभेदिन्यै नमः

देवपूज्यतमायै नमः

दिव्यायै नमः २०

दिव्यस्थाननिवासिन्यै नमः

सुचारुनीररुचिरायै नमः

महापर्वतभेदिन्यै नमः

भागीरथ्यै नमः

भगवत्यै नमः

महामोक्षप्रदायिन्यै नमः

सिन्धुसङ्गतायै नमः

शुद्धायै नमः

रसातलनिवासिन्यै नमः

महाभोगायै नमः ३०

भोगवत्यै नमः

सुभगानन्ददायिन्यै नमः

महापापहरायै नमः

पुण्यायै नमः

परमाह्लाददायिन्यै नमः

पार्वत्यै नमः

शिवपत्न्यै नमः

शिवशीर्षगतालयायै नमः

शम्भोर्जटामध्यगतायै नमः

निर्मलायै नमः ४०

निर्मलाननायै नमः

महाकलुषहन्त्र्यै नमः

जह्नुपुत्र्यै नमः

जगत्प्रियायै नमः

त्रैलोक्यपावन्यै नमः  
 पूर्णायै नमः  
 पूर्णब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः  
 जगत्पूज्यतमायै नमः  
 चारुरूपिण्यै नमः  
 जगदम्बिकायै नमः ५०  
 लोकानुग्रहकर्त्र्यै नमः  
 सर्वलोकदयापरायै नमः  
 याम्यभीतिहरायै नमः  
 तारायै नमः  
 पारायै नमः  
 संसारतारिण्यै नमः  
 ब्रह्माण्डभेदिन्यै नमः  
 ब्रह्मकमण्डलुकृतालयायै नमः  
 सौभाग्यदायिन्यै नमः  
 पुंसां निर्वाणपददायिन्यै नमः ६०  
 अचिन्त्यचरितायै नमः  
 चारुरुचिरातिमनोहरायै नमः  
 मर्त्यस्थायै नमः  
 मृत्युभयहायै नमः  
 स्वर्गमोक्षप्रदायिन्यै नमः  
 पापापहारिण्यै नमः  
 दूरचारिण्यै नमः  
 वीचिधारिण्यै नमः  
 कारुण्यपूर्णायै नमः  
 करुणामय्यै नमः ७०

दुरितनाशिन्यै नमः  
 गिरिराजसुतायै नमः  
 गौरीभगिन्यै नमः  
 गिरिशप्रियायै नमः  
 मेनकागर्भसम्भूतायै नमः  
 मैनाकभगिनीप्रियायै नमः  
 आद्यायै नमः  
 त्रिलोकजनन्यै नमः  
 त्रैलोक्यपरिपालिन्यै नमः  
 तीर्थश्रेष्ठतमायै नमः ८०  
 श्रेष्ठायै नमः  
 सर्वतीर्थमय्यै नमः  
 शुभायै नमः  
 चतुर्वेदमय्यै नमः  
 सर्वायै नमः  
 पितृसन्तृप्तिदायिन्यै नमः  
 शिवदायै नमः  
 शिवसायुज्यदायिन्यै नमः  
 शिववल्लभायै नमः  
 तेजस्विन्यै नमः ९०  
 त्रिनयनायै नमः  
 त्रिलोचनमनोरमायै नमः  
 सप्तधारायै नमः  
 शतमुख्यै नमः  
 सगरान्वयतारिण्यै नमः  
 मुनिसेव्यायै नमः

मुनिसुतायै नमः  
 जह्नुजानुप्रभेदिन्यै नमः  
 मकरस्थायै नमः  
 सर्वगतायै नमः  
 सर्वाशुभनिवारिण्यै नमः  
 सुदृश्यायै नमः

१००

चाक्षुषीतृप्तिदायिन्यै नमः  
 मकरालयायै नमः  
 सदानन्दमय्यै नमः  
 नित्यानन्ददायै नमः  
 नगपूजितायै नमः  
 सर्वदेवाधिदेवैः  
 परिपूज्यपदाम्बुजायै नमः

॥ इति श्री महाभागवते महापुराणे श्री गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलिः  
 सम्पूर्णा ॥

## ॥ गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

गणेश्वराय नमः  
 गणक्रीडाय नमः  
 महागणपतये नमः  
 विश्वकर्त्रे नमः  
 विश्वमुखाय नमः  
 दुर्जयाय नमः  
 धूर्जयाय नमः  
 जयाय नमः  
 सुरूपाय नमः  
 सर्वनेत्राधिवासाय नमः  
 वीरासनाश्रयाय नमः  
 योगाधिपाय नमः  
 तारकस्थाय नमः

१०

पुरुषाय नमः  
 गजकर्णकाय नमः  
 चित्राङ्गाय नमः  
 श्यामदशनाय नमः  
 भालचन्द्राय नमः  
 चतुर्भुजाय नमः  
 शम्भुतेजसे नमः  
 यज्ञकायाय नमः  
 सर्वात्मने नमः  
 सामबृंहिताय नमः  
 कुलाचलांसाय नमः  
 व्योमनाभये नमः  
 कल्पद्रुमवनालयाय नमः

२०

निम्ननाभये नमः  
 स्थूलकुक्षये नमः  
 पीनवक्षसे नमः  
 बृहद्भुजाय नमः ३०  
 पीनस्कन्धाय नमः  
 कम्बुकण्ठाय नमः  
 लम्बोष्ठाय नमः  
 लम्बनासिकाय नमः  
 सर्वावयवसम्पूर्णाय नमः  
 सर्वलक्षणलक्षिताय नमः  
 इक्षुचापधराय नमः  
 शूलिने नमः  
 कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः  
 अक्षमालाधराय नमः ४०  
 ज्ञानमुद्रावते नमः  
 विजयावहाय नमः  
 कामिनी-कामना-काम-मालिनी-  
 केलि-लालिताय नमः  
 अमोघसिद्धये नमः  
 आधाराय नमः  
 आधाराधेयवर्जिताय नमः  
 इन्दीवरदलश्यामाय नमः  
 इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः  
 कर्मसाक्षिणे नमः  
 कर्मकर्त्रे नमः ५०  
 कर्मार्कर्मफलप्रदाय नमः

कमण्डलुधराय नमः  
 कल्पाय नमः  
 कपर्दिने नमः  
 कटिसूत्रभृते नमः  
 कारुण्यदेहाय नमः  
 कपिलाय नमः  
 गुह्यागमनिरूपिताय नमः  
 गुहाशयाय नमः  
 गुहाब्धिस्थाय नमः ६०  
 घटकुम्भाय नमः  
 घटोदराय नमः  
 पूर्णानन्दाय नमः  
 परानन्दाय नमः  
 धनदाय नमः  
 धरणीधराय नमः  
 बृहत्तमाय नमः  
 ब्रह्मपराय नमः  
 ब्रह्मण्याय नमः  
 ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ७०  
 भव्याय नमः  
 भूतालयाय नमः  
 भोगदात्रे नमः  
 महामनसे नमः  
 वरेण्याय नमः  
 वामदेवाय नमः  
 वन्द्याय नमः



वज्रनिवारणाय नमः

विश्वकर्त्रे नमः

विश्वचक्षुषे नमः ८०

हवनाय नमः

हव्यकव्यभुजे नमः

स्वतन्त्राय नमः

सत्यसङ्कल्पाय नमः

सौभाग्यवर्धनाय नमः

कीर्तिदाय नमः

शोकहारिणे नमः

त्रिवर्गफलदायकाय नमः

चतुर्बाहवे नमः

चतुर्दन्ताय नमः ९०

चतुर्थी-तिथि-सम्भवाय नमः

सहस्रशीर्ष्णे पुरुषाय नमः

सहस्राक्षाय नमः

सहस्रपदे नमः

कामरूपाय नमः

कामगतये नमः

द्विरदाय नमः

द्वीपरक्षकाय नमः

क्षेत्राधिपाय नमः

क्षमाभर्त्रे नमः १००

लयस्थाय नमः

लङ्घुकप्रियाय नमः

प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः

दुष्टचित्तप्रसादनाय नमः

भगवते नमः

भक्तिसुलभाय नमः

याज्ञिकाय नमः

याजकप्रियाय नमः

॥ इति श्री गणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्री गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः  
सम्पूर्णा ॥

## ॥ गकारादि गणपति अष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

गकाररूपाय नमः

गम्भीजाय नमः

गणेशाय नमः

गणवन्दिताय नमः

गणनीयाय नमः

गणाय नमः

गण्याय नमः

गणनातीतसद्गुणाय नमः

गगनादिकसृजे नमः  
 गङ्गासुताय नमः १०  
 गङ्गासुतार्चिताय नमः  
 गङ्गाधरप्रीतिकराय नमः  
 गवीशेड्याय नमः  
 गदापहाय नमः  
 गदाधरनुताय नमः  
 गद्यपद्यात्मककवित्वदाय नमः  
 गजास्याय नमः  
 गजलक्ष्मीवते नमः  
 गजवाजिरथप्रदाय नमः  
 गङ्गानिरतशिक्षाकृतये नमः २०  
 गणितज्ञाय नमः  
 गण्डदानाञ्चिताय नमः  
 गन्त्रे नमः  
 गण्डोपलसमाकृतये नमः  
 गगनव्यापकाय नमः  
 गम्याय नमः  
 गमनादिविवर्जिताय नमः  
 गण्डदोषहराय नमः  
 गण्डभ्रमद्भ्रमरकुण्डलाय नमः  
 गतागतज्ञाय नमः ३०  
 गतिदाय नमः  
 गतमृत्यवे नमः  
 गतोद्भवाय नमः  
 गन्धप्रियाय नमः

गन्धवाहाय नमः  
 गन्धसिन्धूरवृन्दगाय नमः  
 गन्धादिपूजिताय नमः  
 गव्यभोक्त्रे नमः  
 गर्गादिसन्नुताय नमः  
 गरिष्ठाय नमः ४०  
 गरभिदे नमः  
 गर्वहराय नमः  
 गरलिभूषणाय नमः  
 गविष्ठाय नमः  
 गर्जितारावाय नमः  
 गम्भीरहृदयाय नमः  
 गदिने नमः  
 गलत्कुष्ठहराय नमः  
 गर्भप्रदाय नमः  
 गर्भाभरक्षकाय नमः ५०  
 गर्भाधाराय नमः  
 गर्भवासिशिशुज्ञानप्रदाय नमः  
 गरुत्मत्तुल्यजवनाय नमः  
 गरुडध्वजवन्दिताय नमः  
 गयेडिताय नमः  
 गयाश्राद्धफलदाय नमः  
 गयाकृतये नमः  
 गदाधरावतारिणे नमः  
 गन्धर्वनगरार्चिताय नमः  
 गन्धर्वगानसन्तुष्टाय नमः ६०

गरुडाग्रजवन्दिताय नमः  
 गणरात्रिसमाराध्याय नमः  
 गर्हणास्तुतिसाम्यधिये नमः  
 गर्ताभनाभये नमः  
 गव्यूतिदीर्घतुण्डाय नमः  
 गभस्तिमते नमः  
 गर्हिताचारदूराय नमः  
 गरुडोपलभूषिताय नमः  
 गजारिविक्रमाय नमः  
 गन्धमूषवाजिने नमः ७०  
 गतश्रमाय नमः  
 गवेषणीयाय नमः  
 गहनाय नमः  
 गहनस्थमुनिस्तुताय नमः  
 गवयच्छिदे नमः  
 गण्डकभिदे नमः  
 गह्वरापथवारणाय नमः  
 गजदन्तायुधाय नमः  
 गर्जद्रिपुष्पाय नमः  
 गजकर्णिकाय नमः ८०  
 गजचर्मामयच्छेत्रे नमः  
 गणाध्यक्षाय नमः  
 गणार्चिताय नमः  
 गणिकानर्तनप्रीताय नमः  
 गच्छते नमः

गन्धफलीप्रियाय नमः  
 गन्धकादिरसाधीशाय नमः  
 गणकानन्ददायकाय नमः  
 गरभादिजनुर्हर्त्रे नमः  
 गण्डकीगाहनोत्सुकाय नमः ९०  
 गण्डूषीकृतवाराशये नमः  
 गरिमालधिमादिदाय नमः  
 गवाक्षवत्सौधवासिने नमः  
 गर्भिताय नमः  
 गर्भिणीनुताय नमः  
 गन्धमादनशैलाभाय नमः  
 गण्डभेरुण्डविक्रमाय नमः  
 गदिताय नमः  
 गद्गदारावसंस्तुताय नमः  
 गह्वरीपतये नमः १००  
 गजेशाय नमः  
 गरीयसे नमः  
 गद्येड्याय नमः  
 गतभिदे नमः  
 गदितागमाय नमः  
 गर्हणीयगुणाभावाय नमः  
 गङ्गादिकशुचिप्रदाय नमः  
 गणनातीतविद्याश्री-  
 बलायुष्यादिदायकाय नमः

॥ इति गकारादि गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ गोदाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

श्रीरङ्गनायक्यै नमः

गोदायै नमः

विष्णुचित्तात्मजायै नमः

सत्यै नमः

गोपीवेषधरायै नमः

देव्यै नमः

भूसुतायै नमः

भोगशालिन्यै नमः

तुलसीकाननोद्भूतायै नमः

श्रीधन्विपुरवासिन्यै नमः १०

भट्टनाथप्रियकर्यै नमः

श्रीकृष्णहितभोगिन्यै नमः

आमुक्तमाल्यदायै नमः

बालायै नमः

रङ्गनाथप्रियायै नमः

परायै नमः

विश्वम्भरायै नमः

कलालापायै नमः

यतिराजसहोदर्यै नमः

कृष्णानुरक्तायै नमः २०

सुभगायै नमः

सुलभश्रियै नमः

सलक्षणायै नमः

लक्ष्मीप्रियसख्यै नमः

श्यामायै नमः

दयाञ्चितदृगञ्चलायै नमः

फल्गुन्याविर्भवायै नमः

रम्यायै नमः

धनुर्मासकृतव्रतायै नमः

चम्पकाशोक-पुन्नाग-मालती-

विलसत्-कचायै नमः ३०

आकारत्रयसम्पन्नायै नमः

नारायणपदाश्रितायै नमः

श्रीमदष्टाक्षरीमन्त्र-राजस्थित-

मनोरथायै नमः

मोक्षप्रदाननिपुणायै नमः

मनुरत्नाधिदेवतायै नमः

ब्रह्मण्यायै नमः

लोकजनन्यै नमः

लीलामानुषरूपिण्यै नमः

ब्रह्मज्ञानप्रदायै नमः

मायायै नमः ४०

सच्चिदानन्दविग्रहायै नमः

महापतिव्रतायै नमः

विष्णुगुणकीर्तनलोलुपायै नमः  
 प्रपन्नार्तिहरायै नमः  
 नित्यायै नमः  
 वेदसौधविहारिण्यै नमः  
 श्रीरङ्गनाथमाणिक्यमञ्जर्यै नमः  
 मञ्जुभाषिण्यै नमः  
 पद्मप्रियायै नमः  
 पद्महस्तायै नमः ५०  
 वेदान्तद्वयबोधिन्त्यै नमः  
 सुप्रसन्नायै नमः  
 भगवत्यै नमः  
 श्रीजनार्दनदीपिकायै नमः  
 सुगन्धवयवायै नमः  
 चारुरङ्गमङ्गलदीपिकायै नमः  
 ध्वजवज्राङ्कुशाब्जाङ्क-मृदुपाद-  
 लताञ्चितायै नमः  
 तारकाकारनखरायै नमः  
 प्रवालमृदुलाङ्गुल्यै नमः  
 कूर्मोपमेय-पादोर्ध्वभागायै नमः ६०  
 शोभनपार्ष्णिकायै नमः  
 वेदार्थभावतत्त्वज्ञायै नमः  
 लोकाराध्याङ्घ्रिपङ्कजायै नमः  
 आनन्दबुद्धुदाकार-सुगुल्फायै नमः  
 परमायै नमः  
 अणुकायै नमः  
 तेजःश्रियोज्ज्वलधृतपादाङ्गुलि-

सुभूषितायै नमः  
 मीनकेतन-तूणीर-चारुजङ्घा-  
 विराजितायै नमः  
 ककुद्वज्जानुयुग्माढ्यायै नमः  
 स्वर्णरम्भाभसक्थिकायै नमः ७०  
 विशालजघनायै नमः  
 पीनसुश्रोण्यै नमः  
 मणिमेखलायै नमः  
 आनन्दसागरावर्त-गम्भीराम्भोज-  
 नाभिकायै नमः  
 भास्वद्वलित्रिकायै नमः  
 चारुजगत्पूर्ण-महोदर्यै नमः  
 नववल्लीरोमराज्यै नमः  
 सुधाकुम्भायितस्तन्यै नमः  
 कल्पमालानिभबुजायै नमः  
 चन्द्रखण्डनखाञ्चितायै नमः ८०  
 सुप्रवाशाङ्गुलीन्यस्तमहा-  
 रत्नाङ्गुलीयकायै नमः  
 नवारुणप्रवालाभ-पाणिदेश-  
 समञ्चितायै नमः  
 कम्बुकण्ठ्यै नमः  
 सुचुबुकायै नमः  
 बिम्बोष्ठ्यै नमः  
 कुन्ददन्तयुजे नमः  
 कारुण्यरस-निष्यन्द-नेत्रद्वय-  
 सुशोभितायै नमः

मुक्ताशुचिस्मितायै नमः  
 चारुचाम्पेयनिभनासिकायै नमः  
 दर्पणाकार-विपुल-कपोल-  
 द्वितयाञ्चितायै नमः ९०  
 अनन्तार्क-प्रकाशोद्यन्मणि-  
 ताटङ्क-शोभितायै नमः  
 कोटिसूर्याग्निसङ्काश-नानाभूषण-  
 भूषितायै नमः  
 सुगन्धवदनायै नमः  
 सुभ्रुवे नमः  
 अर्धचन्द्रललाटिकायै नमः  
 पूर्णचन्द्राननायै नमः  
 नीलकुटिलालकशोभितायै नमः  
 सौन्दर्यसीमायै नमः  
 विलसत्-कस्तूरी-  
 तिलकोज्ज्वलायै नमः  
 धगद्ध-गायमानोद्यन्मणि-सीमन्त-  
 भूषणायै नमः १००  
 जाज्वल्यमान-सद्रत्न-  
 दिव्यचूडावतंसकायै नमः

सूर्यार्धचन्द्र-विलसत्-भूषणञ्चित-  
 वेणिकायै नमः  
 अत्यर्कानल-तेजोधिमणि-  
 कञ्चुकधारिण्यै नमः  
 सद्रत्नाञ्चितविद्योत-विद्युत्कुञ्जाभ-  
 शाटिकायै नमः  
 नानामणिगणाकीर्ण-  
 हेमाङ्गदसुभूषितायै नमः  
 कुङ्कुमागरु-कस्तूरी-दिव्यचन्दन-  
 चर्चितायै नमः  
 स्वोचितौज्ज्वल्य-विविध-विचित्र-  
 मणि-हारिण्यै नमः  
 असङ्ख्य-सुखस्पर्श-सर्वातिशय-  
 भूषणायै नमः  
 मल्लिका-पारिजातादि  
 दिव्यपुष्प-स्रगञ्चितायै नमः  
 श्रीरङ्गनिलयायै नमः ११०  
 पूज्यायै नमः  
 दिव्यदेशसुशोभितायै नमः

॥ इति श्री गोदाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

॥ चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

श्री काञ्ची-कामकोटि-  
 पीठाधीश्वराय नमः  
 श्री चन्द्रशेखरेन्द्र-सरस्वती-  
 गुरुभ्यो नमः  
 सन्न्यासाश्रमशिखराय नमः  
 काषाय-दण्डधारिणे नमः  
 सर्वपीडाप्रायश्चित्ताय नमः  
 स्वामीनाथाय नमः  
 करुणासागराय नमः  
 जगदाकर्षणशक्तये नमः  
 सर्वचराचरहृदयस्थाय नमः  
 भक्तपरिपालकश्रेष्ठाय नमः १०  
 धर्मपरिपालकाय नमः  
 श्री जयेन्द्रसरस्वत्याचार्याय नमः  
 ब्रह्मोपदेशकाय नमः  
 शक्तिस्वरूपकाय नमः  
 भक्तजनप्रियाय नमः  
 ब्रह्म-विष्णु-शिवैक्य  
 एकरूपाय नमः  
 काशीक्षेत्रवासाय नमः  
 कैलासशिखरवासाय नमः  
 सर्वधर्मपरिपोषकाय नमः  
 चतुर्वर्णरक्षकाय नमः २०  
 लोकरक्षितसङ्कल्पाय नमः  
 सर्वनिष्ठापराय नमः  
 सर्वपापहराय नमः

धर्मरक्षकसन्तुष्टाय नमः  
 भक्तार्पितधनस्वीकर्त्रे नमः  
 सर्वोपनिषद् व्युत्पन्नाय नमः  
 सर्वशास्त्रगमनाय नमः  
 सर्वलोकपितामहाय नमः  
 भक्ताभीष्टप्रदायकाय नमः  
 ब्राह्मण्यपोषकाय नमः ३०  
 नानाविधपुष्पार्चिताय नमः  
 रुद्राक्षकिरीटधारिणे नमः  
 भस्मोद्धूलितवेषकाय नमः  
 सर्वज्ञाय नमः  
 सर्वचराचरव्याप्रे नमः  
 अनेकशिष्यपरिपालकाय नमः  
 चञ्चलमनध्वंसिने नमः  
 अभयहस्ताय नमः  
 भयापहाय नमः  
 यज्ञपुरुषाय नमः ४०  
 यज्ञकर्त्रे नमः  
 यज्ञसम्पन्नाय नमः  
 यज्ञसहायकाय नमः  
 यज्ञफलदाय नमः  
 यज्ञप्रियाय नमः  
 सर्वोपमानयोग्याय नमः  
 स्फटिक-तुलसी-रुद्राक्ष-हार-  
 धारिणे नमः  
 ब्रह्म-क्षत्रिय-वैश्य-शूद्रादि

चतुर्वर्णजनसमदृष्टाय नमः  
 ऋग्यजुस्सामार्थवर्णादि  
 चतुर्वेदरक्षकाय नमः  
 दक्षिणामूर्तिस्वरूपाय नमः ५०  
 जाग्रत्-स्वप्न-  
 सुषुप्त्याद्यवस्थानुग्रहाय नमः  
 कोटिसूर्यप्रकाशतेजोमय-  
 शरीराय नमः  
 साधुसङ्गरक्षकाय नमः  
 अश्वगजगोपूजप्रियाय नमः  
 गुरुपादुकापूजाधुरन्धराय नमः  
 कनकाभिषिक्ताय नमः  
 स्वर्णबिल्वदलपूज्याय नमः  
 सर्वजीवमोक्षदाय नमः  
 मूकवाग्दाननिपुणाय नमः  
 नेत्रदीक्षादानाय नमः ६०  
 द्वादशलिङ्गस्थापिताय नमः  
 गानरसप्रियाय नमः  
 श्री जयेन्द्रसरस्वती-पूजिताय नमः  
 सकलकलासिद्धिदाय नमः  
 चतुर्वर्णजनपूजिताय नमः  
 अनेकभाषा-सम्भाषण-  
 सिद्धिदाय नमः  
 अष्टसिद्धिप्रदायकाय नमः  
 श्रीशारदामठस्थाय नमः  
 नित्यान्नदानसुप्रीताय नमः

प्रार्थनामात्रसुलभाय नमः ७०  
 पादयात्राप्रियाय नमः  
 नानाविध-मत-पण्डिताय नमः  
 श्रुतिस्मृतिपुराणाय नमः  
 देव-यक्ष-किन्नर-किम्पुरुष-  
 पूज्याय नमः  
 श्रवणानन्दाय नमः  
 दर्शनानन्दाय नमः  
 जिह्वानन्दाय नमः  
 चिन्तितानन्दाय नमः  
 शैव-वैष्णव-भेद-ध्वंसिने नमः  
 शङ्कहराय नमः ८०  
 शङ्खहस्ताय नमः  
 वीणामृदङ्गसकलवाद्य-  
 नादस्वरूपाय नमः  
 राग-स्वर-साहित्य-रसिकाय नमः  
 नटन-नाट्य-नाटकादि  
 सकलकलाश्रयाय नमः  
 हृदय-गुहेशाय नमः  
 रुद्र-चमक-वर्णित स्वरूपाय नमः  
 केदारेश्वरनाथाय नमः  
 अविद्यानाशकाय नमः  
 निष्काम्य-कर्मोपदेशकाय नमः  
 लघुभक्तिमार्गोपदेशकाय नमः ९०  
 लिङ्गस्वरूपाय नमः  
 शालग्रामसूक्ष्मस्वरूपाय नमः



शृङ्गेरी-द्वारकादि  
 चतुर्मठसमदृष्टाय नमः  
 जितेन्द्रियाय नमः  
 शरणागतवत्सलाय नमः  
 श्रीशैलशिखरवासाय नमः  
 दमरुकनाद-वेदश्रष्टिकाय नमः  
 वृषभारूढाय नमः  
 दुर्मतनाशकाय नमः  
 आभिचारिकदोषहर्त्रे नमः १००

मिथ्याहराय नमः  
 मृत्युविमोचकशक्तये नमः  
 सुदर्शनचक्रप्रतिष्ठिताय नमः  
 दस्य कर्मानुग्रहाय नमः  
 अनूराधानक्षत्रजाताय नमः  
 सर्वलोकगमनाय नमः  
 श्रीत्रिपुरसुन्दरी-समेत-  
 श्रीचन्द्रमौलीश्वर-पूजा-  
 प्रियाय नमः  
 वेङ्कटेश्वरानन्द-हृदयवासाय नमः

॥ इति श्री काञ्ची कामकोटि पीठाधीश्वरः शङ्कराचार्यः  
 श्री चन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वती अष्टोत्तर-शतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ जगदानन्दकारक शतनामावलिः ॥

जगदानन्दकारकाय नमः  
 जानकीप्राणनायकाय नमः  
 गगनाधिपसद्कुलजाय नमः  
 राजराजेश्वराय नमः  
 सुगुणाकराय नमः  
 सुरसेव्याय नमः  
 भव्यदायकाय नमः  
 सदा  
 सकल-जगदानन्दकारकाय नमः  
 अमर-तारक-निचय-कुमुदहिताय

नमः  
 परिपूर्णाय नमः १०  
 अनघाय नमः  
 सुराय नमः  
 सुरभूजाय नमः  
 दधि-पयोधि-वास-हरणाय नमः  
 सुन्दरतरवदनाय नमः  
 सुधामयवचो वृन्दाय नमः  
 गोविन्दाय नमः  
 सानन्दाय नमः

मावराय नमः  
 अजरायै नमः २०  
 आप्ताय नमः  
 शुभकराय नमः  
 अनेक-जगदानन्दकारकाय नमः  
 निगम-नीरजामृतज-  
 पोषकाय नमः  
 अनिमिष-वैरि-वारिद-  
 समीरणाय नमः  
 खग-तुरङ्गाय नमः  
 सद्रूकवि-हृदालयाय नमः  
 अगणित-वानराधिप-  
 नताङ्घ्रियुगाय नमः  
 जगदानन्दकारकाय नमः  
 इन्द्रनील मणि  
 सन्निभापघनाय नमः ३०  
 चन्द्र-सूर्य-नयनाय नमः  
 अप्रमेयाय नमः  
 वागिन्द्र-जनकाय नमः  
 सकलेशाय नमः  
 शुभ्राय नमः  
 नागेन्द्र-शयनाय नमः  
 शमन-वैरि-सन्नुताय नमः  
 जगदानन्दकारकाय नमः  
 पाद-विजित-मौनि-शापाय नमः  
 सव-परिपालाय नमः ४०

वरमन्त्र-ग्रहण-लोलाय नमः  
 परम-शान्ताय नमः  
 सिद्धाय नमः  
 जनकजाधिपाय नमः  
 सरोजभव-वरदाय नमः  
 अखिल-जगदानन्दकारकाय नमः  
 सृष्टि-स्थित्यन्त-कारकाय नमः  
 अमिताय नमः  
 कामित-फलदाय नमः  
 असमान-गात्राय नमः ५०  
 शचीपतिनुताय नमः  
 अब्धि-मदहराय नमः  
 अनुराग-राग-राजित-कथा-  
 सारहिताय नमः  
 जगदानन्दकारकाय नमः  
 सज्जन-मानसाब्धि-  
 सुधाकराय नमः  
 कुसुम-विमानाय नमः  
 सुरसारिपु-कराब्ज-लालित-  
 चरणाय नमः  
 अवगुणासुरगण-मद-हरणाय  
 नमः  
 सनातनाजनुताय नमः  
 जगदानन्दकारकाय नमः ६०  
 ओङ्कार पञ्जर-कीराय नमः  
 पुरहर-सरोजभव-

केशवादिरूपाय नमः  
 वासव-रिपु-जनकान्तकाय नमः  
 कलाधराय नमः  
 कलाधराप्ताय नमः  
 घृणाकराय नमः  
 शरणागत-जन-पालनाय नमः  
 सुमनोरमणाय नमः  
 निर्विकाराय नमः  
 निगमसारतराय नमः ७०  
 जगदानन्दकारकाय नमः  
 करधृत-शर-जालाय नमः  
 सुरमदापहरणाय नमः  
 अवनी-सुर-सुरावनाय नमः  
 कवीनाय नमः  
 बिलज-मौनि-कृत-चरित्र-  
 सन्नुताय नमः  
 श्री त्यागराजनुताय नमः  
 जगदानन्दकारकाय नमः  
 पुराणपुरुषाय नमः  
 नृवरात्मजाय नमः ८०  
 आश्रित-पराधीनाय नमः

खर-विराध-रावण-  
 विरावणाय नमः  
 अनघाय नमः  
 पराशर-मनोहराय नमः  
 अविकृताय नमः  
 त्यागराज-सन्नुताय नमः  
 जगदानन्दकारकाय नमः  
 अगणित-गुणाय नमः  
 कनक-चैलाय नमः  
 साल-विदलनाय नमः ९०  
 अरुणाभ-समान-चरणाय नमः  
 अपार-महिम्ने नमः  
 अद्भुताय नमः  
 सुकवि-जन-हृद्सदनाय नमः  
 सुर-मुनिगण-विहिताय नमः  
 कलश-नीरनिधिजा-रमणाय नमः  
 पाप-गज-नृसिंहाय नमः  
 वराय नमः  
 त्यागराजादि-नुताय नमः  
 जगदानन्दकारकाय नमः १००

॥ इति श्री जगदानन्दकारक नामावलिः सम्पूर्णा ॥

॥ तुलस्यष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

तुलस्यै नमः  
 पावन्यै नमः  
 पूज्यायै नमः  
 वृन्दावननिवासिन्यै नमः  
 ज्ञानदात्र्यै नमः  
 ज्ञानमय्यै नमः  
 निर्मलायै नमः  
 सर्वपूजितायै नमः  
 सत्यै नमः  
 पतिव्रतायै नमः १०  
 वृन्दायै नमः  
 क्षीराब्धिमतनोद्भवायै नमः  
 कृष्णवर्णायै नमः  
 रोगहन्त्र्यै नमः  
 त्रिवर्णायै नमः  
 सर्वकामदायै नमः  
 लक्ष्मीसख्यै नमः  
 नित्यशुद्धायै नमः  
 सुदत्यै नमः  
 भूमिपावन्यै नमः २०  
 हरिद्रात्रैकनिरतायै नमः  
 हरिपादकृतालयायै नमः  
 पवित्ररूपिण्यै नमः  
 धन्यायै नमः  
 सुगन्धिन्यै नमः  
 अमृतोद्भवायै नमः

सुरूपायै आरोग्यदायै नमः  
 तुष्टायै नमः  
 शक्तित्रितयरूपिण्यै नमः  
 देव्यै नमः ३०  
 देवर्षिसंस्तुत्यायै नमः  
 कान्तायै नमः  
 विष्णुमनःप्रियायै नमः  
 भूतवेतालभीतिघ्न्यै नमः  
 महापातकनाशिन्यै नमः  
 मनोरथप्रदायै नमः  
 मेधायै नमः  
 कान्त्यै नमः  
 विजयदायिन्यै नमः  
 शङ्खचक्रगदापद्मधारिण्यै नमः ४०  
 कामरूपिण्यै नमः  
 अपवर्गप्रदायै नमः  
 श्यामायै नमः  
 कृशमध्यायै नमः  
 सुकेशिन्यै नमः  
 वैकुण्ठवासिन्यै नमः  
 नन्दायै नमः  
 बिम्बोष्ठ्यै नमः  
 कोकिलस्वरायै नमः  
 कपिलायै नमः ५०  
 निम्नगाजन्मभूम्यै नमः  
 आयुष्यदायिन्यै नमः

वनरूपायै नमः  
 दुःखनाशिन्यै नमः  
 अविकारायै नमः  
 चतुर्भुजायै नमः  
 गरुत्मद्वाहनायै नमः  
 शान्तायै नमः  
 दान्तायै नमः  
 विघ्ननिवारिण्यै नमः ६०  
 श्रीविष्णुमूलिकायै नमः  
 पुष्ट्यै नमः  
 त्रिवर्गफलदायिन्यै नमः  
 महाशक्त्यै नमः  
 महामायायै नमः  
 लक्ष्मीवाणीसुपूजितायै नमः  
 सुमङ्गल्यर्चनप्रीतायै नमः  
 सौमङ्गल्यविवर्धिन्यै नमः  
 चातुर्मास्योत्सवाराध्यायै नमः  
 विष्णुसान्निध्यदायिन्यै नमः ७०  
 उत्थानद्वादशीपूज्यायै नमः  
 सर्वदेवप्रपूजितायै नमः  
 गोपीरतिप्रदायै नमः  
 नित्यायै नमः  
 निर्गुणायै नमः  
 पार्वतीप्रियायै नमः  
 अपमृत्युहरायै नमः  
 राधाप्रियायै नमः

मृगविलोचनायै नमः  
 अम्लानायै नमः ८०  
 हंसगमनायै नमः  
 कमलासनवन्दितायै नमः  
 भूलोकवासिन्यै नमः  
 शुद्धायै नमः  
 रामकृष्णादिपूजितायै नमः  
 सीतापूज्यायै नमः  
 राममनःप्रियायै नमः  
 नन्दनसंस्थितायै नमः  
 सर्वतीर्थमय्यै नमः  
 मुक्तायै नमः ९०  
 लोकसृष्टिविधायिन्यै नमः  
 प्रातर्दृश्यायै नमः  
 ग्लानिहन्त्र्यै नमः  
 वैष्णव्यै नमः  
 सर्वसिद्धिदायै नमः  
 नारायण्यै नमः  
 सन्ततिदायै नमः  
 मूलमृद्धारिपावन्यै नमः  
 अशोकवनिकासंस्थायै नमः  
 सीताध्यातायै नमः १००  
 निराश्रयायै नमः  
 गोमतीसरयूतीररोपितायै नमः  
 कुटिलालकायै नमः  
 अपात्रभक्ष्यपापघ्न्यै नमः

दानतोयविशुद्धिदायै नमः  
श्रुतिधारणसुप्रीतायै नमः

शुभायै नमः  
सर्वेष्टदायिन्यै नमः

१०८

॥ इति श्री तुलस्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ देवसेना अष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

देवसेनायै नमः  
देवलोकजनन्यै नमः  
दिव्यसुन्दर्यै नमः  
देवपूज्यायै नमः  
दयारूपायै नमः  
दिव्याभरणभूषितायै नमः  
दारिद्र्यनाशिन्यै नमः  
देव्यै नमः  
दिव्यपङ्कजधारिण्यै नमः  
दुःस्वप्ननाशिन्यै नमः  
दुष्टशमन्यै नमः  
दोषवर्जितायै नमः  
पीताम्बरायै नमः  
पद्मवासायै नमः  
परानन्दायै नमः  
परात्परायै नमः  
पूर्णायै नमः  
परमकल्याण्यै नमः  
प्रकटायै नमः

१०

पापनाशिन्यै नमः  
प्राणेश्वर्यै नमः  
परायै शक्त्यै नमः  
परमायै नमः  
परमेश्वर्यै नमः  
महावीर्यायै नमः  
महाभोगायै नमः  
महापूज्यायै नमः  
महाबलायै नमः  
माहेन्द्र्यै नमः  
महत्यै नमः  
मायायै नमः  
मुक्ताहारविभूषितायै नमः  
ब्रह्मानन्दायै नमः  
ब्रह्मरूपायै नमः  
ब्रह्माण्यै नमः  
ब्रह्मपूजितायै नमः  
कार्तिकेयप्रियायै नमः  
कान्तायै नमः

२०

३०

कामरूपायै नमः  
 कलाधरायै नमः  
 विष्णुपूज्यायै नमः  
 विश्ववेद्यायै नमः  
 वेदवेद्यायै नमः  
 वज्रिजातायै नमः  
 वरप्रदायै नमः  
 विशाखकान्तायै नमः  
 विमलायै नमः  
 विशालाक्ष्यै नमः  
 सत्यसन्धायै नमः  
 सत्प्रभावायै नमः  
 सिद्धिदायै नमः  
 स्कन्दवल्लभायै नमः  
 सुरेश्वर्यै नमः  
 सर्ववन्द्यायै नमः  
 सुन्दर्यै नमः  
 साम्यवर्जितायै नमः  
 हतदैत्यायै नमः  
 हानिहीनायै नमः  
 हर्षदात्र्यै नमः  
 हतासुरायै नमः  
 हितकर्त्र्यै नमः  
 हीनदोषायै नमः  
 हेमाभायै नमः  
 हेमभूषणायै नमः

४०

५०

६०

लयहीनायै नमः  
 लोकवन्द्यायै नमः  
 ललितायै नमः  
 ललनोत्तमायै नमः  
 लम्बवामकरायै नमः  
 लभ्यायै नमः  
 लज्जाढ्यायै नमः  
 लाभदायिन्यै नमः  
 अचिन्त्यशक्त्यै नमः  
 अचलायै नमः  
 अचिन्त्यरूपायै नमः  
 अक्षरायै नमः  
 अभयायै नमः  
 अम्बुजाक्ष्यै नमः  
 अमराराध्यायै नमः  
 अभयदायै नमः  
 असुरभीतिदायै नमः  
 शर्मदायै नमः  
 शक्रतनयायै नमः  
 शङ्करात्मजवल्लभायै नमः  
 शुभायै नमः  
 शुभप्रदायै नमः  
 शुद्धायै नमः  
 शरणागतवत्सलायै नमः  
 मयूरवाहनदयितायै नमः  
 महामहिमशालिन्यै नमः

७०

८०

९०

मदहीनायै नमः  
 मातृपूज्यायै नमः  
 मन्मथारिसुतप्रियायै नमः  
 गुणपूर्णायै नमः  
 गणाराध्यायै नमः  
 गौरीसुतमनःप्रियायै नमः  
 गतदोषायै नमः  
 गतावद्यायै नमः  
 गङ्गाजातकुटुम्बिन्यै नमः

चतुरायै नमः १००  
 चन्द्रवदनायै नमः  
 चन्द्रचूडभवप्रियायै नमः  
 रम्यरूपायै नमः  
 रमावन्द्यायै नमः  
 रुद्रसूनुमनःप्रियायै नमः  
 मङ्गलायै नमः  
 मधुरालापायै नमः  
 महेशतनयप्रियायै नमः

॥ इति श्री देवसेना अष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

धन्वन्तरये नमः  
 सुधापूर्णकलशाढ्यकराय नमः  
 हरये नमः  
 जरामृतित्रस्तदेवप्रार्थना-  
 साधकाय नमः  
 प्रभवे नमः  
 निर्विकल्पाय नमः  
 निस्समानाय नमः  
 मन्दस्मितमुखाम्बुजाय नमः  
 आज्ञनेयप्रापिताद्रये नमः  
 पार्श्वस्थविनतासुताय नमः १०  
 निमग्नमन्दरधराय नमः

कूर्मरूपिणे नमः  
 बृहत्तनवे नमः  
 नीलकुञ्चितकेशान्ताय नमः  
 परमाद्भुतरूपधृते नमः  
 कटाक्षवीक्षणाश्वस्तवासुकिने नमः  
 सिंहविक्रमाय नमः  
 स्मर्तृहृद्रोगहरणाय नमः  
 महाविष्णवंशसम्भवाय नमः  
 प्रेक्षणीयोत्पलश्यामाय नमः २०  
 आयुर्वेदाधिदैवताय नमः  
 भेषजग्रहणानेहस्मरणीय-  
 पदाम्बुजाय नमः



नवयौवनसम्पन्नाय नमः  
 किरीटान्वितमस्तकाय नमः  
 नक्रकुण्डलसंशोभि-  
 श्रवणद्वयशष्कुलये नमः  
 दीर्घपीवरदोर्दण्डाय नमः  
 कम्बुग्रीवाय नमः  
 अम्बुजेक्षणाय नमः  
 चतुर्भुजाय नमः  
 शङ्खधराय नमः ३०  
 चक्रहस्ताय नमः  
 वरप्रदाय नमः  
 सुधापात्रोपरिलसदाम्रपत्र-  
 लसत्कराय नमः  
 शतपद्याढ्यहस्ताय नमः  
 कस्तूरीतिलकाञ्चिताय नमः  
 सुकपोलाय नमः  
 सुनासाय नमः  
 सुन्दरभ्रूलताञ्चिताय नमः  
 स्वङ्गुलीतलशोभाढ्याय नमः  
 गूढजत्रवे नमः ४०  
 महाहनवे नमः  
 दिव्याङ्गदलसद्वाहवे नमः  
 केयूरपरिशोभिताय नमः  
 विचित्ररत्नखचितवलयद्वय-  
 शोभिताय नमः  
 समोल्लसत्सुजातांसाय नमः

अङ्गुलीयविभूषिताय नमः  
 सुधागन्धरसास्वादमिलद्भृङ्ग-  
 मनोहराय नमः  
 लक्ष्मीसमर्पितोत्फुल्ल-  
 कञ्जमालालसद्गलाय नमः  
 लक्ष्मीशोभितवक्षस्काय नमः  
 वनमालाविराजिताय नमः ५०  
 नवरत्नमणीकृतहारशोभित-  
 कन्धराय नमः  
 हीरनक्षत्रमालादिशोभारञ्जित-  
 दिङ्मुखाय नमः  
 विरजाय नमः  
 अम्बरसंवीताय नमः  
 विशालोरवे नमः  
 पृथुश्रवसे नमः  
 निम्ननाभये नमः  
 सूक्ष्ममध्याय नमः  
 स्थूलजङ्घाय नमः  
 निरञ्जनाय नमः ६०  
 सुलक्षणपदाङ्गुष्ठाय नमः  
 सर्वसामुद्रिकान्विताय नमः  
 अलक्तकारक्तपादाय नमः  
 मूर्तिमते नमः  
 वार्धिपूजिताय नमः  
 सुधार्थान्योन्यसंयुध्यद्देवदैतेय-  
 सान्त्वनाय नमः

कोटिमन्मथसङ्काशाय नमः  
 सर्वावयवसुन्दराय नमः  
 अमृतास्वादनोद्युक्तदेवसङ्घ-  
 परिष्टुताय नमः  
 पुष्पवर्षणसंयुक्तगन्धर्वकुल-  
 सेविताय नमः ७०  
 शङ्खतूर्यमृदङ्गादि-  
 सुवादित्रापसरोवृताय नमः  
 विष्वक्सेनादियुक्पार्श्वाय नमः  
 सनकादिमुनिस्तुताय नमः  
 साश्चर्यसस्मितचतुर्मुखनेत्र-  
 समीक्षिताय नमः  
 साशङ्कसम्भ्रमदितिदनुवंश्य-  
 समीडिताय नमः  
 नमनोन्मुखदेवादिमौलीरत्न-  
 लसत्पदाय नमः  
 दिव्यतेजसे नमः  
 पुञ्जरूपाय नमः  
 सर्वदेवहितोत्सुकाय नमः  
 स्वनिर्गमक्षुब्धदुग्धवाराशये नमः  
 ८०  
 दुन्दुभिस्वनाय नमः  
 गन्धर्वगीतापदानश्रवणोत्क-  
 महामनसे नमः  
 निष्किञ्चनजनप्रीताय नमः  
 भवसम्प्राप्तारोगहृते नमः

अन्तर्हितसुधापात्राय नमः  
 महात्मने नमः  
 मायिकाग्रण्ये नमः  
 क्षणार्धमोहिनीरूपाय नमः  
 सर्वस्त्रीशुभलक्षणाय नमः  
 मदमत्तेभगमनाय नमः ९०  
 सर्वलोकविमोहनाय नमः  
 स्रंसन्नीवीग्रन्थिबन्धासक्त-  
 दिव्यकराङ्गुलिने नमः  
 रत्नदर्वीलसद्भस्ताय नमः  
 देवदैत्यविभागकृते नमः  
 सङ्घातदेवतान्यासाय नमः  
 दैत्यदानववञ्चकाय नमः  
 देवामृतप्रदात्रे नमः  
 परिवेषणहृष्टधिये नमः  
 उन्मुखोन्मुखदैत्येन्द्रदन्त-  
 पङ्क्तिविभाजकाय नमः  
 पुष्पवत्सुविनिर्दिष्टराहुरक्षः-  
 शिरोहराय नमः १००  
 राहुकेतुग्रहस्थानपश्चाद्गति-  
 विधायकाय नमः  
 अमृतालाभनिर्विण्णयुध्यद्देवारि-  
 सूदनाय नमः  
 गरुत्मद्वाहनारूढाय नमः  
 सर्वेशस्तोत्रसंयुताय नमः  
 स्वस्वाधिकारसन्तुष्ट-

शक्रवह्ण्यादिपूजिताय नमः  
मोहिनीदर्शनायात-  
स्थाणुचित्तविमोहकाय नमः  
शचीस्वाहादिदिक्पालपत्नी-

मण्डलसन्नुताय नमः  
वेदान्तवेद्यमहिम्ने नमः  
सर्वलोकैकरक्षकाय नमः  
राजराजप्रपूज्याङ्घ्रये नमः ११०  
चिन्तितार्थप्रदायकाय नमः

॥ इति श्री धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

॥ श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

श्री नृसिंहाय नमः  
पुष्कराक्षाय नमः  
करालाय नमः  
विकृताननाय नमः  
हिरण्यकशिपोर्वक्षोविदारणनखाङ्कुशाय नमः  
प्रह्लादवरदाय नमः  
श्रीमते नमः  
अप्रमेयपराक्रमाय नमः  
सटाच्छटाच्छिन्नघटाय नमः  
भक्तानामभयप्रदाय नमः १०  
ज्वालामुखाय नमः  
तीक्ष्णकेशाय नमः  
तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः  
भयङ्कराय नमः  
उत्तमहेमसङ्काशाय नमः

साधूनां बलवर्धनाय नमः  
त्रिनेत्राय नमः  
कपिलाय नमः  
प्रांशवे नमः  
सोमसूर्याग्निलोचनाय नमः २०  
स्थूलग्रीवाय नमः  
प्रसन्नात्मने नमः  
जाम्बूनदपरिष्कृताय नमः  
व्योमकेशप्रभृतिभिस्त्रिदशैरभिसंस्तुताय नमः  
उपसंहृतसप्तार्चिषे नमः  
कबलीकृतमारुताय नमः  
दिग्दन्तावलदर्पघ्राय नमः  
कद्रुजोल्बणनाशनाय नमः  
अभिचारिक्रियाहन्त्रे नमः  
ब्रह्मण्याय नमः ३०

भक्तवत्सलाय नमः  
 समुद्रसलिलोद्भूत-हालाहल-  
 विशीर्णकृते नमः  
 ओजःप्रपूरिताशेष-  
 चराचरजगत्त्रयाय नमः  
 हृषीकेशाय नमः  
 जगत्त्राणाय नमः  
 सर्वगाय नमः  
 सर्वरक्षकाय नमः  
 नास्तिक्य-प्रत्यवायार्थदर्शितात्म-  
 प्रभाववते नमः  
 हिरण्यकशिपोरग्रे  
 सभास्तम्भसमुद्भवाय नमः  
 उग्राय नमः ४०  
 अग्निज्वालामालिने नमः  
 सुतीक्ष्णाय नमः  
 भीमदर्शनाय नमः  
 मुग्धाखिलजगज्जीवाय नमः  
 जगतां कान्ताय नमः  
 सर्वभूतसमाधानाय नमः  
 ईश्वराय नमः  
 सर्वधारकाय नमः  
 विष्णवे नमः  
 जिष्णवे नमः ५०  
 जगद्धाम्ने नमः  
 बहिरन्तः प्रकाशकृते नमः

योगिहृत्पद्ममध्यस्थाय नमः  
 योगिने नमः  
 योगविदुत्तमाय नमः  
 स्रष्ट्रे नमः  
 हर्त्रे नमः  
 अखिलत्रात्रे नमः  
 व्योमरूपाय नमः  
 जनार्दनाय नमः ६०  
 चिन्मयाय नमः  
 प्रकृतये नमः  
 साक्षिणे नमः  
 गुणातीताय नमः  
 गुणात्मकाय नमः  
 पापविच्छेदकृते नमः  
 कर्त्रे नमः  
 सर्वपापविमोचकाय नमः  
 व्यक्ताव्यक्तस्वरूपाय नमः  
 सूक्ष्माय नमः ७०  
 सदसदात्मकाय नमः  
 अव्ययाय नमः  
 शाश्वताय नमः  
 अनन्ताय नमः  
 वीरजिते नमः  
 परमेश्वराय नमः  
 मायाविने नमः  
 जगदाधाराय नमः

अनिमिषाय नमः  
 अक्षराय नमः ८०  
 अनादिनिधनाय नमः  
 नित्याय नमः  
 परब्रह्माभिधायकाय नमः  
 शङ्खचक्रगदाशार्ङ्ग-  
 विराजितचतुर्भुजाय नमः  
 पीताम्बरधराय नमः  
 स्रग्विणे नमः  
 कौस्तुभाभरणोज्ज्वलाय नमः  
 श्रियाध्यासितवक्षसे नमः  
 श्रीवत्सेन विराजिताय नमः  
 प्रसन्नवदनाय नमः ९०  
 शान्ताय नमः  
 — नमः  
 लक्ष्मीप्रियपरिग्रहाय नमः  
 वासुदेवाय नमः  
 शतपुष्पैः सुपूजिताय नमः

उद्यत्कलहहाकार-  
 भीषिताखिलदिङ्मुखाय नमः  
 गर्जद्वीरासनासीनाय नमः  
 कठोरकुटिलेक्षणाय नमः  
 दैतेयवक्षोदलनसान्द्रीकृतनखायुधाय  
 नमः  
 अशेषप्राणिभयदप्रचण्डोद्दण्डताण्डवाय  
 नमः १००  
 निटिलस्रुतघर्मांस्त्रुबिन्दुसञ्ज्वलिताननाय  
 नमः  
 वज्रजिह्वाय नमः  
 महामूर्तये नमः  
 भीमाय नमः  
 भीमपराक्रमाय नमः  
 स्वभक्तार्पितकारुण्याय नमः  
 बहुदाय नमः  
 बहु-पराक्रमाय नमः १०८

॥ इति श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ मृत्युञ्जयाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

अस्य श्रीमृत्युञ्जयाष्टोत्तरदिव्यनामस्तोत्रमन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिः,

अनुष्टुप्छन्दः, श्रीमृत्युञ्जयरुद्रो देवता ॥

ॐ बीजम्। जूं शक्तिः। सः कीलकम्।

मम इष्टार्थसिद्धार्थे बिल्वपत्राद्यर्चने विनियोगः ॥

महा-मृत्युञ्जयाय नमः  
 प्रसन्न-मृत्युञ्जयाय नमः  
 शत्रुपलायन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 दिग्विजय-मृत्युञ्जयाय नमः  
 मार्तण्ड-मृत्युञ्जयाय नमः  
 विष्णु-मृत्युञ्जयाय । नमः  
 तप्तकाश्चन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 स्वर्णकेतन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सुदर्शन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पाञ्चजन्य-मृत्युञ्जयाय नमः १०  
 तत्पूर्ण-मृत्युञ्जयाय नमः  
 चन्द्रमौलि-मृत्युञ्जयाय नमः  
 शेषाग्नि-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पूर्णाग्नि-मृत्युञ्जयाय नमः  
 गायत्री-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सौम्यप्रसन्नवीरेश्वर-मृत्युञ्जयाय  
 नमः  
 वागीश्वरानुत्तम-मृत्युञ्जयाय नमः  
 दारिद्र्यशमन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पापसंहार-मृत्युञ्जयाय नमः  
 वेदान्तसार-मृत्युञ्जयाय नमः २०  
 कैलासपूर्ण-मृत्युञ्जयाय नमः  
 गण-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सुप्रसन्न-मृत्युञ्जयाय नमः  
 महारुद्र-मृत्युञ्जयाय नमः  
 कालाग्नि-मृत्युञ्जयाय नमः

भवरोग-मृत्युञ्जयाय नमः  
 त्रिपुरसंहार-मृत्युञ्जयाय नमः  
 गिरिजाप्रिय-मृत्युञ्जयाय नमः  
 स्कन्द-मृत्युञ्जयाय नमः  
 नन्दीश्वर-मृत्युञ्जयाय नमः ३०  
 भृङ्गीश्वर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 जितेन्द्रिय-मृत्युञ्जयाय नमः  
 वीरेश्वर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 दंष्ट्राकरालवदन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 शेषधर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पाशाङ्कुशधर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 शरभ-मृत्युञ्जयाय नमः  
 भस्मासुरविनाशन-मृत्युञ्जयाय  
 नमः  
 ताण्डव-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पराक्रम-मृत्युञ्जयाय नमः ४०  
 धराग्नि-मृत्युञ्जयाय नमः  
 साध्यप्रमेह-मृत्युञ्जयाय नमः  
 कलङ्कट-मृत्युञ्जयाय नमः  
 धर्मप्रमेह-मृत्युञ्जयाय नमः  
 धरेश-मृत्युञ्जयाय नमः  
 अमृतसञ्जीवन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 कालभैरव-मृत्युञ्जयाय नमः  
 कृतसेना-मृत्युञ्जयाय नमः  
 षण्मुख-मृत्युञ्जयाय नमः  
 उग्रसेन-मृत्युञ्जयाय नमः ५०

रामध्वज-मृत्युञ्जयाय नमः  
 कोटिधनुर्धर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सहस्रबाहुप्रकाश-मृत्युञ्जयाय नमः  
 अधोऽग्नि-नीलकण्ठ-मृत्युञ्जयाय  
 नमः  
 बालार्क-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सहस्रवदन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पूर्णप्रभाव-मृत्युञ्जयाय नमः  
 वाचस्पति-मृत्युञ्जयाय नमः  
 क्षेत्रज्ञ-मृत्युञ्जयाय नमः  
 भव-मृत्युञ्जयाय नमः ६०  
 प्राणवल्लभ-मृत्युञ्जयाय नमः  
 धूर्जटि-मृत्युञ्जयाय नमः  
 अग्निसङ्क्रम-मृत्युञ्जयाय नमः  
 भरताग्नि-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पूर्वज्ञान-मृत्युञ्जयाय नमः  
 संरम्भ-मृत्युञ्जयाय नमः  
 बलप्रमेह-मृत्युञ्जयाय नमः  
 यज्ञाङ्ग-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सुदर्शन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 कालाग्नि-मृत्युञ्जयाय नमः ७०  
 शरभ-मृत्युञ्जयाय नमः  
 प्रकाशकान्ति-मृत्युञ्जयाय नमः  
 कोटिप्रभाव-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सङ्क्षेप-मृत्युञ्जयाय नमः  
 प्रणवाद्य-मृत्युञ्जयाय नमः

छन्दो-मृत्युञ्जयाय नमः  
 ज्योतिर्-मृत्युञ्जयाय नमः  
 प्रधान-मृत्युञ्जयाय नमः  
 साध्यसेना-मृत्युञ्जयाय नमः  
 तत्त्वसेना-मृत्युञ्जयाय नमः ८०  
 अघोत्तङ्क-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सम्पूज्य-मृत्युञ्जयाय नमः  
 गिरिजाकल्याण-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पवित्रसाग्नि-मृत्युञ्जयाय नमः  
 वीरभद्र-मृत्युञ्जयाय नमः  
 अमोघ-मृत्युञ्जयाय नमः  
 धारण-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सुप्रसन्न-मृत्युञ्जयाय नमः  
 वीरेश्वर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 लिङ्गाकार-मृत्युञ्जयाय नमः ९०  
 धारण-मृत्युञ्जयाय नमः  
 प्रभव-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पञ्चाग्नि-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सत्य-मृत्युञ्जयाय नमः  
 ब्रह्म-मृत्युञ्जयाय नमः  
 अघोर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 ईश्वर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सर्वशक्ति-मृत्युञ्जयाय नमः  
 प्रमेय-मृत्युञ्जयाय नमः  
 कमललोचन-मृत्युञ्जयाय नमः  
 १००

सर्व-मृत्युञ्जयाय नमः  
 प्रसन्न-मृत्युञ्जयाय नमः  
 पूर्ण-मृत्युञ्जयाय नमः  
 विश्वात्म-मृत्युञ्जयाय नमः

करुणाकर-मृत्युञ्जयाय नमः  
 त्रिलोकेश-मृत्युञ्जयाय नमः  
 वाचस्पति-मृत्युञ्जयाय नमः  
 सर्वपापहर-मृत्युञ्जयाय नमः १०८

॥ इति मृत्युञ्जयाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ रामाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

श्रीरामाय नमः  
 रामभद्राय नमः  
 रामचन्द्राय नमः  
 शाश्वताय नमः  
 राजीवलोचनाय नमः  
 श्रीमते नमः  
 राजेन्द्राय नमः  
 रघुपुङ्गवाय नमः  
 जानकीवल्लभाय नमः  
 जैत्राय नमः  
 जितामित्राय नमः  
 जनार्दनाय नमः  
 विश्वामित्रप्रियाय नमः  
 दान्ताय नमः  
 शरणत्राणतत्पराय नमः  
 वालिप्रमथनाय नमः  
 वाग्मिने नमः

१०

सत्यवाचे नमः  
 सत्यविक्रमाय नमः  
 सत्यव्रताय नमः २०  
 व्रतधराय नमः  
 सदा हनुमदाश्रिताय नमः  
 कौसलेयाय नमः  
 खरध्वंसिने नमः  
 विराधवधपण्डिताय नमः  
 विभीषणपरित्रात्रे नमः  
 हरकोदण्डखण्डनाय नमः  
 सप्ततालप्रभेत्ते नमः  
 दशग्रीवशिरोहराय नमः  
 जामदग्न्यमहादर्पदलनाय नमः ३०  
 ताटकान्तकाय नमः  
 वेदान्तसाराय नमः  
 वेदात्मने नमः  
 भवरोगस्य भेषजाय नमः



दूषणत्रिशिरोहन्त्रे नमः  
 त्रिमूर्तये नमः  
 त्रिगुणात्मकाय नमः  
 त्रिविक्रमाय नमः  
 त्रिलोकात्मने नमः  
 पुण्यचारित्रकीर्तनाय नमः ४०  
 त्रिलोकरक्षकाय नमः  
 धन्विने नमः  
 दण्डकारण्यकर्तनाय नमः  
 अहल्याशापशमनाय नमः  
 पितृभक्ताय नमः  
 वरप्रदाय नमः  
 जितेन्द्रियाय नमः  
 जितक्रोधाय नमः  
 जितामित्राय नमः  
 जगद्गुरवे नमः ५०  
 ऋक्षवानरसङ्घातिने नमः  
 चित्रकूटसमाश्रयाय नमः  
 जयन्तत्राणवरदाय नमः  
 सुमित्रापुत्रसेविताय नमः  
 सर्वदेवादिदेवाय नमः  
 मृतवानरजीवनाय नमः  
 मायामारीचहन्त्रे नमः  
 महादेवाय नमः  
 महाभुजाय नमः  
 सर्वदेवस्तुताय नमः ६०

सौम्याय नमः  
 ब्रह्मण्याय नमः  
 मुनिसंस्तुताय नमः  
 महायोगाय नमः  
 महोदाराय नमः  
 सुग्रीवेप्सितराज्यदाय नमः  
 सर्वपुण्याधिकफलाय नमः  
 स्मृतसर्वाघनाशनाय नमः  
 अनादये नमः  
 आदिपुरुषाय नमः ७०  
 महापूरुषाय नमः  
 पुण्योदयाय नमः  
 दयासाराय नमः  
 पुराणपुरुषोत्तमाय नमः  
 स्मितवक्त्राय नमः  
 मितभाषिणे नमः  
 पूर्वभाषिणे नमः  
 राघवाय नमः  
 अनन्तगुणगम्भीराय नमः  
 धीरोदात्तगुणोत्तमाय नमः ८०  
 मायामानुषचारित्राय नमः  
 महादेवादिपूजिताय नमः  
 सेतुकृते नमः  
 जितवारीशाय नमः  
 सर्वतीर्थमयाय नमः  
 हरये नमः

श्यामाङ्गाय नमः  
 सुन्दराय नमः  
 शूराय नमः  
 पीतवाससे नमः ९०  
 धनुर्धराय नमः  
 सर्वयज्ञाधिपाय नमः  
 यज्विने नमः  
 जरामरणवर्जिताय नमः  
 शिवलिङ्गप्रतिष्ठात्रे नमः  
 सर्वापगुणवर्जिताय नमः  
 परमात्मने नमः

परस्मै ब्रह्मणे नमः  
 सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः  
 परस्मै ज्योतिषे नमः १००  
 परस्मै धाम्ने नमः  
 पराकाशाय नमः  
 परात्पराय नमः  
 परेशाय नमः  
 पारगाय नमः  
 पाराय नमः  
 सर्वदेवात्मकाय नमः  
 पराय नमः

॥ इति श्री पद्मपुराणे उत्तरखण्डे श्री-रामाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ रामाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

रामाय नमः  
 रावण-संहार-कृत-मानुष-  
 विग्रहाय नमः  
 कौसल्या-सुकृत-व्रात-फलाय नमः  
 दशरथात्मजाय नमः  
 लक्ष्मणार्चित-पादाब्जाय नमः  
 सर्व-लोक-प्रियङ्कराय नमः  
 साकेत-वासि-नेत्राब्ज-सम्प्रीणन-  
 दिवाकराय नमः  
 विश्वामित्र-प्रियाय नमः

शान्ताय नमः  
 ताटका-ध्वान्त-भास्कराय नमः  
 १०  
 सुबाहु-राक्षस-रिपवे नमः  
 कौशिकाध्वर-पालकाय नमः  
 अहल्या-पाप-संहर्त्रे नमः  
 जनकेन्द्र-प्रियातिथये नमः  
 पुरारि-चाप-दलनाय नमः  
 वीर-लक्ष्मी-समाश्रयाय नमः  
 सीता-वरण-माल्याढ्याय नमः

जामदग्न्य-मदापहाय नमः  
 वैदेही-कृत-शृङ्गाराय नमः  
 पितृ-प्रीति-विवर्धनाय नमः २०  
 ताताज्ञोत्सृष्ट-हस्त-स्थ-  
 राज्याय नमः  
 सत्य-प्रतिश्रवाय नमः  
 तमसा-तीर-संवासिने नमः  
 गुहानुग्रह-तत्पराय नमः  
 सुमन्त्र-सेवित-पदाय नमः  
 भरद्वाज-प्रियातिथये नमः  
 चित्रकूट-प्रिय-स्थानाय नमः  
 पादुका-न्यस्त-भू-भराय नमः  
 अनसूया-अङ्गरागाङ्क-सीता-  
 साहित्य-शोभिताय नमः  
 दण्डकारण्य-सञ्चारिणे नमः ३०  
 विराध-स्वर्ग-दायकाय नमः  
 रक्षः-कालान्तकाय नमः  
 सर्व-मुनि-सङ्घ-मुदावहाय नमः  
 प्रतिज्ञात-आशर-वधाय नमः  
 शरभङ्ग-गति-प्रदाय नमः  
 अगस्त्यार्पित-बाणास-खङ्ग-  
 तूणीर-मण्डिताय नमः  
 प्राप्त-पञ्चवटी-वासाय नमः  
 गृध्रराज-सहायवते नमः  
 कामि-शूर्पणखा-कर्ण-नास-च्छेद-  
 नियामकाय नमः

खरादि-राक्षस-  
 त्रातखण्डनावितसञ्जनाय नमः ४०  
 सीता-संश्लिष्ट-कायाभा-जित-  
 विद्युद्-युताम्बुदाय नमः  
 मारीच-हन्त्रे नमः  
 मायाढ्याय नमः  
 जटायुर्-मोक्ष-दायकाय नमः  
 कबन्ध-बाहु-लवनाय नमः  
 शबरी-प्रार्थितातिथये नमः  
 हनुमद्-वन्दित-पदाय नमः  
 सुग्रीव-सुहृदेऽव्ययाय नमः  
 दैत्य-कङ्काल-विक्षेपिणे नमः  
 सप्त-साल-प्रभेदकाय नमः ५०  
 एकेषु-हत-वाल्लिने नमः  
 तारा-संस्तुत-सद्गुणाय नमः  
 कपीन्द्री-कृत-सुग्रीवाय नमः  
 सर्व-वानर-पूजिताय नमः  
 वायु-सूनु-समानीत-सीता-सन्देश-  
 नन्दिताय नमः  
 जैत्र-यात्रोद्यताय नमः  
 जिष्णवे नमः  
 विष्णु-रूपाय नमः  
 निराकृतये नमः  
 कम्पिताम्भोनिधये नमः ६०  
 सम्पत्-प्रदाय नमः  
 सेतु-निबन्धनाय नमः

लङ्का-विभेदन-पटवे नमः  
 निशाचर-विनाशकाय नमः  
 कुम्भकर्णख्य-कुम्भीन्द्र-मृगराज-  
 पराक्रमाय नमः  
 मेघनाद-वधोद्युक्त-लक्ष्मणास्त्र-  
 बलप्रदाय नमः  
 दशग्रीवान्धतामिस्र-प्रमापण-  
 प्रभाकराय नमः  
 इन्द्रादि-देवता-स्तुत्याय नमः  
 चन्द्राभ-मुख-मण्डलाय नमः  
 विभीषणार्पित-निशाचर-  
 राज्याय नमः ७०  
 वृष-प्रियाय नमः  
 वैश्वानर-स्तुत-गुणावनिपुत्री-  
 समागताय नमः  
 पुष्पक-स्थान-सुभगाय नमः  
 पुण्यवत्-प्राप्य-दर्शनाय नमः  
 राज्याभिषिक्ताय नमः  
 राजेन्द्राय नमः  
 राजीव-सदृशेक्षणाय नमः  
 लोक-तापापहर्त्रे नमः  
 धर्म-संस्थापनोद्यताय नमः  
 शरण्याय नमः ८०  
 कीर्तिमते नमः  
 नित्याय वदान्याय नमः  
 करुणार्णवाय नमः  
 संसार-सिन्धु-सम्मग्न-तारकाख्या-

महोज्ज्वलाय नमः  
 मधुराय नमः  
 मधुरोक्तये नमः  
 मधुरा-नायकाग्रजाय नमः  
 शम्बूक-दत्त-स्वर्लोकाय नमः  
 शम्बराराति-सुन्दराय नमः  
 अश्वमेध-महायाजिने नमः ९०  
 वाल्मीकि-प्रीतिमते नमः  
 वशिने नमः  
 स्वयं रामायण-श्रोत्रे नमः  
 पुत्र-प्राप्ति-प्रमोदिताय नमः  
 ब्रह्मादि-स्तुत-माहात्म्याय नमः  
 ब्रह्मर्षि-गण-पूजिताय नमः  
 वर्णाश्रम-रताय नमः  
 वर्णाश्रम-धर्म-नियामकाय नमः  
 रक्षा-पराय नमः  
 राज-वंश-प्रतिष्ठापन-  
 तत्पराय नमः १००  
 गन्धर्व-हिंसा-संहारिणे नमः  
 धृतिमते नमः  
 दीन-वत्सलाय नमः  
 ज्ञानोपदेष्ट्रे नमः  
 वेदान्त-वेद्याय नमः  
 भक्त-प्रियङ्कराय नमः  
 वैकुण्ठ-वासिने नमः  
 चराचर-विमुक्ति-दाय नमः १०८

॥ इति ब्रह्मयामले रामरहस्ये प्रोक्ता श्री-राम-अष्टोत्तरशत-नामावलिः  
सम्पूर्णा ॥

## ॥ लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

प्रकृत्यै नमः  
विकृत्यै नमः  
विद्यायै नमः  
सर्वभूतहितप्रदायै नमः  
श्रद्धायै नमः  
विभूत्यै नमः  
सुरभ्यै नमः  
परमात्मिकायै नमः  
वाचे नमः  
पद्मालयायै नमः १०  
पद्मायै नमः  
शुचये नमः  
स्वाहायै नमः  
स्वधायै नमः  
सुधायै नमः  
धन्यायै नमः  
हिरण्मय्यै नमः  
लक्ष्म्यै नमः  
नित्यपुष्टायै नमः  
विभावयै नमः २०  
अदित्यै नमः

दित्यै नमः  
दीप्तायै नमः  
वसुधायै नमः  
वसुधारिण्यै नमः  
कमलायै नमः  
कान्तायै नमः  
क्षमायै नमः  
क्षीरोदसम्भवायै नमः  
अनुग्रहपदायै नमः ३०  
बुद्धये नमः  
अनघायै नमः  
हरिवल्लभायै नमः  
अशोकायै नमः  
अमृतायै नमः  
दीप्तायै नमः  
लोकशोकविनाशिन्यै नमः  
धर्मनिलयायै नमः  
करुणायै नमः  
लोकमात्रे नमः ४०  
पद्मप्रियायै नमः  
पद्महस्तायै नमः

पद्माक्ष्यै नमः  
 पद्मसुन्दर्यै नमः  
 पद्मोद्भवायै नमः  
 पद्ममुख्यै नमः  
 पद्मनाभप्रियायै नमः  
 रमायै नमः  
 पद्ममालाधरायै नमः  
 देव्यै नमः ५०  
 पद्मिन्यै नमः  
 पद्मगन्धिन्यै नमः  
 पुण्यगन्धायै नमः  
 सुप्रसन्नायै नमः  
 प्रसादाभिमुख्यै नमः  
 प्रभायै नमः  
 चन्द्रवदनायै नमः  
 चन्द्रायै नमः  
 चन्द्रसहोदर्यै नमः  
 चतुर्भुजायै नमः ६०  
 चन्द्ररूपायै नमः  
 इन्दिरायै नमः  
 इन्दुशीतलायै नमः  
 आह्लादजनन्यै नमः  
 पुष्ट्यै नमः  
 शिवायै नमः  
 शिवकर्यै नमः  
 सत्यै नमः

विमलायै नमः  
 विश्वजनन्यै नमः ७०  
 तुष्ट्यै नमः  
 दारिद्र्यनाशिन्यै नमः  
 प्रीतिपुष्करिण्यै नमः  
 शान्तायै नमः  
 शुक्लमाल्याम्बरायै नमः  
 श्रियै नमः  
 भास्कर्यै नमः  
 बिल्वनिलयायै नमः  
 वरारोहायै नमः  
 यशस्विन्यै नमः ८०  
 वसुन्धरायै नमः  
 उदाराङ्गायै नमः  
 हरिण्यै नमः  
 हेममालिन्यै नमः  
 धनधान्यकर्यै नमः  
 सिद्ध्यै नमः  
 स्त्रैणसौम्यायै नमः  
 शुभप्रदायै नमः  
 नृपवेश्मगतानन्दायै नमः  
 वरलक्ष्म्यै नमः ९०  
 वसुप्रदायै नमः  
 शुभायै नमः  
 हिरण्यप्राकारायै नमः  
 समुद्रतनयायै नमः

जयायै नमः  
 मङ्गलायै देव्यै नमः  
 विष्णुवक्षःस्थलस्थितायै नमः  
 विष्णुपत्न्यै नमः  
 प्रसन्नाक्ष्यै नमः  
 नारायणसमाश्रितायै नमः १००  
 दारिद्र्यध्वंसिन्यै नमः

देव्यै नमः  
 सर्वोपद्रवहारिण्यै नमः  
 नवदुर्गायै नमः  
 महाकाल्यै नमः  
 ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः  
 त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः  
 भुवनेश्वर्यै नमः

॥ इति श्री लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

श्रीनृसिंहाय नमः  
 महासिंहाय नमः  
 दिव्यसिंहाय नमः  
 महाबलाय नमः  
 उग्रसिंहाय नमः  
 महादेवाय नमः  
 उपेन्द्राय नमः  
 अग्निलोचनाय नमः  
 रौद्राय नमः  
 शौरये नमः १०  
 महावीराय नमः  
 सुविक्रमपराक्रमाय नमः  
 हरिकोलाहलाय नमः  
 चक्रिणे नमः

विजयाय नमः  
 अजयाय नमः  
 अव्ययाय नमः  
 दैत्यान्तकाय नमः  
 परब्रह्मणे नमः  
 अघोराय नमः २०  
 घोरविक्रमाय नमः  
 ज्वालामुखाय नमः  
 ज्वालामालिने नमः  
 महाज्वालाय नमः  
 महाप्रभवे नमः  
 निटिलाक्षाय नमः  
 सहस्राक्षाय नमः  
 दुर्निरीक्ष्याय नमः

|                      |    |                        |    |
|----------------------|----|------------------------|----|
| प्रतापनाय नमः        |    | सर्वसिद्धये नमः        |    |
| महादंष्ट्राय नमः     | ३० | जनार्दनाय नमः          |    |
| प्राज्ञाय नमः        |    | अनन्ताय नमः            |    |
| हिरण्यक-निषूदनाय नमः |    | भगवते नमः              |    |
| चण्डकोपिने नमः       |    | स्थूलाय नमः            |    |
| सुरारिघ्नाय नमः      |    | अगम्याय नमः            | ६० |
| सदार्तिघ्नाय नमः     |    | परावराय नमः            |    |
| सदाशिवाय नमः         |    | सर्वमन्त्रैकरूपाय नमः  |    |
| गुणभद्राय नमः        |    | सर्वयन्त्रविदारणाय नमः |    |
| महाभद्राय नमः        |    | अव्ययाय नमः            |    |
| बलभद्राय नमः         |    | परमानन्दाय नमः         |    |
| सुभद्रकाय नमः        | ४० | कालजिते नमः            |    |
| करालाय नमः           |    | खगवाहनाय नमः           |    |
| विकरालाय नमः         |    | भक्तातिवत्सलाय नमः     |    |
| गतायुषे नमः          |    | अव्यक्ताय नमः          |    |
| सर्वकर्तृकाय नमः     |    | सुव्यक्ताय नमः         | ७० |
| भैरवाडम्बराय नमः     |    | सुलभाय नमः             |    |
| दिव्याय नमः          |    | शुचये नमः              |    |
| अगम्याय नमः          |    | लोकैकनायकाय नमः        |    |
| सर्वशत्रुजिते नमः    |    | सर्वाय नमः             |    |
| अमोघास्त्राय नमः     |    | शरणागतवत्सलाय नमः      |    |
| शस्त्रधराय नमः       | ५० | धीराय नमः              |    |
| सव्यजूटाय नमः        |    | धराय नमः               |    |
| सुरेश्वराय नमः       |    | सर्वज्ञाय नमः          |    |
| सहस्रबाहवे नमः       |    | भीमाय नमः              |    |
| वज्रनखाय नमः         |    | भीमपराक्रमाय नमः       | ८० |



|                    |                     |     |
|--------------------|---------------------|-----|
| देवप्रियाय नमः     | विश्वम्भराय नमः     |     |
| नुताय नमः          | स्थिराभाय नमः       |     |
| पूज्याय नमः        | अच्युताय नमः        |     |
| भवहृते नमः         | पुरुषोत्तमाय नमः    |     |
| परमेश्वराय नमः     | अधोक्षजाय नमः       |     |
| श्रीवत्सवक्षसे नमः | अक्षयाय नमः         | १०० |
| श्रीवासाय नमः      | सेव्याय नमः         |     |
| विभवे नमः          | वनमालिने नमः        |     |
| सङ्कर्षणाय नमः     | प्रकम्पनाय नमः      |     |
| प्रभवे नमः         | गुरवे नमः           | ९०  |
| त्रिविक्रमाय नमः   | लोकगुरवे नमः        |     |
| त्रिलोकात्मने नमः  | स्रष्ट्रे नमः       |     |
| कालाय नमः          | परस्मै ज्योतिषे नमः |     |
| सर्वेश्वराय नमः    | परायणाय नमः         | १०८ |

॥ इति श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ वल्ल्ही अष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

|                  |                         |    |
|------------------|-------------------------|----|
| महावल्ल्यै नमः   | वामदेवसुतप्रियायै नमः   |    |
| वन्द्यायै नमः    | वैकुण्ठतनयायै नमः       |    |
| वनवासायै नमः     | वर्यायै नमः             | १० |
| वरलक्ष्म्यै नमः  | वनेचरसमादृतायै नमः      |    |
| वरप्रदायै नमः    | दयापूर्णायै नमः         |    |
| वाणीस्तुतायै नमः | दिव्यरूपायै नमः         |    |
| वीतमोहायै नमः    | दारिद्र्यभयनाशिन्यै नमः |    |

देवस्तुतायै नमः  
 दैत्यहन्त्र्यै नमः  
 दोषहीनायै नमः  
 दयाम्बुधये नमः  
 दुःखहन्त्र्यै नमः  
 दुष्टदूरायै नमः २०  
 दुरितघ्न्यै नमः  
 दुरासदायै नमः  
 नाशहीनायै नमः  
 नागनुतायै नमः  
 नारदस्तुतवैभवायै नमः  
 लवलीकुञ्जसम्भूतायै नमः  
 ललितायै नमः  
 ललनोत्तमायै नमः  
 शान्तदोषायै नमः  
 शर्मदात्र्यै नमः ३०  
 शरजन्मकुटुम्बिन्यै नमः  
 पद्मिन्यै नमः  
 पद्मवदनायै नमः  
 पद्मनाभसुतायै नमः  
 परायै नमः  
 पूर्णरूपायै नमः  
 पुण्यशीलायै नमः  
 प्रियङ्गुवनपालिन्यै नमः  
 सुन्दर्यै नमः  
 सुरसंस्तुतायै नमः ४०

सुब्रह्मण्यकुटुम्बिन्यै नमः  
 मान्यायै नमः  
 मनोहरायै नमः  
 मायायै नमः  
 महेश्वरसुतप्रियायै नमः  
 कुमार्यै नमः  
 करुणापूर्णायै नमः  
 कार्तिकेयमनोहरायै नमः  
 पद्मनेत्रायै नमः  
 परानन्दायै नमः ५०  
 पार्वतीसुतवल्लभायै नमः  
 महादेव्यै नमः  
 महामायायै नमः  
 मल्लिकाकुसुमप्रियायै नमः  
 चन्द्रवक्त्रायै नमः  
 चारुरूपायै नमः  
 चाम्पेयकुसुमप्रियायै नमः  
 गिरिवासायै नमः  
 गुणनिधये नमः  
 गतावन्यायै नमः ६०  
 गुहप्रियायै नमः  
 कलिहीनायै नमः  
 कलारूपायै नमः  
 कृत्तिकासुतकामिन्यै नमः  
 गतदोषायै नमः  
 गीतगुणायै नमः

गङ्गाधरसुतप्रियायै नमः

भद्ररूपायै नमः

भगवत्यै नमः

भाग्यदायै नमः

७०

भवहारिण्यै नमः

भवहीनायै नमः

भव्यदेहायै नमः

भवात्मजमनोहरायै नमः

सौम्यायै नमः

सर्वेश्वर्यै नमः

सत्यायै नमः

साध्यै नमः

सिद्धसमर्चितायै नमः

हानिहीनायै नमः

८०

हरिसुतायै नमः

हरसूनुमनःप्रियायै नमः

कल्याण्यै नमः

कमलायै नमः

कल्यायै नमः

कुमारसुमनोहरायै नमः

जन्महीनायै नमः

जन्महन्त्र्यै नमः

जनार्दनसुतायै नमः

जयायै नमः

९०

रमायै नमः

रामायै नमः

रम्यरूपायै नमः

राज्ञ्यै नमः

राजवरादृतायै नमः

नीतिज्ञायै नमः

निर्मलायै नमः

नित्यायै नमः

नीलकण्ठसुतप्रियायै नमः

शिवरूपायै नमः

१००

सुधाकारायै नमः

शिखिवाहनवल्लभायै नमः

व्याधात्मजायै नमः

व्याधिहन्त्र्यै नमः

विविधागमसंस्तुतायै नमः

हर्षदात्र्यै नमः

हरिभवायै नमः

हरसूनुप्रियङ्गनायै नमः

॥ इति श्री वल्ल्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

॥ विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः ॥

श्रीवैकुण्ठे वासुदेवाय नमः  
 आमोदे कर्षणाय नमः  
 प्रमोदे प्रद्युम्नाय नमः  
 सम्मोदे ऐरुद्धाय नमः  
 सत्यलोके विष्णवे नमः  
 सूर्यमण्डले पद्माक्षाय नमः  
 क्षीराब्धौ शेषशयनाय नमः  
 श्वेतद्वीपेतु तारकाय नमः  
 बदर्या नारायणाय नमः  
 नैमिषे हरये नमः १०  
 हरिक्षेत्रे शालग्रामाय नमः  
 अयोध्यायां रघूत्तमाय नमः  
 मथुरायां बालकृष्णाय नमः  
 मायायां मधुसूदनाय नमः  
 काश्यां भोगशयनाय नमः  
 अमवन्त्यां अवनीपतये नमः  
 द्वारवत्यां यादवेन्द्राय नमः  
 ब्रजे गोपीजनप्रियाय नमः  
 वृन्दावने नन्दसूनवे नमः  
 कालियहृदे गोविन्दाय नमः २०  
 गोवर्धने गोपवेषाय नमः  
 गोमन्तपर्वते शौरये नमः  
 हरिद्वारे जगत्पतये नमः  
 प्रयागे माधवाय नमः  
 गयायां गदाधराय नमः  
 गङ्गासागरगे विष्णवे नमः

चित्रकूटे राघवाय नमः  
 नन्दिग्रामे राक्षसघ्नाय नमः  
 प्रभासे विश्वरूपाय नमः  
 श्रीकूर्मे कूर्ममचलाय नमः ३०  
 नीलाद्रौ पुरुषोत्तमाय नमः  
 सिंहाचले महासिंहाय नमः  
 तुलसीवने गदिनां नमः  
 घृतशैले पापहराय नमः  
 श्वेताद्रौ सिंहरूपाय नमः  
 धर्मपुर्यां योगानन्दाय नमः  
 काकुले आन्ध्रनायकाय नमः  
 गारुडाद्रौ अहोबिले  
 हिरण्यासुरमर्दनाय नमः  
 पाण्डुरङ्गे विठ्ठलाय नमः  
 वेङ्कटाद्रौ रमासखाय नमः ४०  
 यादवाद्रौ नारायणाय नमः  
 घटिकाचले नृसिंहाय नमः  
 काञ्च्यां वारणगिरौ  
 कमललोचनवरदाय नमः  
 काञ्च्यां परमेशपुरे  
 यथोक्तकारिणे नमः  
 काञ्च्यां पाण्डवदूताय नमः  
 काञ्च्यां त्रिविक्रमाय नमः  
 काञ्च्यां कामासिक्यां नृसिंहाय नमः  
 काञ्च्यां कामासिक्यां  
 अष्टभुजाय नमः

काञ्च्यां मेघाकाराय नमः  
 काञ्च्यां शुभाकाराय नमः ५०  
 काञ्च्यां शेषाकाराय नमः  
 काञ्च्यां शोभनाय नमः  
 काञ्च्यां कामकोट्यां  
 शुभप्रदाय नमः  
 काञ्च्यां कालमेघाय नमः  
 काञ्च्यां खगारूढाय नमः  
 काञ्च्यां कोटिसूर्यसमप्रभाय नमः  
 काञ्च्यां दिव्याय नमः  
 काञ्च्यां दीपप्रकाशाय नमः  
 काञ्च्यां प्रवालवर्णाय नमः  
 काञ्च्यां दीपाभाय नमः ६०  
 श्रीगृध्रसरसस्तीरे  
 विजयराघवाय नमः  
 महापुण्ये वीक्षारण्ये  
 वीरराघवाय नमः  
 तोताद्रौ तुङ्गशयनाय नमः  
 गजस्थले गजार्तिघ्नाय नमः  
 बलिपुरे महाबलाय नमः  
 भक्तिसारे जगत्पतये नमः  
 श्रीमुष्णे महावराहाय नमः  
 महीन्द्रे पद्मलोचनाय नमः  
 श्रीरङ्गे जगन्नाथाय नमः  
 श्रीधामे जानकीप्रियाय नमः ७०  
 सारक्षेत्रे सारनाथाय नमः

खण्डने हरचापहाय नमः  
 श्रीनिवासस्थले पूर्णाय नमः  
 स्वर्णमन्दिरे सुवर्णाय नमः  
 व्याघ्रपुर्या महाविष्णवे नमः  
 भक्तिस्थाने भक्तिदाय नमः  
 श्वेतहृदे शान्तमूर्तये नमः  
 अग्निपुर्या सुरप्रियाय नमः  
 भार्गवस्थाने भार्गाय नमः  
 वैकुण्ठे माधवाय नमः ८०  
 पुरुषोत्तमे भक्तसखाय नमः  
 चक्रतीर्थे सुदर्शनाय नमः  
 कुम्भकोणे चक्रपाणये नमः  
 भूतस्थाने शार्ङ्गिणाय नमः  
 कपिस्थले गजार्तिघ्नाय नमः  
 चित्रकूटके गोविन्दाय नमः  
 उत्तमायां अनुत्तमाय नमः  
 श्वेताद्रौ पद्मलोचनाय नमः  
 पार्थस्थले परब्रह्मणे नमः  
 कृष्णाकोट्यां मधुद्विषे नमः ९०  
 नन्दपुर्या महानन्दाय नमः  
 वृद्धपुर्या वृषाश्रयाय नमः  
 सङ्गमग्रामे असङ्गाय नमः  
 शरण्ये शरणाय नमः  
 दक्षिणद्वारकायां गोपालाय नमः  
 सिंहक्षेत्रे महासिंहाय नमः  
 मणिमण्डपे मल्लारये नमः

निबिडे निबिडाकाराय नमः  
 धानुष्के जगदीश्वराय नमः  
 मौहूरे कालमेघाय नमः १००  
 मधुरायां सुन्दराय नमः  
 वृषभाद्रौ परमस्वामिने नमः  
 श्रीमद्वरगुणे नाथाय नमः  
 कुरुकायां रमासखये नमः  
 गोष्ठीपुरे गोष्ठपतये नमः

दर्भसंस्तरे शयानाय नमः  
 धन्विमङ्गलके शौरये नमः  
 भ्रमरस्थले बलाढ्याय नमः  
 कुरङ्गे पूर्णाय नमः  
 वटस्थले कृष्णाय नमः ११०  
 क्षुद्रनद्यां अच्युताय नमः  
 अनन्तके पद्मनाभाय नमः

॥ इति श्री विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि: सम्पूर्णा ॥

॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलि: (वराहपुराणान्तर्गता) ॥

वेङ्कटेशाय नमः  
 शेषाद्रिनिलयाय नमः  
 वृषट्गोचराया नमः  
 विष्णवे नमः  
 सदञ्जनगिरीशाय नमः  
 वृषाद्रिपतये नमः  
 मेरुपुत्रगिरीशाय नमः  
 सरस्वामितटीजुषे नमः  
 कुमारकल्पसेव्याय नमः  
 वज्रदृग्विषयाय नमः १०  
 सुवर्चलासुत-  
 न्यस्तसेनापत्यभराय नमः  
 रामाय नमः

पद्मनाभाय नमः  
 वायुस्तुताय नमः  
 त्यक्तवैकुण्ठलोकाय नमः  
 गिरिकुञ्जविहारिणे नमः  
 हरिचन्दनगोत्रेन्द्रस्वामिने नमः  
 शङ्कराजन्यनेत्राब्जविषयाय नमः  
 वसूपरिचरत्रात्रे नमः  
 कृष्णाय नमः २०  
 अब्धिकन्यापरिष्वक्तवक्षसे नमः  
 वेङ्कटाय नमः  
 सनकादिमहायोगिपूजिताय नमः  
 देवजित्प्रमुखानन्त-  
 दैत्यसङ्घप्रणाशिने नमः

श्वेतद्वीप-  
 वसन्मुक्तपूजिताङ्घ्रियुगाय नमः  
 शेषपर्वतरूपत्वप्रकाशन-  
 पराय नमः  
 सानुस्थापितताक्ष्याय नमः  
 ताक्ष्याचलनिवासिने नमः  
 मायागूढविमानाय नमः  
 गरुडस्कन्धवासिने नमः ३०  
 अनन्तशिरसे नमः  
 अनन्ताक्षाय नमः  
 अनन्तचरणाया नमः  
 श्रीशैलनिलयाय नमः  
 दामोदरय नमः  
 नीलमेघनिभाय नमः  
 ब्रह्मादिदेवदुर्दर्शविश्वरूपाय नमः  
 वैकुण्ठगत-  
 सद्धेमविमानान्तर्गताय नमः  
 अगस्त्याभ्यर्थिताशेष-  
 जनदृग्गोचराय नमः  
 वासुदेवाय नमः ४०  
 हरये नमः  
 तीर्थपञ्चकवासिने नमः  
 वामदेवप्रियाय नमः  
 जनकेष्टप्रदाय नमः  
 मार्कण्डेयमहातीर्थ-  
 जातुपुण्यप्रदाय नमः

वाक्पतिब्रह्मधात्रे नमः  
 चन्द्रलावण्यदायिने नमः  
 नारायणनगेशाय नमः  
 ब्रह्मकृत्तोत्सवाय नमः  
 शङ्खचक्रवरानम्रलसत्कर-  
 तलाय नमः ५०  
 द्रवन्मृगमदासक्तविग्रहाय नमः  
 केशवाय नमः  
 नित्ययौवनमूर्तये नमः  
 अर्थितार्थप्रदात्रे नमः  
 विश्वतीर्थाघहारिणे नमः  
 तीर्थस्वामिसरःस्नात-  
 जनाभीष्टप्रदायिने नमः  
 कुमारधारिकावास-  
 स्कन्दाभीष्टप्रदाय नमः  
 जानुदघ्नसमुद्भूतपोत्रिणे नमः  
 कूर्ममूर्तये नमः  
 किन्नरद्वन्द्वशापान्तप्रदात्रे नमः ६०  
 विभवे नमः  
 वैखानसमुनिश्रेष्ठपूजिताय नमः  
 सिंहाचलनिवासाय नमः  
 श्रीमन्नारायणाय नमः  
 सद्भक्तनीलकण्ठार्च्यनृसिंहाय नमः  
 कुमुदाक्षगणश्रेष्ठसेनापत्य-  
 प्रदाय नमः  
 दुर्मेधः प्राणहर्त्रे नमः

श्रीधराय नमः  
 क्षत्रियान्तकरामाय नमः  
 मत्स्यरूपाय नमः ७०  
 पाण्डवारिप्रहर्त्रे नमः  
 श्रीकराय नमः  
 उपत्यकाप्रदेशस्थशङ्कर-  
 ध्यानमूर्तये नमः  
 रुक्माञ्जसरसीकूललक्ष्मीकृत-  
 तपस्विने नमः  
 लसल्लक्ष्मीकराम्भोजदत्त-  
 कल्हारकस्त्रजे नमः  
 शालग्रामनिवासाय नमः  
 शुकदृग्गोचराय नमः  
 नारायणार्थिताशेषजन-  
 दृग्विषयाय नमः  
 मृगयारसिकाय नमः  
 ऋषभासुरहारिणे नमः ८०  
 अञ्जनागोत्रपतये नमः  
 वृषभाचलवासिने नमः  
 अञ्जनासुतदात्रे नमः  
 माधवीयाघहारिणे नमः  
 प्रियाङ्गुप्रियभक्षाय नमः  
 श्वेतकोलवराय नमः  
 नीलधेनुपयोधारासेक-  
 देहोद्भवाय नमः

शङ्करप्रियमित्राय नमः  
 चोलपुत्रप्रियाय नमः  
 सुधर्मिणे नमः ९०  
 सुचैतन्यप्रदात्रे नमः  
 मधुघातिने नमः  
 कृष्णारख्यविप्रवेदान्तदेशिकत्व-  
 प्रदाय नमः  
 वराहाचलनाथाय नमः  
 बलभद्राय नमः  
 त्रिविक्रमाय नमः  
 महते नमः  
 हृषीकेशाय नमः  
 अच्युताय नमः  
 नीलाद्रिनिलयाय नमः १००  
 क्षीराब्धिनाथाय नमः  
 वैकुण्ठाचलवासिने नमः  
 मुकुन्दाय नमः  
 अनन्ताय नमः  
 विरिञ्चाभ्यर्तितानीतसौम्य-  
 रूपाय नमः  
 सुवर्णमुखरीस्नातमनुजाभीष्ट-  
 दायिने नमः  
 हलायुधजगत्तीर्थसमस्त-  
 फलदायिने नमः  
 गोविन्दाय नमः  
 श्रीनिवासाय नमः



॥ इति श्री वराहपुराणे श्री वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

ओङ्कारपरमार्थाय नमः  
 नरनारायणात्मकाय नमः  
 मोक्षलक्ष्मीप्राणकान्ताय नमः  
 वेङ्कटाचलनायकाय नमः  
 करुणापूर्णहृदयाय नमः  
 टेङ्कारजपसुप्रीताय नमः  
 शास्त्रप्रमाणगम्याय नमः  
 यमाद्यष्टाङ्गगोचराय नमः  
 भक्तलोकैकवरदाय नमः  
 वरेण्याय नमः १०  
 भयनाशनाय नमः  
 यजमानस्वरूपाय नमः  
 हस्तन्यस्तसुदर्शनाय नमः  
 रमावतारमङ्गेशाय नमः  
 णाकारजपसुप्रीताय नमः  
 यज्ञेशाय नमः  
 गतिदात्रे नमः  
 जगतीवल्लभाय नमः  
 वराय नमः  
 रक्षःसन्दोहसंहर्त्रे नमः २०  
 वर्चस्विने नमः  
 रघुपुङ्गवाय नमः

दानधर्मपराय नमः  
 याजिने नमः  
 घनश्यामलविग्रहाय नमः  
 हरादिसर्वदेवेड्याय नमः  
 रामाय नमः  
 यदुकुलाग्रण्ये नमः  
 श्रीनिवासाय नमः  
 महात्मने नमः ३०  
 तेजस्विने नमः  
 तत्त्वसन्निधये नमः  
 त्वमर्थलक्ष्यरूपाय नमः  
 रूपवते नमः  
 पावनाय नमः  
 यशसे नमः  
 सर्वेशाय नमः  
 कमलाकान्ताय नमः  
 लक्ष्मीसल्लापसम्मुखाय नमः  
 चतुर्मुखप्रतिष्ठात्रे नमः ४०  
 राजराजवरप्रदाय नमः  
 चतुर्वेदशिरोरत्नाय नमः  
 रमणाय नमः  
 नित्यवैभवाय नमः

दासवर्गपरित्रात्रे नमः  
 नारदादिमुनिस्तुताय नमः  
 यादवाचलवासिने नमः  
 खिद्यद्भक्तार्तिभञ्जनाय नमः  
 लक्ष्मीप्रसादकाय नमः  
 विष्णवे नमः ५०  
 देवेशाय नमः  
 रम्यविग्रहाय नमः  
 माधवाय नमः  
 लोकनाथाय नमः  
 लालिताखिलसेवकाय नमः  
 यक्षगन्धर्ववरदाय नमः  
 कुमाराय नमः  
 मातृकार्चिताय नमः  
 रटद्वालकपोषिणे नमः  
 शेषशैलकृतस्थलाय नमः ६०  
 षाङ्गुण्यपरिपूर्णाय नमः  
 द्वैतदोषनिवारणाय नमः  
 तिर्यग्जन्त्वर्चिताङ्घ्रये नमः  
 नेत्रानन्दकरोत्सवाय नमः  
 द्वादशोत्तमलीलाय नमः  
 दरिद्रजनरक्षकाय नमः  
 शत्रुकृत्यादिभीतिघ्नाय नमः  
 भुजङ्गशयनप्रियाय नमः  
 जाग्रद्रहस्यावासाय नमः  
 यस्मै नमः ७०

शिष्टपरिपालकाय नमः  
 वरेण्याय नमः  
 पूर्णबोधाय नमः  
 जन्मसंसारभेषजाय नमः  
 कार्तिकेयवपुर्धारिणे नमः  
 यतिशेखरभाविताय नमः  
 नरकादिभयध्वंसिने नमः  
 रथोत्सवकलाधराय नमः  
 लोकार्चामुख्यमूर्तये नमः  
 केशवाद्यवतारवते नमः ८०  
 शास्त्रश्रुतानन्तलीलाय नमः  
 यमशिक्षानिबर्हणाय नमः  
 मानसंरक्षणपराय नमः  
 इरिणाङ्कुरधान्यदाय नमः  
 नेत्रहीनाक्षिदायिने नमः  
 मतिहीनमतिप्रदाय नमः  
 हिरण्यदानग्राहिणे नमः  
 मोहजालनिकृन्तनाय नमः  
 दधिलाजाक्षतार्च्याय नमः  
 यातुधानविनाशनाय नमः ९०  
 यजुर्वेदशिखागम्याय नमः  
 वेङ्कटाय नमः  
 दक्षिणास्थिताय नमः  
 सारपुष्करिणीतीराय नमः  
 रात्रौ देवगणार्चिताय नमः  
 यत्नवत्फलसन्धात्रे नमः

श्रीञ्जपाद्धनवृद्धिकृते नमः  
 क्लीङ्कारजपकाम्यार्थ-  
 प्रदानसदयान्तराय नमः  
 सौं सर्वसिद्धिसन्धात्रे नमः  
 नमस्कर्तुरभीष्टदाय नमः १००  
 मोहितखिललोकाय नमः  
 नानारूपव्यवस्थिताय नमः

राजीवलोचनाय नमः  
 यज्ञवराहाय नमः  
 णगवेङ्कटाय नमः  
 तेजोराशीक्षणाय नमः  
 स्वामिने नमः  
 हार्दाविद्यानिवारणाय नमः १०८  
 श्रीवेङ्कटेश्वराय नमः

नामावल्याः प्रत्येकनाम्नः प्रथमाक्षर-संयोजनेन—ओं नमो वेङ्कटेशाय  
 भवभयहरणाय गजवरवरदायाघहराय श्रीमते तत्त्वरूपाय  
 सकलचराचरनिदानायाखिलविदे रमालोलाय कुमारशेषाद्वैतिने  
 द्वादशभुजाय शिवपूजकाय नरलोकेशाय मायिने महिमोदयाय वेदसाराय  
 श्रीं क्लीं सौं नमो नारायण ते स्वाहा—इति मन्त्रम् उपलभ्यते।

॥ इति श्री वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः ॥

वाराणस्यां विशालाक्ष्यै नमः  
 नैमिषे लिङ्गधारिण्यै नमः  
 प्रयागे ललितादेव्यै नमः  
 गन्धमादने कामाक्ष्यै नमः  
 मानसे कुमुदायै नमः  
 अम्बरे विश्वकायायै नमः  
 गोमन्ते गोमत्यै नमः  
 मन्दरे कामचारिण्यै नमः  
 चैत्ररथे मदोत्कटायै नमः

हस्तिनापुरे जयन्त्यै नमः १०  
 कान्यकुब्जे गौर्यै नमः  
 मलयपर्वते रम्भायै नमः  
 एकाम्रके कीर्तिमत्यै नमः  
 विश्वे विश्वेश्वर्यै नमः  
 पुष्करे पुरुहूतायै नमः  
 केदारो मार्गदायिन्यै नमः  
 हिमवतःपृष्ठे नन्दायै नमः  
 गोकर्णे भद्रकर्णिकायै नमः

स्थानेश्वरे भवान्यै नमः  
 बिल्वके बिल्वपत्रिकायै नमः २०  
 श्रीशैले माधव्यै नमः  
 भद्रेश्वरे भद्रायै नमः  
 वराहशैले जयायै नमः  
 कमलालये कमलायै नमः  
 रुद्रकोट्यां रुद्राण्यै नमः  
 कालञ्जरे गिरौ काल्यै नमः  
 महालिङ्गे कपिलायै नमः  
 मर्कोटे मुकुटेश्वर्यै नमः  
 शालग्रामे महादेव्यै नमः  
 शिवलिङ्गे जलप्रियायै नमः ३०  
 मायापुर्यां कुमार्यै नमः  
 सन्ताने ललितायै नमः  
 सहस्राक्षे उत्पलाक्ष्यै नमः  
 कमलाक्षे महोत्पलायै नमः  
 गङ्गायां मङ्गलायै नमः  
 पुरुषोत्तमे विमलायै नमः  
 विपाशायां अमोघाक्ष्यै नमः  
 पुण्ड्रवर्धने पाटलायै नमः  
 सुपार्श्वे नारायण्यै नमः  
 विकूटे भद्रसुन्दर्यै नमः ४०  
 विपुले विपुलायै नमः  
 मलयाचले कल्याण्यै नमः  
 कोटितीर्थे कोटव्यै नमः  
 माधवे वने सुगन्धायै नमः

कुब्जाम्रके त्रिसन्ध्यायै नमः  
 गङ्गाद्वारे रतिप्रियायै नमः  
 शिवकुण्डे सुनन्दायै नमः  
 देविकातटे नन्दिन्यै नमः  
 द्वारवत्यां रुक्मिण्यै नमः  
 वृन्दावने वने राधायै नमः ५०  
 मथूरायां देविकायै नमः  
 पाताले परमेश्वर्यै नमः  
 चित्रकूटे सीतायै नमः  
 विन्ध्ये विन्ध्याधिवासिन्यै नमः  
 सह्याद्रौ एकवीरायै नमः  
 हरिश्चन्द्रे चन्द्रिकायै नमः  
 रामतीर्थे रमणायै नमः  
 यमुनायां मृगावत्यै नमः  
 करवीरे महालक्ष्म्यै नमः  
 विनायके उमादेव्यै नमः ६०  
 वैद्यनाथे अरोगायै नमः  
 महाकाले महेश्वर्यै नमः  
 उष्णतीर्थेषु अभयायै नमः  
 विन्ध्यकन्दरे अमृतायै नमः  
 माण्डव्ये माण्डव्यै नमः  
 महेश्वरे पुरे स्वाहायै नमः  
 छागलाण्डे प्रचण्डायै नमः  
 मकरन्दके चण्डिकायै नमः  
 सोमेश्वरे वरारोहायै नमः  
 प्रभासे पुष्करावत्यै नमः ७०

सरस्वत्यां पारावारतटे  
 देवमात्रे नमः  
 महालये महाभागायै नमः  
 पयोष्ण्यां पिङ्गलेश्वर्यै नमः  
 कृतशौचे सिंहिकायै नमः  
 कार्तिकेये यशस्कर्यै नमः  
 उत्पलावर्तके लोलायै नमः  
 शोणसङ्गमे सुभद्रायै नमः  
 सिद्धपुरे मात्रे लक्ष्म्यै नमः  
 भरताश्रमे अङ्गनायै नमः  
 जालन्धरे विश्वमुख्यै नमः ८०  
 किष्किन्धर्पवर्ते तारायै नमः  
 देवदारुवने पुष्ट्यै नमः  
 काश्मीर मण्डले मेधायै नमः  
 हिमाद्रौ भीमादेव्यै नमः  
 विश्वेश्वरे पुष्ट्यै नमः  
 कपालमोचने शुद्ध्यै नमः  
 कायावरोहणे मात्रे नमः  
 शङ्खोद्धारे ध्वन्यै नमः  
 पिण्डारके धृत्यै नमः

चद्रभागायां कालायै नमः ९०  
 अक्षोदे शिवकारिण्यै नमः  
 वेणायां अमृतायै नमः  
 बदर्या उर्वश्यै नमः  
 उत्तरकुरौ औषध्यै नमः  
 कृशद्वीपे कुशोदकायै नमः  
 हेमकूटे मन्मथायै नमः  
 मुकुटे सत्यवादिन्यै नमः  
 अश्वत्थे वन्दनीयायै नमः  
 वैश्रवणालये निधये नमः  
 वेदवदने गायत्र्यै नमः १००  
 शिवसन्निधौ पार्वत्यै नमः  
 देवलोक इन्द्राण्यै नमः  
 ब्रह्मास्येषु सरस्वत्यै नमः  
 सूर्यबिम्बे प्रभायै नमः  
 मातृणां वैष्णव्यै नमः  
 सतीनां अरुन्धत्यै नमः  
 रामासु तिलोत्तमायै नमः  
 सर्वशरीरिणां चित्ते  
 ब्रह्मकलानामशक्त्यै नमः

॥ इति श्री मत्स्यमहापुराणे श्री शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः  
 सम्पूर्णा ॥

॥ शिवाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

शिवाय नमः  
 महेश्वराय नमः  
 शम्भवे नमः  
 पिनाकिने नमः  
 शशिशेखराय नमः  
 वामदेवाय नमः  
 विरूपाक्षाय नमः  
 कपर्दिने नमः  
 नीललोहिताय नमः  
 शङ्कराय नमः १०  
 शूलपाणिने नमः  
 खट्वाङ्गिने नमः  
 विष्णुवल्लभाय नमः  
 शिपिविष्टाय नमः  
 अम्बिकानाथाय नमः  
 श्रीकण्ठाय नमः  
 भक्तवत्सलाय नमः  
 भवाय नमः  
 शर्वाय नमः  
 त्रिलोकेशाय नमः २०  
 शितिकण्ठाय नमः  
 शिवाप्रियाय नमः  
 उग्राय नमः  
 कपालिने नमः  
 कामारये नमः  
 अन्धकासुरसूदनाय नमः

गङ्गाधराय नमः  
 ललाटाक्षाय नमः  
 कालकालाय नमः  
 कृपानिधये नमः ३०  
 भीमाय नमः  
 परशुहस्ताय नमः  
 मृगपाणये नमः  
 जटाधराय नमः  
 कैलासवासिने नमः  
 कवचिने नमः  
 कठोराय नमः  
 त्रिपुरान्तकाय नमः  
 वृषाङ्काय नमः  
 वृषभारूढाय नमः ४०  
 भस्मोद्धूलितविग्रहाय नमः  
 सामप्रियाय नमः  
 स्वरमयाय नमः  
 त्रयीमूर्तये नमः  
 अनीश्वराय नमः  
 सर्वज्ञाय नमः  
 परमात्मने नमः  
 सोमसूर्याग्निलोचनाय नमः  
 हविषे नमः  
 यज्ञमयाय नमः ५०  
 सोमाय नमः  
 पञ्चवक्त्राय नमः

सदाशिवाय नमः  
 विश्वेश्वराय नमः  
 वीरभद्राय नमः  
 गणनाथाय नमः  
 प्रजापतये नमः  
 हिरण्यरेतसे नमः  
 दुर्धर्षाय नमः  
 गिरीशाय नमः  
 गिरिशाय नमः  
 अनघाय नमः  
 भुजङ्गभूषणाय नमः  
 भर्गाय नमः  
 गिरिधन्वने नमः  
 गिरिप्रियाय नमः  
 कृत्तिवाससे नमः  
 पुरारातये नमः  
 भगवते नमः  
 प्रमथाधिपाय नमः  
 मृत्युञ्जयाय नमः  
 सूक्ष्मतनवे नमः  
 जगद्धापिने नमः  
 जगद्गुरवे नमः  
 व्योमकेशाय नमः  
 महासेनजनकाय नमः  
 चारुविक्रमाय नमः  
 रुद्राय नमः

६०

७०

भूतपतये नमः  
 स्थाणवे नमः ८०  
 अहये बुध्याय नमः  
 दिगम्बराय नमः  
 अष्टमूर्तये नमः  
 अनेकात्मने नमः  
 सात्त्विकाय नमः  
 शुद्धविग्रहाय नमः  
 शाश्वताय नमः  
 खण्डपरशवे नमः  
 अजाय नमः  
 पाशविमोचकाय नमः ९०  
 मृडाय नमः  
 पशुपतये नमः  
 देवाय नमः  
 महादेवाय नमः  
 अव्ययाय नमः  
 हरये नमः  
 पूषदन्तभिदे नमः  
 अव्यग्राय नमः  
 दक्षाध्वरहराय नमः  
 हराय नमः १००  
 भगनेत्रभिदे नमः  
 अव्यक्ताय नमः  
 सहस्राक्षाय नमः  
 सहस्रपदे नमः

अपवर्गप्रदाय नमः

अनन्ताय नमः

तारकाय नमः

परमेश्वराय नमः

॥ इति शाक्तप्रमोदे श्री शिवाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ शिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः ॥

कैवल्यशैले श्रीकण्ठाय नमः

हिमवति केदाराय नमः

काशीपुर्या विश्वनाथाय नमः

श्रीशैले मल्लिकार्जुनाय नमः

प्रयागे नीलकण्ठेशाय नमः

गयायां रुद्राय नमः

कालञ्जरपुरे नीलकण्ठेश्वराय नमः

द्राक्षारामे भीमेशाय नमः

मायूरे अम्बिकेश्वराय नमः

ब्रह्मावर्ते देवलिङ्गाय नमः १०

प्रभासे शशिभूषणाय नमः

श्वेतहस्तिपुरे श्रीमते

वृषध्वजाय नमः

गोकर्णे गोकर्णेशाय नमः

सोमनाथके सोमेशाय नमः

श्रीरूपे त्यागराजाय नमः

वेदे वेदपुरीश्वराय नमः

भीमारामे भीमेशाय नमः

मन्थने कालिकेश्वराय नमः

मधुरायां चोक्कनाथाय नमः

मानसे माधवेश्वराय नमः २०

श्रीवाञ्छके चम्पकेशाय नमः

पञ्चवट्यां वटेश्वराय नमः

गजारण्ये वैद्येशाय नमः

तीर्थाद्रौ तीर्थकेश्वराय नमः

कुम्भकोणे कुम्भेशाय नमः

लेपाक्ष्यां पापनाशनाय नमः

कण्वपुर्या कण्वेशाय नमः

मध्ये मध्यार्जुनेश्वराय नमः

हरिहरपुरे

श्रीशङ्करनारायणेश्वराय नमः

विरञ्चिपुर्या मार्गेशाय नमः ३०

पञ्चनद्यां गिरीश्वराय नमः

पम्पापुर्या विरूपाक्षाय नमः

सोमाद्रौ मल्लिकार्जुनाय नमः

त्रिमकूटे अगस्त्येशाय नमः

सुब्रह्मण्ये अहिपेश्वराय नमः

महाबलशिलोच्चये



महाबलेश्वराय नमः  
 दक्षिणावर्ते अर्केश्वराय नमः  
 महापुण्ये वेदारण्ये  
 वेदारण्येश्वराय नमः  
 सोमपुर्या मूर्तित्रयात्मकाय  
 सोमेश्वराय नमः  
 अवन्त्यां रामलिङ्गेशाय नमः ४०  
 काश्मीरे विजयेश्वराय नमः  
 महानन्दिपुरे  
 महानन्दिपुरेश्वराय नमः  
 कोटितीर्थे कोटीशाय नमः  
 वृद्धे वृद्धाचलेश्वराय नमः  
 महापुण्ये ककुद्गिरौ  
 गङ्गाधरेश्वराय नमः  
 चामराज्यनगरे  
 चामराजेश्वराय नमः  
 नन्दिगिरौ नन्दीश्वराय नमः  
 बधिराचले चण्डेशाय नमः  
 गरपुरे नञ्जुण्डेशाय नमः  
 शतशृङ्गे अधिपेश्वराय नमः ५०  
 घनानन्दाचले सोमाय नमः  
 नल्लूरे विमलेश्वराय नमः  
 नीडानाथपुरे नीडानाथेश्वराय नमः  
 एकान्ते रामलिङ्गेशाय नमः  
 श्रीनागे कुण्डलीश्वराय नमः  
 श्रीकन्यायां त्रिभङ्गीशाय नमः

उत्सङ्गे राघवेश्वराय नमः  
 मत्स्यतीर्थे तीर्थेशाय नमः  
 त्रिकूटे ताण्डवेश्वराय नमः  
 प्रसन्नपुरे मार्गसहायेशाय नमः ६०  
 गण्डक्यां शिवनाभाय नमः  
 श्रीपतौ श्रीपतीश्वराय नमः  
 धर्मपुर्या धर्मलिङ्गाय नमः  
 कन्याकुब्जे कलाधराय नमः  
 वाणिग्रामे विरिञ्चेशाय नमः  
 नेपाले नकुलेश्वराय नमः  
 जगन्नाथे मार्कण्डेयाय नमः  
 नर्मदातटे स्वयम्भुवे नमः  
 धर्मस्थले मञ्जुनाथाय नमः  
 त्रिरूपके व्यासेशाय नमः ७०  
 स्वर्णावत्यां कलिङ्गेशाय नमः  
 निर्मले पन्नगेश्वराय नमः  
 पुण्डरीके जैमिनीशाय नमः  
 अयोध्यायां मधुरेश्वराय नमः  
 सिद्धवत्यां सिद्धेशाय नमः  
 श्रीकूर्मे त्रिपुरान्तकाय नमः  
 मणिकुण्डलतीर्थे  
 मणिमुक्तानदीश्वराय नमः  
 वटाटव्यां कृत्तिवाससे नमः  
 त्रिवेण्यां सङ्गमेश्वराय नमः  
 स्तनितायां मल्लेशाय नमः ८०  
 इन्द्रकीले अर्जुनेश्वराय नमः

शेषाद्रौ कपिलेशाय नमः  
 पुष्पे पुष्पगिरीश्वराय नमः  
 चित्रकूटे भुवनेशाय नमः  
 उज्जिन्यां कालिकेश्वराय नमः  
 ज्वालामुख्यां शूलटङ्काय नमः  
 मङ्गल्यां सङ्गमेश्वराय नमः  
 तञ्जापुर्यां बृहतीशाय नमः  
 वह्निपुष्करे रामेशाय नमः  
 लङ्काद्वीपे मत्स्येशाय नमः १०  
 गन्धमादने कूर्मेशाय नमः

विन्ध्याचले वराहेशाय नमः  
 अहोबिले नृसिंहाय नमः  
 कुरुक्षेत्रे वामनेशाय नमः  
 कपिलतीर्थके परशुरामेशाय नमः  
 सेतौ रामेश्वराय नमः  
 साकेते बलरामेशाय नमः  
 वारणावते बौद्धेशाय नमः  
 तत्त्वक्षेत्रे कल्कीशाय नमः  
 महेन्द्रके कृष्णेशाय नमः १००

॥ इति ललितागमे ज्ञानपादे शिवलिङ्गप्रादुर्भावपटलान्तर्गते  
 श्रीशिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

सरस्वत्यै नमः  
 महाभद्रायै नमः  
 महामायायै नमः  
 वरप्रदायै नमः  
 श्रीप्रदायै नमः  
 पद्मनिलयायै नमः  
 पद्माक्ष्यै नमः  
 पद्मवक्रकायै नमः  
 शिवानुजायै नमः  
 पुस्तकभृते नमः १०

ज्ञानमुद्रायै नमः  
 रमायै नमः  
 परायै नमः  
 कामरूपायै नमः  
 महाविद्यायै नमः  
 महापातकनाशिन्यै नमः  
 महाश्रयायै नमः  
 मालिन्यै नमः  
 महाभोगायै नमः  
 महाभुजायै नमः २०

महाभागायै नमः  
 महोत्साहायै नमः  
 दिव्याङ्गायै नमः  
 सुरवन्दितायै नमः  
 महाकाल्यै नमः  
 महापाशायै नमः  
 महाकारायै नमः  
 महाङ्कुशायै नमः  
 पीतायै नमः  
 विमलायै नमः ३०  
 विश्वायै नमः  
 विद्युन्मालायै नमः  
 वैष्णव्यै नमः  
 चन्द्रिकायै नमः  
 चन्द्रवदनायै नमः  
 चन्द्रलेखविभूषितायै नमः  
 सावित्र्यै नमः  
 सुरसायै नमः  
 देव्यै नमः  
 दिव्यालङ्कारभूषितायै नमः ४०  
 वाग्देव्यै नमः  
 वसुदायै नमः  
 तीव्रायै नमः  
 महाभद्रायै नमः  
 महाबलायै नमः  
 भोगदायै नमः

भारत्यै नमः  
 भामायै नमः  
 गोविन्दायै नमः  
 गोमत्यै नमः ५०  
 शिवायै नमः  
 जटिलायै नमः  
 विन्ध्यवासायै नमः  
 विन्ध्याचलविराजितायै नमः  
 चण्डिकायै नमः  
 वैष्णव्यै नमः  
 ब्राह्म्यै नमः  
 ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै नमः  
 सौदामिन्यै नमः  
 सुधामूर्त्यै नमः ६०  
 सुभद्रायै नमः  
 सुरपूजितायै नमः  
 सुवासिन्यै नमः  
 सुनासायै नमः  
 विनिद्रायै नमः  
 पद्मलोचनायै नमः  
 विद्यारूपायै नमः  
 विशालाक्ष्यै नमः  
 ब्रह्मजायायै नमः  
 महाफलायै नमः ७०  
 त्रयीमूर्त्यै नमः  
 त्रिकालज्ञायै नमः

त्रिगुणायै नमः  
 शास्त्ररूपिण्यै नमः  
 शुम्भासुरप्रमथिन्यै नमः  
 शुभदायै नमः  
 स्वरात्मिकायै नमः  
 रक्तबीजनिहन्त्र्यै नमः  
 चामुण्डायै नमः  
 अम्बिकायै नमः ८०  
 मुण्डकायप्रहरणायै नमः  
 धूम्रलोचनमर्दन्यै नमः  
 सर्वदेवस्तुतायै नमः  
 सौम्यायै नमः  
 सुरासुरनमस्कृतायै नमः  
 कालरात्र्यै नमः  
 कलाधारायै नमः  
 रूपसौभाग्यदायिन्यै नमः  
 वाग्देव्यै नमः  
 वरारोहायै नमः ९०

वाराह्यै नमः  
 वारिजासनायै नमः  
 चित्राम्बरायै नमः  
 चित्रगन्धायै नमः  
 चित्रमाल्यविभूषितायै नमः  
 कान्तायै नमः  
 कामप्रदायै नमः  
 वन्द्यायै नमः  
 विद्याधरसुपूजितायै नमः  
 श्वेताननायै नमः १००  
 नीलभुजायै नमः  
 चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः  
 चतुराननसाम्राज्यायै नमः  
 रक्तमध्यायै नमः  
 निरञ्जनायै नमः  
 हंसासनायै नमः  
 नीलजङ्घायै नमः  
 ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः

॥ इति श्री सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ सीताष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

श्रीसीतायै नमः  
 जानक्यै नमः  
 देव्यै नमः

वैदेह्यै नमः  
 राघवप्रियायै नमः  
 रमायै नमः

अवनिसुतायै नमः  
 रामायै नमः  
 राक्षसान्तप्रकारिण्यै नमः  
 रत्नगुप्तायै नमः  
 मातुलुङ्ग्यै नमः  
 मैथिल्यै नमः  
 भक्ततोषदायै नमः  
 पद्माक्षजायै नमः  
 कञ्जनेत्रायै नमः  
 स्मितास्यायै नमः  
 नूपुरस्वनायै नमः  
 वैकुण्ठनिलयायै नमः  
 मायै नमः  
 श्रियै नमः  
 मुक्तिदायै नमः  
 कामपूरण्यै नमः  
 नृपात्मजायै नमः  
 हेमवर्णायै नमः  
 मृदुलाङ्ग्यै नमः  
 सुभाषिण्यै नमः  
 कुशाम्बिकायै नमः  
 दिव्यदायै नमः  
 लवमात्रे नमः  
 मनोहरायै नमः  
 हनुमद्वन्दितपदायै नमः  
 मुग्धायै नमः

१०

२०

३०

केयूरधारिण्यै नमः  
 अशोकवनमध्यस्थायै नमः  
 रावणादिकमोहिन्यै नमः  
 विमानसंस्थितायै नमः  
 सुभ्रुवे नमः  
 सुकेश्यै नमः  
 रशनान्वितायै नमः  
 रजोरूपायै नमः  
 सत्त्वरूपायै नमः  
 तामस्यै नमः  
 वह्निवासिन्यै नमः  
 हेममृगासक्तचित्तायै नमः  
 वाल्मीक्याश्रमवासिन्यै नमः  
 पतिव्रतायै नमः  
 महामायायै नमः  
 पीतकौशेयवासिन्यै नमः  
 मृगनेत्रायै नमः  
 बिम्बोष्ठ्यै नमः  
 धनुर्विद्याविशारदायै नमः  
 सौम्यरूपायै नमः  
 दशरथस्तुषायै नमः  
 चामरवीजितायै नमः  
 सुमेधादुहित्रे नमः  
 दिव्यरूपायै नमः  
 त्रैलोक्यपालिन्यै नमः  
 अन्नपूर्णायै नमः

४०

५०

महालक्ष्म्यै नमः

धियै नमः

६०

लज्जायै नमः

सरस्वत्यै नमः

शान्त्यै नमः

पुष्ट्यै नमः

क्षमायै नमः

गौर्यै नमः

प्रभायै नमः

अयोध्यानिवासिन्यै नमः

वसन्तशीतलायै नमः

गौर्यै नमः

७०

स्नानसन्तुष्टमानसायै नमः

रमानामभद्रसंस्थायै नमः

हेमकुम्भपयोधरायै नमः

सुरार्चितायै नमः

धृत्यै नमः

कान्त्यै नमः

स्मृत्यै नमः

मेधायै नमः

विभावयै नमः

लघूदरायै नमः

८०

वरारोहायै नमः

हेमकङ्कणमण्डितायै नमः

द्विजपत्न्यर्पितनिजभूषायै नमः

राघवतोषिण्यै नमः

श्रीरामसेवानिरतायै नमः

रत्नताटङ्कधारिण्यै नमः

रामवामाङ्गसंस्थायै नमः

रामचन्द्रैकरञ्जन्यै नमः

सरयूजलसङ्कीडाकारिण्यै नमः

राममोहिन्यै नमः

९०

सुवर्णतुलितायै नमः

पुण्यायै नमः

पुण्यकीर्त्यै नमः

कलावत्यै नमः

कलकण्ठायै नमः

कम्बुकण्ठायै नमः

रम्भोरुवे नमः

गजगामिन्यै नमः

रामार्पितमनायै नमः

रामवन्दितायै नमः

१००

रामवल्लभायै नमः

श्रीरामपदचिह्नाङ्कायै नमः

रामरामेतिभाषिण्यै नमः

रामपर्यङ्कशयनायै नमः

रामाङ्घ्रिक्षालिन्यै नमः

वरायै नमः

कामधेन्वन्नसन्तुष्टायै नमः

मातुलुङ्गकरे धृतायै नमः

दिव्यचन्दनसंस्थायै नमः

श्रियै नमः

११०

मूलकासुरमर्दिन्यै नमः

॥ इति श्री आनन्दरामायणे श्री सीताष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ सीताष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

सीतायै नमः  
 सीर-ध्वज-सुतायै नमः  
 सीमातीत-गुणोज्ज्वलायै नमः  
 सौन्दर्य-सार-सर्वस्व-भूतायै नमः  
 सौभाग्य-दायिन्यै नमः  
 देव्यै नमः  
 देवार्चित-पदायै नमः  
 दिव्यायै नमः  
 दशरथ-स्रुषायै नमः  
 रामायै नमः १०  
 राम-प्रियायै नमः  
 रम्यायै नमः  
 राकेन्दु-वदनोज्ज्वलायै नमः  
 वीर्य-शुल्कायै नमः  
 वीर-पत्न्यै नमः  
 वियन्मध्यायै नमः  
 वर-प्रदायै नमः  
 पति-व्रतायै नमः  
 पङ्क्ति-कण्ठ-नाशिन्यै नमः  
 पावन-स्मृतये नमः २०  
 वन्दारु-वत्सलायै नमः  
 वीर-मात्रे नमः

वृत-रघूत्तमायै नमः  
 सम्पत्-कर्यै नमः  
 सदा-तुष्टायै नमः  
 साक्षिण्यै नमः  
 साधु-सम्मतायै नमः  
 नित्यायै नमः  
 नियत-संस्थानायै नमः  
 नित्यानन्दायै नमः ३०  
 नुति-प्रियायै नमः  
 पृथ्व्यै नमः  
 पृथ्वी-सुतायै नमः  
 पुत्र-दायिन्यै नमः  
 प्रकृत्यै परस्यै नमः  
 हनूमत्-स्वामिन्यै नमः  
 हृद्यायै नमः  
 हृदय-स्थायै नमः  
 हताशुभायै नमः  
 हंस-युक्तायै नमः ४०  
 हंस-गतये नमः  
 हर्ष-युक्तायै नमः  
 हताशरायै नमः  
 सार-रूपायै नमः

सार-वचसे नमः  
 साध्व्यै नमः  
 सरमा-प्रियायै नमः  
 त्रिलोक-वन्द्यायै नमः  
 त्रिजटा-सेव्यायै नमः  
 त्रिपथ-गार्चिन्यै नमः ५०  
 त्राण-प्रदायै नमः  
 त्रात-काकायै नमः  
 तृणी-कृत-दशाननायै नमः  
 अनसूया-अङ्गरागाङ्गायै नमः  
 अनसूयायै नमः  
 सूरि-वन्दितायै नमः  
 अशोक-वनिका-स्थानायै नमः  
 अशोकायै नमः  
 शोक-विनाशिन्यै नमः  
 सूर्य-वंश-स्तुषायै नमः ६०  
 सूर्य-मण्डलान्तस्स्थ-  
 वल्लभायै नमः  
 श्रुत-मात्राघ-हरणायै नमः  
 श्रुति-सन्निहितेक्षणायै नमः  
 पुष्प-प्रियायै नमः  
 पुष्पक-स्थायै नमः  
 पुण्य-लभ्यायै नमः  
 पुरातनायै नमः  
 पुरुषार्थ-प्रदायै नमः  
 पूज्यायै नमः

पूत-नाम्ने नमः ७०  
 परन्तपायै नमः  
 पद्म-प्रियायै नमः  
 पद्म-हस्तायै नमः  
 पद्मायै नमः  
 पद्म-मुख्यै नमः  
 शुभायै नमः  
 जन-शोक-हरायै नमः  
 जन्म-मृत्यु-शोक-विनाशिन्यै नमः  
 जगद्-रूपायै नमः  
 जगद्-वन्द्यायै नमः ८०  
 जय-दायै नमः  
 जनकात्मजायै नमः  
 नाथनीय-कटाक्षायै नमः  
 नाथायै नमः  
 नाथैक-तत्परायै नमः  
 नक्षत्र-नाथ-वदनायै नमः  
 नष्ट-दोषायै नमः  
 नयावहायै नमः  
 वह्नि-पाप-हरायै नमः  
 वह्नि-शैत्य-कृते नमः ९०  
 वृद्धि-दायिन्यै नमः  
 वाल्मीकि-गीत-विभवायै नमः  
 वचोतीतायै नमः  
 वराङ्गनायै नमः  
 भक्ति-गम्यायै नमः



|                           |                             |
|---------------------------|-----------------------------|
| भव्य-गुणायै नमः           | विनताघौघ-नाशिन्यै नमः       |
| भात्र्यै नमः              | विधि-वन्दितायै नमः          |
| भरत-वन्दितायै नमः         | लोक-मात्रे नमः              |
| सुवर्णाञ्ज्यै नमः         | लोचनान्त-स्थित-कारुण्य-     |
| सुखकर्यै नमः १००          | सागरायै नमः                 |
| सुग्रीवाङ्गद-सेवितायै नमः | कृताकृत-जगद्धेतवे नमः       |
| वैदेह्यै नमः              | कृत-राज्याभिषेककायै नमः १०८ |

इदम् अष्टोत्तर-शतं सीता-नाम्नां तु या वधूः ।  
भक्ति-युक्ता पठेत् सा तु पुत्र-पौत्रादि-नन्दिता ॥

धन-धान्य-समृद्धा च दीर्घ-सौभाग्य-दर्शिनी ।  
पुंसाम् अपि स्तोत्रम् इदं पठनात् सर्व-सिद्धि-दम् ॥

॥ इति ब्रह्मयामले रामरहस्ये प्रोक्ता श्री-सीता-अष्टोत्तरशत-नामावलिः  
सम्पूर्णा ॥

## ॥ सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

|                   |                       |
|-------------------|-----------------------|
| स्कन्दाय नमः      | द्विषणेत्राय नमः १०   |
| गुहाय नमः         | शक्तिधराय नमः         |
| षण्मुखाय नमः      | पिशिताशप्रभञ्जनाय नमः |
| फालनेत्रसुताय नमः | तारकासुरसंहारिणे नमः  |
| प्रभवे नमः        | रक्षोबलविमर्दनाय नमः  |
| पिङ्गलाय नमः      | मत्ताय नमः            |
| कृत्तिकासूनवे नमः | प्रमत्ताय नमः         |
| शिखिवाहाय नमः     | उन्मत्ताय नमः         |
| द्विषड्भुजाय नमः  | सुरसैन्यसुरक्षकाय नमः |

|                         |    |                     |    |
|-------------------------|----|---------------------|----|
| देवसेनापतये नमः         |    | कमलासनसंस्तुताय नमः |    |
| प्राज्ञाय नमः           | २० | एकवर्णाय नमः        |    |
| कृपालवे नमः             |    | द्विवर्णाय नमः      |    |
| भक्तवत्सलाय नमः         |    | त्रिवर्णाय नमः      |    |
| उमासुताय नमः            |    | सुमनोहराय नमः       |    |
| शक्तिधराय नमः           |    | चतुर्वर्णाय नमः     | ५० |
| कुमाराय नमः             |    | पञ्चवर्णाय नमः      |    |
| क्रौञ्चदारणाय नमः       |    | प्रजापतये नमः       |    |
| सेनानिने नमः            |    | अहस्पतये नमः        |    |
| अग्निजन्मने नमः         |    | अग्निगर्भाय नमः     |    |
| विशाखाय नमः             |    | शमीगर्भाय नमः       |    |
| शङ्करात्मजाय नमः        | ३० | विश्वरेतसे नमः      |    |
| शिवस्वामिने नमः         |    | सुरारिघ्ने नमः      |    |
| गणस्वामिने नमः          |    | हरिद्वर्णाय नमः     |    |
| सर्वस्वामिने नमः        |    | शुभकराय नमः         |    |
| सनातनाय नमः             |    | वटवे नमः            | ६० |
| अनन्तमूर्तये नमः        |    | पटुवेषभृते नमः      |    |
| अक्षोभ्याय नमः          |    | पूष्णे नमः          |    |
| पार्वतीप्रियनन्दनाय नमः |    | गभस्तये नमः         |    |
| गङ्गासुताय नमः          |    | गहनाय नमः           |    |
| शरोद्भूताय नमः          |    | चन्द्रवर्णाय नमः    |    |
| आहूताय नमः              | ४० | कलाधराय नमः         |    |
| पावकात्मजाय नमः         |    | मायाधराय नमः        |    |
| जृम्भाय नमः             |    | महामायिने नमः       |    |
| प्रजृम्भाय नमः          |    | कैवल्याय नमः        |    |
| उज्जृम्भाय नमः          |    | शङ्करात्मजाय नमः    | ७० |

|                         |                        |     |
|-------------------------|------------------------|-----|
| विश्वयोनये नमः          | महाडम्भाय नमः          | ९०  |
| अमेयात्मने नमः          | वृषाकपये नमः           |     |
| तेजोयोनये नमः           | कारणोत्पत्ति-देहाय नमः |     |
| अनामयाय नमः             | कारणातीत-विग्रहाय नमः  |     |
| परमेष्ठिने नमः          | अनीश्वराय नमः          |     |
| परब्रह्मणे नमः          | अमृताय नमः             |     |
| वेदगर्भाय नमः           | प्राणाय नमः            |     |
| विराड्भुताय नमः         | प्राणायामपरायणाय नमः   |     |
| पुलिन्दकन्याभर्त्रे नमः | विरुद्धहन्त्रे नमः     |     |
| महासारस्वतावृताय नमः    | वीरघ्नाय नमः           |     |
| आश्रिताखिलदात्रे नमः    | रक्तश्यामगलाय नमः      | १०० |
| चोरघ्नाय नमः            | सुब्रह्मण्याय नमः      |     |
| रोगनाशनाय नमः           | गुहाय नमः              |     |
| अनन्तमूर्तये नमः        | प्रीताय नमः            |     |
| आनन्दाय नमः             | ब्रह्मण्याय नमः        |     |
| शिखण्डिने नमः           | ब्राह्मणप्रियाय नमः    |     |
| कृतकेतनाय नमः           | वंशवृद्धिकराय नमः      |     |
| डम्भाय नमः              | वेदवेद्याय नमः         |     |
| परमडम्भाय नमः           | अक्षयफलप्रदाय नमः      |     |

॥ इति श्री सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

॥ सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुध  
अष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

सुब्रह्मण्य-हस्ताम्बुजास्त्राय नमः

गुहास्त्राय नमः

ब्रह्मास्त्राय नमः

विष्ण्वास्त्राय नमः

एकादशरुद्रास्त्राय नमः

शिवास्त्राय नमः

क्षूरिकास्त्राय नमः

प्रत्यङ्करास्त्राय नमः

महापाशुपतास्त्राय नमः

महासुदर्शनास्त्राय नमः १०

वृषभास्त्राय नमः

सूर्यास्त्राय नमः

ओङ्कारप्रणवास्त्राय नमः

सर्वशत्रुनाशकास्त्राय नमः

पिनाकपाशादिवरुणास्त्राय नमः

नाराचास्त्राय नमः

सर्वशत्रुध्वंसन-हेतुभूतास्त्राय नमः

शरभास्त्राय नमः

कालानलास्त्राय नमः

बडबानलास्त्राय नमः २०

कालकालाग्न्यास्त्राय नमः

प्रचण्डमारुतवेगास्त्राय नमः

वायव्यास्त्राय नमः

शतसहस्रकोटिप्रकाशास्त्राय नमः

सहस्रज्वालास्त्राय नमः

महाशत्रुभयङ्करास्त्राय नमः

आग्नेयास्त्राय नमः

पराशक्त्यात्मकास्त्राय नमः

वज्रास्त्राय नमः

शक्त्यस्त्राय नमः ३०

दण्डास्त्राय नमः

खड्गास्त्राय नमः

पाशास्त्राय नमः

ध्वजास्त्राय नमः

गदास्त्राय नमः

त्रिशूलास्त्राय नमः

पद्मास्त्राय नमः

चक्रास्त्राय नमः

अस्यास्त्राय नमः

चर्मास्त्राय नमः ४०

कपालास्त्राय नमः

गुडारास्त्राय नमः

कुन्दात्यस्त्राय नमः

परश्वास्त्राय नमः

शङ्खास्त्राय नमः

घण्टास्त्राय नमः

चापास्त्राय नमः

शरास्त्राय नमः

बाणास्त्राय नमः

पुष्पबाणास्त्राय नमः ५०

अङ्कुशास्त्राय नमः

डमरुकास्त्राय नमः

सर्वशक्त्यस्त्राय नमः  
 मुसलास्त्राय नमः  
 हलास्त्राय नमः  
 तारकासुरसंहारास्त्राय नमः  
 सिंहवक्रसंहारास्त्राय नमः  
 गजमुखासुरसंहारास्त्राय नमः  
 अजमुखासुरसंहारास्त्राय नमः  
 भानुगोपासुरसंहारास्त्राय नमः ६०  
 उग्रगोपासुरसंहारास्त्राय नमः  
 महापद्मासुरध्वंसकास्त्राय नमः  
 कृत्तिकासुरभञ्जनास्त्राय नमः  
 असुरकुलान्तकास्त्राय नमः  
 नववीरपूजितास्त्राय नमः  
 वीरबाहूवन्दितास्त्राय नमः  
 षड्चक्रास्त्राय नमः  
 फट्कारास्त्राय नमः  
 हूमफट् कारास्त्राय नमः  
 सर्वव्याधिविनाशकास्त्राय नमः ७०  
 सर्वमृत्युप्रशमनास्त्राय नमः  
 सर्वरोगहरास्त्राय नमः  
 सर्वजनाकर्षणास्त्राय नमः  
 सर्वधनाकर्षणास्त्राय नमः  
 सर्वशापपरिपूर्णास्त्राय नमः  
 सर्वशब्दाकर्षणास्त्राय नमः  
 सर्वरसाकर्षणास्त्राय नमः  
 सर्वबुद्ध्याकर्षणास्त्राय नमः

सर्वकामाकर्षणास्त्राय नमः  
 सर्वबीजाकर्षणास्त्राय नमः ८०  
 सर्वभोगाकर्षणास्त्राय नमः  
 सर्वविघ्नप्रशमनास्त्राय नमः  
 सर्वधैर्याकर्षणा स्त्राय नमः  
 सर्वसिद्धिप्रदायकास्त्राय नमः  
 सर्वरक्षाकरास्त्राय नमः  
 सर्वसम्पत्-प्रदायकास्त्राय नमः  
 सर्वदुःखविमोचनास्त्राय नमः  
 सर्वमङ्गलप्रदायकास्त्राय नमः  
 कलिदोषहरास्त्राय नमः  
 कलिपापहरास्त्राय नमः ९०  
 करुणापूरितास्त्राय नमः  
 कामितार्थप्रदास्त्राय नमः  
 सर्वभूतोच्छाटनास्त्राय नमः  
 सर्ववैद्योन्मादमोचनास्त्राय नमः  
 परमन्त्रतन्त्रयन्त्राभिचारो-  
 च्छाडनास्त्राय नमः  
 सत्सन्तानप्रदास्त्राय नमः  
 स्कन्दास्त्राय नमः  
 षण्मुखास्त्राय नमः  
 शरवणास्त्राय नमः  
 कार्तिकेयास्त्राय नमः १००  
 कुमारास्त्राय नमः  
 शिखिवाहनास्त्राय नमः  
 द्विषड्भुजास्त्राय नमः

द्विषणेत्रास्त्राय नमः  
विशाखास्त्राय नमः  
बाहुलेयास्त्राय नमः

पार्वतीप्रियनन्दनास्त्राय नमः  
षाण्मातुरास्त्राय नमः

॥ इति श्री सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्तिथस्य अस्त्रायुधाष्टोत्तरशतनामावलिः  
सम्पूर्णा ॥

## ॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

अरुणाय नमः  
शरण्याय नमः  
करुणारससिन्धवे नमः  
असमानबलाय नमः  
आर्तरक्षकाय नमः  
आदित्याय नमः  
आदिभूताय नमः  
अखिलागमवेदिने नमः  
अच्युताय नमः  
अखिलज्ञाय नमः १०  
अनन्ताय नमः  
इनाय नमः  
विश्वरूपाय नमः  
इज्याय नमः  
इन्द्राय नमः  
भानवे नमः  
इन्दिरामन्दिराप्ताय नमः

वन्दनीयाय नमः  
ईशाय नमः  
सुप्रसन्नाय नमः २०  
सुशीलाय नमः  
सुवर्चसे नमः  
वसुप्रदाय नमः  
वसवे नमः  
वासुदेवाय नमः  
उज्ज्वल नमः  
उग्ररूपाय नमः  
ऊर्ध्वगाय नमः  
विवस्वते नमः  
उद्यत्किरणजालाय नमः ३०  
हृषीकेशाय नमः  
ऊर्जस्वलाय नमः  
वीराय नमः  
निर्जराय नमः

जयाय नमः

ऊरुद्वयाभावरूपयुक्तसारथये नमः

ऋषिवन्द्याय नमः

रुग्धन्त्रे नमः

ऋक्षचक्रचराय नमः

ऋजुस्वभावचित्ताय नमः ४०

नित्यस्तुत्याय नमः

ऋकारमातृकावर्णरूपाय नमः

उज्ज्वलतेजसे नमः

ऋक्षाधिनाथमित्राय नमः

पुष्कराक्षाय नमः

लुप्तदन्ताय नमः

शान्ताय नमः

कान्तिदाय नमः

घनाय नमः

कनत्कनकभूषाय नमः ५०

खद्योताय नमः

लूनिताखिलदैत्याय नमः

सत्यानन्दस्वरूपिणे नमः

अपवर्गप्रदाय नमः

आर्तशरण्याय नमः

एकाकिने नमः

भगवते नमः

सृष्टिस्थित्यन्तकारिणे नमः

गुणात्मने नमः

घृणिभृते नमः ६०

बृहते नमः

ब्रह्मणे नमः

ऐश्वर्यदाय नमः

शर्वाय नमः

हरिदश्वाय नमः

शौरये नमः

दशदिक्सम्प्रकाशाय नमः

भक्तवश्याय नमः

ओजस्कराय नमः

जयिने नमः ७०

जगदानन्दहेतवे नमः

जन्ममृत्युजराव्याधिवर्जिताय नमः

उच्चस्थान समारूढरथस्थाय नमः

असुरारये नमः

कमनीयकराय नमः

अञ्जवल्लभाय नमः

अन्तर्बहिः प्रकाशाय नमः

अचिन्त्याय नमः

आत्मरूपिणे नमः

अच्युताय नमः ८०

अमरेशाय नमः

परस्मै ज्योतिषे नमः

अहस्कराय नमः

रवये नमः

रवये नमः

परमात्मने नमः

|                       |                     |     |
|-----------------------|---------------------|-----|
| तरुणाय नमः            | तेजोरूपाय नमः       |     |
| वरेण्याय नमः          | हिरण्यगर्भाय नमः    |     |
| ग्रहाणां पतये नमः     | सम्पत्कराय नमः      | १०० |
| भास्कराय नमः          | ऐं इष्टार्थदाय नमः  |     |
| आदिमध्यान्तरहिताय नमः | अं सुप्रसन्नाय नमः  |     |
| सौख्यप्रदाय नमः       | श्रीमते नमः         |     |
| सकलजगतां पतये नमः     | श्रेयसे नमः         |     |
| सूर्याय नमः           | सौख्यदायिने नमः     |     |
| कवये नमः              | दीप्तमूर्तये नमः    |     |
| नारायणाय नमः          | निखिलागमवेद्याय नमः |     |
| परेशाय नमः            | नित्यानन्दाय नमः    | १०८ |

॥ इति श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: सम्पूर्णा ॥

## ॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: (महाभारतान्तर्गता) ॥

|               |               |    |
|---------------|---------------|----|
| सूर्याय नमः   | कालाय नमः     |    |
| अर्यमणे नमः   | मृत्यवे नमः   |    |
| भगाय नमः      | धात्रे नमः    |    |
| त्वष्ट्रे नमः | प्रभाकराय नमः |    |
| पूषणे नमः     | पृथिव्यै नमः  |    |
| अर्काय नमः    | अद्ध्यो नमः   |    |
| सवित्रे नमः   | तेजसे नमः     |    |
| रवये नमः      | खाय नमः       |    |
| गभस्तिमते नमः | वायवे नमः     |    |
| अजाय नमः      | परायणाय नमः   | २० |



|                   |    |                           |    |
|-------------------|----|---------------------------|----|
| सोमाय नमः         |    | त्रेतायै नमः              |    |
| बृहस्पतये नमः     |    | द्वापराय नमः              |    |
| शुक्राय नमः       |    | सर्वमलाश्रयाय कलये नमः    |    |
| बुधाय नमः         |    | कलाकाष्ठामुहूर्तेभ्यो नमः | ५० |
| अङ्गारकाय नमः     |    | क्षपायै नमः               |    |
| इन्द्राय नमः      |    | यामाय नमः                 |    |
| विवस्वते नमः      |    | क्षणाय नमः                |    |
| दीप्तांशवे नमः    |    | संवत्सरकराय नमः           |    |
| शुचये नमः         |    | अश्वत्थाय नमः             |    |
| शौरये नमः         | ३० | कालचक्राय विभावसवे नमः    |    |
| शनैश्चराय नमः     |    | शाश्वताय पुरुषाय नमः      |    |
| ब्रह्मणे नमः      |    | योगिने नमः                |    |
| विष्णवे नमः       |    | व्यक्ताव्यक्ताय नमः       |    |
| रुद्राय नमः       |    | सनातनाय नमः               | ६० |
| स्कन्दाय नमः      |    | कालाध्यक्षाय नमः          |    |
| वरुणाय नमः        |    | प्रजाध्यक्षाय नमः         |    |
| यमाय नमः          |    | विश्वकर्मणे नमः           |    |
| वैद्युताग्रये नमः |    | तमोनुदाय नमः              |    |
| जाठरश्चाग्रये नमः |    | वरुणाय नमः                |    |
| ऐन्धनग्रये नमः    | ४० | सागराय नमः                |    |
| तेजसां पतये नमः   |    | अम्शवे नमः                |    |
| धर्मध्वजाय नमः    |    | जीमूताय नमः               |    |
| वेदकर्त्रे नमः    |    | जीवनाय नमः                |    |
| वेदाङ्गाय नमः     |    | अरिघ्ने नमः               | ७० |
| वेदवाहनाय नमः     |    | भूताश्रयाय नमः            |    |
| कृताय नमः         |    | भूतपतये नमः               |    |

सर्वलोकनमस्कृताय नमः

स्रष्ट्रे नमः

संवर्तकाय नमः

वह्नये नमः

सर्वस्यादये नमः

अलोलुपाय नमः

अनन्ताय नमः

कपिलाय नमः

८०

भानवे नमः

कामदाय नमः

सर्वतोमुखाय नमः

जयाय नमः

विशालाय नमः

वरदाय नमः

सर्वधातुनिषेचित्रे नमः

मनः सुपर्णाय नमः

भूतादये नमः

शीघ्रगाय नमः

९०

प्राणधारकाय नमः

धन्वतरये नमः

धूमकेतवे नमः

आदिदेवाय नमः

अदितेः सुताय नमः

द्वादशात्मने नमः

अरविन्दाक्षाय नमः

पितृमातृपितामहेभ्यो नमः

स्वर्गद्वाराय नमः

प्रजाद्वाराय नमः

१००

मोक्षद्वाराय नमः

त्रिविष्टपाय नमः

देहकर्त्रे नमः

प्रशान्तात्मने नमः

विश्वात्मने नमः

विश्वतोमुखाय नमः

चराचरात्मने नमः

सूक्ष्मात्मने नमः

मैत्रेयाय नमः

करुणान्विताय नमः

११०

॥ इति श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे  
श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

॥ हनुमदष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

आञ्जनेयाय नमः  
 महावीराय नमः  
 हनूमते नमः  
 मारुतात्मजाय नमः  
 तत्त्वज्ञानप्रदाय नमः  
 सीतादेवीमुद्राप्रदायकाय नमः  
 अशोकवनिकाच्छेत्रे नमः  
 सर्वमायाविभञ्जनाय नमः  
 सर्वबन्धविमोक्त्रे नमः  
 रक्षोविध्वंसकारकाय नमः १०  
 परविद्यापरीहर्त्रे नमः  
 परशौर्यविनाशनाय नमः  
 परमन्त्रनिराकर्त्रे नमः  
 परयन्त्रप्रभेदकाय नमः  
 सर्वग्रहविनाशिने नमः  
 भीमसेनसहायकृते नमः  
 सर्वदुःखहराय नमः  
 सर्वलोकचारिणे नमः  
 मनोजवाय नमः  
 पारिजातद्रुमूलस्थाय नमः २०  
 सर्वमन्त्रस्वरूपवते नमः  
 सर्वतन्त्रस्वरूपिणे नमः  
 सर्वयन्त्रात्मकाय नमः  
 कपीश्वराय नमः  
 महाकायाय नमः  
 सर्वरोगहराय नमः

प्रभवे नमः  
 बलसिद्धिकराय नमः  
 सर्वविद्यासम्पत्प्रदायकाय नमः  
 कपिसेनानायकाय नमः ३०  
 भविष्यच्चतुराननाय नमः  
 कुमारब्रह्मचारिणे नमः  
 रत्नकुण्डलदीप्तिमते नमः  
 चञ्चलद्वालसन्नद्ध-  
 लम्बमानशिखोज्ज्वलाय नमः  
 गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः  
 महाबलपराक्रमाय नमः  
 कारागृहविमोक्त्रे नमः  
 शृङ्खलाबन्धमोचकाय नमः  
 सागरोत्तारकाय नमः  
 प्राज्ञाय नमः ४०  
 रामदूताय नमः  
 प्रतापवते नमः  
 वानराय नमः  
 केसरीसुताय नमः  
 सीताशोकनिवारणाय नमः  
 अञ्जनागर्भसम्भूताय नमः  
 बालार्कसदृशाननाय नमः  
 विभीषणप्रियकराय नमः  
 दशग्रीवकुलान्तकाय नमः  
 लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः ५०  
 वज्रकायाय नमः

महाद्युतये नमः  
 चिरञ्जीविने नमः  
 रामभक्ताय नमः  
 दैत्यकार्यविघातकाय नमः  
 अक्षहन्त्रे नमः  
 काञ्चनाभाय नमः  
 पञ्चवक्त्राय नमः  
 महातपसे नमः  
 लङ्किणीभञ्जनाय नमः ६०  
 श्रीमते नमः  
 सिंहिकाप्राणभञ्जनाय नमः  
 गन्धमादनशैलस्थाय नमः  
 लङ्कापुरविदाहकाय नमः  
 सुग्रीवसचिवाय नमः  
 धीराय नमः  
 शूराय नमः  
 दैत्यकुलान्तकाय नमः  
 सुरार्चिताय नमः  
 महातेजसे नमः ७०  
 रामचूडामणिप्रदाय नमः  
 कामरूपिणे नमः  
 पिङ्गलाक्षाय नमः  
 वर्धिमैनाकपूजिताय नमः  
 कबलीकृतमार्तण्डमण्डलाय नमः  
 विजितेन्द्रियाय नमः  
 रामसुग्रीवसन्धात्रे नमः

महिरावणमर्दनाय नमः  
 स्फटिकाभाय नमः  
 वागधीशाय नमः ८०  
 नवव्याकृतिपण्डिताय नमः  
 चतुर्बाहवे नमः  
 दीनबन्धवे नमः  
 महात्मने नमः  
 भक्तवत्सलाय नमः  
 सञ्जीवननगाहर्त्रे नमः  
 शुचये नमः  
 वाग्मिने नमः  
 दृढव्रताय नमः  
 कालनेमिप्रमथनाय नमः ९०  
 हरिमर्कटमर्कटाय नमः  
 दान्ताय नमः  
 शान्ताय नमः  
 प्रसन्नात्मने नमः  
 शतकण्ठमदापहृते नमः  
 योगिने नमः  
 रामकथालोलाय नमः  
 सीतान्वेषणपण्डिताय नमः  
 वज्रदंष्ट्राय नमः  
 वज्रनखाय नमः १००  
 रुद्रवीर्यसमुद्भवाय नमः  
 इन्द्रजित्प्रहितामोघ-  
 ब्रह्मास्त्रविनिवारकाय नमः

पार्थध्वजाग्रसंवासिने नमः  
 शरपञ्जरहेलकाय नमः  
 दशबाहवे नमः

लोकपूज्याय नमः  
 जाम्बवत्प्रीतिवर्धनाय नमः  
 सीतासमेतश्रीराम-  
 पादसेवाधुरन्धराय नमः

॥ इति श्री हनुमदष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ हनुमदष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

हनुमते नमः  
 अञ्जना-सूनवे नमः  
 धीमते नमः  
 केसरि-नन्दनाय नमः  
 वातात्मजाय नमः  
 वर-गुणाय नमः  
 वानरेन्द्राय नमः  
 विरोचनाय नमः  
 सुग्रीव-सचिवाय नमः  
 श्रीमते नमः  
 सूर्य-शिष्याय नमः  
 सुख-प्रदाय नमः  
 ब्रह्म-दत्त-वराय नमः  
 ब्रह्म-भूताय नमः  
 ब्रह्मर्षि-सन्नुताय नमः  
 जितेन्द्रियाय नमः  
 जितारातये नमः

१०

राम-दूताय नमः  
 रणोत्कटाय नमः  
 सञ्जीवनी-समाहर्त्रे नमः २०  
 सर्व-सैन्य-प्रहर्षकाय नमः  
 रावणाकम्प्य-सौमित्रि-नयन-  
 स्फुट-भक्तिमते नमः  
 अशोक-वनिका-च्छेदिने नमः  
 सीता-वात्सल्य-भाजनाय नमः  
 विषीदद्-भूमि-तनयार्पित-  
 रामाङ्गुलीयकाय नमः  
 चूडामणि-समानेत्रे नमः  
 राम-दुःखापहारकाय नमः  
 अक्ष-हन्त्रे नमः  
 विक्षतारये नमः  
 तृणीकृत-दशाननाय नमः ३०  
 कुल्या-कल्प-महाम्भोधये नमः  
 सिंहिका-प्राण-नाशनाय नमः

सुरसा-विजयोपाय-वेत्ते नमः  
 सुर-वरार्चिताय नमः  
 जाम्बवन्नुत-माहात्म्याय नमः  
 जीविताहत-लक्ष्मणाय नमः  
 जम्बुमालि-रिपवे नमः  
 जम्भ-वैरि-साध्वस-नाशनाय नमः  
 अस्त्रावध्याय नमः  
 राक्षसारये नमः ४०  
 सेनापति-विनाशनाय नमः  
 लङ्कापुर-प्रदग्ध्रे नमः  
 वालानल-सुशीतलाय नमः  
 वानर-प्राण-सन्दात्रे नमः  
 वालि-सूनु-प्रियङ्कराय नमः  
 महारूप-धराय नमः  
 मान्याय नमः  
 भीमाय नमः  
 भीम-पराक्रमाय नमः  
 भीम-दर्प-हराय नमः ५०  
 भक्त-वत्सलाय नमः  
 भत्सिताशराय नमः  
 रघु-वंश-प्रिय-कराय नमः  
 रण-धीराय नमः  
 रयाकराय नमः  
 भरतार्पित-सन्देशाय नमः  
 भगवच्छिलष्ट-विग्रहाय नमः  
 अर्जुन-ध्वज-वासिने नमः

तर्जिताशर-नायकाय नमः  
 महते नमः ६०  
 महा-मधुर-वाचे नमः  
 महात्मने नमः  
 मातरिश्व-जाय नमः  
 मरुन्नुताय नमः  
 महोदार-गुणाय नमः  
 मधु-वन-प्रियाय नमः  
 महा-धैर्याय नमः  
 महा-वीर्याय नमः  
 मिहिराधिक-कान्तिमते नमः  
 अन्नदाय नमः ७०  
 वसुदाय नमः  
 वाग्मिने नमः  
 ज्ञान-दाय नमः  
 वत्सलाय नमः  
 वशिने नमः  
 वशीकृताखिल-जगते नमः  
 वरदाय नमः  
 वानराकृतये नमः  
 भिक्षु-रूप-प्रतिच्छन्नाय नमः  
 अभीति-दाय नमः ८०  
 भीति-वर्जिताय नमः  
 भूमी-धर-हराय नमः  
 भूति-दायकाय नमः  
 भूत-सन्नुताय नमः

भुक्ति-मुक्ति-प्रदाय नमः  
 भूम्ने नमः  
 भुज-निर्जित-राक्षसाय नमः  
 वाल्मीकि-स्तुत-माहात्म्याय नमः  
 विभीषण-सुहृदे नमः  
 विभवे नमः ९०  
 अनुकम्पा-निधये नमः  
 पम्पा-तीर-चारिणे नमः  
 प्रतापवते नमः  
 ब्रह्मास्त्र-हत-रामादि-  
 जीवनाय नमः  
 ब्रह्म-वत्सलाय नमः  
 जय-वार्ताहराय नमः  
 जेत्रे नमः

जानकी-शोक-नाशनाय नमः  
 जानकी-राम-साहित्य-  
 कारिणे नमः  
 जन-सुख-प्रदाय नमः १००  
 बहु-योजन-गन्त्रे नमः  
 बल-वीर्य-गुणाधिकाय नमः  
 रावणालय-मर्दिने नमः  
 राम-पादाब्ज-वाहकाय नमः  
 राम-नाम-लसद्-वक्त्राय नमः  
 रामायण-कथादृताय नमः  
 राम-स्वरूप-  
 विलसन्मानसाय नमः  
 राम-वल्लभाय नमः १०८

इत्थम् अष्टोत्तर-शतं नाम्नां वातात्मजस्य यः ।  
 अनुसन्ध्यं पठेत् तस्य मारुतिः सम्प्रसीदति ।  
 प्रसन्ने मारुतौ रामो भुक्ति-मुक्ती प्रयच्छति ॥

॥ इति ब्रह्मयामले रामरहस्ये प्रोक्ता श्री-हनुमद्-अष्टोत्तरशत-नामावलिः  
 सम्पूर्णा ॥

॥ हरिहराष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

गोविन्दाय नमः  
 माधवाय नमः  
 मुकुन्दाय नमः

हरये नमः  
 मुरारये नमः  
 शम्भवे नमः

|                |    |                   |    |
|----------------|----|-------------------|----|
| शिवाय नमः      |    | शङ्कराय नमः       |    |
| ईशाय नमः       |    | चन्द्रचूडाय नमः   |    |
| शशिशेखराय नमः  |    | नारायणाय नमः      |    |
| शूलपाणये नमः   | १० | असुरनिबर्हणाय नमः |    |
| दामोदराय नमः   |    | शार्ङ्गपाणये नमः  |    |
| अच्युताय नमः   |    | मृत्युञ्जयाय नमः  |    |
| जनार्दनाय नमः  |    | उग्राय नमः        |    |
| वासुदेवाय नमः  |    | विषमेक्षणाय नमः   | ४० |
| गङ्गाधराय नमः  |    | कामशत्रवे नमः     |    |
| अन्धकरिपवे नमः |    | श्रीकान्ताय नमः   |    |
| हराय नमः       |    | पीतवसनाय नमः      |    |
| नीलकण्ठाय नमः  |    | अम्बुदनीलाय नमः   |    |
| वैकुण्ठाय नमः  |    | शौरये नमः         |    |
| कैटभरिपवे नमः  | २० | ईशानाय नमः        |    |
| कमठाय नमः      |    | कृत्तिवसनाय नमः   |    |
| अञ्जपाणये नमः  |    | त्रिदशैकनाथाय नमः |    |
| भूतेशाय नमः    |    | लक्ष्मीपतये नमः   |    |
| खण्डपरशवे नमः  |    | मधुरिपवे नमः      | ५० |
| मृडाय नमः      |    | पुरुषोत्तमाय नमः  |    |
| चण्डिकेशाय नमः |    | आद्याय नमः        |    |
| विष्णवे नमः    |    | श्रीकण्ठाय नमः    |    |
| नृसिंहाय नमः   |    | दिग्वसनाय नमः     |    |
| मधुसूदनाय नमः  |    | शान्ताय नमः       |    |
| चक्रपाणये नमः  | ३० | पिनाकपाणये नमः    |    |
| गौरीपतये नमः   |    | आनन्दकन्दाय नमः   |    |
| गिरिशाय नमः    |    | धरणीधराय नमः      |    |



पद्मनाभाय नमः  
 सर्वेश्वराय नमः ६०  
 त्रिपुरसूदनाय नमः  
 देवदेवाय नमः  
 ब्रह्माण्यदेवाय नमः  
 गरुडध्वजाय नमः  
 शङ्खपाणये नमः  
 त्र्यक्षाय नमः  
 उरगाभरणाय नमः  
 बालमृगाङ्कमौलिने नमः  
 श्रीरामाय नमः  
 राघवाय नमः ७०  
 रमेश्वराय नमः  
 रावणारये नमः  
 भूतेशाय नमः  
 मन्मथरिपवे नमः  
 प्रमथाधिनाथाय नमः  
 चाणूरमर्दनाय नमः  
 हृषीकपतये नमः  
 मुरारये नमः  
 शूलिने नमः  
 गिरीशाय नमः ८०  
 रजनीशकलावतंसाय नमः  
 कंसप्रणाशनाय नमः  
 सनातनाय नमः

केशिनाशाय नमः  
 भर्गाय नमः  
 त्रिनेत्राय नमः  
 भवाय नमः  
 भूतपतये नमः  
 पुरारये नमः  
 गोपीपतये नमः ९०  
 यदुपतये नमः  
 वसुदेवसूनवे नमः  
 कर्पूरगौराय नमः  
 वृषभध्वजाय नमः  
 भालनेत्राय नमः  
 गोवर्धनोद्धरणाय नमः  
 धर्मधुरीणाय नमः  
 गोपाय नमः  
 स्थाणवे नमः  
 त्रिलोचनाय नमः १००  
 पिनाकधराय नमः  
 स्मरारये नमः  
 कृष्णाय नमः  
 अनिरुद्धाय नमः  
 कमलाकराय नमः  
 कल्मषारये नमः  
 विश्वेश्वराय नमः  
 त्रिपथगार्द्रजटाकलापायै नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे काशीखण्डपूर्वार्धे  
यमप्रोक्तं श्री हरिहराष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥



